उत्तर प्रदेश शासन

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

वर्ष 2023-24

का

कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक

(परफार्मेन्स बजट)

प्राक्कथन

विभागीय योजनाओं के वित्तीय एवं भौतिक पक्षों में पारस्परिक सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों/कार्यकलापों का वर्गीकरण करते हुये संस्कृति विभाग का कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक 2023-24 प्रस्तुत किया जा रहा है। आशा है कि आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि के उपयोग पर सूक्ष्म नियंत्रण रखने तथा उसके समतुल्य उपलब्धियॉं प्राप्त करने में यह सहायक होगा।

मुकेश कुमार मेश्राम
प्रमुख सचिव
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

भूमिका

संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश की गौरवमयी धरोहरों, सांस्कृतिक परम्पराओं, पुरावशेषों एवं स्मारकों तथा लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के विकास में अपने तीन निदेशालयों यथा-उ0प्र0 संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय एवं उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय तथा अपनी अशासकीय संस्थाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। प्रदेश की लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं एवं सांस्कृतिक परम्पराओं को गाँव-गाँव तक पहुंचाना, मंच प्रदान करना एवं इनसे सम्बन्धित कार्य भी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से विभाग द्वारा किया जा रहा है।

प्रदेश के विभिन्न अंचलों में समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ युवा नवोदित कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का समुचित अवसर प्राप्त होता है। कला एवं संस्कृति के संवर्धन हेतु विभाग के अधीन स्वायत्तशासी संस्थाएं कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश में कला और संस्कृति को जनमानस से जोड़ने के लिए लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के साथ-साथ ललित कलाओं के विकास का कार्य एवं सांस्कृतिक उत्सव सम्पन्न कराये जाते हैं।

उ0प्र0 सरकार के विभिन्न विभागों एवं अर्द्धशासकीय एवं व्यक्तिगत अधिकारों व स्रोतों से प्राप्त अप्रचलित अभिलेखों के स्थानान्तरण एवं समुचित संरक्षण का कार्य उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ एवं उसकी इकाइयों द्वारा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से वैज्ञानिक ढंग से किया जा रहा है। दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों के डिजिटाईजेशन सम्बन्धी कार्य भी सम्पादित किया जा रहा है।

प्रदेश के विभिन्न भागों व अंचलों में बिखरी पड़ी प्राचीन संस्कृति व सम्पदा के अवशेषों को प्रकाश में लाने एवं भावी पीढ़ियों के लिए उन्हें संरक्षित करने, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्थलों/स्मारकों/पुरावशेषों का सर्वेक्षण, प्राचीन स्मारकों के जीर्णोद्धार एवं परिरक्षण, पुरातात्विक महत्व के स्थलों का उत्खनन, डाक्युमेन्टेशन एवं प्रकाशन आदि का कार्य भी उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा किया जा रहा है। पुरातत्व की महत्ता के प्रति सामान्यजन में अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु पुरातत्व निदेशालय द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विभाग के अधीन प्रदेश में 15 संग्रहालय कार्यरत हैं। जनपद लखनऊ एवं मथुरा संग्रहालय को अपने संग्रह के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त हैं। इन संग्रहालयों में प्रस्तर कलाकृतियां, मृणमूर्तियां, लघुचित्र, सिक्के, हस्तलिखित अभिलेख, पाण्डुलिपियां, धातु, चर्म, कास्ट तथा हाथी दांत आदि की कलावस्तुएं भी उपलब्ध हैं। संग्रहालयों द्वारा सांस्कृतिक सम्पदा, पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अनुरक्षण, संरक्षण तथा प्रदर्शन का कार्य किया जाता है। 03 नवीन वीथिकाओं क्रमशः मृणमूर्ति कला वीथिका, मुद्रा वीथिका एवं प्राणिशास्त्र वीथिका का निर्माण कार्य प्रचलन में है। जनसामान्य में संगहालय की महत्ता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

—----------

विषय-सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ सं.
1.	**वित्तीय आवश्यकताएं**	6
	क - कार्यक्रम तथा कार्य-कलापों का वर्गीकरण	7-17
	ख - उद्देश्यवार वर्गीकरण	18
	ग - वित्तीय स्रोत	19
	घ - राजस्व प्राप्तियॉं	
	भाग - 1	
2-	**संस्कृति निदेशालय**	
	वित्तीय आवश्यकताओं की व्यवस्था	
	1. निदेशन एवं प्रशासन-संस्कृति निदेशालय	22-24
	2. उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ	25-35
	3. भातखण्डे संगीत संस्थान, लखनऊ	36
	4. उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ	37-42
	5. उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ	43-67
	6. भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ	68-71
	7. अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या, फैजाबाद	72-76
	8. जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ	77-84
	9. लोक एवं जन-जातीय कला तथा संस्कृति संस्थान, लखनऊ	85-90
	10. राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ	91-95
	11. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान,	96-102
	12. संतकबीर अकादमी	103-105
	13. कला एवं कलाकारों का सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं वृद्ध कलाकारों को सहायता योजना	106
	14. तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृहों/खुले मंचो का निर्माण	106
	15. फिल्मों का विकास (डाक्यूमेंट्री आडियो विजुअल)	106
	16. लोक कलाकारों को वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु आर्थिक सहायता	106
	17. कल्चरल क्लब की स्थापना	106
	18. मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक संकुल की स्थापना	106
	19. सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण	107
	20. राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार	107
	21. गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान, गोरखपुर की स्थापना	107
	22. पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी के स्मृति भवन की स्थापना	107
	भाग - 2	
3-	उ0 प्र0 पुरातत्व निदेशालय	109-122
	भाग - 3	
4-	उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय	124-175

वित्तीय आवश्यकतायें

क–कार्यक्रम तथा कार्य–कलापों का वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2021–22	आय–व्ययक अनुमान 2022–23	पुनरीक्षित अनुमान 2022–23	आय–व्ययक अनुमान 2023–24
क. संस्कृति निदेशालय					
1	निदेशन एवं प्रशासन	850.52	945.05	816.17	1105.96
2	ललित कलाओं की शिक्षा	2593.97	3006.61	2812.96	4700.22
3	कला और संस्कृति का संवर्धन	212.22	536.00	507.84	600.60
4	पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम का कार्यान्वयन	15.86	17.91	15.28	21.95
5	अभिलेखागार	521.63	756.32	664.29	862.68
6	अन्य व्यय	1679.84	1919.00	2056.60	2596.79
	योग–क	**5874.04**	**7180.89**	**6873.14**	**9888.20**
ख. पुरातत्व निदेशालय					
	निदेशन एवं प्रशासन	475.16	745.14	640.50	851.84
	योग–ख–मतदेय	**475.16**	**745.14**	**640.50**	**851.84**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.03**	**0.05**
ग. संग्रहालय निदेशालय					
	निदेशन एवं प्रशासन	1322.83	2001.55	1821.43	2232.85
	योग–ग	**1322.83**	**2001.55**	**1821.43**	**2232.85**
घ. पूँजीलेखा					
	पूँजीगत व्यय	8364.69	22679.65	20871.55	27702.71
	योग–घ	**8364.69**	**22679.65**	**20871.55**	**27702.71**
महायोग(क+ख+ग+घ) मतदेय		**16036.72**	**32607.23**	**30206.62**	**40675.60**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.03**	**0.05**

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2021-22	आय-व्ययक अनुमान 2022-23	पुनरीक्षित अनुमान 2022-23	आय-व्ययक अनुमान 2023-24
2205-कला एवं संस्कृति					
001-निदेशन एवं प्रशासन					
03	**संस्कृति निदेशालय**				
01	वेतन	195.23	223.00	187.32	245.00
02	मजदूरी	19.70	20.00	20.00	20.00
03	महँगाई भत्ता	49.63	82.51	69.31	110.25
04	यात्रा व्यय	0.00	1.00	1.00	1.00
05	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	0.00	0.50	0.50	0.50
06	अन्य भत्ते	0.05	0.10	0.10	0.11
07	मानदेय	0.00	0.50	0.50	0.55
08	कार्यालय व्यय	2.64	3.00	3.00	3.00
09	विद्युत देय	6.48	22.00	22.00	22.00
10	जलकर	0.14	0.50	0.50	0.50
11	लेखन सामग्री	2.44	2.50	2.50	2.75
12	कार्यालय फर्नीचर	1.99	2.00	2.00	2.00
13	टेलीफोन	1.00	2.00	2.00	2.00
15	पेट्रोल	6.99	10.00	10.00	10.00
16	व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	7.18	10.00	10.00	10.00
18	प्रकाशन	1.56	2.00	2.00	2.00
29	अनुरक्षण	7.99	10.00	10.00	10.00
42	अन्य व्यय	499.40	500.00	420.00	600.00
44	प्रशिक्षण	0.00	1.00	1.00	1.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	1.00	1.00	1.00
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	4.97	5.00	5.00	5.50
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	2.50	3.00	3.00	3.30
49	चिकित्सा व्यय	5.96	12.00	12.00	12.00
51	वर्दी व्यय	0.00	0.50	0.50	0.50
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	1.00	1.00	1.00
55	मकान किराया भत्ता	16.67	19.94	19.94	20.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	18.00	10.00	10.00	20.00
	योग-001	**850.52**	**945.05**	**816.17**	**1105.96**
101-	**ललित कला शिक्षा**				
06	**ललित कला अकादमी**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	171.79	250.00	250.00	250.00

31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	79.21	108.03	90.75	116.13
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
07	**संगीत नाटक अकादमी**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	215.00	215.00	215.00	215.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	148.86	177.93	149.46	191.27
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
08-	**भारतेन्दु नाट्य अका.**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	206.00	206.00	206.00	326.60
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	218.93	265.74	223.22	292.31
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	50.00
09	**कथक केन्द्र**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	0.00	0.00	0.00	0.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	41.71	63.55	53.38	68.32
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
12	**वृन्दावन शो0सं0**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	25.00	30.00	30.00	35.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	53.00	57.77	48.53	62.10
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
13	**अखिल भा0सं0परि0**				
20	सहायता अनुदान	5.00	5.00	5.00	5.50
31	वेतन अनुदान	0.00	0.00	0.00	0.00
16	**जैन विद्या शो0सं0**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	50.00	50.00	50.00	55.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	9.40	20.80	17.47	22.36
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
17	**अयोध्या शोध संस्थान**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	325.00	325.00	325.00	325.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	40.35	67.07	56.34	72.10
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
18	**भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ**				
20	सहायता अनुदान	0.00	0.00	0.00	1000.00
19	**बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ**				
20	सहायता अनुदान	0.00	0.00	0.00	160.84
20	**कथक नृत्य संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	100.00	100.00	100.00	0.00
31	वेतन अनुदान	17.22	46.22	38.82	0.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
21	**भातखण्डे संगीत संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	50.00	50.00	107.65	150.00

31	वेतन अनुदान	565.51	658.58	553.21	707.97
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
22	**जनजाति एवं लोककला संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	35.00	35.00	35.00	100.00
31	वेतन अनुदान	0.00	17.72	14.88	19.05
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
23	**अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	170.00	170.00	170.00	170.00
31	वेतन अनुदान	66.99	87.20	73.25	93.74
24	**हरिऔध कला भवन, आजमगढ़**				
20	सहायता अनुदान	0.00	0.00	0.00	55.37
25	**संगीत महाविद्यालय, हरिहरपुर-आजमगढ़**				
20	सहायता अनुदान	0.00	0.00	0.00	156.56
	योग-101	**2593.97**	**3006.61**	**2812.96**	**4700.22**
102	**कला और संस्कृति का संवर्धन**				
03	**यश भारती पेन्शन**				
42	अन्य व्यय	6.00	6.00	5.04	6.60
04	**भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र**				
20	सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन)	0.00	100.00	100.00	110.00
05	**कैफी आज़मी अकादमी**				
20	सहायता अनुदान	30.00	30.00	30.00	33.00
06	**बेग़म अख्तर पु0**				
42	अन्य व्यय	0.00	15.00	12.60	15.00
07	**कबीर अकादमी की स्थापना**				
20	सहायता अनुदान	25.00	50.00	50.00	75.00
08	**कुम्भ मेला-2019, इलाहाबाद**				
42	अन्य व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00
09	**वृद्ध कलाकारों को पेंशन**				
20	सहायता अनुदान	77.82	150.00	150.00	165.00
16	**क्षेत्रीय सां0 केन्द्र**				
42	अन्य व्यय	73.40	75.00	63.00	75.00
17	**अयोध्या में विभिन्न कार्य**				
20	सहायता अनुदान	0.00	30.00	30.00	33.00
18	**उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान**				
42	अन्य व्यय	0.00	80.00	67.20	88.00
	योग-102	**212.22**	**536.00**	**507.84**	**600.60**
103	**पुरातत्व विज्ञान**				

01	**पुरावशेष योजना**				
01	वेतन	11.58	0.00	0.00	0.00
03	महँगाई भत्ता	2.70	0.00	0.00	0.00
04	यात्रा व्यय	0.12	0.00	0.00	0.00
06	अन्य भत्ते	0.00	0.00	0.00	0.00
08	कार्यालय व्यय	0.04	0.00	0.00	0.00
09	विद्युत देय	0.00	0.00	0.00	0.00
11	लेखन सामग्री	0.00	0.00	0.00	0.00
12	कार्यालय फर्नीचर	0.49	0.00	0.00	0.00
13	टेलीफोन	0.09	0.00	0.00	0.00
17	किराया उपशुल्क	0.00	0.00	0.00	0.00
49	चिकित्सा व्यय	0.22	0.00	0.00	0.35
55	मकान किराया भत्ता	0.62	0.00	0.00	0.84
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.00
61	केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की धनराशि का एस.एन.ए. में अन्तरण	0.00	17.91	17.91	19.70
	योग-01	**15.86**	**17.91**	**17.91**	**20.89**
102	**पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधि0 1972 का कार्यान्वयन योन्तर्गत वेतन का भुगतान**				
01	वेतन	0.00	12.00	10.08	13.20
03	महँगाई भत्ता	0.00	4.44	3.73	5.94
55	मकान किराया भत्ता	0.00	0.70	0.70	0.77
	योग-0102	**0.00**	**17.14**	**14.51**	**19.91**
103	**घटायें-एस.एन.ए. से वेतन की प्रतिपूति- पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधि0 1972 का कार्यान्वयन**				
62	केन्द्र प्रायोजित योजनाओं में भुगतानित वेतन की प्रतिपूर्ति	0.00	-17.14	-17.14	-18.85
	योग 01	**15.86**	**17.91**	**15.28**	**21.95**
03	**पुरातत्व निदेशालय**				
01	वेतन	312.16	463.50	389.34	509.85
02	मजदूरी	0.99	1.00	1.00	1.10
03	महँगाई भत्ता	80.78	171.50	144.06	229.43
04	यात्रा व्यय	3.72	6.00	6.00	6.00
05	स्थानीय यात्रा व्यय	0.00	1.00	1.00	1.00
06	अन्य भत्ते	0.09	1.00	1.00	1.00
07	मानदेय	0.20	0.04	0.04	0.04
08	कार्यालय व्यय	2.95	3.00	3.00	3.30
09	विद्युत देय	4.96	15.00	15.00	15.00
10	जलकर	0.13	0.15	0.15	0.15
11	लेखन सामग्री	0.65	0.70	0.70	0.77

12	कार्यालय फर्नीचर	1.00	1.00	1.00	1.10
13	टेलीफोन	0.35	1.00	1.00	1.10
15	पेट्राल	1.00	1.00	1.00	1.10
17	किराया उपशुल्क	1.44	3.00	3.00	3.00
18	प्रकाशन	1.49	1.50	1.50	1.50
29	अनुरक्षण	9.94	10.00	10.00	10.00
42	अन्य व्यय मतदेय	13.45	19.00	15.96	20.00
	भारित	0.00	0.05	0.04	0.60
44	प्रशिक्षण	0.00	1.00	1.00	1.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	1.00	1.00	1.00
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	0.69	2.00	2.00	2.00
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	1.31	1.50	1.50	1.65
49	चिकित्सा व्यय	9.98	10.00	10.00	10.00
51	वर्दी	0.00	0.25	0.25	0.25
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	0.00	0.00	0.00
55	मकान किराया भत्ता	22.88	25.00	25.00	25.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	5.00	5.00	5.00	5.50
	योग-03 मतदेय	**475.16**	**745.14**	**640.50**	**851.84**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.60**
	योग-103 मतदेय	**491.02**	**763.05**	**655.78**	**873.79**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.60**
104	**अभिलेखागार**				
03	**राज्य अभिलेख**				
01	वेतन	332.68	397.93	334.26	437.72
02	मजदूरी	0.45	7.00	7.00	7.00
03	महँगाई भत्ता	86.51	147.23	123.67	196.97
04	यात्रा व्यय	1.80	2.00	2.00	2.00
05	स्थाना0 यात्रा व्यय	0.39	1.00	1.00	1.00
06	अन्य भत्ते	0.00	0.00	0.00	0.00
07	मानदेय	0.00	0.50	0.50	0.50
08	कार्यालय व्यय	5.03	5.25	5.25	5.25
09	विद्युत देय	6.03	30.00	30.00	33.00
10	जलकर	0.12	20.40	20.40	22.44
11	लेखन सामग्री	1.49	2.50	2.50	2.50
12	कार्यालय फर्नीचर	1.58	2.00	2.00	2.20
13	टेलीफोन	0.49	2.00	2.00	2.20
15	पेट्रोल	2.00	2.00	2.00	2.20
17	किराया उपशुल्क	9.91	35.04	35.04	38.54
18	प्रकाशन	0.96	2.50	2.50	2.75

19	विज्ञापन, बिक्री आदि	0.00	0.50	0.50	0.50
22	आतिथ्य व्यय	0.49	0.50	0.50	0.50
26	मशीनें	0.17	5.00	5.00	5.00
29	अनुरक्षण	2.82	5.00	5.00	5.00
42	अन्य व्यय	28.77	30.00	25.20	33.00
44	प्रशिक्षण	0.00	2.00	2.00	2.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	2.60	2.60	2.60
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	2.18	3.00	3.00	3.00
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	2.18	2.50	2.50	2.50
49	चिकित्सा व्यय	9.12	10.00	10.00	11.00
51	वर्दी व्यय	0.00	1.50	1.50	1.50
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	0.00	0.00	0.00
55	मकान किराया भत्ता	26.46	34.37	34.37	37.81
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.00	2.00	2.00	2.00
	योग-104	**521.63**	**756.32**	**664.29**	**862.68**
107	**संग्रहालय निदेशालय**				
01	वेतन	686.51	1007.85	846.59	1108.64
02	मजदूरी	18.11	20.00	70.00	20.00
03	महँगाई भत्ता	175.54	372.90	313.24	498.89
04	यात्रा व्यय	2.33	5.70	5.70	5.70
05	स्थाना0 यात्रा व्यय	0.70	0.60	0.60	0.60
06	अन्य भत्ते	0.45	2.00	2.00	2.20
07	मानदेय	0.60	1.00	1.00	1.00
08	कार्यालय व्यय	4.21	4.50	4.50	4.50
09	विद्युत देय	88.42	160.00	160.00	176.00
10	जलकर	0.82	1.00	1.00	1.10
11	लेखन सामग्री	2.60	3.30	3.30	3.30
12	कार्यालय फर्नीचर	3.02	4.00	4.00	4.00
13	टेलीफोन	0.68	1.50	1.50	1.50
15	पेट्रोल	2.98	4.00	4.00	4.00
17	किराया उपशुल्क	1.13	1.20	1.20	1.32
18	प्रकाशन	1.36	1.50	1.50	1.50
26	मशीनें और सज्जा	1.89	3.00	3.00	3.00
29	अनुरक्षण	7.80	12.50	12.50	12.50
42	अन्य व्यय	270.56	307.50	258.30	307.50
44	प्रशिक्षण	0.18	2.00	2.00	2.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	2.50	2.50	2.50
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	2.65	3.50	3.50	3.50
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	0.99	1.50	1.50	1.50

49	चिकित्सा व्यय	12.49	15.00	55.00	15.00
51	वर्दी व्यय	0.01	1.00	1.00	1.00
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	0.00	0.00	0.00
55	मकान किराया भत्ता	35.80	61.00	61.00	49.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.00	0.00	0.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	1.00	1.00	1.00	1.10
	योग-107	**1322.83**	**2001.55**	**1821.43**	**2232.85**
107	संग्रहालय निदेशालय-04-शाहजहांपुर में स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय का अनुरक्षण				
29	अनुरक्षण	12.00	54.00	54.00	59.40
800	**अन्य व्यय**				
03	**भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के दिनांक 18.04.2001 के पूर्व के कार्मिकों के सेवानिवृत्तिक देयों हेु पेंशनरी अंशदान**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)				422.39
04	**जनपद आजमगढ़ में हरिहरपुर कजरी महोत्सव**				
42	अन्य व्यय				50.00
05	**नेपाल सीमा से जुड़े हुए उत्तर प्रदेश के जिलों तथा बुन्देलखण्ड के जनपदों में मेलों/महोत्सवों का आयोजन**				
42	अन्य व्यय				200.00
101	**वृन्दावन शो0सं0 को मैचिंग अनुदान**				
35	पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान	0.00	0.00	0.00	0.00
11	**अभिलेखीकरण एवं आर्थिक सहायता**				
42	अन्य व्यय	25.00	0.00	0.00	0.00
12	**12-आजादी का अमृत महोत्सव**				
42	अन्य व्यय	0.00	0.00	420.00	500.00
14	**फिल्मों का विकास**				
42	अन्य व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00
15	**लोक कलाकारों को वाद्ययंत्र अनुदान**				
20	सहायता अनुदान	25.08	100.00	100.00	100.00
16	**कल्चरल क्लब की स्थापना**				
42	अन्य व्यय	40.00	100.00	84.00	100.00
17	**मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन**				
42	अन्य व्यय	23.44	100.00	84.00	100.00
18	**पद्म विभूषण गिरिजा देवी जी की स्मृति में समारोह**				
42	अन्य व्यय	65.00	65.00	54.60	65.00
19	**चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव**				
42	अन्य व्यय	1489.32	1500.00	1260.00	1000.00
	योग-800	**1667.84**	**1865.00**	**2002.60**	**2537.39**

	कुल योग-2205 मतदेय	**7672.03**	**9927.58**	**9335.07**	**12972.89**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.60**
4202	**पूंजीलेखा**				
04	**कला तथा संस्कृति**				
104	**अभिलेखागार**				
03	**राज्य अभिलेख**				
25	लघु निर्माण	0.00	6.00	6.00	6.60
	योग-104	**0.00**	**6.00**	**6.00**	**6.60**
106	**संग्रहालय**				
01	**केन्द्र प्रायोजित योजनायें**				
0101	जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण (के.80/रा.20-के)				
24	वृहद् निर्माण कार्य	0.00	4800.00	4320.00	5280.00
0102	संत कबीर संग्रहालय, वाराणसी (के.80/रा.20-के)				
24	वृहद् निर्माण कार्य	0.00	2000.00	1800.00	2200.00
0103	संग्रहालयों की स्थापना, निर्माण विस्तार एवं उन्नयन का निर्माण (के.80/रा.20-के)				
24	वृहद् निर्माण कार्य	0.00	1600.00	1440.00	1760.00
	योग-01	**0.00**	**8400.00**	**7560.00**	**9240.00**
04	**13वॉ वित्त आयोग**				
0401	ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातत्वीय स्थलों, संग्रहालयों के प्रतिरक्षण एवं संरक्षण तथा प्रमुख विरासत स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों का सुदृढ़ीकरण				
24	वृहत निर्माण कार्य	15.92	0.00	0.00	0.00
07	राज्य संग्रहालय, लखनऊ में अत्याधुनिक तकनीकी के अग्निशमन संयंत्र की स्थापना				
26	मशीनें और सज्जा/उपकरण संयंत्र	20.13	42.61	42.61	46.87
09	**मूर्तियों का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	208.78	250.00	225.00	250.00
10	जनपद बलरामपुर में इमलिया कोडर व उसके आस-पास थारू जाति की संस्कृति के संरक्षण हेतु संग्रहालय				
24	वृहत निर्माण कार्य	236.93	263.00	236.70	289.30
11	प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय लखनऊ				
24	वृहत निर्माण कार्य	484.08	500.00	450.00	550.00
12	मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में संगहालय के कार्य				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
13	शाहजहांपुर में स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय की वीथिकाओं का निर्माण				
24	वृहत निर्माण कार्य	399.77	300.00	270.00	500.00
14	**जनपद मैनपुरी में संग्रहालय का निर्माण**				

24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	500.00
89	**केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश**				
8901	जनजातीय संग्रहालयोंका निर्माण				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1200.00	1080.00	1320.00
8902	संत कबीर संग्रहालय, वाराणसी				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	450.00	550.00
8903	संग्रहालयों की स्थापना, निर्माण विस्तार एवं उन्नयन का निर्माण				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	400.00	360.00	440.00
	योग-89	**0.00**	**2100.00**	**1890.00**	**2310.00**
	योग-106	**1365.61**	**11855.61**	**10674.31**	**13686.17**
800-अन्य व्यय					
01	**के0प्रा0योजनाएं**				
0102	**रा0कथक भ0नि0 (के.60/रा.40.के)**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1307.04	1176.34	1437.74
0103	**संत रविदास संग्रहालय एवं सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी (के.80/रा.20.के)**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	2000.00	1800.00	2200.00
	योग-01	**0.00**	**3307.04**	**2976.34**	**3637.74**
03	**प्रेक्षागृह/खुला मंच का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	300.00	300.00	270.00	700.00
04	**जसवन्त न0पंचवटी**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
05	**फैज़ाबाद में मंच का नि0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	86.00	77.40	86.00
06	**भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय के नये परिसर हेतु भूमि व्यवस्था एवं भूमि निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1.00	0.90	0.00
07	**लखनऊ में उ0प्र0 जनजातीय संग्रहालय का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	10.00	800.00	720.00	800.00
08	**आजमगढ़ हरिऔध**				
24	वृहत निर्माण कार्य	300.00	300.00	270.00	300.00
09	**भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र**				
24	वृहत निर्माण कार्य	3276.00	1500.00	1350.00	1500.00
10	**सांस्कृतिक संकुल, नोएडा**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	60.00	54.00	66.00
11	**निषादराज गुहा सांस्कृतिक केन्द्र, ऋंगवेरपुर**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	450.00	500.00
12	**महर्षि बाल्मीकि सांस्कृतिक केन्द्र, चित्रकूट**				

24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	100.00	90.00	150.00
13	**जनपद आजमगढ के हरिपुर में संगीत महाविद्यालय की स्थापना**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	450.00	550.00
14	**वृन्दावन शो0 सं0, वृन्दावन के भव का जीर्णोद्धार**				
24	वृहत निर्माण कार्य	170.00	100.00	90.00	110.00
15	**स्वतंत्रता के पश्चात् युद्धों में शहीद सेनानियों की स्मृति में शहीद स्मारकों का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	100.00
16	**फैज़ाबाद में संकुल का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1.00	0.90	1.00
17	**स्मारकों का परिरक्षण और निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	500.00
18	**भारतेन्दु नाट्य अकादमी के प्रेक्षागृहों का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	1000.00
30	**आ0इ0कैफी आज़0अ0 कला केन्द्र का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	26.79	1.00	0.90	1.00
32	**जन0बदायूं में प्रे0नि0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	154.71	50.00	45.00	55.00
33	**राज0अभि0,लख0 में आर्का0गैलरी**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	76.00	68.40	83.60
34	**संस्कृति निदेशालय**				
25	लघु निर्माण	122.30	50.00	50.00	50.00
36	**गोरखपुर में प्रेक्षा0 निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	489.65	1.00	0.90	1.10
37	**संगीत ना0अका0 के भवन का सुदृढी0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	200.00	200.00	180.00	200.00
39	**रा0बौद्ध संग्र0,गोरखपुर का सुदृढ़ीकरण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
40	**रामगढ़ताल परि0, गोरखपुर, मुक्ताकाशी मंच**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	20.00	18.00	22.00
41	**सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	105.00	500.00	450.00	500.00
42	**निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला, उन्नाव में स्मृति भवन आदि का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	349.18	275.00	247.50	302.50
43	**पं0 दीनदयाल उपाध्याय, गोरखुपर विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण कार्य**				
24	वृहत निर्माण कार्य	115.40	200.00	180.00	220.00
44	**संत कबीर अकादमी की स्थापना**				

24	वृहत निर्माण कार्य	588.05	500.00	450.00	500.00
45	**मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह के आयोजन हेतु स्मृति संकुल**				
24	वृहत निर्माण कार्य	306.00	340.00	306.00	374.00
48	**जनपद वाराणसी में सांस्कृतिक संकुल का उच्चीकरण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
49	**जनपद चन्दौली के पड़ाव चौरोहे के निकट पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति,मेमोरियल ब्लाक एवं वैदिक उद्यान की स्थापना**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
50	**राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ का जीर्णेद्धार एवं नवीनीकरण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	100.00	100.00	90.00	100.00
51	**अयोध्या में विभिन्न कार्य**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	450.00	405.00	500.00
52	**तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ी0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
53	**रा0बौ संग्रहालय, गोरखपुर की सुविधा हेतु**				
24	वृहत निर्माण कार्य	386.00	500.00	450.00	550.00
89	**केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश**				
8903	संत रविदास संग्रहालय एवं सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	450.00	550.00
	योग-800	**6999.08**	**10818.04**	**10191.24**	**14009.94**
	योग 4202	**8364.69**	**22679.65**	**20871.55**	**27702.71**
	महायोग	**16036.72**	**32607.23**	**30206.62**	**40675.60**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.60**

ग- वित्तीय स्रोत (धनराशि लाख रू0 में)

क्र. सं.	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	वास्तविक व्यय 2021-2022	आय-व्ययक अनुमान 2022-2023	पुनरीक्षित आय-व्ययक अनुमान 2022-23	आय-व्ययक अनुमान 2023-24
संस्कृति विभाग		_				
1	92	2205-कला एवं संस्कृति				
		मतदेय	7672.03	9927.58	9335.07	12972.89
		भारित	0.00	0.05	0.04	0.60
2	92	4202-कला एवं संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय	8364.69	22679.65	20871.55	27702.71
		योग मतदेय	**16036.72**	**32607.23**	**30206.62**	**40675.60**
		भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.60**

घ-राजस्व प्राप्तियॉ

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	मद	वास्तविक व्यय 2021-2022	आय-व्ययक अनुमान 2022-2022	पुनरीक्षित अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-24
संस्कृति विभाग			-	-	-
	0202-शिक्षा, खेलकूद, कला और संस्कृति				
	04-कला और संस्कृति				
1	101-अभिलेखागार और संग्रहालय	70.31	25.28	25.00	26.54
	800-अन्य प्राप्तियॉ	2357.14	6320.29	6250.00	6634.62
	900-घटायें प्राप्तियॉ	0.00	-0.01	-0.01	-0.01
	योग- 0202	**2427.45**	**6345.56**	**6274.99**	**6661.15**
2	1601-केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान				
	04-केन्द्र द्वारा समर्थित योजनागत स्कीमों के लिये अनुदान				
	92-संस्कृति विभाग				
	92-संस्कृति विभाग की प्राप्तियॉ		0.00	0.00	0.00
	योग-1601		**0.00**	**0.00**	**0.00**
	महायोग		**6345.56**	**6274.99**	**6661.15**

भाग - 1

संस्कृति निदेशालय

निदेशन एवं प्रशासन

संस्कृति निदेशालय

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यों का सम्पादन, समन्वय का कार्य विभागाध्यक्ष स्तर पर संस्कृति निदेशालय द्वारा किया जाता है। इसके अन्तर्गत उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र एवं अनेक स्वायत्तशासी संस्थायें यथा- उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ, अयोध्या शोध संस्थान अयोध्या, उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान, लोक एवं जन-जातीय कला एवं संस्कृति संस्थान, राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ सम्मिलित हैं। संस्कृति निदेशालय द्वारा भातखण्डे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय के कार्यों का भी समन्वय किया जा रहा है। साथ ही निदेशालय द्वारा वृन्दावन शोध संस्थान, मथुरा को वेतन तथा गैर वेतन मद में अनुदान दिया जाता है।

कला एवं संस्कृति को जनसामान्य से जोड़ने के लिए प्रदेश के विभिन्न स्थानों में संस्कृति निदेशालय द्वारा स्वयं तथा अपनी अधीनस्थ संस्थाओं के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाता है, जिनमें देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ युवा नवोदित कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन-संर्वधन का समुचित अवसर प्राप्त होता है। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं जनपदों के सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन सम्पूर्ण प्रदेश में किया गया, 'हर घर तिरंगा' आयोजन सहित सांस्कृतिक आयोजनों की दृष्टि से सर्वोच्च रहा है।

आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में देश का सबसे भव्य और वृहद ड्रोन शो का आयोजन पर्यटन विभाग के सहयोग से गोरखपुर में आयोजित किया गया । लगभग 500 से ज्यादा ड्रोन के माध्यम से आकाश में आजादी के नायकों के साथ-साथ कला-संस्कृति की समृद्ध धरोहर एवं अध्यत्मिक प्रतीकों का भव्य प्रदर्शन किया गया । काकोरी ट्रेन एक्शन वर्षगांठ, आजादी के मतवालों की राष्ट्र के प्रति संकल्पना और समर्पण से आज की युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए विभाग द्वारा अमृत यात्रा का आयोजन सफलता के साथ पूर्ण किया है ।

स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी फूकने वाले अमर शहीद मंगल पाण्डेय की जन्मभूमि बलिया में 'मंगल पाण्डेय' जयंती का आयोजन किया गया । भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती,भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती, सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती, वाल्मीकि जयन्ती, गांधी जयन्ती, भारतरत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर जयन्ती, सुशासन दिवस के साथ ही प्रदेश की गौरवशाली परंपरा से आज की युवा पीढ़ी, विद्यार्थियों एवं जनसामान्य को जोड़ने के लिए 24-26 जनवरी तक 'उत्तर प्रदेश' दिवस का आयोजन किया गया।

संगीत नाटक अकादमी एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के साझा सहयोग से त्रिदिवसीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया । अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रभु श्री राम के जीवन मूल्यों को जन-जन पहुंचाने के लिए 'रामायण कानक्लेव' कार्यक्रम का निरंतर आयोजन किया जा रहा है । राज्य ललित कला अकादमी द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में चित्रकला कार्यशाला/प्रदर्शनी, राज्य संग्रहालय एवं पुरातत्व द्वारा 'अभिरूचि पाठ्यक्रम' और विद्यार्थी भ्रमण कार्यक्रम लगातार आयोजित किये जा रहें हैं । विश्व कीर्तिमान के साथ दीपोत्सव-2022 का आयोजन किया गया जो विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र रहा ।

विभाग द्वारा 3000 से अधिक कलाकारों के साथ प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, सोनभद्र में विरसामुंडा के मातृभूमि के प्रति समर्पण को रेखांकित करते हुए उनकी की शौर्य गाथा का चित्रण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न हुआ । उत्तर प्रदेश की समृद्धशाली संस्कृति के साथ राष्ट्र की गौरवपूर्ण संस्कृति को जोड़ते हुए वाराणसी में

तमिल संगमम का अनुपम आयोजन किया गया । आगरा एवं लखनऊ के जी-20 आयोजन में प्रदेश की उत्तम संस्कृति आधारित कार्यक्रमों का प्रदर्शन सहित उल्लेखनीय रहा ।

प्रदेश की विलुप्त होती कलाओं का डिजिटलाइजेशन कराते लघु फिल्मों का निर्माण एवं संगीत नाटक अकादमी द्वारा संस्कार गीतों का अभिलेखीकरण, राज्य संग्रहालय, लखनऊ की कलाकृतियों तथा वन्य पर आधारित ई-बेलेटिन आदि का डिजिटल डाक्युमेन्टेशन के साथ ही राष्ट्रीय मुद्रा मेला 2022 का आयोजन आकर्षण में रहा हैं । राज्य अभिलेखागार की मेजवानी में भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख समिति का 63वां आधिवेशन संपन्न हुआ । विभिन्न अवसरों पर सम्पूर्ण प्रदेश में प्रदर्शिनी लगाई गईं । राज्य पुरातत्व विभाग 'एडोप्ट ए हेरीटेज' के माध्यम से अपनी विरासत को सहेजने का कार्य निरंतर किया जा रहा है । अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, वृंदावन शोध संस्थान, जैन विद्या शोध संस्थान एवं कबीर अकादमी के द्वारा विषयगत संघोष्ठियों के साथ-साथ संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष भर किया गया । भातखण्डे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय समृद्धशाली सांस्कृतिक परम्परा एवं मूर्त-अमूर्त धरोहरों को रोजगार परख पाठ्यक्रमों के माध्यम से अगली पीढ़ी तक पहुंचाने, उनके पल्लवन, प्रदर्शन एवं शोध कार्य के द्वारा बहुउद्देश्यीय दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहा है ।

विभाग की कल्याणकारी योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 60 वर्ष के ऐसे वृद्ध एवं विपन्न कलाकार जो जीवन पर्यन्त कला एवं संस्कृति तथा साहित्य की साधना में संलग्न रहे, किन्तु वृद्धावस्था एवं निम्न स्वास्थ्य के कारण अपनी जीविकोपार्जन में असमर्थ हो गये हैं, उन्हें रू० 2000/- की मासिक पेंशन दी जा रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 406 से अधिक कलाकार उक्त योजना से जुड़े हैं। मासिक पेंशन रू०4000/- प्रतिमाह प्रस्तवित है जिसका लाभ शीघ्र ही वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को प्राप्त होगा । विभाग द्वारा कलाकारों के हितार्थ विस्तृत मानदेय अन्य सुविधाओं सहित निर्धारित किया गया है जिससे उनको सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए पूर्व से अधिक मानदेय प्राप्त होगा । जरूरतमंत कलाकारों को अपनी कला के संरक्षण व प्रदर्शन हेतु वाद्ययंत्र क्रय अनुदान योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा हैं । गजल, दादरा, खयाल एवं ठुमरी के क्षेत्र में लब्ध प्रतिष्ठित कलाकारों को बेगम अख्तर पुरस्कार से विभूषित किया जाता है। बी.एम. शाह पुरस्कार के साथ ही कला, संस्कृति एवं साहित्य जगत की महान विभूतियों को उनके योगदान के सम्मान में अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। नवीन योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ प्रदेश की गौरवपूर्ण सांस्कृतिक परम्परा, धरोहरों के संरक्षण, उन्नयन एवं समृद्धशील विकास के लिए विभाग कृत संकल्पित है।

—----------

संस्कृति निदेशालय उ0प्र0 में वर्तमान समय में स्वीकृत पद

क्र. सं.	पदनाम	वेतन बैण्ड/ग्रेड वेतन	पदों की संख्या	अभियुक्ति
1	2	3	4	5
1	निदेशक	आई0ए0एस0 संवर्गीय	1	
2	वित्त नियन्त्रक	प्रादेशिक वित्त एवं लेखा संवर्ग से	1	
3	संयुक्त निदेशक	78800–209200 लेवल–12	1	
4	उपनिदेशक	67700–208700 लेवल–11	4	एक पद वरिष्ठ पी.सी.एस. संवर्ग से भरा जाता है। वर्तमान समय में इस पद पर अपर निदेशक (आई.ए.एस.) नियुक्त हैं। अपर निदेशक का पद स्वीकृत नहीं है।
5	सहायक निदेशक (सामान्य/निष्पादन कला)	56100–177500 लेवल–10	2	
6	सहायक निदेशक(विधि)	56100–177500 लेवल–10	1	
7	सहायक निदेशक(प्रशासन)	56100–177500 लेवल–10	1	
8	सहायक लेखाधिकारी	47600–151100 लेवल–8	1	
9	प्रोग्राम इक्जीक्यूटिव	44900–142400 लेवल–7	1	
10	प्रशासनिक अधिकारी	44900–142400 लेवल–7	1	
11	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–1	44900–142400 लेवल–7	1	
12	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–2	35400–112400 लेवल–6	3	
13	आशुलिपिक ग्रेड–2	29200–92300 लेवल–5	2	
14	लेखाकार	35400–112400 लेवल–6	3	
15	सहायक लेखाकार	29200–92300 लेवल–5	1	
16	ज्येष्ठ सम्परीक्षक	35400–112400 लेवल–6	2	
17	सम्परीक्षक	29200–92300 लेवल–5	1	
18	प्रधान सहायक	35400–112400 लेवल–6	5	
19	वरिष्ठ सहायक (विधि)	29200–92300 लेवल–5	1	
20	वरिष्ठ सहायक	29200–92300 लेवल–5	1	
21	कनिष्ठ सहायक	21700–69100 लेवल–3	7	
22	प्रोग्राम सहायक	35400–112400 लेवल–6	2	
23	कनिष्ठ प्रोग्राम सहायक	29200–92300 लेवल–5	2	
24	टेक्नीशियन	21700–69100 लेवल–3	1	
25	लाइट टेक्नीशियन	21700–69100 लेवल–3	1	
26	साउण्ड टेक्नीशियन	21700–69100 लेवल–3	1	
27	वीडियो टेक्नीशियन	21700–69100 लेवल–3	1	
28	ड्राइवर	19900–63200 लेवल–2	5	
29	साइक्लोस्टाइल आपरेटर	19900–63200 लेवल–2	1	
30	चपरासी/अर्दली/प्रोग्राम अटैण्डेंट/चौकीदार–कम–कुक/सफाई कर्मचारी/ प्रेक्षागृह परिचर	18000–56900 लेवल–1	18	
		योग	73	

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार

संक्षिप्त परिचय, उद्देश्य

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की स्थापना सन् 1949 में सेन्ट्रल रिकार्ड आफिस के रूप में शिक्षा विभाग, उ0प्र0 इलाहाबाद के कार्यालय में हुई थी, जिसे पृथक इमारत का आवंटन 53 महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद में सन् 1951 में किया गया। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार अपने नवनिर्मित भवन जो कि बी-44, महानगर विस्तार, लखनऊ में स्थित है, जुलाई 1973 को स्थानान्तरित हुआ। 1973 से ही उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ ने अपना विस्तार प्रारम्भ किया जब इसी वर्ष क्षेत्रीय अभिलेखागार व पाण्डुलिपि पुस्तकालय, इलाहाबाद की स्थापना की गयी। विस्तार की यह प्रक्रिया क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी (1976), नैनीताल (1977), आगरा व देहरादून (1980) की स्थापना के साथ ही निरन्तर चलती रही। क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल व देहरादून वर्तमान समय में उत्तराखण्ड राज्य में हैं। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार में सन् 1803 से अभिलेख संरक्षित हैं तथा व्यक्तिगत अधिकार से प्राप्त सन् 1540 से अभिलेख संरक्षित हैं। इसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

1. उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, मण्डलीय एवं जिला स्तर के कार्यालयों एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अभिलेखों का स्थानान्तरण तथा स्थानान्तरित अभिलेखों का वर्गीकरण तथा समुचित वैज्ञानिक संरक्षण करके सुव्यवस्थित ढंग से कार्टन बाक्स में रखना।
2. शोध-छात्रों को शोध हेतु ऐतिहासिक महत्व के अभिलेख एवं शासन को आवश्यक सूचनायें उपलब्ध कराना।
3. अभिलेखों की माइक्रोफिल्मिंग एवं फोटोकापी से सम्बन्धित सुविधायें और व्यक्तिगत अधिकारों से दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों को प्राप्त करना है।
4. उक्त कार्यो की सम्पूर्ति हेतु समय-समय पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों के अभिलेखों का सर्वेक्षण करना।
5. उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, शासकीय कार्यालयों, स्वायत्तशासी संस्थाओं एवं व्यक्तिगत अधिकार में रखे गये अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने एवं उनके वैज्ञानिक संरक्षण के लिए परामर्श भी देता है।
6. मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरण टेप कराकर संरक्षित करना।
7. राज्य के विभिन्न कार्यालयों के अभिलेख कक्षों में कार्यरत कर्मचारियों को दो सप्ताह का अभिलेख संरक्षण का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।
8. अभिलेखागार द्वारा समय-समय पर संरक्षित अभिलेखों पर आधारित महत्वपूर्ण प्रकाशन भी किये जाते हैं।
9. प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अंग-अभिलेखीय धरोहर के प्रति जन-सामान्य एवं छात्र-छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने के निमित्त समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अभिलेख प्रदर्शनियों एवं संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु अभिलेख अभिरूचि कार्यक्रम के अन्तर्गत अभिलेखागार भ्रमण एवं अभिलेखों पर आधारित प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की गतिविधियाँ

- उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, मण्डलीय एवं जिला स्तर के कार्यालयों एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अभिलेखों का स्थानान्तरण तथा स्थानान्तरित अभिलेखों का वर्गीकरण, तथा समुचित वैज्ञानिक संरक्षण करके सुव्यवस्थित ढंग से कार्टन बाक्स में रखना, शोध-छात्रों को शोध हेतु ऐतिहासिक महत्व के अभिलेख एवं शासन को आवश्यक सूचनायें उपलब्ध कराना, अभिलेखों की माइक्रोफिल्मिंग एवं फोटोकापी से सम्बन्धित सुविधायें और व्यक्तिगत अधिकारों से दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों को प्राप्त कराना।
- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, शासकीय कार्यालयों, स्वायतशासी संस्थाओं एवं व्यक्तिगत अधिकार में रखे गये अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने एवं उनके वैज्ञानिक संरक्षण के लिए परामर्श देना।
- मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरण टेप कराकर संरक्षित करना।
- राज्य के विभिन्न कार्यालयों के अभिलेख कक्षों में कार्यरत कर्मचारियों को दो सप्ताह का अभिलेख प्रशिक्षण दिया जाना।
- अभिलेखागार द्वारा समय-समय पर संरक्षित अभिलेखों पर आधारित महत्वपूर्ण प्रकाशन करना।

- प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अंग-अभिलेखीय धरोहर के प्रति जन-सामान्य एवं छात्र-छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने के निमित्त समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अभिलेख प्रदर्शनियों एवं संगोष्ठियों आदि का आयोजन करना।

(1) कार्यालय की रूपरेखा

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ एवं अधीनस्थ इकाइयों के अन्तर्गत स्वीकृत पद

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/ लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	निदेशक	78800-209200	7600/12	1	1
2	उपनिदेशक	67700-208700	6600/11	1	1
3	सहायक निदेशक एवं प्रशासकीय अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
4	सहायक निदेशक (संरक्षण)	47600-151100	4800/8	1	1
5	फोटो अधिकारी	44900-142400	4600/7	1	1
6	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	35400-112400	4200/6	6	1
7	प्राविधिक सहायक (फारसी)	35400-112400	4200/6	1	1
8	प्राविधिक सहायक (परिरक्षण)	35400-112400	4200/6	1	-
9	प्रकाशन सहायक	35400-112400	4200/6	1	1
10	लेखाकार	35400-112400	4200/6	2	2
11	फोटोग्राफर	35400-112400	4200/6	1	1
12	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक	29200-92300	2800/5	3	2
13	क्षेत्रीय सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
14	फोरमैन	35400-112400	4200/6	1	-
15	प्रधान सहायक	35400-112400	4200/6	1	-
16	पुस्तकालयाध्यक्ष	29200-92300	2800/5	1	1
17	आशुलिपिक	29200-92300	2800/5	2	2
18	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	2	-
19	उर्दू अनुवादक सह प्रधान सहायक	35400-112400	4200/6	1	-

20	सहायक लेखाकार	29200-92300	2800/5	1	-
21	सूक्ष्म फिल्म प्रचालक	29200-92300	2800/5	1	-
22	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	6	3
23	वाहन चालक	21700-69100	2000/3	1	1
24	ज्येष्ठ मेण्डर	19900-63200	1900/2	1	-
25	मेण्डर	18000-56900	1800/1	12	9
26	बिजली मिस्त्री	18000-56900	1800/1	1	1
27	बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
28	बुक लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	1
29	प्रयोगशाला परिचर	18000-56900	1800/1	1	-
30	कारपेन्टर	18000-56900	1800/1	1	1
31	फर्राश	18000-56900	1800/1	1	-
32	चपरासी	18000-56900	1800/1	6	2
33	माली	18000-56900	1800/1	2	1
34	चैकीदार	18000-56900	1800/1	3	-
35	चैकीदार-कम-माली	18000-56900	1800/1	1	1
36	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	2	1
37	वाटरमैन-कम-साइकिल स्टैण्ड परिचर	18000-56900	1800/1	1	-
				72	**37**

कुल स्वीकृत पद-72, कुल रिक्त पद-37

<u>क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा</u>

क्र0 सं0	**पदनाम**	**वेतनमान**	**ग्रेड वेतन/लेवल**	**स्वीकृत पदों की संख्या**	**रिक्त पदों की संख्या**
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक	29200-92300	2800/5	1	1
3	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	1

4	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	2
5	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	1
6	चैकीदार	18000-56900	1800/1	1	1
7	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	1
				08	**07**

कुल स्वीकृत पद-08, कुल रिक्त पद-07

<u>क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज</u>

क्र0 सं0	**पदनाम**	**वेतनमान**	**ग्रेड वेतन**	**स्वीकृत पदों की संख्या**	**रिक्त पदों की संख्या**
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक (फारसी)	35400-112400	4200/6	1	1 (उ0प्र0 शासन, संस्कृति अनुभाग के पत्र सं0-2398/चार-2000 दिनांक 23.01.2001 द्वारा प्राविधिक सहायक (फारसी) के रिक्त 01 पद को उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ में स्थानान्तरित किया गया)
3	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	35400-112400	4200/6	1	-
4	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
5	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	2	1
6	मेण्डर	18000-56900	1800/1	3	3
7	बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
8	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	1
9	चैकीदार	18000-56900	1800/1	1	1
10	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	1
				13	**08**

कुल स्वीकृत पद-13, कुल रिक्त पद-08

क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक(इतिहास)	35400-112400	4200/6	1	-
3	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
4	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	1
5	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	1
6	चपरासी कम बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
7	सफाई कर्मी कम चैकीदार	18000-56900	1800/1	1	1
				08	**03**

कुल स्वीकृत पद-08, कुल रिक्त पद-03

राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	पाण्डुलिपि अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक(संस्कृत)	35400-112400	4200/6	1	-
3	प्राविधिक सहायक(फारसी)	35400-112400	4200/6	1	-
4	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
5	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	1
6	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	1
7	चैकीदार	18000-56900	1800/1	1	1
8	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	-
9	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	-
				10	**03**

कुल स्वीकृत पद-10, कुल रिक्त पद-03

(2) वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार लखनऊ एवं अधीनस्थ इकाइयों के कार्यो का विस्तृत विवरण

1. अभिलेखीय प्रबन्ध

   सत्यापन - 1888 पत्रावलियां, 101 पाण्डुलिपियां, 652 वाल्यूम्स, 350 पुस्तकें, 230 गजेटियर।

   सुव्यवस्था - 1753 पत्रावलियां, 970 वाल्यूम्स, 66 पाण्डुलिपियां, 340 गजेटियर, 175 पुस्तकें, 05 व्यक्तिगत अभिलेख।
2. अभिलेखों का सन्दर्भ साधन:- अभिलेख कक्ष के विभिन्न विभागों की 54 पत्रावलियाँ, 300 पाण्डुलिपियों का सूचीकरण किया गया।
3. शोध छात्र - देश विदेश के 216 शोध छात्रों ने अभिलेखागार एवं 05 शोध छात्रों ने पाण्डुलिपि पुस्तकालय में उपलब्ध अभिलेखों का अध्ययन किया।
4. खोज कार्य - इस अवधि में अभिलेखों से सम्बन्धित 22 खोज कार्य किए गये।
5. अभिलेखों का संरक्षण/मरम्मत:-

1.	पृष्ठीकरण	7492 शीट्स
2.	शीट्स अलग करना	5789 शीट्स
3.	सिलाई	12556 शीट्स
4.	निशान	2656 शीट्स
5.	कटिंग	4434 शीट्स
6.	हैण्ड लामीनेशन	1561 शीट्स
7.	फुल पेस्टिंग	1008 शीट्स
8.	सफाई	2154 पत्रावलियां, 3091 शीट्स, 60 वाल्यूम्स, 190 म्यूटिनी रिकार्डस्,
9.	साधारण मरम्मत	1664 शीट्स
10.	मेंथाल फ्यूमीगेशन	358 बाक्स, 475 पत्रावलियां
11.	थायमॉल फ्यूमीगेशन	25 पत्रावलियां, 115 वाल्यूम
12.	विअम्लीकरण	1306 शीट्स
13.	बाइडिंग	40 पुस्तकें, 17 पत्रावलियां
14.	गार्डिंग	881 शीट्स
15.	टिशू रिपेयरिंग	02 मैप
16.	वाष्पीकरण	350 पुस्तकें, 1018 पत्रावलियां
17.	सैंडविच	2291 शीट्स
18.	जिल्दसाजी	02 पाण्डुलिपि

19.	जीराक्स	926 शीट्स
20.	अमोनिया विअम्लीकरण	95 वाल्यूम, 47 शीट्स
21.	बेरियम हाइड्राक्साइड	125 शीट्स

6. पुस्तकालय:-

1.	शोध छात्रो को निर्गत	447 पुस्तकें, 40 पाण्डुलिपियां
2.	पुस्तकालय के शोध छात्र	61 छात्र
3.	पाण्डुलिपि के शोध छात्र	08 छात्र

अभिलेख प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यशाला/व्याख्यान:-

माह अप्रैल, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को डा0 भीमराव रामजी आंबेडकर जयन्ती के अवसर पर उनसे सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन डा0 भीमराव रामजी आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं आंबेडकर महासभा, लखनऊ में किया गया जिसका उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 23 अप्रैल, 2022 को गुरू तेग बहादुर जी से सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन मोती महल लाॅन, लखनऊ में किया गया।
- राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 10 अप्रैल, 2022 को रामनवमी के अवसर पर श्री हनुमत निकेतन प्रयागराज में रामकथा पर आधारित पाण्डुलिपियों की दुर्लभ चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा द्वारा डा0 बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जयन्ती के अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को चित्र एवं अभिलेखों की 05 दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी

- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को भारतरत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव आंबेडकर जयन्ती के अवसर पर राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकायल एवं क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में:भारतीय संविधान और डा0 भीमराव आंबेडकर' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा डा0 बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जयन्ती के अवसर पर लाल बहादरु शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी में दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को पुष्पांजलि तथा 'आधुनिक भारत के निर्माण में डा0 आंबेडकर का योगदान' विषयक व्याख्यान एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

अन्य कार्य

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 28 अप्रैल, 2022 को सचिवालय प्रशिक्षण संस्थान से आये प्रशिक्षणार्थियांे/समीक्षा अधिकारियों को अभिलेख कक्ष में अभिलेखों के प्रबन्ध एवं संरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया।

माह मई, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 10 मई, 2022 को 'क्रान्ति दिवस' के अवसर पर मेरठ के नौचन्दी मेला में 1857 की प्रथम क्रान्ति पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी लगायी गयी साथ ही अमरोहा, बिजनौर, सम्भल जिलों में भी जिला प्रशासन के माध्यम से उक्त प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

अन्य कार्य

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ में नवनिर्मित आकाईवल गैलरी हेतु आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'गौरव वीथिका' की आंतरिक सज्जा के लिए उत्तर प्रदेश की कला एवं संस्कृति से सम्बन्धित लेखन तथा खोज कार्य किया जा रहा है।

माह जून, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 11 जून, 2022 को पं0 राम प्रसाद बिस्मिल की जयन्ती के अवसर पर शहीद संग्रहालय, शाहजहाँपुर में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 14 जून, 2022 को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर, लखनऊ में आयुर्वेद से सम्बन्धित पाण्डुलिपियों पर आधारित प्रदर्शनी लगायी गयी। प्रदर्शनी का अवलोकन मा0 मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश सरकार एवं मा0 आयुष राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 18 जून, 2022 को रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर जिला प्रशासन के सहयोग से महोबा, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन, बांदा तथा राज्य संग्रहालय झांसी में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- मैन्युस्क्रिप्ट रिसोर्स सेंटर की स्थापना - इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फा ॅर आर्ट्स, नई दिल्ली के सहयोग से उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ मं े मैन्युस्क्रिप्ट रिसोर्स सेंटर की स्थापना के सम्बन्ध में एम0ओ0यू0 दिनांक 17 जून, 2022 को हस्ताक्षरित करा लिया गया है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली के प्रतिनिधि द्वारा कोआर्डिनेटर एवं सर्वेयर का प्रशिक्षण कार्य किया गया।

माह जुलाई, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 19 जुलाई, 2022 को मंगल पाण्डेय पर केन्द्रित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन जनपद-बलिया में किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 23 जुलाई, 2022 को अमर शहीद चन्द्रशेखर जयंती पर जनपद- देवरिया, चंदौली, महराजगंज, कुशीनगर में जिला प्रशासन के सहयोग से अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2022 को कारगिल विजय दिवस 2022 के अवसर पर अमर शहीदों की याद में दीपोत्सव का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 26 जुलाई, 2022 को कारगिल विजय दिवस 2022 के अवसर पर श्रद्धांजलि दीपोत्सव एवं राष्ट्रधुन का आयोजन अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में क्षेत्रीय अभिलेखागार, राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल 18वीं बटालियन, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

माह अगस्त, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 02 अगस्त, 2022 को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ में 'तिरंगे की गाथा' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 03 से 17 अगस्त, 2022 तक काकोरी ट्रेन एक्शन के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय आंदोलन एवं तिरंगे की गाथा विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन काकोरी शहीद स्थल, बाजनगर, हरदोई रोड, लखनऊ में किया गया जिसका उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 11 से 17 अगस्त, 2022 के मध्य उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 'हर घर तिरंगा' एवं 'विभाजन विभीषिका सम्बन्धी अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।

- दिनांक 14 अगस्त, 2022 को सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क, हजरतगंज, लखनऊ में विभाजन विभीषिका सम्बन्धी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्षेत्रीय इकाईयों क्रमशः वाराणसी, प्रयागराज द्वारा दिनांक 11 से 17 अगस्त, 2022 के मध्य 'हर घर तिरंगा' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी, संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

प्रकाशन - आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश के 15 जनपदों क्रमशः लखीमपुरखीरी, फर्रूखाबाद, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर, जौनपुर, रायबरेली, सुल्तानपुर, हरदोई, अम्बेडकरनगर, हाथरस, मैनपुरी, बहराइच, बांदा, कौशाम्बी, कन्नौज से सम्बन्धित निर्देशित प्रकाशन कार्य कराया गया।

माह सितम्बर, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 10 सितम्बर, 2022 को जिला भदोही, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं सुल्तानपुर में पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी की जयन्ती के अवसर पर चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जयन्ती के अवसर पर कार्यालय परिसर में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी

- राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रकाशन - दिनांक 09 सितम्बर, 2022 को जौनपुर जनपद में ''उत्तर प्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम - जौनपुर'' पुस्तक का विमोचन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद-जौनपुर में किया गया।

माह अक्टूबर, 2022

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को श्री लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी पर विभिन्न जनपदों बदायूं, प्रतापगढ़, शाहजहाँपुर एवं पीलीभीत में अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।
- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर जनपद कानपुर देहात, उन्नाव, औरैया, फर्रूखाबाद, इटावा एवं कन्नौज में अभिलेख प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया ।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर दिनांक 30 अक्टूबर, 2022 से दिनांक 14 नवम्बर, 2022 तक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी में किया गया।

माह नवम्बर, 2022

- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह (दिनांक 19 से 25 नवम्बर, 2022) के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर (दिनांक 19 से 25 नवम्बर, 2022) अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन गुरूधाम मंदिर परिसर, वाराणसी में किया गया।
- राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर (दिनांक 19 से 25 नवम्बर, 2022) तीन दिवसीय दुर्लभ पाण्डुलिपि प्रदर्शनी एवं दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

माह दिसम्बर, 2022

- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारतरत्न डा0 भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ में किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा काकोरी बलिदान दिवस के अवसर पर 'काकोरी के शहीद' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 15 से 19 दिसम्बर, 2022 तक काकोरी शहीद स्मारक, बाजनगर, काकोरी, लखनऊ में किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा दिनांक 15 दिसम्बर, 2022 को काकोरी बलिदान दिवस सप्ताह काकोरी के शहीदों की स्मृति केे अवसर पर क्षेत्रीय अभिलेखागार, संस्कृति विभाग, प्रयागराज तथा जिला प्रशासन, प्रयागराज के सहयोग से अभिलेख प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 24-25 दिसम्बर, 2022 को भारतरत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयन्ती के अवसर पर उनके जीवन दर्शन एवं कविताओं पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर एवं लोक भवन सचिवालय, विधान सभा मार्ग, लखनऊ में किया गया।
- दिनांक 25 दिसम्बर, 2022 को भारतरत्न पं0 मदन मोहन मालवीय जी की 161वीं जयन्ती के अवसर पर क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, संस्कृति विभाग, प्रयागराज द्वारा पं0 मदन मोहन मालवीय पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन सेवा समिति गार्डेन रामबाग, प्रयागराज में किया गया ।
- राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 - 19 दिसम्बर, 2022 को भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख समिति के 63वंे सत्र का आयोजन उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ में किया गया।
- राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 - 19 दिसम्बर, 2022 को भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख समिति के 63वंे सत्र के आयोजन के अवसर पर ''आजादी की कहानी - ज्ञात एवं अल्पज्ञात संघर्ष'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 से 18 जनवरी, 2023 तक उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ में आयोजित की जा रही है।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा दिनांक 25 दिसम्बर, 2022 को महामना मदन मोहन मालवीय जी की जयन्ती के अवसर पर 'महामना की जीवनयात्रा' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन अस्सी घाट, वाराणसी में किया गया।

माह जनवरी, 2023

- 24 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर अवध शिल्पग्राम, शहीद पथ, लखनऊ में उत्तर प्रदेश की स्थापना से अब तक की विकास यात्रा से सम्बन्धित संकलित अभिलखों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार द्वारा प्रदर्शनी की पी0डी0एफ0 कापी सभी जिलाधिकारियों को उपलब्ध करायी जायेगी, जिसे जिला सूचना कार्यालय द्वारा प्रिण्ट कराकर स्थानीय स्तर पर प्रदर्शित किया जायेगा।

8. डिजिटाइजेशन:

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, संस्कृति विभाग, लखनऊ द्वारा अभिलेखागार में संरक्षित विभिनन अभिलेखों का डिजिटाइजेशन (स्कैनिंग व मेटाडाटा) एन0आई0सी0 द्वारा कराया जा चुका है। इन अभिलेखों के मेटाडाटा को शोधार्थियों को ऑनलाइन उपलब्ध कराने हेतु ई-अभिलेखागार पोर्टल प्रारम्भ किया गया है।

(3) वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले कार्यो का विवरण

अभिलेख कक्ष निरीक्षण

- उ0प्र0 अभिलेख नीति सन्-1990 के अनुपालन में विभिन्न जिलाधिकारी कार्यालयों के अभिलेख कक्षों एवं अन्य शासकीय कार्यालयों के अभिलेख कक्षों का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है।

अभिलेख स्थानान्तरण

- प्रशासनिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण विभिन्न शासकीय कार्यालयों के अभिलेख कक्षों से स्थायी संरक्षण के निमित्त अभिलेख स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है।

अभिलेख प्रदर्शनी

- वर्ष 2023-24 में अभिलेखीय जनजागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न विषयों पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन प्रस्तावित है।

अभिलेख अभिरूचि कार्यक्रम

- वर्ष 2023-24 में लखनऊ जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में प्रदेश की समृद्ध अभिलेखीय धरोहर के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के लिए अभिलेखागार के भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है।

सेमिनार/संगोष्ठी

- अभिलेखों के महत्व एंव उनके साम्यक् संरक्षण विषय पर सेमिनार एवं संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है।

अभिलेख संरक्षण

- व्यक्तिगत अधिकार में संरक्षित ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ अभिलेख/पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण कर उनका सूचीकरण किया जाना प्रस्तावित है।

मौखिक इतिहास योजना

- प्रदेश के जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का संस्मरण टेप कर संरक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

डिजिटाइजेशन

- कार्यालय में संरक्षित विभिन्न विभागों के अभिलेखों का डिजिटाइजेशन प्रस्तावित है।

—----------

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ।

शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में अपनी शिक्षण पद्धति एवं विशिष्ट पाठ्यक्रम के लिए सुविख्यात इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1926 में मैरिस कालेज के नाम से हुई। बाद में इसका नाम बदलकर भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय कर दिया गया। राज्य सरकार द्वारा दिनांक 26 मार्च, 1966 को इसे अपने नियंत्रण में लिया गया और विश्वविद्यालय घोषित होने तक एक शासकीय संस्था के रूप में गतिशील रहा।

भारत सरकार द्वारा दिनांक 24 अक्टूबर, 2000 को अपनी अधिसूचना में इसे समविश्वविद्यालय घोषित कर देश में इस संस्थान को संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होने का गौरव प्रदान किया गया है। संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित करने वाले इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान कर दिये जाने से संगीत के विद्यार्थियों को प्रदेश में ही मान्यता प्राप्त उच्च स्तरीय शिक्षा ग्रहण करने का अवसर उपलब्ध हो गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य में विद्यमान भातखण्डे संगीत संस्थान अभिमत विश्वविद्यालय को उच्चीकृत तथा पुर्नगठन करने के दृष्टि से अध्यापन, अनुसंधान, एवं विस्तार हेतु उ0प्र0 शासन, विधायी अनुभाग-1, की अधिसूचना संख्या- 296/79-वि0-1-2022-क-1-2022, दिनांक 03 जून, 2022 द्वारा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किया गया है।

संगीत जैसी प्रदर्शन प्रधान कलाओं को सीखने के लिए कम आयु वर्ग के विद्यार्थियों की उपयुक्तता को ध्यान में रखकर महाविद्यालय में पहले संचालित पाठ्यक्रमों की कक्षाओं को संस्थान में भी यथावत बनाये रखे जाने का निर्णय लिया गया है। ताकि जो विद्यार्थी बी0पी0ए0 व एम0पी0ए0 के लिए निर्धारित अर्हताएं पूर्ण न करते हो, उन्हें भी संगीत शिक्षा प्राप्त करने मे कोई कठिनाई उत्पन्न न हो।

संस्थान द्वारा शास्त्रीय (गायन,ताल-वाद्य,स्वर-वाद्य,नृत्य) संगीत की चारो विद्याओं में बी0पी0ए0, एम0पी0ए0 एवं पी0 एच0 डी0 की डिग्री/उपाधि तथा प्रवेशिका, परिचय, प्रबुद्ध, पारंगत एवं उपशास्त्रीय गायन (ध्रपद-धमार, होरी, ठुमरी, दादरा, संवादिनी, की-बोर्ड, सुगम संगीत) में सार्टिफिकेट डिप्लोमा तथा लोकनृत्य में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संगीत के शिक्षण कार्य के साथ-साथ पूर्व में संचालित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम संगीत अभिरूचि की विषिष्ट कार्यशाला एवं संगीत संध्या का आयोजन कर रहा है।

सत्र 2001-02 से विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के साथ-साथ महाविद्यालय के सार्टिफिकेट/डिप्लोमा की वार्षिक परीक्षाओं का स्वतन्त्र रूप से संचालन किया गया जा रहा है। पीएच.डी. की 65 उपाधियां वर्तमान समय तक शोधर्थियों को प्रदान की गयी है।

विगत दो वर्षो से कोविड-19 के कारण विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण, प्रवेश, परीक्षा आदि पूर्णरूप से अनियमित हो गयी थी, जिन्हे नियमित किये जाने के उद्देश्य से प्राथमिकता के आधार पर विश्वविद्यालय के शिक्षण सत्र 2021-22 मे डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों की सैद्धान्तिक/प्रयोगात्मक परीक्षाऐं सुचारू रूप से संचालित की गई। परीक्षा परिणाम में डिग्री में 373 विद्यार्थी व डिप्लोमा में 548 विद्यार्थी इस प्रकार कुल 921 विद्यार्थियों को सफल घोषित किया गया।

मा0 प्रधान मंत्रीजी के मार्ग दर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 5(पाँच) दिवसीय कार्यक्रम में दीपदान प्रवज्जलन/श्रमदान ,अमृत गाथा, स्वच्छता अभियान, हर धर झन्डारोहण व विधान सभा में 75 विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति गीत की प्रस्तुति की गई, जिसे जन-सामान्य द्वारा सराहा गया।

मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्ग दर्शन मे विश्वद्यिालय ने नई शिक्षा नीति के आधार पर डिग्री में स्नातक (बी0पी0ए0) को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में लागू किया गया।

12 वाँ दीक्षान्त समारोह, 2022 में पाँच दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व छात्रों का समागम, कठिंगरा गाँव में महिला सशक्तिकरण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम व छात्र/छात्राओं मध्य निबन्ध प्रतियोगिता, वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता, विश्वविद्यालय परिसर में श्रमदान/स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। दीक्षान्त समारोह, 2022 के अवसर पर कुलाधिपति महोदया द्वारा 03 (तीन) शोधार्थिया तथा विशिष्ट छात्र-छात्राओं को डिग्री के 47 विद्यार्थियों को पदक व उपाधियां प्रदान की गई तथा कुलाधिपति महोदया द्वारा कलाकारो के कैटलाक व स्मारिका का विमोचन किया गया।

—----------

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0

संस्था/कार्यालय की रूपरेखा

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 की स्थापना 08 फरवरी, 1962 को उत्तर प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग की पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्तशासी इकाई के रूप में हुई थी। अकादमी कला एवं कलाकारों की प्रोन्नति एवं प्रोत्साहन के ध्येय की ओर निरन्तर अग्रसर होती हुई कला जगत में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। अकादमी छत्तरमंजिल और पुराना हाईकोर्ट (लखनऊ बेंच) के मध्य ललित कला अकादमी मार्ग पर लाल बारादरी भवन कैसरबाग, लखनऊ में स्थित है। यह भवन उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित एक पुरातात्विक भवन है। इसका निर्माण 1778-1814 के बीच हुआ। स्वतंत्रता के पश्चात सर्वप्रथम इस भवन में राज्य संग्रहालय स्थापित हुआ। राज्य संग्रहालय का अपने भवन बनारसी बाग में स्थानान्तरण होने के पश्चात वर्ष 1962 में राज्य ललित कला अकादमी की स्थापना हुई।

अकादमी द्वारा दृश्य कला से सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रीय, प्रदेश, अखिल भारतीय, अन्तर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों, कला व्याख्यानमालाओं, कला शिविरों के आयोजन के साथ ही युवा कलाकारों के लिये छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अकादमी द्वारा दृश्यकला पर आधारित प्रकाशन, वरिष्ठ कलाकारों को सम्मान एवं युवा पीढ़ी के लिए लोक कलाओं पर आधारित कार्यशालायें तथा कला विषयक ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में सम्पादित कार्यों का विस्तृत विवरण

अप्रैल-2022

1. राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ के मशहूर वाश चित्रकार प्रो0 सुखवीर सिंघल जी की सिंहावलोकन कला प्रदर्शनी के अवसर पर दिनांक 04 से 06 अप्रैल, 2022 तक वाश पेन्टिंग कार्यशाला का आयोजन अकादमी वीथिका में किया गया, जिसमें लगभग 25 कलाकारों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में वाश पेन्टिंग की जानकारी सुश्री स्तुति सिंघल द्वारा प्रदान की गयी।

2. राज्य ललित कला अकादमी उत्र प्रदेश द्वारा लखनऊ के मशहूर वाश चित्रकार प्रो0 सुखवीर सिंघल जी की सिंहावलोकन कला प्रदर्शनी का समापन, मोनोग्राफ का विमोचन तथा वॉश कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण दिनांक 08 अप्रैल, 2022 को मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति सिक्का, एडिशनल एडवोकेट जनरल, उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा अकादमी वीथिका में किया गया।

3. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा बाबा साहब डा0 भीमराव आंबेडकर जी की जयन्ती (दिनांक 14 अप्रैल, 2022) के अवसर पर आंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर, लखनऊ में चित्र प्रदर्शनी दिनांक 12 से 14 अप्रैल, 2022 तक डिस्प्ले करने हेतु होम स्टूडियो चित्रांकन शिविर का आयोजन दिनांक 08 से 12 अप्रैल, 2022 तक किया गया जिसमें लगभग 10 कलाकारों ने बाबा साहब के व्यक्तित्व-कृतित्व पर चित्रों का सृजन किया।

4. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा बाबा साहब डा0 भीमराव आंबेडकर जी की जयन्ती (दिनांक 14 अप्रैल, 2022) के अवसर पर डा0 भीमराव आंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबा साहब डा0 भीमराव आंबेडकर जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर आधारित चित्रांकन शिविर का आयोजन दिनांक 12 से 14 अप्रैल, 2022 तक किया गया। शिविर का शुभारम्भ प्रो0 संजय सिंह, कुलपति, डा0 भीमराव आंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा दिनांक 12 अप्रैल, 2022 को अपरान्ह 12.30 बजे किया गया। शिविर में 15 कलाकारों ने बाबा साहब के व्यक्तित्व-कृतित्व पर चित्रों का सृजन किया।

5. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत उड़ान एक नई पहल चैरिटेबुल ट्रस्ट, संभल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कलाकार शिविर 15 व 16 अप्रैल, 2022 तक।

6. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण कार्यशाला-2022 के अंतर्गत राजरानी माता शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज, बेहजम-खीरी में आयु वर्ग 10 से 17 व 18 से 25 वर्ष के छात्र-छात्राओं की चित्रकला कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 अप्रैल से 19 मई, 2022 तक किया गया।

मई-2022

7. आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत अकादमी द्वारा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक विषयक मेरठ मण्डल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन। डा0 दुर्जन सिंह राणा के संयोजन में दिनांक 09 मई, 2022 को आयोजित की गई। प्रतियोगिता मे सृजित चित्रों की प्रदर्शनी नौचन्दी मैदान, मेरठ में दिनांक 10 मई, 2022 को आयोजित की गई इसी अवसर पर प्रतियोगिता के पुरस्कृत प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

7. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा बुद्ध पूर्णिमा (16 मई, 2022) के अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन एवं उपदेशों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, कैसरबाग, लखनऊ में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के मा0 अध्यक्ष श्री भदन्त शान्ति मित्र जी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 20 मई, 2022 तक दर्शकों के अवलोकनार्थ प्रदर्शित रही।

8. संत कबीर अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर जी के जीवन व उपदेशों पर आधारित होम स्टूडियो शिविर 26 से 30 मई, 2022 तक।

जून-2022

9. स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत दिनांक 01 से 20 जून, 2022 तक आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, कैसरबाग, लखनऊ।

10. संत कबीर अकादमी, मगहर परिसर में संत कबीर जी के जीवन व उपदेशों पर आधारित कृतियों की प्रदर्शनी महामहिम श्री राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में 05 जून, 2022

11. विक्रय कला प्रदर्शनी का शुभारम्भ 07 जून, 2022 अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, कैसरबाग, लखनऊ।

12. दिनांक 14 जून, 2022 को उ0प्र0 पर्यटन द्वारा इंदिरागांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 'वेलनेस टूरिज्म कानक्लेव के अवसर पर संत कबीर दास जी के प्राकट्य उत्सव एवं योग सप्ताह के शुभारम्भ के अवसर पर अकादमी द्वारा उ0प्र0 के पर्यटन स्थल एवं सांस्कृतिक धरोहर विषयक कलाकृतियों की प्रदर्शनी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में स्थित मरकरी हाल में

13. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई जी के बलिदान दिवस (18 जून, 2022) के उपलक्ष्य में रानी लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा पर आधारित 15 कलाकारों का 03 दिवसीय चित्रकार शिविर का आयोजन अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, कैसरबाग, लखनऊ में दिनांक 15 से 17 जून, 2022 तक।

14. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य अकादमी द्वारा दिनांक 15 से 17 जून, 2022 तक अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन कैसरबाग लखनऊ में आयोजित 03 दिवसीय चित्रकार शिविर में सृजित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय संग्रहालय, झाँसी में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत दिनांक 18 जून, 2022 को किया गया तथा इसी अवसर पर झाँसी में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

जुलाई-2022

15. राष्ट्रीय कला मंच अवध प्रान्त एवं अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव विषयक युवा कलाकारों की चित्रकला प्रतियोगिता में सृजित कलाकृतियों की प्रदर्शनी एवं पुरस्कार वितरण 01 जुलाई, 2022, अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, लखनऊ में।

16. आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत भारतोदय संस्था, सीतापरु के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 11 से 18 जुलाई, 2022 तक 38 छात्रों की चित्रकला कार्यशाला का आयोजन पं0 सूर्यदत्त आनंदी सहगल इण्टर कालेज, खैराबाद, सीतापुर।

17. आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत शहीद चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती समारोह के अवसर पर निराला जी की जन्मस्थली गढ़ाकोला उन्नाव में अकादमी में उपलब्ध आजादी का अमृत महोत्सव से सम्बन्धित कलाकृतियो की प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 23.07.2022 को।

अगस्त-2022

18. आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत काकोरी टेªन एक्शन डे (09 अगस्त) के उपलक्ष्य में दिनांक 06 से 08 अगस्त, 2022 तक वाॅल पेन्टिंग चित्रांकन शिविर का आयोजन शहीद स्मारक स्थल, बाजनगर, काकोरी, लखनऊ में।

19. आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत शहीद स्मारक स्थल, बाजनगर, काकोरी, लखनऊ में दिनांक 09 अगस्त, 2022 को काकोरी टे्न एक्शन तथा अन्य स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित शहीदों के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 17 अगस्त, 2022 तक।

20. वीथिका आरक्षण के अंतर्गत अवध फोटोग्राफी सोसायटी द्वारा वल्र्ड फोटोग्राफी दिवस (19 अगस्त) के अवसर पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 17 से 23 अगस्त, 2022 तक।

सितम्बर-2022

21. शिक्षक दिवस (05 सितम्बर) के अवसर पर अकादमी में संग्रहीत कलागुरू सुधीर रंजन खास्तगीर जी की कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 05 से 09 सितम्बर, 2022 तक। अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन में।

22. अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत कर्नाटक ललित कला अकादमी से संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के 10 चित्रकारों के चित्रकार शिविर का आयोजन श्रीरंगपट्टम मैसूर में दिनांक 13 से 17 सितम्बर, 2022 तक।

23. उ0प्र0 ब्रजतीर्थ विकास परिषद, मथुरा द्वारा आयोजित सांझी महोत्सव (दिनांक 18 से 25 सितम्बर, 2022) के अंतर्गत मथुरा में अकादमी के प्रकाशनों की विक्रय प्रदर्शनी का आयोजन।

24. भारत रत्न स्वर साम्राज्ञी स्व0 लता मंगेशकर जी के जन्म दिवस (28 सितम्बर) के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 द्वारा लता मंगेशकर चैक, अयोध्या का लोकार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत लता मंगेशकर जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर आधारित चित्र प्रदर्शनी के आयोजन लिए चित्रों के सृजन हेतु होम स्टूडियो शिविर का आयोजन दिनांक 21 से 25 सितम्बर, 2022 तक।

25 संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयन्ती (25 सितम्बर, 1916 मथुरा) के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय धाम, फरह, मथुरा में विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 में उपलब्ध पं0 दीनदयाल उपाध्याय पर आधारित 20 कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 22 से 25 सितम्बर, 2022 तक।

26. भारत रत्न स्वर साम्राज्ञी स्व0 लता मंगेशकर जी के जन्म दिवस (28 सितम्बर) के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 द्वारा लता मंगेशकर चैक, अयोध्या का लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर लता मंगेशकर जी के व्यक्तित्व- कृतित्व पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन, रामकथा पार्क, अयोध्या।

अक्टूबर-2022

27. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयन्ती (02 अक्टूबर, 2022) के उपलक्ष्य में गाँधी जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ दिनांक 02 अक्टूबर 2022 को अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, निकट-पुराना हाईकोर्ट, कैसरबाग, लखनऊ में।

28. वीथिका आरक्षण के अंतर्गत श्री मोहन वर्मा, 3/227 वास्तु खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा सामूहिक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन अकादमी वीथिका में दिनांक 17 से 22 अक्टूबर, 2022 तक।

29. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं मास्टर संसार चन्द बारू मेमोरियल चेरिटेबिल ट्रस्ट, जम्मू के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल आर्ट वर्कशाप का आयोजन दिनांक 17 से 22 अक्टूबर, 2022 तक पटनीटाप, जम्मू एण्ड कश्मीर में।

30. दीपोत्सव-2022 के अवसर पर जन-जन के राम चित्र एवं मूर्ति प्रदर्शनी का आयोजन रामकथा पार्क, अयोध्या में दिनांक 22 व 23 अक्टूबर, 2022

31. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं सांई पी0जी0 कालेज, फतेहपुर, बाराबंकी के संयुक्त तत्वावधान में सांई पी0जी0 कालेज, फतेहपुर बाराबंकी में दिनांक 23 से 29 अक्टूबर, 2022 तक मिशन शक्ति पर आधारित भित्त चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने वाले 65 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र अकादमी द्वारा प्रदान किया गया।

32. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं मुरारी इण्टरमीडिएट कालेज, सहजनवां, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय टेराकोटा शिल्पकला प्रशिक्षण शिविर दिनांक 29 से 31 अक्टूबर, 2022 तक सहजनवां, गोरखपुर में आयोजित किया गया जिसमें 55 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को अकादमी द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

33. अकादमी द्वारा दिनांक 31.10.2022 को भारत रत्न लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन अकादमी की वीथिका में किया गया।

अकादमी के मा0 अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र एवं अकादमी के स्टाफ के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों जिनमें गोयल इंस्टीट्यूट, एमिटी विश्वविद्यालय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, जयपुरिया इण्टर कालेज, टेक्नो ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन लखनऊ एवं सांई पी0जी0 कालेज फतेहपुर - बाराबंकी, आर0 के0 पी0जी0 कालेज, असन्दरा - बाराबंकी से कुल 55 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी कलाकारों द्वारा सृजित श्रेष्ठ कलाकृतियों हेतु प्रथम पुरस्कार रू0 5000/- द्वितीय पुरस्कार रू0 4000/- तृतीय पुरस्कार रू0 3000/-एवं रू0 2000/- धनराशि के दो संत्वना पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। श्री आनन्द कुमार, सचिव द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

नवम्बर-2022

34. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा अकादमी परिसर में रचनात्मक कला केन्द्र के माध्यम से 18 वर्ष या उससे अधिक के आयुवर्ग के कला में रूचि रखने वाले पुरूषों एवं महिलाओं का दिनांक 01 अगस्त, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 के मध्य (तीन माह) चित्रकला प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया। सत्र में कुल 08 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षुओं द्वारा सृजित नेचर, समसामयिक विषयों के साथ रचनात्मक चित्रांकन एवं रेखांकन, वाइल्ड लाइफ पर आधारित लगभग 80 कलाकृतियों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ अकादमी परिसर में दिनांक 07.11.2022 को अकादमी के मा0 अध्यक्ष, मा0 उपाध्यक्ष के सानिध्य में प्रशिक्षुओं, कलाकारों, कला प्रेमियों की उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में सुश्री मनीषा सिंह द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

35. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, अवध प्रान्त द्वारा रायबरेली में आयोजित अधिवेशन के अवसर पर अकादमी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आजादी के नायकों पर आधारित 30 कलाकृतियों की प्रदर्शनी दिनांक 10 से 13 नवम्बर, 2022 तक गोपाल सरस्वती विद्या मन्दिर, रायबरेली में आयोजित की गयी।

36. साईं पी0जी0 कालेज, बेलहरा रोड, फतेहपुर, बाराबंकी एवं विकल्प इंस्टीट्यूट फार अचीवमेन्ट सोसाइटी, रायबरेली के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20 से 22 नवम्बर, 2022 तक आदिवासी कला, लोक कला, पारम्परिक कला विषयक चित्रकार शिविर एवं कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 32 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

दिसम्बर-2022

37. भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव आंबेडकर जी के (महा परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में) जीवन दर्शन पर आधारित चित्रकार शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन दिनांक 03 से 05 दिसम्बर, 2022 तक उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी परिसर में किया गया जिसमें 15 वरिष्ठ एवं 35 युवा कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शिविर में सृजित चित्रों की प्रदर्शनी का भी आयोजन दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को संगीत नाटक अकादमी परिसर में किया गया।

38. सुभसा स्कल्पटर्स फांउडेशन, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय रेत शिल्प प्रतियोगता-2022 का स्वतंत्र आकृति खोज विषयक आयोजन राप्ती नदी के किनारे गोरखपुर में दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को किया गया जिसमें 18 टीमों के लगभग 300 कलाकारों ने प्रतिभाग किया। सुभसा द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। अकादमी द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

39. कार्यालय उप जिलाधिकारी, सदर, लखनऊ एवं संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रदान किए गए निर्देशों के क्रम में काकोरी शहीद स्मृति युवा मेला (19 दिसम्बर) के अवसर पर काकोरी स्थित शहीद स्मारक स्थल की रेलवे लाइन साइड परिसर के प्रदर्शनी कक्ष के पीछे की दीवार पर काकोरी ट्रेन एक्शन सम्बन्धित म्यूरल चित्रांकन (वाल पेन्टिंग) का कार्य कलाकारों को आमंत्रित कर दिनांक 16 से 19 दिसम्बर, 2022 तक करवाया गया तथा इसी अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के नायकों पर आधारित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

40. कला एवं शिल्प महाविद्यालय लखनऊ के 111वें वर्ष के उपलक्ष्य में मनाये जा रहें। कलाकार समागम के अवसर पर अकादमी के संग्रह में संग्रहीत कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व छात्र रहे कलाकारों की कलाकृतियों में से चयनित कुल 43 कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन अकादमी वीथिका में दिनांक 23 से 25 दिसम्बर, 2022 तक।

41. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस (सुशासन दिवस) के अवसर पर उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर आधारित चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी परिसर, गोमती नगर, लखनऊ में दिनांक 24 व 25 दिसम्बर, 2022 तक

42. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस (सुशासन दिवस) के अवसर पर लोक भवन, लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत उनके चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 25 दिसम्बर, 2022 लोक भवन, लखनऊ में।

जनवरी-2023

43. अमृत युवा कलोत्सव 2022-23 के अवसर पर अकादमी द्वारा कलाकार प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत विक्रय कला प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 13 से 15 जनवरी, 2023 से उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर, लखनऊ में किया गया।

<u>वित्तीय वर्ष 2022-23 के अवशेष कार्यक्रम</u>

1.	उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन	जनवरी, 2023
2.	अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोद्य संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर परभगवान बुद्ध पर आधारितचित्रों की प्रदर्शनी।	जनवरी, 2023
3.	क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी प्रदेश के 07 स्थानो पर बस्ती, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली	फरवरी एवं मार्च के मध्य 2023
4.	अखिल भारतीय द्वितीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी	फरवरी, 2023
5.	स्थापना दिवस	8 फरवरी, 2023
6.	अधिसदस्यता सम्मान	फरवरी, 2023
7.	17वीं अखिल भारतीय छायाचित्र कला प्रदर्शनी	मार्च, 2023
8.	लोक कलाओं पर आधारित कार्यशालाएं चितेरी झांसी सांझी सहारनपुर, कोहबर बस्ती	फरवरी, 2023
9.	महिला दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी अमृत महोत्सव के अवसर पर शहीदों पर आधारित	मार्च, 2023
10.	चित्रों की प्रदर्शनी	मार्च, 2023

<u>राज्य ललित कला अकादमी उ0प्र0 लखनऊवित्तीय वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्यों का विवरण</u>

1. उच्चशिक्षा हेतु छात्रवृत्ति सृजनात्मक कृतियों को प्रदर्शित करने का अवसर।
2. युवा कलाकारों को प्रदर्शनी आयोजन हेतु आर्थिक सहायता।
3. 36वीं राज्य स्तरीय वार्षिक कला प्रदर्शनी के आयोजन।
4. 18वीं अखिल भारतीय छायाचित्र कला प्रदर्शनी के आयोजन।
5. अकादमी के कला संग्रह की विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी का आयोजन।
6. प्रदेश के ख्यातिलब्द्ध कलाकार की सिंहावलोकन कला प्रदर्शनी।
7. अकादमी अधिसदस्यता सम्मान।
8. स्थापित कलाकारों का सम्मान एवं कला प्रदर्शन।
9. अकादमी अपनी बचनबद्ध गतिविधियों के अन्तर्गत प्रदेश के किसी स्थान पर दृश्यकला से सम्बन्धित कला शिविरों के आयोजन।
10. डा0 राधाकमल मुखर्जी स्मृति व्याख्यानमाला।
11. क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी प्रदेश के 7 क्षेत्रों में।
12. कला आचार्य प्रदर्शनी एवं कलाश्री सम्मान।
13. समकालीन कला विषयक संगोष्ठियों का आयोजन।
14. आमंत्रित कला प्रदर्शनियों का आयोजन।

15. मोनोग्राफ, पोर्टफोलियो, शोध कार्य के प्रकाशन का कार्य।
16. अकादमी द्वारा शासन के निर्देशन विभिन्न कला सम्बन्धित आयोजन।
17. अकादमी के स्थापना दिवस कला प्रदर्शनी, कला शिविर, कला प्रदर्शन, सेमिनार एवं परिचर्चा के आयोजन।
18. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत अप्रैल-2023 से अगस्त-2023 तक विभिन्न आयोजन।

—----------

उ0 प्र0 संगीत नाटक अकादमी,

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

अकादमी का परिचय एवं उद्देश्य:

परिचय

अकादमी की स्थापना 13 नवम्बर, 1963 को हुई थी। पिछले 59 वर्षों से अकादमी संगीत, नृत्य, नाटक, लोकसंगीत, लोकनाट्य की परम्पराओं के प्रचार-प्रसार, संवर्द्धन एवं परिरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश एक विशाल सांस्कृतिक क्षेत्र है जिसकी विविध समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं के परिरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना है। अकादमी के अत्यधिक सीमित संसाधन हैं, जबकि इतने वृहद् प्रदेश के लिये अधिक आर्थिक संसाधनों की आवष्यकता है, जिससे प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों को और अधिक गतिशील व क्रियाशील बनाया जा सके।

प्रदेष में संगीत, नृत्य, नाटक, लोक विधाओं सम्बन्धी परम्पराओं के विषय में अधिक जागरूकता एवं जानकारी, नवोदित प्रतिभाशाली युवा कलाकारों को प्रोत्साहन, नवीन प्रतिभाओं का विकास एवं उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कार्यकलापों का विकेन्द्रीकरण, प्रदेश के विभिन्न अंचलों में कार्यरत् स्वैच्छिक संस्थानों से सम्पर्क एवं उनके कार्यकलापों में सहायता, लुप्त हो रही विधाओं के परिरक्षण एवं प्रदर्शन की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर सम्पन्न कराना, साथ ही सर्वेक्षण एवं सर्वेक्षण के आधार पर कार्यक्रमों को तैयार कर उन्हें जनता के समक्ष लाना, अकादमी की गतिविधियों में शामिल है।

अकादमी द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है:-

1. अकादमी सम्मान-

प्रदेश में संगीत, नृत्य एवं नाटक के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु विद्वान एवं समर्पित कलाकारों को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा वर्ष 1970 से सम्मानित करने की योजना प्रारम्भ की गयी थी, जिसके अन्तर्गत अकादमी द्वारा चयनित विद्वानों को अकादमी सम्मान (1970 से), सफदर हाशमी पुरस्कार (1991 से), बी.एम. शाह पुरस्कार(1998 से) तथा अकादमी के सर्वोच्च सम्मान 'रत्न सदस्यता' (1970 से) अलंकृत किया जाता है। अकादमी द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2020 को आयोजित अकादमी सम्मान अर्पण समारोह का आयोजन कर वर्ष 2009 से 2019 तक 11 वर्षों के अकादमी पुरस्कार को वितरित किए गए हैं।

प्रदेश के नवोदित, बाल,किशोर एवं युवा कलाकारों को प्रोत्साहन-

अकादमी द्वारा विगत 47 वर्षों से प्रतिवर्ष शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में सम्भागीय स्तर पर तथा दूसरे चरण में इन सम्भागीय स्तर प्रथम स्थान प्राप्त कलाकारों को प्रादेशिक प्रतियोगिता में आमंत्रित किया जाता है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का उद्देष्य प्रदेश में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उभरती नवोदित प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें व्यावसायिक कला के क्षेत्र में पदार्पण करने हेतु प्रोत्साहित करना है। विगत वर्षों में इस प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता कलाकारों ने प्रदेश, देश तथा विदेश में अपनी कला का प्रदर्शन कर ख्याति अर्जित की है और निरंतर अपनी कला के माध्यम से प्रदेश एवं अकादमी को गौरवान्वित कर रहे हैं।

3. प्रकाशन:-

अकादमी द्वारा संगीत, नृत्य एवं नाट्य पर आधारित त्रैमासिक पत्रिका 'छायानट' का प्रकाशन किया जाता है। अब तक छायानट के 165 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

4. **(क) अभिलेखागार:**-

अकादमी अभिलेखागार के अन्तर्गत इस वर्ष अकादमी द्वारा आयोजित समस्त संगीत, नृत्य एवं नाट्य-कार्यक्रमों की आडियो-वीडियो रिकार्डिंग एवं फोटोग्राफ संग्रहित किये गये हैं। अब तक अकादमी द्वारा आडियो कैसेट 2005, वीडियो कैसेट 1097, एवं स्पूल टेप्स 1006 तथा कुल 4987 घंटे की रिकॉर्डिंग संग्रहित हैं।

(ख) स्टूडियो रिकार्डिंग-

अकादमी की एक महत्वपूर्ण योजना स्टूडियो रिकार्डिंग है, जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की लुप्त प्राय विधाओं यथा- शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एवं लोक, संगीत विधाओं के कलाकारों की स्टूडियो रिकॉर्डिंग शोधार्थियों एवं भविष्य के सन्दर्भ हेतु की जाती है।

5. पुस्तकालय-

अकादमी पुस्तकालय संकलन की दृष्टि एवं सेवा की प्रकृति के अनुसार विशिष्ट पुस्तकालय की श्रेणी में आता है। संकलन की लगभग 80 प्रतिशत पुस्तकें संगीत व नाटक विषय से संबंधित हैं। देश-विदेश के वे सभी शोधार्थी जो संगीत तथा नाटक विषयों में शोध कार्य कर रहे हैं, यहां उपयोगी सामग्री प्राप्त करते हैं। किसी भी प्रकार की सर्वेक्षण पूर्व योजना के लिये अकादमी ग्रंथागार में विविध संदर्भों से युक्त साहित्य का विशाल भण्डार है। अकादमी पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ अकादमी तथा कथक केन्द्र परिवार के अतिरिक्त शोध छात्र-छात्रायें, कलाकार एवं कलामित्र तथा पुस्तकालय सदस्य निरन्तर प्राप्त कर रहे हैं।

6. **नाट्य समारोहः-**

अपने नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रदेश के तीन-चार जनपदों में चार से पांच दिवसीय सम्भागीय नाट्य समारोह एवं पांच से छः दिवसीय राज्य नाट्य समारोह का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों मे सम्पन्न किया जाता है।

7. **अवध-संध्याः-**

अकादमी द्वारा प्रत्येक माह के चैथे शुक्रवार को अवध-संध्या का आयोजन किया जाता है। इसके अन्तर्गत शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, सुगम संगीत एवं नृत्य, नाटक तथा लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

8. **रसमंचः-**

अकादमी द्वारा वर्ष 2002 से 'रसमंच' शीर्षक से एक नई प्रदर्शन श्रंखला आरम्भ की गयी है। इस श्रंखला के अन्तर्गत आवेदन प्राप्त होने पर एक माह में दो कार्यक्रम रसमंच योजना के अन्तर्गत कराए जाते हैं। इसमें अकादमी परिसर स्थित संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह एवं वाल्मीकि रंगशाला निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

10. **कथक केन्द्रः-**

लखनऊ घराने की कथक परम्परा के प्रचार-प्रसार के उददे्श्य से वर्ष 1972 में लखनऊ घराने के सुविख्यात कथकाचार्य स्व0 पं0 लच्छू महाराज (पं0 वैजनाथ मिश्र) के निर्देशन में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अन्तर्गत कथक केन्द्र की स्थापना शासन द्वारा की गयी। कथक केन्द्र द्वारा नियमित दस वर्षीय पाठयक्रम के अन्र्तगत छात्र-छात्राओं को कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विषेष रूप से निर्मित इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत जूनियर डिप्लोमा एवं सीनियर डिप्लोमा की कक्षाएं संचालित की जाती हैं। कथक केन्द्र द्वारा कथक नृत्य प्रशिक्षण के साथ-साथ कथक केन्द्र के सीनियर छात्र-छात्राओं को सम्मिलित करते हुये नृत्य-नाटिकाओं का निर्माण भी किया जाता है, जिनका प्रस्तुतिकरण नगर एवं नगर के बाहर समय-समय पर अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजनों में किया जाता है।

11. **ध्रुवपद समारोहः-**

विलुप्त होती शास्त्रीय ध्रुवपद गायन एवं वादन परम्परा को जनमानस से परिचित कराने एवं कलाकारों को प्रोत्साहित एवं मंच प्रदान करने के उद्देष्य से अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष मृदंगाचार्य स्वामी भगवान दास की स्मृति में ध्रुवपद समारोह को आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों यथा - मथुरा, अयोध्या, विंध्याचल, गोरखपुर, वृन्दावन आदि में किया जाता रहा है।

12. **नवांकुर संगीत समारोहः-**

अकादमी द्वारा विगत 45 वर्षों से आयोजित शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता के गायन, वादन एवं नृत्य के विजेता कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देष्य से नवांकुर संगीत समारोह श्रृंखला का आयोजन किया जाता रहा है। इस समारोह की विशेषता है कि किसी एक जनपद के कलाकारों को दूसरे जनपद में जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होता है, जिससे कि एक क्षेत्र के कलाकारों एवं उनकी कला का दूसरे क्षेत्र के कलाकारों को जानने एवं उनकी कला को समझने का अवसर मिलता है।

13. **<u>यादें:-</u>**

गज़ल साम्राज्ञी स्व0 बेगम अख्तर की स्मृति में अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 अक्टूबर को "बेगम अख्तर स्मृति समारोह" के अन्तर्गत गज़ल कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

14. **<u>धरोहर:-</u>**

अकादमी के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 13 नवम्बर को "धरोहर" शीर्षक से कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 2001 में किया गया था। तब से निरन्तर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

15. **<u>कार्यशालाएं:-</u>**

(क) **<u>कथक नृत्य कार्यशाला:-</u>**

अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश में प्रस्तुतिपरक कथक नृत्य कार्यशाला का आयोजन दिनांक 01 जून से 30 जून की अवधि में किया जाता है। इसमें तैयार प्रस्तुति का मंचन भी अकादमी परिसर स्थित संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में किया जाता है।

(ख) **<u>नाट्य कार्यशाला:-</u>**

अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन मई से जून माह की अवधि में प्रदेश एवं देश के प्रख्यात नाट्य निर्देशकों के निर्देशन में अकादमी परिसर में किया जाता है। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मिलित करते हुए प्रस्तुति तैयार की जाती है जिसका प्रस्तुतिकरण भी किया जाता है।

<u>उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2022-23 में की गयी गतिविधियों का विवरण</u>

दिनांक	कार्यक्रम/गतिविधि	कलाकार	स्थल
02 अप्रैल, 2022	कथक नृत्य नाटिका- 'नमामि रामम"	कथक केन्द्र, लखनऊ के कलाकारों द्वारा	बौद्ध संस्थान, लखनऊ
14 अप्रैल, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	देवनाथ संगीत महाविद्यालय, मऊ नाथ भंजन
18 से 22 अप्रैल, 2022	सम्भागीय नाट्य समारोह	1. इश्क़ पर ज़ोर नहीं दिनांक-18.04.2022 संस्था- सबरंग, लखनऊ ले0- पियर द बोमार्शिए अनु0- जितेन्द्र कौशल नि0- अशोक सिन्हा 2. आत्मीयता दिनांक-19.04.2022 संस्था- अभियान सामाजिक सांस्कृतिक एवं रंगमंचीय संस्थान, गोरखपुर ले0- श्री नारायण पांडे नि0- श्री नारायण पांडे	18 से 22 अप्रैल, 2022

		3. लाहौल विला कूवत दिनांक-20.04.2022 संस्था-रासरंग, सांस्कृतिक शैक्षिक सामाजिक संस्था, लखनऊ ले0- मौलियर रूपा0- आत्माराम सांवत नि0- सरिता यादव 4. गबरघिचोर दिनांक-21.04.2022 संस्था- संकल्प साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ले0- भिखारी ठाकुर नि0- आशीष त्रिवेदी 5. हनीमून दिनांक-22.04.2022 संस्था- मंचकृति समिति, लखनऊ ले0- विवेक चटर्जी नि0- आशुतोष विश्वकर्मा	
22 अप्रैल, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अंतर्गत हिन्दी नाटक 'ज़हर' की प्रस्तुति।	नाट्य वस्तु, कानपुर की प्रस्तुति	वाल्मीकि रंगशाला प्रेक्षागृह
25 एवं 26 अप्रैल, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	आगरा
27 अप्रैल, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	हाथरस
27 से 30 अप्रैल, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी द्वारा ज़िला प्रशासन, बिजनौर एवं नाट्यद्वीप फाउण्डेशन, धामपुर के सहयोग से चार दिवसीय 'लोक नाट्य समारोह' का आयोजन किया गया।	रामलीला दिनांक- 27 अप्रैल, 2022 सस्था-कार्तिकेय मुरादाबाद नौटंकी- 'सुल्ताना डाकू' दिनांक- 28 अप्रैल, 2022 नौटंकी प्रषिक्षण केन्द्र, धामपुर कठपुतली- गुलाबो सिताबो	शुभम मण्डप, पंजाबी कॉलोनी के सामने, धामपुर

		दिनांक- 29 अप्रैल, 2022 विपिन कुमार, लखनऊ स्वांग-रूप बसंत विनोद कुमार व सतीशचंद आदर्श कला मण्डल, बिजनौर रासलीला दिनांक- 30 अप्रैल, 2022 वैष्णवी नृत्यालय, सहारनपुर	
28 अप्रैल, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी एवं बाबा भीमराव आम्बेडकर, विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'अवध संध्या' श्रृंखला के अन्तर्गत हास्य नाट्य प्रस्तुति 'पति चाहिए'	सूर्या थिएटर कल्चरल सोसाईटी लखनऊ द्वारा नाट्य प्रस्तुति। ले0- राजेन्द्र तिवारी निर्देशक- विवेक मिश्रा (विष्णु)	बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
30 अप्रैल, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अंतर्गत आयोजित 'कथक एवं लोक नृत्य'	सरस्वती संगीत अकादमी, उत्तर प्रदेश	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह, लखनऊ
04 एवं 05 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	नटराज संगीत महाविद्यालय, वाराणसी
05 से 14 मई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव, मिर्जापुर के निर्देशन में 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।	कजरी गायन कार्यशाला	मिर्जापुर
05 से 09 मई,2022	सम्भागीय नाट्य समारोह	1. 'मिस अहलूवालिया' दिनांक- 05 मई, 2022 संस्था-लखनऊ कम्युनिकेशन सोसाइटी, लखनऊ ले0- शेखर चटर्जी नि0- दबीर सिद्दीकी 2. 'सरफरोशी की तमन्ना' दिनांक- 06 मई, 2022 संस्था- सोशल पैरिटी एक्टिव कल्चरल एण्ड एजुकेशनल सोसाइटी, सहारनपुर ले0- आदित्य शर्मा नि0- योगेश पंवार	संवाद भवन, पं0 दीन दयाल उपाध्याय, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

		3. 'कहानियों का मंचन' दिनांक- 07.मई, 2022 संस्था- इमेन्स आर्ट एण्ड कल्चरल सोसाइटी, लखनऊ 1. वीकएंड ले0- निर्मल वर्मा 2. श्यामा एक वैवाहिक विडम्बना ले0-भुवनेश्वर प्रसाद 3. अयोध्या बाबू सनक गए ले0-उमाशंकर चौधरी नि0- सुदीप चक्रवर्ती 4. 'बैन्ड मास्टर' दिनांक- 08 मई, 2022 विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान, प्रयागराज ले0- परिमल दत्ता नि0- अजय मुखर्जी 5. मंदिर' दिनांक- 09 मई, 2022 संस्था- सृजन शक्ति वेलफेयर, सोसाइटी, लखनऊ ले0/नि0- के.के.अग्रवाल	
06 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	विन्ध्यांचल
06 मई, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'अमृत संगीत उत्सव' का आयोजन मथुरा में स्थानीय स्कूल के सहयोग से उनके परिसर में किया गया।	भजन गायन- सर्वेश्वर शरण, वृन्दावन वाटकर सिस्टर्स, नागपुर	मथुरा
06 मई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत स्व0 डा0 योगेश प्रवीन जी की रचनाओं पर संगीत कार्यशाला के उपरांत प्रस्तुति	सुर ताल संगम, लखनऊ निर्देशन निर्देशन - श्रीमती विमला पंत	वाल्मीकि रंगशाला

07 मई, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'अमृत संगीत उत्सव' का आयोजन मथुरा में स्थानीय स्कूल के सहयोग से उनके परिसर में किया गया।	ब्रज लोक गायन- माधुरी शर्मा, मथुरा कथकनाट्यम रजनी महाराज एवं त्रिभुवन महाराज, नई दिल्ली	मथुरा
08 मई, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'अमृत संगीत उत्सव' का आयोजन मथुरा में स्थानीय स्कूल के सहयोग से उनके परिसर में किया गया।	पद्मविभूषण विदुषी गिरिजा देवी जी की जयन्ती के अवसर पर गायन कार्यक्रम 'पुष्पांजलि' आस्था गोस्वामी, मथुरा पद्मश्री मालिनी अवस्थी, लखनऊ	मथुरा
09 मई, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'अमृत संगीत उत्सव' का आयोजन मथुरा में स्थानीय स्कूल के सहयोग से उनके परिसर में किया गया।	भजन गायन- शिवानी शुक्ला, वाराणसी ब्रज लोक गायन एवं नृत्य- वंदना श्री, मथुरा	मथुरा
10 से 12 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	महाराजा पब्लिक स्कूल, रामघाट रोड, अयोध्या
11 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	देवी पाटन
12 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	सरसरंग संगीत संकुल, गोरखपुर
13 मई, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की 'क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत नाट्य प्रस्तुति	नाटक- आ़खिरी बसन्त निर्देशन- शुभदीप राछा	वाल्मीकि रंगशाला
17 मई, 2022	पं.एम.एस.कल्याणपुकर-कथकाचार्य जी पर आधारित पुस्तक का विमोचन एवं कथक नृत्य प्रस्तुति	अभिव्यक्ति द एक्सप्रेशन, लखनऊ	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
18 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	सहारनपुर
23, 24 मई, 2022	सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता प्रतिभागियों द्वारा	लखनऊ

25 मई से 14 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी एवं संस्कार भारती, जौनपुर, कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला	कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला	बी.आर.पी. इंटर कॉलेज, जौनपुर
26 मई से 15 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी एवं संस्कार भारती, मिर्जापुर एवं लॉयंस क्लब, मीरजापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित	कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला	लॉयंस स्कूल सभागार, मीरजापुर
01 से 05 जून, 2022	सम्भागीय नाट्य समारोह	1. 'रिफन्ड' दिनांक- 01.06.2022 संस्था- कन्सर्ड थिएटर, लखनऊ ले0- फ्रिन्ट्ज़ करान्धी रू0- सेवक नय्यर नि0 देवाशीष मिश्र 2. 'ज़हर' दिनांक- 02.06.2022 संस्था- नाट्य वास्तु सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, कानपुर ले0- पंकज सोनी नि0- प्रवीण कुमार अरोड़ा 3. 'महामना' दिनांक- 03.06.2022 संस्था-एक्सपे्रशन थिएटर इंस्टीट्यूट, लखनऊ नि0- अरूण त्रिवेदी 4. 'मस्तमौला' दिनांक-04.06.2022 संस्था- कोरेनेशन आर्ट थिएटर, शाहजहाँपुर ले0- जयवर्धन नि0- आशीष त्रिवेदी 5. 'सिंहासन मेरे बाप का' दिनांक-05.06.2022 शक्ति फाउण्डेशन, लखनऊ ले0/नि0- मुकेश वर्मा	

01 से 30 जून, 2022	कथक कार्यशाला	कार्यशाला प्रतिभागी	अकादमी, कथक केन्द्र
03 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अंतर्गत आयोजित नट सम्राट भिखारी ठाकुर को समर्पित, रूपांतर नाट्य मंच, 'कहत भिखारी' गोरखपुर की मौलिक प्रस्तुति	रूपान्तर, गोरखपुर सचिव, निधिकान्त पाण्डेय	वाल्मीकि रंगशाला
04 जून से 10 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ, सांस्कृतिक समिति व राजकीय संग्रहालय झाँसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एवं संस्कार भारती झाँसी परिवार के सहयोग से	संगीत विधा की गायन एवं वादन कार्यशाला	राजकीय संग्रहालय झांसी
07,08,09,व 13, जून, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी एवं नव अंशिका फाउण्डेशन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में नाट्य समारोह	1. मिसेस आंटी का गड़बड़साला 2. बात का बतंगड़ 3. लाहौल बिला कूवत 4. दी एक्सीडेंटल डेथ ऑफ एन अनार्किस्ट	वाल्मीकि रंगशाला
10 जून, से 04 जुलाई, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) एवं बुन्देल नाट्य कला केन्द्र (समिति) अभिनय प्रशिक्षण एव कल्चरल रिसर्च सेन्टर झांसी के संयुक्त तत्वावधान में	मणिपुरी युद्ध कला एवं नृत्य शैली पर आधारित प्रस्तुति परक कार्यशाला	झांसी
10 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित कथक नृत्य कार्यक्रम	कथक नृत्य- सुश्री दीपमाला सचान, लखनऊ	वाल्मीकि रंगशाला
10 जून से 25 जून, 2022	उ.प्र.संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं दीप सामाजिक संस्थान, गोण्डा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित	ग्रीष्मकालीन लोकनृत्य कार्यशाला	डीएसएस डान्स एकाडमी, गोलागंज-गोण्डा

15 जून से 15 जुलाई, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं गगनिका सांस्कृतिक समिति,शाहजहाँपुर के संयुक्त तत्वावधान में	30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला	शाहजहाँपुर
19 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा श्री दीपक सिंह के निर्देशन में आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत लोक गायन के कलाकारों का 'सत्कार' कार्यक्रम	लोक कलाकारों का सत्कार	झांसी
20 जून से 28 जून, 2022	प्रादेशिक शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता कार्यक्रम	19 सम्भाग में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों द्वारा	वाल्मीकि रंगशाला, लखनऊ
20 जून से 31 जुलाई	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं रंग प्रशिक्षु थिएटर, कल्चरल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बरेली के संयुक्त तत्वावधान में 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक कार्यशाला	30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला	बरेली
27 जून, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत द्वारा नौटंकी 'सियाराम संघर्ष गाथा' कार्यक्रम	निर्देशन- श्री अमित दीक्षित	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
30 जून, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ(संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा पद्मश्री डॉ. योगेश प्रवीन जी पर केन्द्रित आकादमी पत्रिका 'छायानट' का विमोचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम	कथक संरचनाएं- कथककार्यशाला के प्रतिभागी गायन- देवेश चतुर्वेदी और साथी।	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
08 जुलाई, 2022	क्षितिज श्रृंखला के अन्तर्गत उपशास्त्रीय गायन कार्यक्रम	डॉ. शालिनी वेद, कानपुर	वाल्मीकि रंगशाला
08 जुलाई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत नाट्य मंचन- 'अजब गजब मशीन की कहानी' का मंचन किया गया।	कामायनी संस्था, लखनऊ निर्देशक- श्री नवीन श्रीवास्तव	संतगाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह

10 जुलाई से 10 अगस्त, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं अथर्व कल्चरल सोसाइटी, शाहजहाँपुर के संयुक्त तत्वावधान में तीस दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला	अथर्व कल्चरल सोसाइटी, शाहजहाँपुर कार्यशाला निर्देशक- योगेश पाण्डे	लखीमपुर खीरी
11 जुलाई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी एवं अवधी विकास संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में नाटक- 'रश्मिरथी'	अवधी विकास संस्थान	संतगाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
14 जुलाई, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा अकादमी अवार्ड से सम्मानित पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव, मीरजापुर का साक्षात्कार	साक्षात्कार- पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव, मिर्जापुर साक्षात्कारकर्ता- श्री आलोक पराड़कर	अकादमी स्टूडियो
14 जुलाई, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ(संस्कृति विभाग,उ0प्र0) एवं राकेश सिंह यादव के संयुक्त तत्वावधान में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर 'सत्कार' कार्यक्रम	कलाकारों को सम्मान देने हेतु 'सत्कार' कार्यक्रम	गाज़ीपुर
14 जुलाई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत गौरैया संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम	"कजरी महोत्सव" निर्देशिका- अजीता श्रीवास्तव	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
15 जुलाई से 15 अगस्त, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी एवं संकल्प साहित्यक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, बलिया के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला में किया गया	नाट्य कार्यशाला निर्देशक-श्री आशीष त्रिवेदी	श्री मुरली मनोहर टाऊन इण्टर कॉलेज, बलिया
19 जुलाई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अभिलेखागार रिकार्डिंग	आज़ादी का मंगल विषय पर क्रांतिकारी मंगल पाण्डेय के चरित्र पर साक्षात्कार- श्री रवि भट्ट, लखनऊ साक्षातकारकर्ता- श्री आलोक पराड़कर	अकादमी स्टूडियो

22 जुलाई, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं दीप सामाजिक संस्थान द्वारा अवध संध्या श्रृंखला के अन्तर्गत 'लोकरंग'	आल्हा गायन –सहीराम पाण्डेय एवं साथी, गोण्डा अवधी गायन –प्रीति सिंह एवं साथी, लखनऊ अवधी लोकनृत्य- गुलाब सिंह एवं साथी, लखनऊ	डॉ. सम्पूर्णानन्द प्रेक्षागृह (टाउन हॉल गांधी पार्क, गोण्डा)
02 अगस्त, 2022	'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी तथा दीप सामाजिक संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 2 अगस्त, 2022 को पिंगली वेंकय्या के जन्मदिवस पर 'समर्पयामि' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।	कथक केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
04 से 28 अगस्त, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी एवं नाट्यद्वीप फाउण्डेशन, धामपुर के संयुक्त तत्वावधान में पच्चीस दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया।	नाट्य कार्यशाला निर्देशक- श्री अविनाश देशपाण्डे	शुभम मण्डप, धामपुर
06 अगस्त, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत स्वर सरिता नादाधीन जगत, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में	स्व0 डॉ. समर बहादुर सिंह की स्मृति में भजन, गीत व लोकगीत	वाल्मीकि रंगशाला
12 अगस्त, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के अन्तर्गत स्थापित कथक केन्द्र, की छात्राओं द्वारा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत आयोजित स्वतंत्रता सप्ताह में कथक नृत्य नाटिका- ''मणिकर्णिका'' का प्रस्तुतिकरण	नृत्य नाटिका ''मणिकर्णिका''	राजकीय संग्रहालय, झांसी

15 अगस्त, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के अन्तर्गत स्थापित कथक केन्द्र, की छात्राओं द्वारा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत आयोजित स्वतंत्रता सप्ताह में कथक नृत्य नाटिका- ''मणिकर्णिका''	नृत्य नाटिका- मणिकर्णिका	सिरसागंज, मैनपुरी
15 अगस्त, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी के कथक केन्द्र लखनऊ द्वारा कथक केन्द्र के 75 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा झंडा गीत पर आधारित नृत्य नाटिका- 'सबका गर्व तिरंगा' की प्रस्तुति की गई।	76वें स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर दिनांक 15 अगस्त, 2022 को, विधान भवन के सम्मुख उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्य नाथ जी, के समक्ष ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यक्रम	विधान सभा, लखनऊ
25 अगस्त, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत अल्पिका, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम	अल्पिका संस्था द्वारा अनंत कला महोत्सव के अन्तर्गत विभिन्न भारतीय कलाओं का मंचन	वाल्मीकि रंगशाला
29 अगस्त, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी की 'क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत सितार वादन की प्रस्तुति	लवली शर्मा, सितार वादन	वाल्मीकि रंगशाला
31 अगस्त व 01 सितम्बर, 2022	'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत उ.प्र.संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं कथक केन्द्र द्वारा सुविख्यात कथकाचार्य पं0 लच्छू महाराज जी की स्मृति में कथक केन्द्र के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कथक के लास्य अंग पर आधारित दो दिवसीय कार्यक्रम ''नमन'' का आयोजन में किया गया।	31 अगस्त, 2022 कथक संरचनाएं- कथक केन्द्र लखनऊ युगल नृत्य- सुश्री ईशा-मीशा रतन लखनऊ विरासत- श्री त्रिभुवन महाराज, नई दिल्ली गीत गोविन्दा- डॉ. पाली चन्द्रा, स्विटज़रलैण्ड	संतगाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह

		01 सितम्बर, 2022 कथक संरचनाएं - कथक केन्द्र लखनऊ एकल नृत्य- सुश्री इप्शिता मिश्रा, दिल्ली युगल नृत्य- सुश्री शुभी जौहरी-श्री अमित खिंची, दिल्ली गोरी करत श्रृंगार- सुश्री स्वरश्री श्रीधर, दुबई निरतत् ढंग- सुश्री नयनिका घोष, गुड़गांव	
03 सितम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत मीशा थियेटर लखनऊ द्वारा नाट्य मंचन	मिशन शक्ति के अन्तर्गत नाटक- 'वीरांगनाए' का आयोजन किया गया	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
10 सितम्बर, से 10 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं मानसी अभिनय गुरूकुल, सहारनपुर के संयुक्त तत्वावधान आयोजित 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन सहारनपुर में किया गया।	निर्देशन- श्री योगेश पंवार	सहारनपुर
16 सितम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत सुर सागर संस्थान, लखनऊ द्वारा अवधी लोकगीत एवं लोकनृत्य का आयोजन में किया गया।	सुर सागर संस्थान	वाल्मीकि रंगशाला
25 सितम्बर, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयन्ती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा	विषय विशेषज्ञ- डॉ.करूणा पाण्डेय साक्षात्कारकर्ता- प्रो0 ज्योति काला	अकादमी स्टूडियो
27 सितम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत वाइब्रेन्ट फोक आर्ट एण्ड कल्चरल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा लोकगायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	लोक गायिका वन्दना मिश्रा के निर्देशन में 75 महिलाओं द्वारा लोक गीतों में राम।	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह

01 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत माँ महेश्वरी सांस्कृतिक सेवा समिति महमूदाबाद, सीतापुर द्वारा हास्य प्रधान अवधी नाटक 'दरोगा कै दाढ़ी' का मंचन किया गया।	अन्तर्गत माँ महेश्वरी सांस्कृतिक सेवा समिति महमूदाबाद,	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
07 अक्टूबर, 2022	पद्मविभूषण पं0 किशन महाराज जन्मशती वर्ष के अन्तर्गत उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी एवं अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, लखनऊ तथा उ0प्र0जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नादांजलि- लय-किसलय एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।	तबला वादन- · पं0 पूरण महाराज · कु0 अवन्तिका मिश्रा उपशास्त्रीय गायन- · विदुषी मीना मिश्रा एवं साथी, वाराणसी	वाल्मीकि रंगशाला
11 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव, मीरजापुर के सहयोग से संगीत के पुरोधा पं0 महेश्वरपति त्रिपाठी के स्मरण में 'सत्कार' कार्यक्रम का किया गया	कार्यक्रम संयोजिका- पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव मुख्य अतिथि-योगेश्वर राम मिश्र, मण्डलायुक्त, विन्ध्याचल अध्यक्षता- पद्मश्री डॉ. राजेश्वर आचार्य	शिवरात्री अतिथि भवन, विन्ध्याचल
11 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत नव अंशिका फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'शांति स्वरूपा' नृत्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया	नृत्य प्रस्तुति	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
15 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं अष्ट विनायक फाउण्डेशन, लखीमपुर खीरी द्वारा अथर्व कल्चरल सोसाइटी, शाहजहाँपुर की नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया गया।	नाट्य प्रस्तुति- पंचलैट	कृष्णा इंटर कॉलेज, मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी

18 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं संस्कार भारती उ0प्र0, अवध प्रान्त द्वारा सुश्री उर्मिला पाण्डे, गोण्डा के निर्देशन में किया गया।	नृत्य नाटिका - 'वैदेही के राम'	महाराज गंगाधर राव मेंला मंच (मुक्ताकाशी मंच) दुर्ग मार्ग, झांसी
19 अक्टूबर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ 'उल्लास उत्सव' के अन्तर्गत पिछले तीन वर्षों के 18 मंडलों में आयोजित संभागीय संगीत प्रतियोगिताओं के उपरान्त हुई प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के नवोदित विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया	विजेता प्रतिभागी	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
28 अक्टूबर, 2022 से 19 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा बीस दिवसीय नाट्य लेखन कार्यशाला का आयोजन गौतम सिद्धार्थ, मुम्बई के निर्देशन में आयोजित किया गया।	कार्यशाला निर्देशक- सिद्धार्थ गौतम	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी
30 अक्टूबर, 2020	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा गज़ल सम्राज्ञी बेगम अख्तर की स्मृति में 'यादे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	गायन: विदुषी रागेश्वरी दास, कोलकाता	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
05 नवम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत कोशल लिटरेचर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन किया गया।	कोशल लिटरेचर फेस्टिवल	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
11 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक सम्बद्ध परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'क्षितिज' श्रृंखला के अन्तर्गत अर्थव कल्चरल सोसाइटी द्वारा नाट्य प्रस्तुति 'हम तो ऐसे ही हैं' का मंचन किया गया।	नाट्य प्रस्तुति- 'हम तो ऐसे ही हैं'	वाल्मीकि रंगशाला

13 नवम्बर, 2022	अकादमी स्थापना दिवस के अवसर पर उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा आयोजित "धरोहर", कार्यक्रम।	कथक आयाम 1. कथक केन्द्र, लखनऊ युगल नृत्य 1. डॉ.नेहा सिंह- कान्तिका मिश्रा, लखनऊ	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
19 नवम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा श्री गौतम सिद्धार्थ के निर्देशन में आयोजित 20 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन।	मुख्य अतिथि - डॉ. विद्या बिन्दु सिंह, लखनऊ (लोक कला विशेषज्ञ) एवं प्रतिभागी	अकादमी सभाकक्ष
21 से 25 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 05 दिवसीय विषिष्ट नाट्य समारोह 'लेखक एक नाटक अनेक' का आयोजन किया गया।	पद्मश्री डी0पी0सिन्हा के लिखे नाटकों का आयोजन- सम्राट अशोक सदर आपका अपने-अपने दांव सीढ़ियां रक्त अभिषेक	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह,
22 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत रासरंग संस्था, लखनऊ की नवीनतम नाट्य प्रस्तुति	नाटक- भरत मिलाप	वाल्मीकि रंगशाला
24 से 27 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी द्वारा चार दिवसीय सम्भागीय नाट्य समारोह का आयोजन दीनदयाल सभागार, झाँसी में किया गया।	1- 24 नवम्बर, 2022,(बृहस्पतिवार) बिम्ब सांस्कृतिक समिति,लखनऊ धौलू पण्डित ले0- आर0के.नाग नि0- महर्षि कपूर 2- 25 नवम्बर, 2022,(शुक्रवार) रूपान्तर नाट्य मंच,गोरखपुर कहत भिखारी ले0- अपर्णेश मिश्र नि0- सुनील जायसवाल 3- 26 नवम्बर, 2022,(शनिवार) जागरूक शिक्षण-प्रशिक्षण सेवा संस्थान, बलिया चरनदास चोर ले0- हबीब तनवीर नि0- अभय सिंह कुशवाहा	दीनदयाल सभागार, झाँसी

		4- 27 नवम्बर, 2022,(रविवार) नाट्यदीप फाउण्डेशन, बिजनौर दिल की दुकान ले0- राजेश कुमार शर्मा नि0- अविनाश देश पाण्डेय	
29 नवम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं एस.आर.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्सयूशन्स, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में अवध संध्या श्रृंखला के अन्तर्गत अवधी भोजपुरी गायन का आयोजन किया गया।	भोजपुरी गायन रंजना मिश्रा एवं साथी, लखनऊ अवधी गायन ऋचा जोशी एवं साथी, लखनऊ	स्वामी विवेकानन्द सभागार, एस.आर.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स बक्शी का तालाब, लखनऊ
30 नवम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत रंगकर्मी अजय अवस्थी की स्मृति में समर्पित अमुक आर्टिस्ट ग्रुप की नाट्य प्रस्तुति।	नाटक- 'बेरंग तस्वीरे'	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
08 दिसम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) एवं द आर्ट एस्थेटिक फाउण्डेशन (इण्डिया) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम	नृत्य महोत्सव - 2022	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
16 दिसम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी की 'रसमंच योजना' के अन्तर्गत साकार फाउण्डेशन, लखनऊ द्वारा प्रो0 कमला श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	लोकगीतों की प्रस्तुति	वाल्मीकि रंगशाला
17 दिसम्बर, 2022	उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं पं0 सूर्यदत्त आनंदी सहगल इन्टर कॉलेज, खैराबाद, सीतापुर के संयुक्त तत्वावधान में अकादमी की 'अवध संध्या' श्रृंखला के अन्तर्गत "गायन एवं नृत्य संगम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	भोजपुरी गायन · माधुरी वर्मा एवं साथी, लखनऊ अवधी गायन · शिवपूजन शुक्ला एवं साथी, गोण्डा लोकनृत्य कु0 समृद्धि एवं साथी, खैराबाद	पं0 सूर्यदत्त आनंदी सहगल इन्टर कॉलेज, खैराबाद, सीतापुर

21 दिसम्बर, 2022	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ की रसमंच योजना के सहयोग से कथक केन्द्र, प्रयागराज द्वारा आयोजित हांडिया माटी कथक महोत्सव	"हांडिया माटी कथक महोत्सव"	पी.जी. कॉलेज, हांडिया
28 दिसम्बर, 2022	आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा अवधी लोकगीत-गायन एवं परम्परा विषय पर साक्षात्कार, स्टूडियो रिकार्डिंग	साक्षात्कार- वरिष्ठ संगीतकार एवं विशेषज्ञ- श्री केवल कुमार	अकादमी स्टूडियो
02 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा तरंग स्कूल ऑफ म्यूज़िक, बदायूं के सहयोग से सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता के प्रतिभागी कलाकार	दाऊजी का मन्दिर, किला बाज़ार, बरेली
04 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा कथक केन्द्र, प्रयागराज के सहयोग से सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता के प्रतिभागी कलाकार	कथक केन्द्र-3, सर्कुलर रोड, ग्रीन कालोनी, प्रयागराज
06 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा नटराज संगीत महाविद्यालय, बांदा के सहयोग से सम्भागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता	प्रतियोगिता के प्रतिभागी कलाकार	नटराज संगीत महाविद्यालय, बांदा
07 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा सरस्वती नृत्य साधना केन्द्र, नोयडा के सहयोग से अवध संध्या योजना के अन्तर्गत कथक नृत्य नाटिका 'नृत्यमयी रामायण'	रंजना नैब एवं साथी, सहारनपुर	इन्दिरा गांधी ऑडिटोरियम, नोयडा
07 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा माँ श्रुति संगीत शिक्षा प्रसार समिति, अतर्रा (बांदा) के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	माँ श्रुति संगीत शिक्षा प्रसार समिति, अतर्रा
07 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा मुनाल संस्था के सहयोग से 'लोक नृत्य सांस्कृतिक संध्या'	लोकनृत्य के कलाकार	वाल्मीकि रंगशाला

09 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा सरसरंग संगीत संकुल, गोरखपुर के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	कृति कल्चर संस्थान, गोरखपुर
10 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा दीप सामाजिक संस्थान, गोण्डा के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	टाउन हॉल, गोण्डा
13 जनवरी, 2023	संगीत नाटक अकादमी, नईदिल्ली, उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत तीन दिवस 'अमृत युवा कलोत्सव -2022' का आयोजन	· सितार-संतूर जुगलबंदी- नीरज मिश्रा और कुमार सारंग, वाराणसी कथक नृत्य- सौरव मिश्रा-गौरव मिश्रा, वाराणसी ढेढिया नृत्य- दीपशिखा एवं साथी, प्रयागराज रंग राग(हिंदी नाटक)- कुमार चैतन्य प्रकाश, रंगशीर्ष ट्रस्ट, भागलपुर	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
14 जनवरी, 2023	संगीत नाटक अकादमी, नईदिल्ली, उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं भातखण्डे संस्कृति विष्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत तीन दिवस 'अमृत युवा कलोत्सव-2022' का आयोजन	कठपुतली 'रामायण'-कप्तान सिंह कर्णधार, शाहजहांपुर हिंदुस्तानी गायन- इंद्रेष मिश्रा एवं साथी, दिल्ली ओडिसी नृत्य- वैशाली कला केन्द्र, नोयडा दीवारी नृत्य- कृष्ण पाल साथी, बांदा सरू (हिंदी नाटक)- शिवा कुंदेर, इन्द्रवती नाट्य समिति, सीधी,म0प्र0	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
14 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा पं0नथाराम गौड़ लोक साहित्य शोध संस्थान, हाथरस के सहयोग से पं0नथाराम गौड जी की 150वीं स्वर्ण-शताब्दी जयन्ती के अवसर पर 'संगोष्ठी, प्रदर्शनी, प्रतिभा सम्मान एवं नौटंकी प्रदर्शन' हाथरस	खेमचन्द्र यदुवंशी, मथुरा	श्याम प्रेस, पं0नथाराम गौड़ मार्ग, हाथरस

15 जनवरी, 2023	संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत तीन दिवस 'अमृत युवा कलोत्सव-2022' का आयोजन	वाद्य-वृन्द प्रस्तुति भरतनाट्यम- रूद्राक्षी फाउण्डेशन वाराणसी फरूवाही लोकनृत्य- मुकेश कुमार एवं साथी, अयोध्या शहीदों ने लौ जगाई जो (हिंदी नाटक)- मनीष सैनी, देवांचलम रंगमंडल, लखनऊ	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह
16 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा चित्रण कला मंच समिति, लखनऊ के सहयोग से नाटक का मंचन	श्यामकली का जादू (नाटक)	वाल्मीकि रंगशाला
16 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा भवदीय पब्लिक स्कूल, अयोध्या के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	भवदीय पब्लिक स्कूल, महोबरा बाजार, अयोध्या
18 जनवरी, 2023	अकादमी एवं लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में स्टूडियो रिकार्डिंग एवं साक्षात्कार	श्री मोहन विन्द अहरौरा, मिर्जापुर (लोकगाथा विजयमल के कलाकार)	अकादमी स्टूडियो
18 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा गुरूकुल संगीत संस्थान, झांसी के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	गुरूकुल संगीत संस्थान, दतिया गेट, झांसी

उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2022-23 की अवशेष अवधि में किए जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण

दिनांक	कार्यक्रम/गतिविधि	कलाकार	स्थल
19 से 22 जनवरी, 2023	अकादमी एवं ज़िला प्रशासन, बहराइच के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय सम्भागीय नाट्य समारोह जे0बी0सिंह सभागार, किसान डिग्री कॉलेज, बहराइच	नकल मान भाड़ की भरतनाट्य संस्थान, अयोध्या पुरूष अनुकृति, कानपुर सब गोलमाल है। यायावर रंगमण्डल, लखनऊ हड़प्पा हाऊस माध्यम सामाजिक सांस्कृतिक साहित्यिक संस्था, प्रयागराज	बहराइच

20 जनवरी, 2023	अकादमी द्वारा कथक केन्द्र, कानपुर के सहयोग से 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता'	प्रतियोगिता के प्रतिभागी	कथक केन्द्र, 2ए/244/ 15बी आजाद नगर, कानपुर
27 जनवरी, 2023	पद्मविभूषण गिरिजा देवी जी की स्मृति में समारोह 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	गायनः- 1. अलंकृता राय, वाराणसी 2. देवाशीष डे, वाराणसी 3. सानिया पाटनकर, पुणे	नागरी नाटक मण्डली, कबीर रोड, वाराणसी
20 से 16 फरवरी, 2023	अकादमी द्वारा 'शास्त्रीय संभागीय संगीत प्रतियोगिता' सहारनपुर, अयोध्या, झाँसी, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, मुरादाबाद, वाराणसी, विन्ध्याचल, मऊ, लखनऊ सम्बन्धित जनपदों में वहां के स्थानीय स्कूलों/संस्थाओं के सहयोग से	प्रतियोगिता के प्रतिभागियों द्वारा	सम्बन्धित जनपदों के स्कूलों एवं संस्थाओं में
जनवरी-2023	अवध संध्या	विभिन्न कलाकार	गाजीपुर
7/8/9 फरवरी, 2023	पद्मविभूषण गिरिजा देवी जी की स्मृति में समारोह 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	तीन कलाकारों द्वारा	झांसी में
फरवरी-2023	अवध संध्या	विभिन्न कलाकार	किसी जनपद में
11 से 14 फरवरी, 2023	अकादमी एवं ज़िला प्रशासन, बलिया के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय सम्भागीय नाट्य समारोह	चयनित चार संस्थाओं द्वारा नाटकों का मंचन	बलिया
12 मार्च, 2023	पद्मविभूषण गिरिजा देवी जी की स्मृति में समारोह 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	तीन कलाकारों द्वारा	मेरठ
मार्च-2023	अवध संध्या	विभिन्न कलाकार	किसी जनपद में
17 से 19 मार्च, 2023	अवध महोत्सव		
20 मार्च, 2023	पद्मविभूषण गिरिजा देवी जी की स्मृति में समारोह 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	तीन कलाकारों द्वारा	लखनऊ

मार्च, 2023	शास्त्रीय प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता	समभागीय संगीत प्रतियोगिता के प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी	वाल्मीकि रंगशाला
मार्च, 2023	उल्लास उत्सव	शास्त्रीय प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण	संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह

वित्तीय वर्ष 2023-24 में नगर तथा नगर से बाहर स्थानीय संस्थाओं/ज़िला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण

माह/कार्यक्रम	स्थान
माह अप्रैल, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
3. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
4. प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यषाला	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग
माह मई, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
4. प्रस्तुतिपरक नाट्य/संगीत/नृत्य कार्यशाला	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग
5. पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	वाराणसी अथवा किसी जनपद में
माह जून, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपरक कथक कार्यषाला	लखनऊ
3. प्रस्तुतिपरक नाट्य/संगीत/नृत्य कार्यशाला	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
माह जुलाई, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. लोकनाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
5. नवांकुर संगीत समारोह (बाल वर्ग)	लखनऊ या अन्य जगह
माह अगस्त, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. संगीत कार्यशाला	लखनऊ
3. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
4. नवांकुर संगीत संध्या	लखनऊ
5. 'नमन' स्व0लच्छू महाराज स्मृति में कथक कार्यक्रम	लखनऊ

6. नवांकुर संगीत समारोह(युवा वर्ग)	लखनऊ या अन्य जगह
माह सितम्बर, 2023	
1. 'नमन' स्व0लच्छू महाराज स्मृति कथक कार्यक्रम	लखनऊ
2. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
3. संगीत प्रतियोगिता	प्रदेश के विभिन्न शहरों में
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
माह अक्टूबर, 2023	
1. भजन संध्या	लखनऊ
2. संगीत प्रतियोगिता	प्रदेश के विभिन्न शहरों में
3. यादें (बेगम अख्तर स्मृति कार्यक्रम)	लखनऊ
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
5.पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि'	देश के विभिन्न शहरों में
6. पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	किसी जनपद में
माह नवम्बर, 2023	
1. 'धरोहर' अकादमी स्थापना दिवस	लखनऊ
2. 'उल्लास उत्सव' प्रादेषिक संगीत प्रतियोगिता तथा नवोदित कलाकार संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह	लखनऊ
3. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
5. सम्भागीय नाट्य समारोह	झांसी
6. पद्म विभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि'	प्रदेश के विभिन्न शहरों में
7. पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	किसी जनपद में
माह दिसम्बर, 2023	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. सम्भागीय नाट्य समारोह	बहराइच
3. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
माह जनवरी, 2024	
1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. ध्रुवपद समारोह	प्रदेश के किसी जनपद में
3. सम्भागीय नाट्य समारोह	रायबरेली
4. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
5. लोकनाट्य समारोह	बलिया

6. पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	किसी जनपद में

माह फरवरी, 2024

1. राज्य नाट्य समारोह	सोनभद्र
2. अकादमी सम्मान समारोह	लखनऊ
3. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
4. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
5. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
6. नवांकुर संगीत समारोह (किशोर वर्ग)	प्रदेश के किसी जनपद में

माह मार्च, 2024

1. अवध संध्या	प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
2. स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. रसमंच (दो कार्यक्रम)	लखनऊ
4. लोकोत्सव	लखनऊ के बाहर
5. खुश्बू-ए-गज़ल	लखनऊ अथवा अन्य जनपद
6. पद्मविभूषण गिरिजा देवीजी की स्मृति में 'पुष्पांजलि' कार्यक्रम	किसी जनपद में
7. अवधमहोत्सव-2023	अकादमी परिसर गोमती नगर

नोटः-

1. उपरोक्त कार्यक्रम की तिथियों, स्थान/कार्यक्रमों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन हो सकता है।
2. अकादमी द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ज़िला प्रशासन /स्थानीय संस्था/किसी स्कूल/ कॉलेज में कराया जाएगा।
3. अवगत कराना है कि आजादी का अमृत महोत्सव इत्यादि से सम्बन्धित बजट आवंटित नहीं है किन्तु अकादमी द्वारा उपरोक्तानुसार आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में उक्त के अन्तर्गत कार्यक्रमों का समावेश किया जाएगा।

—----------

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

माह अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक किये गये कार्यो का विवरण

दिनांक 11 अप्रैल, 2022 से 25 अप्रैल, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

- आजादी की पहली क्रांति दिवस की स्मृति में दिनांक 10 मई, 2022 को नाट्य प्रस्तुति **"समरांजलि"** का मंचन जिसमें शहीदों को श्रृद्धांजलि अर्पित की गयी।
- दिनांक 14, 15 व 16 मई, 2022 को संगीतमय नाट्य प्रस्तुति **"कहत कबीर"** का मंचन किया गया।
- दिनांक 06 जून, 2022 को **शिक्षा एवं संस्कार कार्यशाला के अन्तर्गत बाल एवं रंगमंच कार्यशाला** का शुभारम्भ किया गया है।
- दिनांक 12 जून, 2022 को **आजादी के अमृत महोत्सव** के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के आदिवासी कलाकारों के साथ 25 दिवसीय प्रस्तुतिपरक बाल नाट्य कार्यशाला के अन्तर्गत तैयार नाट्य प्रस्तुति **"वीर विप्लवी राजा शंकर शाह-कुँवर रघुनाथ शाह"** का मंचन को अकादमी के थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ में किया गया।
- दिनांक 16 जून, 2022 को कबीर महोत्सव 2022 के अन्तर्गत मगहर में नाट्य प्रस्तुति **"कहत कबीर"** का मंचन किया गया।
- दिनांक 12 जून से 20 जून, 2022 तक क्रमशः **वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, मेरठ एवं लखनऊ** में नवीन शैक्षिक सत्र 2022-24 की प्रारम्भिक प्रवेश परीक्षा में लिखित परीक्षा सम्पन्न करायी गयी।
- **आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बाल रंगमंच प्रशिक्षण**-शिक्षा एवं संस्कार कार्यशाला दिनांक 19 जून से 19 जुलाई, 2022 तक से प्रदेश के विभिन्न जिलों (गाजियाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, बहराइच, प्रयागराज एवं मथुरा) में और राजधानी लखनऊ में पांच स्थानों यथा-राजभवन, परिसर, अवध कालेजिएट, रामगढ़, शाखा कृष्णा नगर, भोनवाल स्कूल, अमाइकस अकादमी, बाल निकुंज गल्र्स अकादमी, अलीगंज में बाल एवं युवा रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद गाजियाबाद, वाराणसी, आजमगढ़, बहराइच एवं मथुरा एवं गोरखपुर में अकीर्तित नायकों पर आधारित नाटक का मंचन हो चुका है।
- दिनांक 01 से 06 जुलाई, 2022 तक बाल रंगमंच प्रशिक्षण शिक्षा एवं संस्कार कार्यशाला के अन्तर्गत अकीर्तित नायकों पर **आधारित छः दिवसीय शौर्य-गाथा महोत्सव** का आयोजन अकादमी परिसर में किया जा रहा है।
- दिनांक 19 जुलाई, 2022 को **"शहीद मंगल पाण्डेय की जयन्ती"** पर जनपद बलिया में विभिन्न स्थलों पर प्रो0 दिनेश खन्ना के निर्देशन में शहीद मंगल पाण्डेय के जीवन एवं बलिदान पर आधारित 07 नुक्कड नाटक जनसामान्य के लिये प्रस्तुत किये गये।
- दिनांक 26 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **"भारत रंग महोत्सव"** के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित प्रस्तुति "अगिन कही भड़क न जाए" का मंचन जनपद वाराणसी में किया गया।
- दिनांक 31 जुलाई, 2022 को **मुंशी प्रेमचन्द्र की जयंती** के अवसर पर **"कथापाठ"** का आयोजन किया गया था।
- दिनांक 02 अगस्त, 2022 को राष्ट्र ध्वज अभिकल्पक पिंगली वंकैया की जयन्ती पर पुष्पाजंलि एवं माल्यार्पण के साथ तिरंगा पर सामूहिक गीतों का मंचन किया गया।
- दिनांक 11 अगस्त, 2022 को ग्रेटर नोएडा में मासिक श्रृंखला **'कलरव'** के अन्तर्गत देश भक्ति पर आधारित "वीर क्रांतिकारी मंगल पाण्डेय" का मंचन किया गया।
- दिनांक 11 अगस्त, 2022 को जनपद आगरा एवं दिनांक 13 अगस्त, 2022 को जनपद सिरसागंज, शिकोहाबाद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत **"तिरंगा"** नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया गया।
- दिनांक 14 अगस्त, 2022 को विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर अकादमी के समस्त अधिकारी, प्रशिक्षक, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा शांति जुलूस निकाला गया।
- दिनांक 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी निकली गयी, सामूहिक राष्ट्रगान एवं देश भक्ति के गीतों का मंचन किया गया।
- दिनांक 20 अगस्त, 2022 को अकादमी के द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रकाश परिकल्पना कक्षा अभ्यास प्रस्तुति के अन्तर्गत नाटक घोस्ट के सीन वर्क का मंचन किया गया

- दिनांक 01 सितम्बर, 2022 को द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा रंग संगीत-**"बिदेसिया"** के अन्तर्गत अतिथि प्रशिक्षक श्री संजय उपाध्याय के निर्देशन में तैयार प्रस्तुति का मंचन किया गया।
- दिनांक 09 सितम्बर, 2022 को भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी की जयन्ती के अवसर पर दीपदान, गोष्ठी, फिल्म प्रदर्शन एवं नाट्य प्रस्तुति **"विद्या सुन्दर"** का मंचन किया गया।
- दिनांक 15 सितम्बर, 2022 को प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा **"संगीत साधना"** के अन्तर्गत तैयार कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया गया।
- दिनांक 16 सितम्बर, 2022 को प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वैदिक एवं प्राचीन ग्रन्थों की परिचयावली के साथ घन पाठ का प्रस्तुतिकरण किया गया।
- दिनांक 25 एवं 26 सितम्बर, 2022 को **पं0 दीन दयाल उपाध्याय की जयन्ती** पर संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0, लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के साथ संयुक्त तत्वाधान में कठपुतली की नाट्य प्रस्तुति एवं विविधता में एकता कार्यक्रम के अन्तर्गत देश के विभिन्न राज्यों के कलाकारों के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किये गये।
- दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर अकादमी के प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों एवं प्रार्थनो के गायन का प्रस्तुतिकरण किया गया।
- आस्टेलिया के सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशक श्री आब्रे मेलर मूरे के निदेशन द्वितीय वर्ष के छात्रों की द्वारा दिनांक 12 से 14 नवम्बर, 2022 तक अंकल वान्या एवं 16 से 18 नवम्बर, 2022 तक थ्री सिस्टर का मंचन किया गया।
- श्री डेनियल ए. केलिन द्वारा दिनांक 13 से 19 दिसम्बर, 2022 तक अकादमी प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।
- भारतेन्दु नाट्य अकादमी एवं उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 21 से 25 नवम्बर, 2022 तक पद्मश्री डी0पी0 सिन्हा के नाटकों का नाट्य उत्सव आयोजित किया गया।
- दिनांक 11 दिसम्बर, 2022 को संस्कृति विभाग एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 15 से 19 दिसम्बर, 2022 तक आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत काकोरी बलिदान दिसव के अवसर पर संस्कृति निदेशालय के निर्देशानुसार जनपद गोरखपुर में अकादमी द्वारा 05 नाटक एवं 25 नुक्कड नाटकों का मंचन किया गया।
- अकादमी द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर, 2022 से एक माह की शीतकालीन प्रस्तुतिपरक युवा रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत कानपुर के अमर क्रांतिकारी गंगू महतों (नौटंकी शैली) पर आधारित नाट्य प्रस्तुति तैयार की जा रही है।
- माह जनवरी, 2023 में प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ मैटर लिंक द्वारा लिखित एवं मुंशी प्रेमचन्द्र द्वारा रूपातंरित शबेतार का निर्देशन किया जा रहा है।
- जनवरी, 2023 में प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ वृदावन की रासलीला पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया जा रहा है।
- फरवरी, 2023 में द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा रूपसज्जा, मुखौटा निर्माण, मंच सामग्री एवं कठपुतली निर्माण पर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के विशेषज्ञ अतिथि प्रशिक्षण द्वारा कक्षाओं का आयोजन किये जाना है।
- फरवरी, 2023 में महाकवि तुलसीदास की रचना विनयपत्रिका का मंचन अकादमी द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।
- मार्च 2023 में अकादमी द्वारा किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के साथ एम0ओ0यू0 के तहत कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, कार्यशाला पूर्ण हाने के उपरान्त नाटक का मंचन भी किया जायेगा।
- मार्च 2023 में द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा आधुनिक, समकालीन नाटककारों की प्रस्तुति अकादमी में किया जाना प्रस्तावित है

वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रस्तावित योजनाएँ

माह/तिथि	कार्यक्रम	निर्देशक	स्थान
अप्रैल, 2023			
अप्रैल, 2023	विश्व हिन्दी रंग मंच दिवस के अवसर पर सेमिनार/प्रस्तुति का मंचन		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अप्रैल, 2023	छात्र प्रस्तुति पूर्वाभ्यास प्रारम्भ		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
मई, 2023			
मई, 2023	छात्र प्रस्तुति का मंचन		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जून, 2023			
जून, 2023	बाल रंगमंच कार्यशाला का प्रारम्भ		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जून, 2023	वयस्कों हेतु अभिनय कार्यशाला का प्रारम्भ		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जून, 2023	बाल रंगमंच कार्यशाला की प्रस्तुति का मंचन (माह के अतं में)		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जून, 2023	वयस्कों हेतु अभिनय कार्यशाला की प्रस्तुति का मंचन(माह के अतं में)		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जुलाई, 2023			
जुलाई, 2023	प्रवेश परीक्षा व साक्षात्कार	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जुलाई, 2023	नये प्रतिभागियों हेतु दो द्विवसीय कार्यशाला	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जुलाई, 2023	नवीन सत्र का आरम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अगस्त, 2023			
अगस्त, 2023	पिगंली वैकेया जी की जयन्ती पर कार्यक्रम	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अगस्त, 2023	स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश-भक्ति के कार्यक्रम	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
सितम्बर, 2023			
09 सितम्बर, 2023	भारतेन्दु जयंती के अवसर पर अकादमी के छात्रों की नाट्य प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
सितम्बर, 2023	प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों की कक्षायें		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अक्टूबर, 2023			

अक्टूबर, 2023	छात्र प्रस्तुति का पूर्वाभ्यास	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
नवम्बर, 2023			
नवम्बर, 2023	छात्र प्रस्तुति का मंचन		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
दिसम्बर, 2023			
दिसम्बर, 2023	अकादमी द्वारा छात्रों की कक्षा अभ्यास प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जनवरी, 2024			
जनवरी, 2024	छात्र प्रस्तुति का पूर्वाभ्यास	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
फरवरी, 2024			
फरवरी, 2024	छात्र प्रस्तुति का मंचन		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
मार्च, 2024			
27 मार्च, 2024	विश्व रंगमंच दिवस पर सेमिनार/छात्र प्रस्तुति का मंचन		विश्व भारतेन्दु नाट्य अकादमी

नोट- 1. उपरोक्तानुसार प्रस्तावित कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट की उपलब्धता के अनुरूप सम्पन्न कराये जायेंगे तथा उपरोक्त तिथियां आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय हैं।

—----------

अयोध्या शोध संस्थान

तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या-फैजाबाद

भूमिका व स्थापना का उद्देष्य

अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग उ.प्र. शासन द्वारा अयोध्या के ऐतिहासिक तुलसी स्मारक भवन, में 18 अगस्त, 1986 को की गयी। यह संस्कृति विभाग की स्वायत्तशाषी संस्था है। अयोध्या के प्रमुख संतों की विशेष मांग पर जहां गोस्वामी तुलसी दास जी ने मानस की रचना प्रारम्भ की थी, उस स्थान पर गोस्वामी तुलसीदास जी की स्मृति में तुलसी स्मारक भवन के निर्माण की मांग शासन से की गई। अयोध्या के संतों की मांग का सम्मान करते हुए उ0 प्र0 सरकार ने अयोध्या में तुलसी स्मारक भवन का निर्माण वर्ष 1969 में करवाया गया। इस भवन में गोस्वामी तुलसीदास की स्मृति को संजोये रखने हेतु उनकी रामायण लेखन मुद्रा में सांगो-पांग प्रतिमा स्थापित है अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत् है। तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण एवं पुर्ननिर्माण का कार्य प्रगति पर है।

प्रमुख उददेश्य

1. सामान्य रूप से अवध और विशिष्ट रूप से अयोध्या की कला संस्कृति, साहित्य, लोकसाहित्य, इतिहास और परम्पराओं की पाण्डुलिपियों तथा वस्तुओं और शिल्प तथ्यों का संग्रह, संरक्षण और अध्ययन करना है।
2. अवध की सांस्कृतिक विरासत से सम्बंधित नष्ट और विलुप्त हो रही पुरालेखीय सामग्री को सुरक्षित रखना।
3. अवध की भारतीय विद्या, कला, संस्कृति और इतिहास में विशेष रूप से अयोध्या, रामायण और तुलसीदास के साहित्य और दर्शन से सम्बंधित शोध कार्य को प्रोत्साहन देना और पूरा करना।
4. सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, कलात्मक और ऐतिहासिक महत्व पाण्डुलिपियों, पुरालेखीयसामग्री और अन्य वस्तुओं का उनके उन्नयन, संरक्षण और अध्ययन हेतु एक संग्रहालय स्थापित करना।
5. वैष्णव भक्ति, भक्ति आन्दोलन, कला, संस्कृति और सम्बद्ध भाषाई और भारतीय विद्या से सम्बंधित अन्य विषयों में विशेष रूप से अवध और राम की दन्त कथा के संदर्भ में शोध कार्य करना और स्नातकोत्तर अध्ययन संचालित कराना।
6. महत्वपूर्ण मूल पाठों की सूचियों, आलोचनात्मक संस्करणों और अनुवादों तथा शोध कायों के परिणामों को प्रकाशित कराना तथा अन्य उपयोगी प्रकाशनों को प्रकाशित कराना।
7. उपर्युक्त उद्देष्यों को प्राप्त करने और आगे बढ़ाने के लिये भारत और विदेशों के विश्वविद्यालयों संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अन्य शिक्षा संस्थाओं से सहयोग करके कार्य करना।
8. व्याख्यानों, संगोष्ठियों, उत्सवों, सम्मेलनों और अन्य शैक्षिक तथा सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आयोजन कराना तथा इस सोसाइटी के उददेश्यों से सम्बंधित क्रिया-कलापों में लगे हुये शोध छात्रों और लेखकों को छात्रवृत्तियाँ, वृत्तिकाएं और पुरस्कार प्रदान करना।
9. धन, वस्तु या सम्प्रति के रूप में अनुदानों, चन्दों, उपहारों अंशदानों को स्वीकार करना। अयोध्या शोध संस्थान का अपना संविधान है। संस्थान के पदेन अध्यक्ष, प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 शासन है। संस्थान के संचालन हेतु सामान्य सभा, कार्यकारिणी परिषद्, शोध एवं विकास समिति तथा वित्त समिति गठित है।
10. रोजगार परक योजनाओं का संचालन, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार तथा राज्य सरकार के विभिन्न शिल्प और विकास योजनाओं का संचालन।

अयोध्या शोध संस्थान प्रमुख रूप से शोध छात्रों के लिये पुस्तकालय का संचालन महत्वपूर्ण शोध कार्य तथा शोध के परिणामों को प्रकाशित करने हेतु प्रकाशन सहायता शोध पत्रिका का प्रकाशन, महापुरूषों की जयन्ती का आयोजन, प्रशिक्षण

कार्यशालाओं का आयोजन व प्रस्तुति करवाना तथा हस्तशिल्प में देश के विभिन्न कोने से रामकथा का संकलन टेराकोटा के माध्यम से विभिन्न शैलियों में रामकथा अंकन तथा विभिन्न चित्र शैलियों में रामकथा का चित्रांकन राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन करवाया जाना है। इसी के क्रम में नित्य परम्परिक राम लीला का मंचन तथा मैदानी रामलीला का दस्तावेजीकरण शोध कार्य हेतु करवाया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में किये गये कार्यों का विवरण

1. पुस्तकालय का संचालन-

संस्थान द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए अप्रैल, 2020 से स्थगित होने तथातुलसी स्मारक भवन का सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर होने के कारण ग्रन्थालय का संचालन समुचित प्रकार से नहीं हो पा रहा है। विभिन्न विश्वविद्यालय में पंजीकृत शोध छात्रों ने पुस्तकालय एवं वाचनालय की पुस्तकों का अध्ययन किया जा रहा है।
माह अप्रैल, 2022 से माह जनवरी 2023 तक

1.	शोध छात्रों	-	
2.	सामान्य अध्ययनार्थी	-	कोविड-19 के कारण स्थगित
3.	पत्रिका अध्ययनार्थी	-	कोविड-19 के कारण स्थगित
4.	रोजगार समाचार अध्ययनार्थी	-	कोविड-19 के कारण स्थगित
5.	समाचार पत्र अध्ययनार्थी	-	कोविड-19 के कारण स्थगित

2. शिल्प संग्रहालय-

लाकडाउन लगने से पूर्व 21 मार्च, 2020 तक शिल्प संग्रहालय में देश-विदेश की विभिन्न विधाओं में उपलब्ध हस्तशिल्प में निर्मित रामकथा सामग्रियों का संकलन प्रदर्शन की व्यवस्था तथा क्षेत्र की कला का विस्तृत परिचय हेतु प्रदर्शक की व्यवस्था।

3. शोध कार्य-

संस्थान की वित्तीय सहायता से संचालित शोध कार्यो का विवरण-

	चल रहे शोध कार्यः-	**शोधकर्ता**
1.	लखनऊ की रामलीला पर आधारित साक्षी	आलोक पराड़कर
2.	कानपुर की परशुरामी पर शोध	डॉ0 दीप कुमार शुक्ल
3.	कानपुर की धनुषयज्ञ एवं लक्ष्मण-परशुराम संवाद	डा0 दीप कुमार शुक्ल
4.	अवध की रामलीला में मुसलमानों का योगदान	श्री अखिलेश दीक्षित
5.	एन्थ्रोपोलाजिकल इन्साइक्लोपीडिया ऑफ अवध	प्रो0 नदीम हुसैन
6.	भारतीय भाषाओं में रामकथा - हरियाणवी, उर्दू, फारसी, भोजपुरी, ब्रज।	डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

4. संस्थान की सहायता से प्रकाशित ग्रन्थ-

क्र.सं.	**पुस्तक का नाम**	**लेखक/संपादक/संचालनकर्ता**
1.	परम्परा संस्कृति विरासत अयोध्या	श्री यतीन्द्र मिश्र
2.	इन्साइक्लोपीडिया ऑफ द रामायण (भाग 1 से 10)	

3. संस्थान द्वारा साक्षी पत्रिका का प्रकाशन-

क्र.सं.	पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/संचालनकर्ता
1.	साक्षी- 27	डॉ0 पदमा पाटिल
2.	साक्षी- 58	श्री राज वर्धन सिंह
3.	साक्षी- 60	डॉ0 अनुराधा गोयल

6. पंचाग प्रकाशन-

संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष विक्रम संवत् 2079 शाके 1944 सन् 2022-23 का हिन्दी पंचाग का प्रकाशन करवाया गया।

7. नित्य पारम्परिक रामलीला-

दिनांक 02 अप्रैल, 2022 से प्रतिदिन सायं 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक नित्य पारम्परिक रामलीला का मंचन। अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक 14 दिवसीय पखवाड़ा का 19 दलों द्वारा रामलीला का मंचन।

- 02 से 16 अप्रैल, 2022अवध आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या (उ0प्र0)।
- 17 से 30 अप्रैल, 2022 मिथलांचल आदर्श बाल रामलीला मण्डल, सीतामढ़ी (बिहार)।
- 01 से 14 मई, 2022 जय हनुमान मानस उत्थान आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा (उ0प्र0)।
- 15 से 28 मई, 2022 कार्तिकेय संस्कृति संस्था, मुरादाबाद (उ0प्र0)।
- 29 मई से 11 जून, 2022 जय माँ हंसवाहिनी रामलीला एवं नाट्य मण्डल, कौशाम्बी (उ0प्र0)।
- 12 से 25 जून, 2022 श्री धनुषधारी अवध आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या। (उ0प्र0)।
- 26 जून से 09 जुलाई, 2022 श्री राम आदर्श रामलीला मण्डल, बाराबंकी (उ0प्र0)।
- 10 से 23 जुलाई, 2022 आदर्श बाल श्री रामलीला मण्डल, अयोध्या (उ0प्र0)।
- 24 जुलाई से 06 अगस्त, 2022 आदर्श संस्कृति शोध संस्थान, बाराबंकी (उ0प्र0)।
- 07 से 20 अगस्त, 2022 हनुमत आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या (उ0प्र0)।
- 21 अगस्त से 03 सितम्बर, 2022 श्री आदर्श रामलीला मण्डल, सन्त कबीरनगर (उ0प्र0)।
- 04 से 17 सितम्बर, 2022 जय रामानुज किंकर आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा (उ0प्र0)।
- 18 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2022 श्री रामानन्द आदर्श रामलीला मण्डल, कुशीनगर (उ0प्र0)।
- 02 से 15 अक्टूबर, 2022 श्री नन्दनन्दन आदर्श रामलीला मण्डल, बस्ती (उ0प्र0)।
- 16 से 29 अक्टूबर, 2022 श्री संकट मोचन आदर्श रामलीला मण्डल, भदोही (उ0प्र0)।
- 30 अक्टूबर से 12 नवम्बर, 2022 श्री आँजनेयकला मण्डल, सतना (म0प्र0)।
- 13 से 26 नवम्बर, 2022 जनक दुलारी आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या (उ0प्र0)।
- 27 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2022 श्री आदर्श रामलीला मण्डल, बस्ती (उ0प्र0)।
- 11 से 24 दिसम्बर, 2022 श्री आदर्श रामलीला मण्डल, भोपाल (म0प्र0)।
- 25 दिसम्बर, 2022 से 07 जनवरी, 2023
- 08 से 21 जनवरी, 2023

8. अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला का आयोजन- 21 से 23अक्टूबर, 2022 तक अयोध्या दीपोत्सव - 2022 के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अर्न्तगत इण्डोनेशिया, श्रीलंका, मलेशिया, थाईलैण्ड, रूस, फिजी, ट्रिनिडाड एण्ड टोबैगो तथा नेपाल की विदेशी रामलीला की प्रस्तुति करायी गयी।

9. उत्सव-महोत्सव में आयोजित लोक रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम-

1. 21 से 23अक्टूबर, 2022 तक दिव्य दीपोत्सव-अयोध्या के अवसर पर 11 रामलीला दलों सहित19लोक दलों द्वारा भायाग्रा तथा अन्य मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
2. 10 से 14 अगस्त, 2022बालरंग उत्सव, मैनपुरी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
3. अप्रैल व मई, 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत नोएडा में तरंग कार्यक्रम का आयोजन।
4. आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ग्रेटर नोएडा में कलरव कार्यक्रम का आयोजन।
5. 05 मई, 2022 भागीरथी अतिथि गृह, हरिद्वार के उद्घाटन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
6. 04 अगस्त, 2022 अशोगी, प्रतापगढ़ में लोकरंग कार्यक्रम का अयोजन किया गया।
7. 29 सितम्बर, 2022 को मैनपुरी में लोकरंग कार्यक्रम का अयोजन किया गया।
8. 09 व 10 अप्रैल, 2022 को चैत्र रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।
9. 10 जुलाई, 2022 को नोएडा में रागिनी उत्सव का अयोजन।
10. 01 व 05 नवम्बर, 2022 भरतकुण्ड महोत्सव के अवसर पर भरतकुण्ड, अयोध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
11. 15 से 17 नवम्बर, 2022 नन्दीग्राम महोत्सव के अवसर पर भरतकुण्ड, अयोध्या में रामलीला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
12. 05 अक्टूबर, 2022 दशहरा मेला के अवसर पर अयोध्या में रामलीला एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
13. 09 व 10 अक्टूबर, 2022 दशहरा मेला के अवसर पर जसवंतनगर, इटावा में रामलीला का आयोजन।
14. 22 जून, 2022 भारत गौरव ट्रेन यात्रा के अयोध्या आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
15. 15 से 19 दिसम्बर, 2022 शहीद अशफाक उल्ला खाँ के बलिदान दिवस के अवसर पर 05 दिवसीय सांस्कृतिक, शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करवाया गया।

10. जयन्ती का आयोजन-

1. 24 सितम्बर, 2022 को प्रताप नारायण मिश्र जयन्ती के अवसर पर उन्नाव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
2. 14 अप्रैल, 2022 को अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर गोरखपुर, वाराणसी, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, अम्बेडकर नगर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
3. 04 अगस्त, 2022 को गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती के अवसर पर अयोध्या, गोण्डा, चित्रकूट, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया, बांदा, आगरा, गोरखपुर, प्रयागराज तथा कानपुर में विचार संगोष्ठी का आयोजन करवाया गया।
4. 06 अप्रैल, 2022 निषाद राज जयन्ती के अवसर पर श्रृंगबेरपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
5. 11 जून, 2022 पं0 राम प्रसाद बिस्मिल जन्म दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया।
6. 09 अक्टूबर, 2022 को बाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर अयोध्या के विभिन्न 11 स्थलों एवं मथुरा, गोण्डा, लखनऊ, चित्रकूट, वाराणसी, सोनभद्र, वृन्दावन, बलिया में वाल्मीकि रामायण/भजन पाठ का आयोजन।
7. 31 अक्टूबर, 2022 तथा 01 नवम्बर, 2022 को अम्बेडकर नगर तथा 31 अक्टूबर, 2022 को अयोध्या में सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करवाया गया।

11. चित्रकला प्रतियोगिता-

1. 18 जून, 2022वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

13. दीपोत्सव-2022-

दिनांक 18अक्टूबर, 2021 से 25अक्टूबर, 2021 तक अयोध्या दीपोत्सव- 2022 के अवसर पर जनपद अयोध्या के विभिन्न स्थानों रामकथा पार्क, नया घाट, राम बाजार, नयाघाट, भजन संध्या स्थल, रामघाट रेलवे पुल के निकट, भरतकुण्ड, गुप्तार घाट, बड़ी देवकाली, रामघाट चौराहा, कारसेवक पुरम चौराहा, उदया चौराहा, रानोपाली, फतेहगंज, मकबरा, नाका चुंगी, प्रयागराज रोड, रायबरेली रोड, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, पुष्पराज चौराहा, रोडवेज तहसील चौराहा, हनुमान गढ़ी रिकाबगंज तथा अन्य 25 स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, साकेत डिग्री कालेज से नयाघाट, अयोध्या तक शोभायात्रा तथा विदेशी रामलीलाओं में इण्डोनेशिया, श्रीलंका, मलेशिया, थाईलैण्ड, रूस, फिजी, ट्रिनिडाड एण्ड टोबैगो तथा नेपाल की रामलीला का आयोजन करवाया गया। इसके अतिरिक्त मा0 प्रधानमंत्री के आगमन तथा प्रस्थान के अवसर पर अनेक स्थलों पर अभिवादन कार्यक्रमगया है। जिसमें लगभग 1800 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।

14. अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम-

26 नवम्बर, 2022संविधान दिवस के अवसर पर मथुरा मे सांस्कृतिक कार्यक्रम की सफल प्रस्तुति करायी गयी।

15. रामायण कान्क्लेव-

दिनांक 28 जनवरी, 2023 से 25 मार्च, 2023 तक प्रदेश के चयनित 16 जनपदों क्रमशः अयोध्या, गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी, चित्रकूट, श्रृंगवेरपुर, नैमिषारण्य, कानपुर, झांसी, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, मेरठ, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी में करवाया जाना प्रस्तावित है। जिसमें रामकथा/रामायण परम्परा पर आधारित संगोष्ठी/परिचर्चा, रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित चित्रकार शिविर, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन की विभिन्न लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, रामकथा के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित चित्रकला/मूर्तिकला/अभिलेखों की प्रदर्शनी, स्थानीय लोक कलाकारों की लोक प्रस्तुतियां, श्रीराम पर आधारित रामलीला/नौटंकी/स्वांग/भगत एवं नाटक आदि का प्रदर्शन/बच्चों में रामकथा के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने हेतु विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, राम-लक्ष्मण-सीता स्वरूप तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित काव्यार्चन एवं सभी जनपदों में उच्च स्तरीय कलाकारों द्वारा मंचीय प्रस्तुतियां करवाया जाना प्रस्तावित।

16. निर्माण कार्य-

तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण एवं पुर्ननिर्माण का कार्य प्रगति पर है। कार्य प्रगति पर होने से संस्थान की गतिविधियों के पूर्ण रूपेण संचालन में कठिनाई हो रही है।

—----------

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान,

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010

भूमिका एवं स्थापना का उद्देश्य

1. संस्था/कार्यालय की रूपरेखा

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1991 में की गई। यह संस्कृति विभाग की स्वायत्तशासी संस्था है। संस्थान का उद्देश्य भारत के विभिन्न भागों में प्रचलित जैन विधाओं का राष्ट्रीय सन्दर्भ में अध्ययन तत्संबंधी शोध तथा जैन तीर्थंकरों की सांस्कृतिक महत्व की परम्परागत एवं आधारभूत मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, कला अवशेषों का संरक्षण करना।

प्रमुख उद्देश्य- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध जैन संस्कृति से सम्बन्धित सामग्री का संकलन शोध कार्य, उससे सम्बन्धित ग्रन्थों का विकासात्मक अध्ययन एवं उपलब्ध सामग्री का भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी में प्रमाणित भाषान्तर कार्य आदि।

2. जैन विद्या सामग्री के सुसम्बद्ध अध्ययन हेतु विभिन्न सांस्कृतिक महत्व की परम्परागत मान्यताओं की जानकारी के लिए रचनात्मक कार्य एवं शोध कार्य को प्रोत्साहित करना।

3. जैन विद्या संबंधी आधारभूत और मानवीय मूल्यों को जिसे सदियों से भारत में संजोये रखा गया है, इस प्रकार से सुरक्षित रखना ताकि वह नष्ट न हो।

4. जैन धर्मायतनों का संरक्षण करना।

5. भारतीय संस्कृति के दर्शन का जैन दर्शन के साथ समन्वित अध्ययन को प्रोत्साहित करना।

6. जैन विद्या के अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में ग्रन्थ सूची, समीक्षात्मक अध्ययन, अनुवाद शोध पत्रिका, शब्दकोष आदि ग्रन्थों का प्रकाशन।

7. संबंधित और संदर्भित ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों, माइक्रोफिल्मों आदि का पुस्तकालय स्थापित करना।

8. जैन तीर्थ क्षेत्रों के विभिन्न केन्द्रों में भवनों, घाटों, सरोंवरों, कुण्डों और सांस्कृतिक वास्तुकला के महत्व के अन्य स्मारकों/स्थानों का पुर्नस्थापना, सुधार और अनुरक्षण करना।

9. जैन तीर्थ क्षेत्रों की मर्यादा पवित्रता और सामान्य स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्य करना।

10. छात्रवृत्ति, शोध वृत्ति, अध्ययन वृत्ति, यात्रा वृत्ति आदि उपलब्ध कराना।

11. उद्देश्यों के अनुरूप परिचर्चा, चरित्रवाद, परिगोष्ठी, व्याख्यान, सम्मेलन आदि आयोजित करना।

संस्थान के क्रियाकलापः-

पुस्तकालयः- संस्थान का अपना एक पुस्तकालय स्थापित है। संस्थान द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन जैन साहित्य के शोधार्थियों एवं सामान्य अध्ययनार्थी के अध्ययन के उद्देश्य से किया गया है जिसमें वर्तमान समय में जैन धर्म दर्शन, कला, संस्कृति, मूर्तिकला, इतिहास के शब्दकोष सहित लगभग 3500 संदर्भ ग्रन्थ उपलब्ध हैं। पुस्तकालय शोधार्थियों एवं जैन विद्वानों तथा पाठकों के लिए कार्य दिवस पर निःशुल्क अध्ययनार्थ खुला रहता है।

शिक्षण कार्यः- संस्थान द्वारा जैन दर्शन सामान्य परिचय और सिद्धान्त विषय पर छः माह का ऑनलाइन प्रमाण पत्र कोर्स संचालित किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा जैन साहित्य, शिक्षा एवं शोध कार्य के उन्नयन हेतु संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित भातखंडे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त कर प्राकृत, जैन दर्शन एवं अन्य विषयों से संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध कार्य किया जाना ।

प्रकाशन-

1. विमर्श
2. हिन्दी जैन साहित्य परम्परा और सरोकार

3. संभव-वार्षिक पत्रिका
4. जैन धर्म संस्कृति के विविध आयाम
5. जैन-बौद्ध योग दर्शन तथा योग चिकित्सा
6. जैन विद्या (जनरल)
7. हिन्दी साहित्य के उन्नायक साहित्यकार पंडित टोडरमल
8. अभिनंदन – (मिशन शक्ति विशेषांक)
9. महावीर दर्शन
10. तीर्थंकरोंद्भव दर्शन

वार्षिक कैलेण्डर

2. <u>वित्तीय वर्ष 2022-23 में संपादित एवं प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत विवरण</u>

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	14 अप्रैल, 2022	बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
2.	17 अप्रैल, 2022	महावीर जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न।	लखनऊ
3.	03 मई, 2022	अक्षय तृतीया-प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के प्रथम आहार के अवसर पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
4.	04-05 जून, 2022	श्रुत पंचमी के अवसर पर शाश्वत तीर्थ अयोध्या में दो दिवसीय भव्य आयोजन सम्पन्न। विद्वत संगोष्ठी-विषयः जनकल्याण हेतु अनेकान्त सिद्धान्त।	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर रायगंज, अयोध्या, उ0प्र0
5.	14 से 17 जुलाई, 2022	वीर शासन जयन्ती के अवसर पर 04 दिवसीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री छदामी लाल जैन मन्दिर में श्री चौसठ रिद्धि महामण्डल विधान, शान्ति पाठ, जैन विद्वानों की संगोष्ठी एवं बाल कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजित की गई।	श्री छदामी लाल जैन मन्दिर, फिरोजाबाद
6.	07 अगस्त, 2022	भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण दिवस के अवसर पर अनेकान्त सिद्धान्त प्रवर्तन के अन्तर्गत 04 तीर्थंकरों की पवित्र जन्म भूमि, वाराणसी में अनेकान्त सिद्धान्त की उपादेयता विषय पर राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सम्पन्न।	श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, भेलूपुर, वाराणसी
7.	12 अगस्त, 2022	षोडस कारण व्रत की उपासना पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
8.	31 अगस्त, 2022	दसलक्षण पर्व के अवसर पर मा0 उपाध्यक्ष जी द्वारा नित्य धार्मिक परिचर्चा।	लखनऊ

9.	18 सितम्बर, 2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अनेकान्त सिद्धान्त प्रवर्तन के अन्तर्गत तृतीय तीर्थंकर भगवान सम्भव नाथ की जन्म कल्याणक भूमि पर आचार्य सुबल सागर महाराज के संसंघ सानिध्य में "अनेकान्त सिद्धान्त का वैशिष्ट्य एवं उपयोगिता" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न।	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, श्रावस्ती, उ0प्र0
10.	02 अक्टूबर, 2022	गॉधी जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान, सांस्कृतिक एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम- विषयः अहिंसा एवं सत्य के प्रणेता युगपुरूष महात्मा गॉधी।	संस्थान परिसर, लखनऊ
11.	29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2022	आजादी के अमृत महोत्सव एवं अनेकान्त सिद्धान्त के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0, लखनऊ एवं श्री गणेश वर्णी दिगम्बर जैन संस्थान, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में विषय-भारतीय संस्कृति पर श्रमण परम्परा का प्रभाव (इतिहास, भाषा, पुरातत्व, दर्शन और विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में) पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश भर के विद्वानों ने प्रतिभाग किया।	सभागार, इण्टर यूनिवर्सिटी सेन्टर फॉर टीचर्स एजूकेशन, नरिया, डी.एल.डब्लू रोड, वाराणसी
12.	31 अक्टूबर, 2022	सरदार बल्लभभाई पटेल जी की जयन्ती, राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ एवं पुष्पांजलि,	संस्थान प्रेक्षागृह
13.	26 नवम्बर, 2022	संविधान दिवस/भारतीय संविधान दिवस के अवसर कर्मचारियों द्वारा संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।	लखनऊ संस्थान
14.	24 दिसम्बर, 2022	सुशासन दिवस एवं भारत रत्न मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी के जयन्ती के पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी सम्पन्न। विषयः मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी के साहित्य एवं सामाजिक अनुदान	डी0ए0वी0इण्टर कालेज, अलीगंज, एटा
15.	31 जनवरी, 2023	संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर संगोष्ठी/सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रतियोगिता प्रस्तावित।	लखनऊ
16.	फरवरी, 2023	दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार प्रस्तावित।	हस्तिनापुर
17.	16 मार्च, 2023	ऋषभदेव जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तावित।	अयोध्या

आजादी के 75वीं वर्षगॉठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति के दृष्टिगत सम्पन्न एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों का कैलेण्डर

(अप्रैल, 2022 से 15 अगस्त, 2023)

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	09 अप्रैल, 2022	सम्राट अशोक एवं ज्योतिबाफुले की जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
2.	10 मई, 2022	प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अवसर पर एक दिवसीय विचार गोष्ठी सम्पन्न। विषयः स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संघर्ष मे मेरठ अंचल वासियों की भूमिका	श्री कुन्दकुन्द जैन पी0 जी0 कालेज, खतौली, जिला-मुजफ्फरनगर, (उ0प्र0)
3.	18 जून, 2022	रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर जैन दर्शन में बलिदान का महत्व विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न। बेतवा भवन, झॉसी में संगोष्ठी का आयोजन मा0 उपाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। इस संगोष्ठी में 'भारत की आजादी में-वीरांगना लक्ष्मीबाई का योगदान' विषय पर प्रकाश डाला गया एवं अनेक आमंत्रित विद्वानों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।	बेतवा भवन, झॉसी
4.	21 जून, 2022	योग दिवस के अवसर पर योग ध्यान, विपश्यना साधना एवं कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न।	लखनऊ
5.	26 जुलाई,2022	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर निबन्ध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न।	सरस्वती शिशु मन्दिर, तकरोही लखनऊ।
6.	02 अगस्त,2022	पिगंली वैंकेया की जयन्ती- पेंटिंग प्रतियोगिता सम्पन्न।	श्री वर्धमान इण्टर कालेज एवं आयडियल पब्लिक इण्टर कालेज, लखनऊ।
7.	11 अगस्त,2022	हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत संगोष्ठी एवं तिरंगा यात्रा निकाली गयी जिसकी अध्यक्षता बौद्ध संस्थान के मा0 सदस्य ने की।	प्रतापगढ़
8.	13 अगस्त,2022	हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत संगोष्ठी एवं तिरंगा यात्रा निकाली गयी।	बी0 एस0 एक्सिलेंट पब्लिक स्कूल, भिनगा, श्रावस्ती
9.	14 अगस्त,2022	विभाजन विभीषिका दिवस पर संगोष्ठी एवं मौन जुलूस निकाला गया।	झॉसी

10.	15 अगस्त, 2022	स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी एवं हर घर तिरंगा के अन्तर्गत संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
11.	28 अगस्त, 2022	अनेकान्त सिद्धान्त प्रवर्तन के अन्तर्गत विचार गोष्ठी एवं स्थानीय संगीत मण्डली द्वारा प्रस्तुति सम्पन्न। विषयः "अनेकान्त सिद्धान्त द्वारा सामाजिक समरसता"	काकन्दी-कहाऊँ, देवरिया
12.	09 सितम्बर,2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोशिएसन के गठन के अवसर पर परिचर्चा- विषयः स्वतंत्रता की ओर क्रान्तिकारी कदम मुख्य अतिथिः उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के मा0 सदस्य जी परिचर्चा में शामिल हुए एवं अन्त में संस्थान के निदेशक ने हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोशिएसन के गठन पर परिचर्चा करते हुए परिचर्चा का समापन किया।	संस्थान परिसर, लखनऊ
13.	10 सितम्बर,2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयन्ती पर - भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंतः भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता विषय पर गोष्ठी एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न।	श्री वर्द्धमान इण्टर कालेज तकरोही इन्दिरा नगर, लखनऊ।
14.	25 सितम्बर,2022	पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी जयन्ती के अवसर पर पुष्पांजलि एवं परिचर्चा-विषयः पं0 दीन दयाल उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता	संस्थान परिसर, लखनऊ
15.	07 अक्टूबर,2022	पद्मविभूषण पं0 किशन महाराज जन्म शती वर्ष के अन्तर्गत- पद्मविभूषण पं0 किशन महाराज जी पर स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवं सटिफिकेट वितरण सम्पन्न। (संगीत नाटक अकादमी)	संगीत नाटक अकादमी/ संस्थान परिसर, लखनऊ
16.	31 अक्टूबर,2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान एव उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती "राष्ट्रीय एकता दिवस" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय-अखण्ड भारत के प्रणेताः लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल	राम लखन सरस्वती इण्टर कालेज, झाँसी
17.	06 दिसम्बर,2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान एवं अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आंबेडकर के परिनर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि एवं परिचर्चा आयोजित।	संस्थान सभागार

18.	04 फरवरी, 2023	चौरी चौरा दिवस के अवसर पर 'भारत की आजादी का महत्व' विषय पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	कुशीनगर
19.	27 फरवरी, 2023	चन्द्रशेखर आजाद जी का शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता आन्दोलन मे क्रान्तिकारियों का योगदान विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता प्रस्तावित।	प्रयागराज
20.	13 अप्रैल, 2023	जलियॉवाला बाग काण्ड, एक दिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित	लखनऊ
21.	10 मई, 2023	'स्वतंत्र भारत निर्माण में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का योगदान' विषय पर दो दिवसीय परिचर्चा प्रस्तावित।	मेरठ
22.	18 जून, 2023	वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर 'नारी शक्ति लक्ष्मीबाई' विषय पर संगोष्ठी एवं प्रतियोगिता प्रस्तावित।	झॉसी
23.	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर "स्वतंत्र भारत-आत्मनिर्भर भारत" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ
24.	02 अगस्त, 2023	पिगंली वैंकेया की जयन्ती- पेंटिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित।	लखनऊ
25.	8, 15 अगस्त, 2023	आजादी के अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अवसर संगोष्ठी, सम्मान पुरस्कार वितरण एवं अन्य कार्यक्रम आमंत्रित व्याख्यान डॉ0 ज्योति जैन, खतौली, मेरठ।	लखनऊ

वार्षिक कैलेण्डर

3. <u>वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत विवरण</u>

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	04 अप्रैल, 2023	**तीर्थंकर महावीर जन्मकल्याणक** महोत्सव के अवसर पर संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित।	उत्तर प्रदेश के जैन तीर्थक्षेत्र/लखनऊ
2.	14 अप्रैल, 2023	**बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर** जयन्ती के अवसर पर परिचर्चा प्रस्तावित।	ग्रामीण अंचल/ देवरिया
3.	22 अप्रैल, 2023	**अक्षय तृतीया** (तीर्थंकर ऋषभदेव का प्रथम आहार)	हस्तिनापुर/अयोध्या
4.	24 मई, 2023	**श्रुत पंचमी** के अवसर पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	पवानगर, कुशीनगर
5.	04जुलाई, 2023	**वीरशासन जयन्ती** के अवसर पर संगोष्ठी प्रस्तावित। तीर्थंकर महावीर की दिव्य देशना।	मंगलायतन/मथुरा

6.	23 अगस्त,2023	**मोक्ष सप्तमी** - तीर्थंकर पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर अनेकान्त सिद्धान्त प्रवर्तन के अन्तर्गत तीर्थंकरों की पवित्र जन्म स्थली पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	सारनाथ/वाराणसी
7.	31 अगस्त, 2023 से 29 सितम्बर, 2023 तक	**षोडस कारण** - व्रत की उपासना पर परिचर्चा प्रस्तावित।	स्थानीय मंदिरों में प्रवचन
8.	19 से 28 सितम्बर, 2023 तक	**दसलक्षण पर्व** के अवसर पर परिचर्चा प्रस्तावित।	स्थानीय मंदिरों में प्रवचन
9.	30 सितम्बर, 2023	**क्षमावाणी पर्व** के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम/संगोष्ठी प्रस्तावित।	श्रावस्ती/मैनपुरी
10.	02 अक्टूबर, 2023	**गॉधी जयन्ती** के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सेमिनार प्रस्तावित।	लखनऊ या एम०ओ०यू० किए गए संस्थानों/ विश्वविद्यालयो से निर्धारणीय स्थल पर।
11.	31 अक्टूबर, 2023	**सरदार बल्लभ भाई पटेल** जी की जयन्ती पर परिचर्चा एवं विद्यार्थियों की प्रतियोगिता प्रस्तावित।	उ0प्र0 के विभिन्न विद्यालयो के सहयोग से
12.	13 नवम्बर, 2023	**महावीर निर्वाण दिवस 2550वॉ** के अवसर पर मोक्ष कल्याणक पूजन एवं महावीर की दिव्य देशना प्रस्तावित।	उ0प्र0 के जैन तीर्थ क्षेत्रों पर आयोजन
13.	26 नवम्बर, 2023	**संविधान दिवस** के अवसर पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	लखनऊ
14.	25 दिसम्बर, 2023	**भारत रत्न मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी** की जयन्ती, सुशासन दिवस के अवसर पर पेंटिंग/निबन्ध प्रतियोगिता परिचर्चा प्रस्तावित।	ऑनलाइन/ऑफलाइन बटेश्वर, आगरा
15.	31 जनवरी, 2024	संस्थान के 34वॉ स्थापना दिवस पर आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तावित।	लखनऊ
16.	फरवरी, 2024	दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार प्रस्तावित।	हस्तिनापुर
17.	मार्च, 2024	**ऋषभदेव जयन्ती** के उपलक्ष्य में संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तावित।	राष्ट्रीय संगोष्ठी अयोध्या

आजादी के 75वीं वर्षगॉठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण

(अप्रैल, 2023 से 15 अगस्त, 2023)

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	13 अप्रैल, 2023	जलियॉ वाला बाग काण्ड दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित-विषयः इतिहास के पन्नों में डायर की बर्बरता।	लखनऊ
2.	10 मई, 2023	प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का प्रारम्भ दिवस पर "विवश अंग्रेज-स्वतंत्र भारत" विषय पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	मेरठ/मुजफ्फरनगर
3.	18 जून, 2023	वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर नारी शक्ति की अधिनायिका-रानी लक्ष्मीबाई विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित।	झॉसी
4.	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर "स्वतंत्र भारत-आत्मनिर्भर भारत" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ
5.	02 अगस्त, 2023	पिगंली वैंकेया की जयन्ती- पेंटिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित	लखनऊ
6.	8 से 15 अगस्त, 2023	आजादी के अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अवसर संगोष्ठी, सम्मान पुरस्कार वितरण एवं अन्य कार्यक्रम आमंत्रित व्याख्यान डॉ0 ज्योति जैन, खतौली, मेरठ।	लखनऊ

—----------

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

जवाहर भवन लखनऊ

उत्तर प्रदेश के जनजातीय एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रदर्शन हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान की स्थापना सन् 1986 में की गई थी जिसके द्वारा लोक कला जन मानस की विचारधारा, आत्म चिंतन एवं जीवन शैली की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है, जो क्षेत्रीय को अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करते हुये मानवीय मूल्यो के साथ अनुभूति, कल्पना एवं जन विश्वास का सम्मिश्रण है। सहजता सादापन, सरलता एवं आत्मसंतोष इनकी मूल विशेषता है। लोक कला के विभिन्न स्वरूप है जो ग्रामों एवं नगरों में विद्यमान है, इनकी पृष्ठभूमि में लोक गाथा, लोक धर्म एवं लोक परम्परा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो मूलतः प्रकृति पर निर्भर है, न कि बाजारवाद पर। परिभाषिक रूप से 'लोक' का अर्थ ऐसी जनता से है जो अभिजात्य संस्कार, शास्त्रीयता, पांडित्य चेतना अथवा अंहकार से शून्य तथा परंपरा के प्रवाह में जीवित है। भारतीय परम्परा 'लोक' पूर्वजों एवं प्रकृति से जुड़ी हुई है जो अतीत एवं वर्तमान से जुड़कर भविष्य के लिए तत्पर रहता है। "प्रत्यक्षदर्शी लोकानां सर्वदर्शी भवेन्नः" वस्तुतः लोक में अनुष्ठानिक कार्यों की प्रधानता होती है, जिसमें चिंतन के व्यापक अर्थ निहित होते है तथा लोकहित का भाव उसके स्वरूप का निर्धारण करते. है। लोक कला में उक्त चिंतन, भाव एवं अनुष्ठानों से जुड़े प्रदर्शन एवं प्रसंग की नियोजित रूप से संरक्षित एवं संवर्धित किया जाना एवं लोक संस्कृति की लुप्त होती विद्याओं को मंच प्रदान करना, इनसे संबंधित आदि का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। इस वर्ष संस्थान द्वारा लुप्तप्राय कला रूपों, लोक रूपों तथा लोक संस्कृति के विविध पक्षों का सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण प्राथमिकताओं पर रहा है:-

<u>उद्देश्य</u>

1- उ0प्र0 की लोक और जनजाति कलाओं एवं हस्त शिल्प एवं संस्कृति का संयोजन एवं विकास।
2- लोक कलाओं, संस्कृति एवं शिल्प के क्षेत्र में शोध का विकास एवं बढ़ावा देना, इसके लिए पुस्तकालय,अभिलेखागार, संग्रहालय, पुस्तकों, टेपरिकार्डस आदि स्थापित करना।
3- लोक कलाओं, संस्कृति एवं शिल्प विकास हेतु भारत की अन्य संस्थाओं एवं विदेश से सहयोग का प्रयास।
4- विभिन्न क्षेत्रों की लोक एवं जनजाति कला, संस्कृति, शिल्प की तकनीक एवं आदर्शो का आदान-प्रदान।
5- ऐसी संस्थाओं की स्थापना को बढ़ावा जो कि लोक एवं जनजाति कला, शिल्प एवं संस्कृति के संरक्षण तथा विकास हेतु प्रशिक्षण देना।
6- लोक एवं जनजाति कला, शिल्प एवं संस्कृति के क्षेत्र में सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं प्रचार को बढ़ावा देना।
7- लोक एवं जनजाति कला, शिल्प एवं संस्कृति के क्षेत्र में सेमिनार, कार्यशाला का आयोजन तथा शोध एवं सर्वेक्षण हेतु अनुदान देना।
8- जनजाति एवं लोक कला का कार्य संगीत, नृत्य एवं नाटक, त्योहारों तथा शिल्प में राज्य तथा राज्य के बाहर प्रायोजित करना।
9- भारतवर्ष एवं विदेश की ऐसी समान संस्थाओं के साथ सहयोग करना जो लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोन्नति के उद्देश्य की अभिवृद्धि कर रही हो।
10- 10-विभिन्न क्षेत्रों की लोक एवं जनजाति कला, शिल्प एवं संस्कृति की तकनीकियों का संवर्धन एवं पारस्परिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।
11- लोक जनशति कला एवं हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए ऐसी विभिन्न संस्थाओं को प्रोत्साहित करना जो इस क्षेत्र में प्रशिक्षण का कार्य कर रही हो।
12- ऐसे साहित्य सामग्री का अनुवाद, संग्रहण एवं प्रकाशित करना जो लोक जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति से संबंधित हो।
13- 13-प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लोक जनजाति कला एवं संस्कृति को पुनर्जीवित कर संरक्षित करना और उनके विकास को प्रोत्साहित करना।

14- लोक जनजाति कसा एवं हस्तशिल्प की ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना जिनसे व्यावसायिक गतिविधियों की अभिवृद्धि हो सके।

15- 15-लोक एवं जगति कला एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में अपने कार्य की साधना में लगे हुए ऐसे कलाकारों एवं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें मान्यता प्रदान करना तथा उन्हें सम्मान इत्यादि प्रदान करना।

16- 16-ऐसी संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करना जो लीक एवं जनजाति कला एवं हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन एव कार्य में कार्यरत हो।

17- 17-प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर विभिन्न क्षेत्रों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को एवं पुष्ट करना।।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में सम्पादित कराये गये कार्यक्रमों का विवरण।

क्र0 सं0	कर्यक्रमों का विवरण
1	दिनांक 29 अप्रैल, 2022 को चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "आजादी के सबरंग" कार्यक्रम का आयोजन
2	दिनांक 23 जुलाई, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत चन्द्रशेखर आजादी जयन्ती के अवसर पर आयोजित, प्रदर्शनी, कविगोष्ठी, नुक्कड नाटक एवं स्कूली बच्चो की क्विज प्रतियोगिता से सम्बन्धित कार्यक्रम प्रयागराज।
3	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत केन्द्रीय विद्यालय आई0आई0टी0 झलवा प्रयागराज में दिनांक 01 अगस्त से 10 अगस्त, 2022 तक देशराग पर आधारित कार्यशाला का आयोजन।
4	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद में दिनांक 01 अगस्त से 10 अगस्त, 2022 तक लोकगीत पर आधारित कार्यशाला का आयोजन।
5	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जादू का कार्यक्रम दो स्थानो यथा-इलाहाबाद पब्लिक स्कूल, कटरा प्रयागराज तथा प्रोग्रेसिव पब्लिक स्कूल राजरूपपुर, प्रयागराज में आयोजन।
6	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत लखनऊ के विभिन्न स्थानो पर दिनांक 11 से 15 अगस्त 2022 तक बहुरूपिया एवं लॉगमैन के कार्यक्रम ।
7	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 11 अगस्त, 2022 को संत एंथोनी इण्टर कालेज प्रतापगढ में कठपुतली से सम्बन्धित कार्यक्रम
8	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत देश भक्ति पर आधारित दिनांक 12 अगस्त, 2022 को विजईपुर खागा फतेहपुर में 2000 बच्चो की रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
9	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 13 अगस्त, 2022 को एन0टी0पी0सी0 ओबरा, सोनभद्र में "जनजाति पर्व " पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
10	सेवा पखवाडा के अन्तर्गत पं0 दीनदयाल जयन्ती के अवसर दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को प्रतापगढ में दीनदयाल उपाध्याय व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा कार्यक्रम।

11	दिनांक 25 एवं 26 सितम्बर, 2022 को विवेकानन्द एवं रामायण पर आधारित कठपुतली से सम्बन्धित भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ में कार्यक्रम।
12	दिनांक 29 सितम्बर, 2022 को **लोक आराधना** कार्यक्रम गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूसी, प्रयागराज।
13	दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को **लोक उपासना** कार्यक्रम छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर।
14	दिनांक 01 अक्टूबर, 2022 को **लोक पर्व** कार्यक्रम एस0बी0आर0एल0 वैश्य अकादमी मैनपुरी।
15	दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 को संवेदन स्मृतियों की **भावांजलि कार्यक्रम** बलिया में चौलर एवं पखावज वादन कार्यक्रम
16	दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 को अखिल भारतीय **लोक कला महोत्सव** झॉसी में आल्हा गायन कार्यक्रम ।
17	लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा निम्नलिखित संस्थाओं से दिनांक 19 अक्टूबर, 2022 को एम0ओ0यू0 किये गये:- • छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर। • राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज। • गोविन्द वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूंसी, प्रयागराज।
18	दिनांक 27 अक्टूबर, 2022 को **क्षेत्रीय रामायण मेला** आयोजन समिति अलादादपुर प्रयागराज में ढेढिया नृत्य कार्यक्रम।
19	दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को भारत रत्न लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर आयोजित **राष्ट्रीय एकता दिवस** पर आयोजित परिचर्चा एवं लोकगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम सहारनपुर।
20	दिनांक 01 नवम्बर से 03 नवम्बर, 2022 तक **22वॉ राज्योत्सव तथा राष्ट्रीय आदिवासी** नृत्य महोत्सव, रायपुर छत्तीसगढ में झीझी नृत्य थारू जनजाति की प्रस्तुति।
21	दिनांक 15 नवम्बर,2022 को **जनजाति गौरव दिवस** सोनभद्र में 25 टीमों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
22	दिनांक 27 नवम्बर, 2022 को गढवाली एवं सांस्कृतिक समिति चकेरी कानपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
23	दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को **भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्य** तिथि पर कौशाम्बी में संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
24	दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को मोहनलालगंज लखनऊ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
25	दिनांक 20 दिसम्बर, 2022 को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली के सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय में **डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिट्री प्रोजेक्ट** कार्यशाला।

26	लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा निम्नलिखित संस्थाओं से दिनांक 21 दिसम्बर, 2022 को एम0ओ0यू0 किये गये:- • बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी। • सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली। • बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी • एन0टी0पी0सी0 लि0 सोनभद्र
27	दिनांक 25 दिसम्बर, 2022 को देशज दिवस कार्यक्रम चुनार।
28	अन्तरा गंगा विलास रिवस क्रूज कार्यक्रम में दिनांक 10 जनवरी, 2023 को प्रात: वावतपुर (वाराणसी) एयरपोर्ट पर धोबिया नृत्य एवं लिल्ली घोडी कार्यक्रम की प्रस्तुति।
	दिनांक 10 जनवरी, 2023 को अपरान्ह रामघाट जेटी पर शहनाई वादन।
	दिनांक 10 जनवरी, 2023 को सांयकाल काशी पर आधारित कथक वैले की प्रस्तुति।
	दिनांक 11 जनवरी, 2023 को प्रात: चुनार किला , चुनार में स्वागत समारोह एवं कजरी गायन।
	दिनांक 11 जनवरी, 2023 को सायं वाराणसी में तालवाद्य कचेहरी की प्रस्तुति।
29	दिनांक 12 जनवरी, 2023 को भारद्वाज जयन्ती प्रयागराज दिवसमें मसकबीन वादन की प्रस्तुति।
30	अन्तरा गंगा विलास रिवस क्रूज कार्यक्रम में दिनांक 13 जनवरी, 2023 को प्रात: संतरविदास घाट /पार्क वाराणसी में चौलर, फरवाही एवं कर्मा नृत्य की प्रस्तुति।
	दिनांक 13 जनवरी, 2023 को सांयकाल गाजीपुर जेटी गाजीपुर में ढेढिया लोकनृत्य की प्रस्तुति।
	दिनांक 14 जनवरी, 2023 को प्रात: गाजीपुर जेटी गाजीपुर में ढेढिया लोकनृत्य की प्रस्तुति।
31	दिनांक 12 जनवरी, 2023 से 14 जनवरी, 2023 तक पानी पर रंगोली कार्यशाला का आयोजन।
32	दिनांक 18 जनवरी, 2023 को लुप्त होती '' लोकगाथा विजयमल'' के अभिलेखीकरण किया जा रहा है।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण।

क्र.	विवरण
1	जनजाति एवं लोक कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा वर्ष 2023-24 में सस्थान की गति विधियों को विभिन्न कार्यक्रमों प्रशिक्षण,प्रदर्शन,प्रस्तुति के द्वारा प्रदेश के अधिक से अधिक जिलों में वहाँ की स्थानीय सस्कृति के साथ जोड़ कर किया जायेगा। इस प्रयास में सर्वप्रथम प्रदेश के 18 मण्डलों में स्थानीय कला रूपो को मंच प्रदान किया जायेगा।
2	प्रदेश की लोक कलाओं को समग्र रूप से एक मंच पर प्रस्तुत करने लिए थीम बेस्ड (विषय आधारित) राष्ट्रीय समारोह के आयोजन का प्रस्ताव है। इसमें पर्यटन विभाग, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,संगीत नाटक अकादमी,क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र का सहयोग प्राप्त किया जायेगा। इस वर्ष की थीम **"कृष्ण"** पर आधारित लोक नृत्य गीत संगीत होगे।

3	जनजाति सस्कृति के प्रचार-प्रसार प्रदेश की जनजातियों को उनकी कला के माध्यम से मंच प्रदान करने लिए दिनांक 15 नंवम्बर 2022 भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर राष्ट्रीय स्तर का जनजातीय शिल्प मेला, संगीत नृत्य एवं व्यंजन **"आदि पर्व"** आयोजित किया जाने का प्रस्ताव है।
4	"नादस्वर" के अन्तर्गत विभिन्न लोकवाद्यो एवं बैण्ड की प्रस्तुति। इसके अन्तर्गत विलुप्त होते लोक वाद्यो को विशेष रूप से चिन्हित करके मंच प्रदान किया जायेगा, जैसे ढप, रमतुल्ला, अलगोझा,मसक बीन, शहनाई ,ठोलक , नगडिया, नक्कारा, रणसिंहा और शंख आदि।
5	देश की कलाओं जनजाति कलाओ को सरंक्षण सबर्धन के लिए अभिलेखी करण हेतु पुस्तकों का प्रकाश ई-बुक,वीडियो निर्माण, ई-पत्रिका आदि का कार्य किया जायेगा। इस वर्ष इस विषय पर कुल 10 प्रकाशन किए जायेगें एवं 10 वीडियों का निर्माण कराया जायेगा।
6	संस्थान द्वारा इस वर्ष 10 विश्व विद्यालय संस्थानों के साथ MOU करने का लक्ष्य है। अब तक पाँच सस्थानो से सैद्धातिक सहमति प्राप्त हो चुकी है इनके साथ मिलकर लोक नाट्य समारोह,मूकाभिनय , कठपुतुली समारोह किये जायेगे।
7	जनजाति क्षेत्रो में चित्रकला के शिविर आयोजित किए जायेगे। जहाँ पर जनजाति चित्रों का निर्माण किया जायेगा इन चित्रों की प्रदर्शनी प्रदेश के विभिन्न स्थनों पर लगायी जायेगी।
8	विलृप्त होती लोक नाट्य परम्परा के मंच प्रदान कर अधिक से अधिक कलाकारों कला साधको को जोड़ने के लिए प्रदेश एवं देश के लोक-नाटको का आयोजन किय जाने का प्रस्ताव है। जैसे-नौटकी,स्वाग,इन्द्रसभा आदि।
9	शासन द्वारा दिए गय निर्देश के क्रम में संस्थान द्वारा दो पुरस्कार एवं दो छात्रवृत्ति देने का प्रस्ताव है। जिसके द्वारा कलाकारो का सम्मान एवं उन पर शोधात्मक कार्य कराये जा सकेगे।
10	विलुप्त होती लोक गाथाओं पर लोकगाथा गायन का कार्यक्रम जिसमें चनैयनी, आल्हा भरथरी, हरदौल, बिरहा, पंडवानी एवं विजयमल गाथा आदि की प्रस्तुति।
11	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रमुख विधाओ के पपैट शो (पुतुल पर्व) का तीन दिवसीय आयोजन।
12	MOU एवं अन्य संस्थाओ के माध्यम से विशेषकर उन जिलो में जहाँ अभी तक संस्थान के कार्यक्रम कराये जाने का प्रस्ताव है लक्ष्य यह है कि इस वर्ष प्रदेश के समस्त जिलों में **"पहल"** कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान की गतिविधियो को पहुंचया जाए।
13	भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिक गतिविधियों के संचालन को प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।
14	पंच दिवसीय जनजाति यात्रा, रावर्टगंज , लखीमपुर खीरी एवं पीलीभीत जनपदों में जनजाति कलाकारो द्वारा गायन वादन एवं लोक नृत्यो का कार्यक्रम।
15	दिनांक 25 सितम्बर, 2023 को पं0 दीनदयाल जयन्ती के अवसर व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
16	दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।

17	दिनांक 01 मई , 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय श्रम दिवस पर व्याख्यान एवं परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
18	दिनांक 21 जून, 2023 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
19	आंतकवाद के पीडितो स्मरण और श्रृद्धांजलि का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
20	दिनांक08 सितम्बर, 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूलों में।
21	दिनांक 24 नवम्बर, 2023 को गुरू तेगबहादुर का शहीदी दिवस पर सबद गायन का कार्यक्रम।
22	दिनांक 08 मार्च, 2024 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम।

—----------

राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ

राष्ट्रीय कथक संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग के अर्न्तगत स्वायत्तशासी संस्थान के रुप में वर्ष 1988-89 में हुई थी। संस्थान का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर कथक के विविध घरानों की परम्पराओं का अभिलेखीकरण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, वरिष्ठ कलाकारों का संरक्षण, कथक नृत्य का संवर्द्धन एवं लुप्त हो गये व नवीन पक्षों पर शोध और कथक संग्रहालय की स्थापना है।

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के कार्यकलापों का विवरण

1. प्रादेशिक कथक आयोजन

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा प्रदेश के विभिन्न मण्डलों में कथक एवं इसकी अनुपूरक विद्याओं (संगीत के अंतर्गत गायन एवं वादन) के प्रति अभिरुचि जागृत करने का प्रयास किया जाता है। जिसके अन्तर्गत निम्नवत् प्रादेशिक कथक उत्सव के आयोजन भव्य रूप से सफल कराये गयेः-

(1) दिनांक 15 से 24 मई, 2022 को बहराइच में किया गया।

(2) दिनांक 23 जून, 2022 को रायबरेली में किया गया।

(3) दिनांक 15 जुलाई, 2022 को प्रयागराज में किया गया।

(4) दिनांक 22 जुलाई, 2022 को झाँसी में किया गया।

(5) दिनांक 11 अगस्त, 2022 को कानपुर में किया गया।

(6) दिनांक 12 अगस्त, 2022 को उन्नाव में किया गया।

(7) दिनांक 09 से 14 अगस्त, 2022 को सहारनपुर किया गया।

(8) दिनांक 12 अगस्त, 2022 को फिरोजाबाद में किया गया।

(9) दिनांक 15 अगस्त, 2022 को बाराबंकी में किया गया।

(10) दिनांक 09 से 22 अक्टूबर, 2022 को लखीमपुर खीरी में किया गया।

2. मासिक कथक संध्या (आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव विशेष):-

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा वर्ष 2001 से कथक संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभावान उद्दीयमान नवोदित एवं वरिष्ठ कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का सुनहरा अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष **2022-2023** में की गई कथक संध्याओं का विवरण इस प्रकार हैः-

क्र0	**दिनांक**	**प्रस्तुति**	**स्थान**
1.	14.04.2022		नवचेतना संस्थान परिसर।
2.	10.04.2022	राम रस	ऐशबाग, लखनऊ।
3.	16.05.2022		नृत्यरंजन संस्थान परिसर।
4.	29.06.2022		कथक संध्या संस्थान परिसर।
5.	17.07.2022		नृत्य सौन्दर्य सफायर, लखनऊ।
6.	16.08.2022		वन्देमातरम् आई.टी.आई., रायबरेली।
7.	30.09.2022		भक्ति में शक्ति हनुमंत धाम, लखनऊ।
8.	02.10.2022	सांस्कृतिक संध्या	संस्थान परिसर।
9.	05.11.2022		नृत्य सौन्दर्य क्लार्क अवध, लखनऊ।
10.	16.12.2022		राम रस आनंदी वाटर पार्क, लखनऊ।

3. संगीत संगम (गायन वादन) संवर्धन एवं संरक्षण (संगीत प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से कला कौशल का विकास)

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कार्यशाला के समापन पर 'संगीत संगम' नामक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों की प्रतिभा को निखारना एवं उन्हें मंच के प्रति जागरूक बनाना है। दिनांक 03 अप्रैल, 2022 को कलामण्डपम्

प्रेक्षागृह, लखनऊ में व 16 अगस्त, 2022 को 'वन्देमातरम्' का आयोजन आई.टी.आई, रायबरेली में किया गया, इसी क्रम में माह मार्च, 2023 में संगीत संगम कराया जायेगा।

4. कथक एवं संगीत प्रशिक्षण

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कथक एवं कथक की अनुपूरक विद्याओं की शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2001 से वार्षिक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्तता प्राप्त संस्थान द्वारा कथक, गायन एवं तबले में परास्नातक तक की शिक्षा एवं परीक्षा दिलायी जाती है। संस्थान द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 300 छात्र/छात्राओं को प्रवेश देकर उन्हें ¬प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

5. आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतन्त्रता सप्ताह 'हर घर तिरंगा'

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा स्वतन्त्रता सप्ताह के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया:-

1. दिनांक 03 अगस्त, 2022, को संस्थान परिसर में 'तिरंगा हमारी शान' (पौधारोपण एवं तिरंगा गीत गायन) सांस्कृतिक कार्यक्रम।
2. दिनांक 04 अगस्त, 2022, को गोमती नगर, लखनऊ में 'वन्देमातरम्' सांस्कृतिक कार्यक्रम।
3. दिनांक 05 अगस्त, 2022, को वीरांगना ऊदादेवी उद्यान, लखनऊ में 'पुष्पित-पल्लवित ध्वज हमारा' सांस्कृतिक कार्यक्रम।
4. दिनांक 06 अगस्त, 2022, को बेग़ाम हज़रत महल पार्क, लखनऊ में "ताल रंग तिरंगे के संग" सांस्कृतिक कार्यक्रम।
5. दिनांक 07 अगस्त, 2022, को संस्थान परिसर में "ओजस्विनी" सांस्कृतिक कार्यक्रम।

6. 'रुनझुन' समारोह

कथक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं का मंच के प्रति आत्मविश्वास जागृत करने तथा उन्हें प्रस्तुतिकरण के प्रति जागरुक बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 'रुनझुन' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 17 जुलाई, 2022 को होटल सफायर मैट्रो सिटी में कार्यक्रम नृत्य सौन्दर्य एवं दिनांक 27 जुलाई, 2022 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर नृत्य झंकार कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। इसी क्रम में माह मार्च, 2023 में रूनझुन समारोह कराया जायेगा।

7. कथक एवं संगीत यात्रा (विशेष प्रस्तुतियाँ)

इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश एवं देश के अलग-अलग क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की एकमात्र शास्त्रीय नृत्य शैली की प्राचीनता, मौलिकता, नूतनता, शास्त्रीय एवं गूढ़ पक्ष, लोकप्रियता को बनाये रखने (कार्यशाला, उत्सव, प्रदर्शनी आदि के माध्यम से) प्रयास किया जाता है इसी क्रम में "आजादी का अमृत महोत्सव" की श्रृंखला में 'स्वतंत्रता सप्ताह' 'हर घर तिरंगा अभियान' सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरणः-

1. दिनांक 11 अगस्त, 2022, को निराला प्रेक्षागृह, उन्नाव में "ओज के स्वर" सांस्कृतिक कार्यक्रम।
2. दिनांक 15 अगस्त, 2022, को टाऊन हॉल, बाराबंकी में "वन्देमातरम्" सांस्कृतिक कार्यक्रम।
3. दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को संस्थान परिसर में "मां भारती के लाल पंडित दीनदयाल" सांस्कृतिक कार्यक्रम।
4. दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को संस्थान परिसर में "संविधान दिवस" विषेष "सांगीतिक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एव गायन प्रतियोगिताएं" करायीं गयी।

8. कथक प्रवाह

"कथक प्रवाह" के अन्तर्गत कथक की विशेषताओं को संरक्षित रखने हेतु प्रदेश स्तरीय कथक की कार्यशालाओं प्रस्तुतीकरण, प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनी उत्सवों के माध्यम से प्रचारित एवं प्रसारित किया जाता है। इससे कथक की छात्रायें एवं युवा कलाकार कथक के तकनीकी पक्ष एवं बारीकियों को समझ पाते हैं। जिससे उत्तर भारत के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य "कथक" की लोकप्रियता बनी रहे। इस उद्देश्य से इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया जिसमें लगभग 100 बाल एवं युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभागिता दी, इसी क्रम में 04 फरवरी, 2022 को कालका बिंदादीन महाराज ड्योढ़ी व संग्रहालय में कार्यक्रम "वर दे माँ",दिनांक 11 अगस्त, 2022, को कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर में "सारे जहां से अच्छा" एंव दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को आनंदी वाटर पार्क में 'राम रस' कथक नृत्य की प्रस्तुति की गयी।

9. यंग प्रोफेशनल ग्रूमिंग कोर्स (गुरू शिष्य परम्परा)

इसका उद्देश्य देश के सुप्रसिद्ध कथक आचार्यो द्वारा बाल एवं युवा कलाकारों को नृत्य का उच्च तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उन्हें कथक के बहुआयामों से परिचित कराना है। कथक संस्थान द्वारा समय-समय पर देश के सुप्रसिद्ध एवं वरिष्ठ कथक आचार्यो को आमंत्रित करके प्रदेश के कथक क्षेत्र के बाल एवं युवा कलाकारों को नृत्य का उच्च तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस प्रकार उनकी प्रतिभा को निखारने का अनूठा प्रयास निरन्तर संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षित बाल एवं युवा कलाकारों को प्रस्तुतियां तैयार करने का अवसर भी प्रदान किया जाता है ताकि युवा कलाकारों की प्रतिभा में परिपक्वता आ सके। इस अनूठे एवं सार्थक प्रयास से अनेकों युवा कलाकार लाभान्वित हो रहे हैं और अनुभवी कलाकारों के सानिध्य से लाभ प्राप्त कर स्वयं शिक्षण संस्थानों में अपने अनुभवों का प्रसार कर रहे हैं। संस्थान के इस योगदान से कथक का सच्चे अर्थो में प्रचार प्रसार जन जन तक पहुॅच रहा है। इस क्रम में दिनांक 17 एवं 18 मई, 2022 को गुरू: तालयोगी पद्मश्री पं. सुरेश तलवरकर जी के द्वारा (तबला एवं कथक) संस्थान परिसर में, दिनांक 01 से 10 अगस्त, 2022 को 10 दिवसीय प्रस्तुतिपरक कार्यशाला (विधायें - कथक नृत्य) स्वरांजलि संगीत शिक्षण संस्थान, जवाहर नगर, कानपुर में, दिनांक 09 से 14 अगस्त, 2022 को निर्मल जनकल्याण एवं सांस्कृतिक समिति, सहारनपुर में एवं दिनांक 09 से 22 अक्टूबर, 2022 को नटराज डांस एकेडमी, लखीमपुर खीरी में तबला एवं कथक नृत्य कार्याशालाओं का आयोजन कराया गया।

10. प्रस्तुति निर्माण एवं मंचन

युवा कलाकारों की प्रतिभा को निखारने एवं उन्हें उनकी कला में परिपक्व बनाने हेतु प्रस्तुतिपरक कथक कार्यशालायें संचालित की जाती है एवं मानवता के सुन्दर संदेश देने वाली नृत्य नाटिकायें तैयार की जाती है, जिनके माध्यम से कथक प्रेमियों एवं जनमानस तक कथक की लोकप्रियता एवं महत्त्वपूर्ण पहलुओं जैसे पर्यावरण, जलसंचय, राष्ट्रीय एकीकरण, महिला सशक्तिकरण, विश्व बन्धुत्व, भारतीय साहित्य एवं संस्कृति इत्यादि के उन्ययन का प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 'नवचेतना', 'यह बुद्व की धरती है', 'रसमय कथक', 'कथक रंग', 'नृत्य झंकार', 'पुष्पित-पल्लवित ध्वज हमारा', 'ताल रंग तिरंगे के संग', 'ओजस्विनी', 'सारे जहाँ से अच्छा', 'ओज के स्वर', 'रघुपति राघव', 'भक्ति में शक्ति' एवं 'कृष्ण रंग' प्रस्तुति का निर्माण एवं मंचन किया गया।

11. राष्ट्रीय कथक समारोह 'विरासत' (किसी विशिष्ट विषय को आधार बनाते हुए प्रतिवर्ष एक नवीन अवधारणा पर आधारित मौलिक प्रयास)

कथक मानवता का सुन्दर सन्देश पहुंचाने वाली नृत्य विधा है। नृत्य के माध्यम से समाज में जागरुकता लाने की दृष्टि से कथक संस्थान ने एक मौलिक प्रयास किया, जिसके अन्तर्गत एक नवीन विचारधारा, अवधारणा के साथ राष्ट्रीय कथक समारोह- 'विरासत' की परिकल्पना की गई, इसके अंतर्गत सम्पूर्ण आयोजन किसी विचार, उद्देश्य एवं सन्देश पर आधारित होता है जिसे प्रतिवर्ष प्रदेशवासियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी समारोह माह फरवरी व मार्च, 2023 में सम्पन्न कराये जायेंगे।

12. कथक बाल एवं युवा उत्सव

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कथक बाल, युवा उत्सव का संस्थान द्वारा आयोजन किया जाता है। इस उत्सव के अन्तर्गत बाल, किशोर एवं युवा वर्ग के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती के अवसर पर 'सांस्कृतिक संध्या' एवं दिनांक 18 एवं 19 नवम्बर, 2022 को दो दिवसीय 'बाल उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

13. राष्ट्रीय कथक संगोष्ठी - व्याख्यान एवं डिमॉन्सट्रेषन

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा राष्ट्रीय कथक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है, जिसके अन्तर्गत देष के ख्यातिवद्ध गुरूओं को आंमत्रित कर कथक की गूढ़ परम्परा, शैली का विकास एवं युवा कलाकारों के ज्ञान पक्ष को परिमार्जित कर उन्हें पूर्ण रूप से कलाकार बनाने की चेष्टा की जाती है ताकि कला एवं कलाकारों का सर्वागीण विकास हो सके इस उद्देश्य से इस वर्ष माह मार्च, 2023 में भी कराया जायेगा।

14. अन्तर्राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर'

उत्तर प्रदेश की एकमात्र शास्त्रीय नृत्य विधा 'कथक' का अन्य राज्यों से परस्पर समन्वय कराते हुए उत्तर भारत के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन संस्थान की गतिविधियों में शामिल है। इसके द्वारा प्रदेश के कथक कलाकार अन्य प्रदेशों के कलाकारो की नृत्य परम्पराओं की व्यापकता, शास्त्रीयता एवं मौलिक प्रयोगों का आदान-प्रदान करते है और साथ ही अन्य प्रदेशों के कलाकारों की विशिष्ट कला तकनीकों को समझने, उन्हें अपनी कला सूक्ष्मता से परिचित कराने और अन्य स्थानों की कलाओं को ग्राह्य करने का प्रयास करते हुए आपसी तालमेल स्थापित करते है। इस क्रम में में अन्तर्राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर' कराया जाना है, जो जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया जायेगा ताकि कथक के मुख्य घराने लखनऊ एवं जयपुर घराने के कलाकार परस्पर समन्वय करते हुये कथक नृत्य को नई दिशा एवं उत्कृष्ट आयामों तक पहुँचाने के साथ-साथ उसकी व्यापकता, जीवन्तता एवं शास्त्रीयता को निरन्तर रूप से नवीन सोपानों तक पहुँचा सके।

15. पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव 'रसरंग'

पं0 बिन्दादीन महाराज कथक नृत्य के प्रणेता के रूप में जाने जाते हैं और कथक जगत में उनका योगदान एवं समर्पण सर्वविदित है। कथक हमारे देश की शास्त्रीयता का परिचायक होने के साथ-साथ हमारे गुरूओं की अमूल्य विरासत भी है। राष्ट्रीय कथक संस्थान ने गुरूओं की इस अमूल्य विरासत के महत्व को और गुरूओं के योगदान को अविस्मरणीय बनाने की दृष्टि से पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव "रसरंग" आयोजन माह फरवरी व मार्च, 2023 में सम्पन्न कराया जायेगा।

16. सांगीतिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं(कलाकारों के सर्वांगीण विकास हेतु)

राष्ट्रीय कथक संस्थान में संगीत की पूरक विधाओं एवं अन्य सांस्कृतिक कला क्षेत्रों में रूचि उत्पन्न करने, कला कौशल को निखारने तथा कलाकारों के सर्वांगीण विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों एवं विषयों पर आधारित प्रतियोगिताएं सम्पन्न कराकर विद्यार्थियों एवं कलाकारों के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह द्वारा पुरस्कृत किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 07 अगस्त, 2022 को ''स्वतंत्रता सप्ताह'' के अंतर्गत हर घर तिरंगा एवं मेंहदी प्रतियोगिता, दिनांक 19 नवम्बर, 2022 आज़ादी का अमृत महोत्सव के अर्न्तगत "बाल उत्सव" एवं रंगोली व फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता एवं दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को "संविधान दिवस" विषेष गायन प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायीं गयीं।

16. प्रकाशन

कथक कलाकारों के जीवन वृत्त एवं कथक से सम्बन्धित विषयों का कथक संस्थान द्वारा अनुष्ठान पत्रिका का प्रकाशन किया गया।

17. अभिलेखीकरण

राष्ट्रीय कथक अनुष्ठान में सर्वेक्षण से प्राप्त विचारों, शोध परक गोष्ठी द्वारा प्राप्त ज्ञान को संकलित कर उसका अभिलेखीकरण किया गया। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण से प्राप्त अभिलेखों से सम्बन्धित लेख, चित्र, पाण्डुलिपि इत्यादि के सुरक्षित संकलन तथा प्राप्त सूचनाओं के सूचीकरण कर विवरणों के दर्ज करने का कार्य भी कराया गया। सूचना के अभिलेखीकरण तथा सूचीकरण का कार्य सम्पादित करने के साथ ही आधुनिक तकनीकी द्वारा प्राप्त अभिलेखों को संरक्षित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्यों का विवरण

क्र0	कार्यक्रम/योजनाएं
1.	राष्ट्रीय कथक समारोह 'विरासत'
2.	राष्ट्रीय कथक संगोष्ठी
3.	यंग प्रोफेशनल्स् ग्रूमिंग कोर्स 'गुरू शिष्य परंपरा'
4.	मासिक कथक संध्या
5.	प्रादेशिक कथक आयोजन प्रदेश के अन्य जिलों एवं मण्डल स्तर पर
6.	रुनझुन कथक की नवीन पीढ़ी को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से
7.	संगीत संगम/गायन एवं वादन उत्सव
8.	कथक यात्रा (आयोजित/प्रायोजित) महत्पूर्ण दिवस पर महापुरूषों पर आधारित प्रस्तुति

9. पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव 'रसरंग'
10. कथक बाल उत्सव
11. कथक प्रवाह/कथक प्रदर्शनी
12. कथक नृत्य नाटिका का निर्माण एवं मंचन प्रदेश स्तर पर
13. संरक्षण/अभिलेखीकरण
14. कलाकारों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतियोगिताएं (सास्कृतिक एवं सांगीतिक)
15. अन्तर्राज्यीय एवं राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर'
16. डॉक्यूमेंट्री फिल्म
17. वेशभूषा/संगीत छात्र-छात्राओं हेतु फिटनेस कक्ष
18. स्टूडियो निर्माण
19. पुस्तकालय गठन एवं विस्तार
20. प्रकाशन अनुष्ठान एवं अन्य
21. कथक संवर्धन एवं संरक्षण (कथक प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से कला कौशल का विकास)
22. संगीत (गायन वादन) संवर्धन एवं संरक्षण (संगीत प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से कला कौशल का विकास)

—----------

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010

भूमिका एवं स्थापना का उद्देश्य

1. संस्था/कार्यालय की रूपरेखा

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1985 में की गई। यह संस्कृति विभाग की स्वायशासी संस्था है। संस्थान का उद्देश्य भारत के विभिन्न भागों में प्रचलित बौद्ध विधाओं का राष्ट्रीय सन्दर्भ में अध्ययन तत्संबंधी शोध तथा बौद्ध स्थलों की सांस्कृतिक महत्व की परम्परागत एवं आधारभूत मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, कला अवशेषों का संरक्षण करना।

प्रमुख उद्देश्य- संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध बौद्ध संस्कृति से सम्बन्धित सामग्री का संकलन शोध कार्य, उससे सम्बन्धित ग्रन्थों का विकासात्मक अध्ययन एवं उपलब्ध सामग्री का भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी में प्रमाणित भाषान्तर कार्य आदि।

2. बौद्ध साहित्य सम्बन्धी सामग्री के सुसम्बद्ध अध्ययन हेतु विभिन्न बौद्ध देशो की भाष्यों का ऐसा प्रमाणिक अध्ययन जो मूल स्रोत से उपलब्ध ग्रन्थों के एकत्रीकरण, व्यवस्थापन एवं शोध में सहयोग दे।
3. बौद्ध साहित्य के भारतीय एवं विदेशी विद्वानों के लिए पालि, संस्कृत, तिब्बती, अंग्रेजी आदि से सम्बन्धित भाषाओं एवं शास्त्रों के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराना जो भारत और विदेशो से प्राप्त बौद्ध साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में सहयोगी हो सके।
4. ऐसे अध्येयताओं एवं शोधकर्ता विद्वानों के पुरस्कार एवं उपाधि प्रदान करने के लिए शासन एवं विश्वविद्यालयो के सहमति से नियम बनाना और अनुमति प्रदान करना।
5. बौद्ध साहित्य के अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में ग्रन्थ सूची, समीक्षात्मक अध्ययन, अनुवाद, शोध पत्रिका, शब्दकोष आदि ग्रन्थों का प्रकाशन करना।
6. उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए छात्रवृत्ति, शोधवृत्ति, अध्ययन वृत्ति, यात्रा वृत्ति आदि उपलब्ध कराना।
7. उद्देश्यों के अनुरूप परिचर्चा, संगोष्ठी, व्याख्यान, सम्मेलन, प्रतियोगिता आदि आयोजित करना।
8. बौद्ध साहित्य से सम्बन्धित ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों, माइक्रोफिल्मों आदि का पुस्तकालय स्थापित करना।
9. संस्थान के वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करना एवं विकास हेतु सम्पत्ति भूमि, भवन, आदि प्राप्त करने के लिए नियम बनाना जिससे संस्थान का सुनियोजित विकास हो सके।
10. संस्थान के उद्देश्य के उपलब्धि के लिए उन सभी कार्यों को सम्पादित करना अथवा कार्यों के सम्पादन की सुविधा एवं तत्परता के लिए समितियों एवं उपसमितियों का गठन करना एवं उनके संचालन के लिए नियम बनाना जो आवश्यक एवं प्रासंगिक हों।

संस्थान के क्रियाकलापः-

पुस्तकालयः- संस्थान का अपना एक पुस्तकालय स्थापित है। संस्थान द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन बौद्ध साहित्य के शोधार्थियों एवं सामान्य अध्ययनार्थी के अध्ययन के उद्देश्य से किया गया है जिसमें वर्तमान समय में बौद्ध धर्म दर्शन, कला, संस्कृति, मूर्तिकला, इतिहास के शब्दकोष सहित लगभग 12000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय शोधार्थियों एवं बौद्ध विद्वानों तथा पाठकों के लिए कार्य दिवस पर निःशुल्क अध्ययनार्थ खुला रहता है।

शैक्षणिक कार्यः-

1. संस्थान द्वारा छः माह का पालि सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किया जा रहा है।
2. संस्थान द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बद्धता प्राप्त कर पालि, बौद्ध दर्शन एवं प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विषय से स्नातक स्तर की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

3. संस्थान द्वारा बौद्ध साहित्य, शिक्षा एवं शोधकार्य के उन्नयन हेतु संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित भातखंडे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त कर सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पाली, बौद्ध दर्शन एवं अन्य विषयों से सम्बंधित स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध कार्य किया जाना।

प्रकाशनः-

1. श्री गौतमबुद्धचरित
2. बौद्ध धर्म एवं पालि भाषा से सम्बन्धित 10 बुकलेटों प्रकाशन
3. बुद्धिस्ट कान्क्लेव से सम्बन्धित शोध पत्रों का प्रकाशन।
4. बौद्ध वास्तुकला एवं एशिया की राष्ट्रीय संस्कृतियॉं।
5. इण्डो कोरियन रिलेशन्स एवं बुद्धिज्म।
6. बौद्ध साहित्य में भारतीय संस्कृति।
7. इण्डो श्रीलंका रिलेशन्स एण्ड बुद्धिज्म।
8. अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद तथा विश्वशांति के लिए बौद्ध दर्शन एवं धर्म का महत्व।
9. फैसिस्ट आफ बुद्धिज्म।
10. इण्डियन पर्सेप्शन थ्रू चायनीज ट्रैवेल्र्स।
11. ए बिबलोग्राफी आफ बुद्धिज्म स्टडीज।
12. पालि, संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी शब्दकोष

2. वित्तीय वर्ष 2022-23 में संपादित एवं प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत विवरण

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	14 अप्रैल, 2022	बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
2.	16 मई, 2022	'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत त्रिविध पावनी अति पुनीत पर्व बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव का प्रारम्भ दिनांक 16 मई, 2022 को किया गया। उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में त्रिपिटक पाठ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बौद्ध अनुयायियों के बीच सतत् किया गया। संस्थान भगवान बुद्ध के संदेशों को गॉव-गॉव तक पहुँचाकर वर्तमान सरकार के लक्ष्य के अनुरूप अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करने में प्रयासरत है। इस यात्रा का समापन 21 जून, 2022 को अष्टम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया गया।	लखनऊ एवं उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।
3.	21 जून, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग, विपश्यना साधना एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव से प्रारम्भ धम्म यात्रा का समापन 21 जून, 2022 को अष्टम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया गया।	लखनऊ
4.	10 जुलाई, 2022	सर्वपंथीय धम्म सभा कौशाम्बी, सारनाथ एवं कुशीनगर में संगोष्ठी एवं विपश्यना कार्यशाला का आयोजन किया गया।	कौशाम्बी, सारनाथ एवं कुशीनगर

5.	09 सितम्बर, 2022	हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोशिएसन के गठन के अवसर पर परिचर्चा- विषयः स्वतंत्रता की ओर क्रान्तिकारी कदम मुख्य अतिथिः उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान के मा० उपाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के मा0 सदस्य परिचर्चा में शामिल हुए एवं अन्त में संस्थान के निदेशक ने हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोशिएसन के गठन पर परिचर्चा करते हुए परिचर्चा का समापन किया।	संस्थान परिसर, लखनऊ
6.	10 सितम्बर, 2022	भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयन्ती पर -भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंतः भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता विषय पर गोष्ठी एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न।	श्री वर्द्धमान इण्टर काजेल तकरोही इन्दिरा नगर, लखनऊ।
7.	02 अक्टूबर, 2022	गॉधी जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान, सांस्कृतिक एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम- विषयः अहिंसा एवं सत्य के प्रणेता युगपुरूष महात्मा गॉधी।	संस्थान परिसर, लखनऊ
8.	31 अक्टूबर, 2022	सरदार बल्लभभाई पटेल जी की जयन्ती, राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ एवं पुष्पांजलि,	संस्थान प्रेक्षागृह
9.	06 दिसम्बर, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान एवं उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आंबेडकर के परिनर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि एवं परिचर्चा आयोजित।	संस्थान सभागार
10.	25 दिसम्बर, 2022	भारत रत्न मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयन्ती, सुशासन दिवस एवं पं0 मदन मोहन मालवीय जी की जयन्ती के अवसर पर विचार गोष्ठी सम्पन्न।	झॉसी
11.	24 जनवरी, 2023	उ0प्र0 दिवस के अवसर पर धम्म सभा का आयोजन प्रस्तावित।	कौशाम्बी/सारनाथ
12.	28 फरवरी, 2023	संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर दो दिवसीय बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ
13.	मार्च, 2023	बुद्धिस्ट कान्क्लेव/बुद्धिस्ट चेन्टिंग फेस्टिवल कार्यक्रम प्रस्तावित।	कुशीनगर/संकिसा

आजादी के 75वीं वर्षगॉठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति के दृष्टिगत स एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों का कैलेण्डर

(अप्रैल, 2022 से 15 अगस्त, 2023)

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	09 अप्रैल, 2022	सम्राट अशोक एवं ज्योतिबाफुले की जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ

2.	14 अप्रैल, 2022	बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर परिचर्चा सम्पन्न।	लखनऊ
3.	10 मई, 2022	प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अवसर पर एक दिवसीय विचार गोष्ठी सम्पन्न। विषयः स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संघर्ष मे मेरठ अंचल वासियों की भूमिका	श्री कुन्दकुन्द जैन पी0जी0 कालेज, खतौली, जिला-मुजफ्फरनगर, (उ0प्र0)
4.	18 जून, 2022	रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर बेतवा भवन, झॉसी में संगोष्ठी का आयोजन मा0 उपाध्यक्ष, बौद्ध संस्थान, की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। इस संगोष्ठी में 'भारत की आजादी में-वीरांगना लक्ष्मीबाई का योगदान' विषय पर प्रकाश डाला गया एवं अनेक आमंत्रित विद्वानों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।	झॉसी
5.	26 जुलाई, 2022	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न।	सरस्वती शिशु मंदिर, तकरोही लखनऊ।
6.	02 अगस्त, 2022	पिगंली वैंकेया की जयन्ती- पेंटिंग प्रतियोगिता सम्पन्न।	श्री वर्द्धमान इण्टर कालेज एवं आयडियल पब्लिक इण्टर कालेज, लखनऊ।
7.	10 अगस्त, 2022	तिरंगा यात्रा प्रारम्भ- संस्थान के मा0 उपाध्यक्ष जी के द्वारा	झॉसी
8.	11 अगस्त, 2022	हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत संगोष्ठी एवं तिरंगा यात्रा निकाली गयी जिसकी अध्यक्षता बौद्ध संस्थान के मा0 सदस्य ने की।	प्रतापगढ़
9.	13 अगस्त, 2022	हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत संगोष्ठी एवं तिरंगा यात्रा निकाली गयी	बी0एस0 एक्सिलेंट पब्लिक स्कूल, भिनगा, श्रावस्ती
10.	14 अगस्त, 2022	विभाजन विभीषिका दिवस पर संगोष्ठी एवं मौन जुलूस निकाला गया।	झॉसी
11.	15 अगस्त, 2022	स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी एवं हर घर तिरंगा के अन्तर्गत संगोष्ठी सम्पन्न।	लखनऊ
12.	25 सितम्बर, 2022	पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी जयन्ती के अवसर पर पुष्पांजलि एवं परिचर्चा-विषयः पं0 दीन दयाल उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता	संस्थान परिसर, लखनऊ

13.	07 अक्टूबर, 2022	पद्मविभूषण पं0 किशन महाराज जन्म शती वर्ष के अन्तर्गत- पद्मविभूषण पं0 किशन महाराज जी पर स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवं सटिफिकेट वितरण सम्पन्न। (संगीत नाटक अकादमी)	संगीत नाटक अकादमी/संस्थान परिसर, लखनऊ
14.	31 अक्टूबर, 2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान एव उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती "राष्ट्रीय एकता दिवस" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय-अखण्ड भारत के प्रणेताः लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल	राम लखन सरस्वती इण्टर कालेज, झॉसी
15.	03 नवम्बर, 2022	वेलकम सेरेमनी, लाइट आफ बुद्ध धर्मा फाउण्डेशन इण्टरनेशनल, इण्डिया, इण्टरनेशनल त्रिपिटक चैंटिंग काउन्सिल - अध्यक्ष संस्थान द्वारा	शान्ति उपवन, बौद्ध बिहार, आलमबाग
16.	26 नवम्बर, 2022	संविधान दिवस/भारतीय संविधान दिवस के अवसर कर्मचारियों द्वारा संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।	लखनऊ संस्थान
17.	04 फरवरी, 2023	चौरी चौरा दिवस के अवसर पर 'भारत की आजादी का महत्व' विषय पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	कुशीनगर
18.	27 फरवरी, 2023	चन्द्रशेखर आजाद जी का शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता आन्दोलन मे क्रान्तिकारियों का योगदान विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता प्रस्तावित।	प्रयागराज
19.	13 अप्रैल, 2023	जलियॉवाला बाग काण्ड, एक दिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित	लखनऊ
20.	10 मई, 2023	'स्वतंत्र भारत निर्माण में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का योगदान' विषय पर दो दिवसीय परिचर्चा प्रस्तावित।	मेरठ
21.	18 जून, 2023	वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर 'नारी शक्ति लक्ष्मीबाई' विषय पर संगोष्ठी एवं प्रतियोगिता प्रस्तावित।	झॉसी
22.	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं की विशाल धम्म सभा का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ
23.	8, 15 अगस्त,2023	आजादी के अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अन्तर्गत दो दिवसीय संगोष्ठी, सम्मान, पुरस्कार वितरण प्रस्तावित।	लखनऊ

3. वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत विवरण

क्र0 सं0	तिथि/माह	कार्यक्रम/योजना का नाम	स्थल का नाम
1.	14 अप्रैल, 2022	14 अप्रैल, 2023 बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जयन्ती के अवसर पर धम्म सभा का आयोजन प्रस्तावित। लखनऊ एवं प्रदेश के विभिन्न बौद्ध बिहारों में	लखनऊ
2.	05 मई, 2023	बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर संगोष्ठी, संगायन एवं त्रिपिटक पाठ बौद्ध भिक्षुओं एवं बौद्ध उपासकों द्वारा सतत् किया जाना प्रस्तावित।	लखनऊ एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों में
3.	21 जून, 2023	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग, विपश्यना साधना एवं आनापान का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों के ग्रामीण अंचलों में
4.	जुलाई, 2023	सर्वपंथीय धम्म सभा एवं धम्म परिचर्चा प्रस्तावित	संकिसा/सारनाथ
5.	अगस्त, 2023	एम0ओ0यू0 किये गये विश्वविद्यालयों/बौद्ध संस्थानों के सहयोग से दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ/विभिन्न विश्वविद्यालय/सम्बद्ध विश्वविद्यालय के सौजन्य से
6.	10 सितम्बर, 2023	भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयन्ती गोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित।	झाँसी
7.	02 अक्टूबर, 2023	गाँधी जयन्ती के अवसर पर निबंध/पेंटिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित।	लखनऊ/माध्यमिक स्तर के स्कूलों के सहयोग से
8.	31 अक्टूबर, 2023	सरदार बल्लभभाई पटेल जी की जयन्ती पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	मेरठ
9.	26 नवम्बर, 2023	संविधान दिवस के अवसर पर परिचर्चा प्रस्तावित	लखनऊ
10.	06 दिसम्बर, 2023	भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर धम्म सभा का आयोजन प्रस्तावित	प्रदेश के विभिन्न बौद्ध बिहारों में
11.	25 दिसम्बर, 2023	भारत रत्न पं0 अटल बिहारी जी की जयन्ती के अवसर पर विद्वत सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित।	श्रावस्ती
12.	जनवरी, 2024	बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन प्रस्तावित	कपिलवस्तु
13.	24 जनवरी, 2024	उ0प्र0 दिवस के अवसर पर धम्म सभा का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ

14.	28 फरवरी, 2024	संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित।	लखनऊ
15.	मार्च, 2024	बुद्धिस्ट कान्क्लेव/बुद्धिस्ट चेन्टिंग फेस्टिवल कार्यक्रम प्रस्तावित। संस्कृत, पालि एवं भोट भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध साहित्य पर परिचर्चा।	कौशम्बी/कुशीनगर

आजादी के 75वीं वर्षगॉठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण
(अप्रैल, 2023 से 15 अगस्त, 2023)

क्र0	**तिथि/माह**	**कार्यक्रम/योजना का नाम**	**स्थल का नाम**
1.	09 अप्रैल, 2023	सम्राट अशोक एवं ज्योतिबाफुले की जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	लखनऊ
2.	10 मई, 2023	मेरठ में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित।	मेरठ
3.	18 जून, 2023	रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी प्रस्तावित।	झॉसी
4.	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस के अवसर पर निबन्ध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित।	लखनऊ
5.	02 अगस्त, 2023	पिगंली वैंकेया की जयन्ती- पेंटिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित।	लखनऊ
6.	8 से 15 अगस्त, 2023	आजादी के अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अवसर पर दिवसीय संगोष्ठी, सम्मान पुरस्कार वितरण आदि।	लखनऊ

—----------

संतकबीर अकादमी

संत कबीरअकादमी का मुख्य उद्देश्य :-

संत कबीर का जन्म प्रदेश के वाराणसी जनपद में और परिनिर्वाण मगहर, संत कबीर नगर जिले में हुआ। संत कबीर निर्गुण परंपरा के अग्रणी संत रहे हैं। उन्होंने अपनी साखी, दोहे, रमैनी आदि रचनाओं के माध्यम से जनमानस के सम्मुख अपनी शिक्षा और दर्शन को रखा। वस्तुतः संत कबीर आंडबर, कुरीतियों और अंधविश्वासों के विरुद्ध थे, उनके समय में समाज इन्हीं सब से जूझ रहा था। इसलि, उन्होंने आध्यात्मिक चेतना को प्रखर करने, सामाजिक समरसता को बढ़ाने के साथ आंडबर, कुरीतियों और अंधविश्वास को दूर करने का दर्शन दिया। इसी के चलते संत कबीर उत्तर प्रदेश के साथ पूरे देश बल्कि पूरे विश्व के आज भी प्रासंगिक हैं। यही कारण है देश के हर अंचल में उनके अनुयायी हैं अथवा उनकी रचनाओं का गायन नीति वचनों के तौर पर किया जाता है।संत कबीर अकादमी का मुख्य उद्देश्य.कबीर जी के जीवन.दर्शन पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध, सर्वेक्षण, प्रकाशन, कबीर साहित्य, पाण्डुलिपियों एवं ग्रन्थों आदि का संग्रह तथा शोध गतिविधियों का संचालन करने के साथ.साथ अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय स्तर पर कबीर गायन एवं साहित्य के आदान.प्रदान के कार्यक्रमों के आयोजन एवं वैश्विक स्तर पर निर्गुण संतों और निर्गुण गायकों के माध्यम से कबीर जी की विचारधारा को जनमानस तक पहुॅचाना है।

संत कबीर की व्यापक प्रासंगिकता को देखते हुए ही संस्कृति विभाग के अंतर्गत स्वायत्तशासी संस्थान के तौर पर संत कबीर अकादमी की स्थापना शासनादेश के माध्यम से 5 जुलाई 2018 को की गई। जिसका पंजीयन 22 मार्च 2022 को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत हुआ।

मगहर, संत कबीर नगर में **3** एकड़ भूमि पर संत कबीर अकादमी के भव्य भवनों और परिसर का विकास किया गया है, जिसमें ऑडीटोरियम, प्रशासनिक भवन, हॉस्टल, कैंटीन, लाइब्रेरी, अधिकारी, कर्मचारी आवास, म्युरल गैलरी आदि का निर्माण किया गया है। परिसर और भवन निर्माण एजेंसी के माध्यम से अभी संस्कृति विभाग को हस्तानांतरित किया जाना है। अकादमी का कैंप कार्यालय 937 नंबर कमरा, नवम तल जवाहर भवन लखनऊ से संचालित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022-2023 में हुए क्रियाकलाप और कार्यक्रम

1. अकादमी के लोगो सृजन के लिए 31 मई 2022 को आट्र्स कॉलेज लखनऊ के तत्वावधान में तीन फाइन आर्ट कालेजों के छात्रों के मध्य लोगो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पांच विजेता लोगो प्राप्त किए गए, इनमें से एक का चयन कराकर प्रयोग शुरू किया गया।

2. 30 मई 2022 फाइन आर्ट कॉलेज में संत कबीर पर पेंटिंग शिविर का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से फाइन आट्र्स के द्वारा कैनवास पर बनाईं गईं 5 पेंटिंग अकादमी को प्राप्त हुईं।

3. 30 मई 2022 को ललित कला अकादमी के संयोजन में संत कबीर पर पेंटिंग शिविर का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा 25 पेंटिंग प्राप्त की गईं।

4. अकादमी की शोध विकास समिति का गठन हो चुका है। अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह, कुलपति दीनदयाल विश्वविद्यालय हैं। संयोजक प्रो0 दीपक त्यागी हैं। पहली बैठक 27 मई 2022 को करा ली गई। प्रो0 उषा सिंह, प्रो0 शीतला प्रसाद सिंह, प्रो निधि चतुर्वेदी, प्रो0 अजय कुमार शुक्ल, प्रो0 दीपक प्रकाश त्यागी सदस्यहैं।

5. दिनाक 05 जून 2022 को मा0 राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कर कमलों द्वारा मगहर में संत कबीर अकादमी के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया गया।

6. कबीर जी के जीवन दर्शन को जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से 14 जून 2022 को संत कबीर के प्राकट्य दिवस के अवसर पर तीन स्थानों कबीर महोत्सव का आयोजन किया गया।

इसके अंतर्गत दो सेमिनार, छात्र.छात्राओं के मध्य एक दोहा प्रतियोगिता, कबीरीध्निर्गुण गायन, सूफी बैंड, प्रस्तुति, भाव नृत्य संयोजन, संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियों के आयोजन किए गए।

अ. कबीर मठ.वाराणसी में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 14 और 15 जून-2022

कबीर दर्शन पर सेमिनार, कबीरी, निर्गुण और बैंड प्रस्तुतियां का आयोजन किया गया

ब. अस्सी घाट वाराणसी पर तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन-14-15 व 16 जून-2022

कबीरी-निर्गुण, नृत्य संयोजन, लोक नृत्य, सूफी गायन का आयोजन किया गया

स. संत कबीर अकादमी, मगहर में दो दिवसीय-15 और 16 जून-2022

संत कबीर की शिक्षा और दर्शन पर सेमिनार का आयोजन, छात्र.छात्राओं के मध्य दोहा और अर्थ प्रतियोगिता काआयेाजन, निर्गुण, कबीरी, सूफी गायन नृत्य संयोजन की प्रस्तुतियां की गईंध्संगीतमय नाट्य प्रस्तुति की गई।

7. दिनांक 14 जून, 2022 को कबीर जी की जयन्ती के अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में संगोष्ठीध्सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

8. 22 जून 2022 को संत कबीर पीठ की स्थापना

पं0 दीनदयाल विश्वविद्यालय गोरखपुर को संत कबीर शोध पीठ ;चेयरद्ध की स्थापना के लिए पत्र भेजा गया था। विश्वविद्यालय की ओर से 22 जून 2022 को संत कबीर पीठ की स्थापना कर दी गई। पीठ का अध्यक्ष हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीपक त्यागी को बनाया गया है। अध्यक्ष ने अद्यतन कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

9. अगस्त सितंबर में पांच विश्वविद्यालयों और दो महाविद्यालयों में संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय, सिरसागंज, फिरोजाबाद, चित्रगुप्त पीजी कॉलेज, मैनपुरी, डॉ. भीमराव राव आंबेडकर विश्वविद्याल, आगरा, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।

10. दो संस्थानों से ज्ञापन समझौता (एमओयू)

संत कबीर अकादमी के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए योजनानुसार 01 सितंबर 2022 को एक विश्वविद्यालय बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ और एक निजी संस्थान लोकायन संस्थान, बीकानेर, राजस्थान से ज्ञापन समझौता किया गया।

11. दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा के संयुक्त तत्वाधान में 30 और 31 दिसंबर 2022 दो दिवसीय संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के तीन सत्रों में 15 वक्ताओं ने अपने वक्तव्य दिए जिससे लगभग 500 छात्र.छात्राएं और अन्य लोग लाभान्वित हुए।

तीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री कलापनी कोमकली और दल का निर्गुण गायन, मालविका एवं दल का कबीरी भजन गायन और दूसरे दिन यूनिवर्सिटी थियेटर ग्रुप के अमितेश कुमार निर्देशित नाटक कबिरा खड़ा बाजार में का मंचन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लाभ भी लगभग 500 लोगों तक सीधे पहुंचा।

12. व्याख्यानमाला की पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन

राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसागंज, फिरोजाबाद में हुई संगोष्ठी में व्याख्यानों और शोध पत्रों के 35 लेखों की एक पुस्तक का प्रकाशन किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 प्रस्तावित कार्ययोजना

1. अप्रैल 2023

पं0 दीनदयाल विश्वविद्यालय, गोरखपुर, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा, जौनपुर विश्वविद्यालय, जौनपुर में त्रिधारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कबीर दर्शन और साहित्य संगोष्ठी स्थानीय निर्गुण गायन दलों की प्रस्तुति।

2 मई 2023

मंडलस्तरीय कबीरी निर्गुण महोत्सव एवं प्रतियोगिता। स्कूलों और कॉलेजों में आयोजन प्रदेश के 18 मंडल मुख्यालयों में आयोजन, पारंपरिक और लोक गायकों, मंडलियों का स्कूल और कालेजों में प्रदर्शन

3 जून 2023

ज्येष्ठ पूर्णिमा **3** जून को संत कबीर अकादमी ऑडीटोरियम मगहर, संत कबीर नगर में संत कबीर अमृत उत्सवध्प्रतियोगिताएं।

4. जुलाई 2023

संत कबीर नगर और गोरखपुर के कबीरी निर्गुण लोक गायन का अभिलेखीकरण

5. अगस्त 2023

संत कबीर अकादमी की गतिविधियों, संत कबीर के विश्व में भर में नए शोध, विचार और कार्यों अकादमी की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन।

6. सितंबर 2023

मेरठ में पश्चिम उत्तर प्रदेश 10 कबीरी टीमों के प्रदर्शन का मेरठ विश्वविद्यालय के सहयोग से कबीरी.निर्गुण अमृत उत्सव का आयोजन ।

7. अक्तूबर 2023

बुंदेलखंड में कबीरी की 60 गादियों में 10 गादियों का चित्रकूट विश्वविद्यालय के सहयोग से बुंदेलखंड कबीरी गादी उत्सव का आयोजन।

8. नवंबर 2023

लहरतारा वाराणसी से मगहर संतकबीर नगर तक कबीर निर्वाण पथ का सर्वे, अध्ययन, चिन्हांकन।

9. दिसंबर 2023

संत कबीर मठ सत्संग संगम, रहीमाबाद लखनऊ संत कबीर मठ में आयोजन।

10. जनवरी 2024

कबीर पुरस्कार के लिए आवेदन मांगा जानाः संत कबीर अकादमी और संस्कृति विभाग विभिन्न माध्यमों से साहित्य, प्रदर्शन और सेवा इत्यादि के क्षेत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाने का प्रस्ताव।

11. फरवरी 2024

संत कबीर परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धाजंलि स्वरूप कबीरी और निर्गुण परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

12. मार्च 2024

प्रदेश की कबीरी लोक गायन की टीमों को मालवा कबीर यात्रा में प्रतिभाग करने के लिए भेजा जाना प्रस्तावित।

—----------

कला एवं कलाकारों का सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं वृद्ध कलाकारों को सहायता योजना

प्रदेश की लोक परम्पराओं को संरक्षित रखने के उद्देश्य से उनका वीडियो अभिलेखीकरण, योग्य छात्रों को कला एवं संस्कृति की व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिये आर्थिक च सहायता दिये जाने की तथा वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को आर्थिक सहायतार्थ पेंशन योजना प्रचलन में है।

तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृहों/खुले मंचो का निर्माण

महानगरों एवं नगरों में किसी न किसी प्रकार सांस्कृतिक गतिविधियाँ संचालित रहती हैं तथा मनोरंजन के कुछ न कुछ साधन उपलब्ध रहते हैं। प्रदेश के तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृह/खुले मंचों का निर्माण कराया जा रहा है।

फिल्मों का विकास (डाक्यूमेंट्री आडियो विजुअल)

प्रदेश के विपुल सांस्कृतिक धरोहर को जनमानस के लिये संरक्षित व प्रचारित-प्रसारित करने के लिये कला के विविध रूपों एवं प्रदेश के सुविख्यात कलाकारों को डाक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण की योजना गत वित्तीय वर्ष की भांति इस वर्ष भी करायी जानी है। चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष में स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

लोक कलाकारों को वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु आर्थिक सहायता

संस्कृति विभाग द्वारा उ0प्र0 दिवस-2023 के अवसर पर मण्डल स्तरीय लोक विधा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों के दल के सदस्यों को इस योजना के अन्तर्गत वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु सीधे लोक कलाकारों के खाते में प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने की कार्ययोजना है।

कल्चरल क्लब की स्थापना

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत मुख्यतः लोक कलाओं के संरक्षण एवं उन्नयन के लिये लोक कलाकारों हेतु प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से विद्यालयों में कल्चरल क्लब की स्थापना की कार्ययोजना है।

मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक संकुल की स्थापना

उ0प्र0 की संस्कृति को संरक्षित एवं सवंर्द्धित करने के उद्देश्य से भारत भवन की तर्ज पर 03 जनपदो क्रमशः लखनऊ, आगरा एवं बलरामपुर में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी सांस्कृतिक संकुल के नाम से 01 बहुमंजिला वृहद सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण प्रस्तावित है। इस अनुक्रम में बटेश्वर, आगरा में सांस्कृतिक संकुल का निर्माण कार्य आरंभ किया जा चुका है।

सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण

रामलीला की पौराणिकता, अध्यात्मिकता एवं विरासत को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के दृष्टिगत प्रदेश के रामलीला मैदानों की चाहरदीवारी का निर्माण कराये जाने की योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अनुक्रम में क्रमशः जनपद, गोरखपुर एवं शाहजहांपुर में एक-एक रामलीला स्थल पर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है।

राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार

लखनऊ के कैसरबाग हैरिटेज जोन में िस्थत राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह के भवन की सांस्कृतिक एवं गरिमामय विरासत को संरक्षित एवं संवर्द्धित रखने के दृष्टिगत उक्त प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।

गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान, गोरखपुर की स्थापना

पं0 दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान की स्थापना का कार्य कराय जा रहा है।

पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी के स्मृति भवन की स्थापना

पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय एवं अन्य संरचना का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

चौरी-चौरा महोत्सव

गोरखपुर जनपद स्थित चौरी-चौरा में ऐतिहासिक स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान 04 फरवरी, 1922 को घटित महत्वपूर्ण घटना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार द्वारा 04 फरवरी, 2021 से 04 फरवरी, 2022 तक शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया गया।

भाग - 2

पुरातत्व निदेशालय

भूमिका

उत्तर दिशा में नगाधिराज हिमालय, दक्षिण में विन्ध्य पर्वत श्रेणियों से घिरा, पश्चिम में यमुना और अरावली से लगा और पूरब में सदानीरा-गंगा-सोन संगम और बिहार के भोजपुर जिले तक विस्तृत उत्तर प्रदेश में प्रस्तर युग से ही अनवरत रूप से पुष्पित-पल्लवित मानवीय सभ्यता ने लाखों वर्ष में यहां की संस्कृति को एक विशेष स्वरूप प्रदान किया है।

प्राचीन देवभूमि, आर्यावत्र्त और मध्य देश, मोरिय, कोलिय, मल्ल और शाक्य आदि गणतंत्र, कोशल, काशी, कुरू, पंचाल, सूरसेन और वत्स महाजनपद इसी पावन भूमि पर स्थित रहे हैं। गंगा-यमुना के स्रोत अयोध्या, मथुरा और तीन लोक में न्यारा भोले बाबा का धाम काशी, गंगा-यमुना के बीच बसे प्रयागराज, कौशाम्बी, कालिंजर और देवगढ़, जौनपुर, आगरा और सीकरी, लखनऊ और फैजाबाद न केवल इस प्रदेश के वरन् सारे देश की अस्मिता के ऐसे अंग हैं जिनके बिना देश की पहचान नहीं बनती । वह प्रदेश है जहां की माटी पर पल कर राम, कृष्ण जैसे अवतारी पुरूषों ने ऐसी लीलाएं दिखलायीं और शाक्य सिंह, गौतम बुद्व ने शान्ति का ऐसा उद्घोष किया कि समस्त भारतीय उप महाद्वीप ही नहीं हिन्दूकुश के उस पार वक्ष (आक्सस) नदी के आस-पास, ब्रह्म देश (वर्मा) के पूरब वियतनाम और जावा-सुमात्रा-बाली, उत्तर में चीन, कोरिया, जापान और तिब्बत और दक्षिण समुद्र में लंका तक पूजे जाने लगे। कबीर, सूर, तुलसी, रसखान और नरोत्तम दास की यह पावन भूमि सांस्कृतिक एवं पुरातात्त्विक महत्व के अवशेषों की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है।

प्रदेश की पुरातात्त्विक सामग्री और स्थलों/स्मारकों के संरक्षण, यथावश्यक पुरास्थलों के उत्खनन, पुरातत्व विषयक प्रकाशन तथा पुरातत्त्व और पुरास्थलों में लोकरूचि जगाने के उद्देश्य से 1951 में लखनऊ में पुरातत्व विभाग की स्थापना की गयी। सन् 1979-80 में लखनऊ के बाहर कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के लिए पहली क्षेत्रीय इकाई गठित हुई। नवें दशक में पौड़ी गढ़वाल और झांसी तथा तत्पश्चात् आगरा, गोरखपुर, वाराणसी और इलाहाबाद में भी क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाईयां स्थापित की गयीं। राज्य में पुरातत्व सम्बन्धी गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान करने हेतु 27 अगस्त, 1996 को निर्गत संस्कृति अनुभाग की अधिसूचना संख्या 2558/चार-96-6(2)/96, द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व संगठन का नाम 'उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग' तथा निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व संगठन को स्वतंत्र विभागाध्यक्ष घोषित करते हुए सचिव, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन रखा गया है।

विभाग द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस सत्र में प्रदेश के जालौन, चित्रकूट, प्रतापगढ, बरेली, संत कबीर नगर, जौनपुर एवं गोण्डा जिले में पुरातात्विक सर्वेक्षण कराया जा रहा है। प्रदेश के इतिहास के अल्पज्ञात पक्षों की जानकारी के लिए विभाग द्वारा मनवाडीह (सीतापुर), जाजमऊ (कानपुर), हुलासखेड़ा एवं दादूपुर (लखनऊ), शनिचरा (सुल्तानपुर), मूसानगर (कानपुर), राजा नल का टीला, नई डीह एवं भगवास (सोनभद्र), मलहर (चन्दौली) ,लहुरादेवा (संत कबीर नगर), पुरवा उदयी (औरैया) एवं सोनिक (उन्नाव) में पुरातात्विक उत्खनन कराये गये है। प्रदेश के राज्य संरक्षित स्मारकों के परिरक्षण /अनुरक्षण के कार्य कराने के अतिरिक्त शोध कार्य को बढावा देने के लिए एक वार्षिक शोध पत्रिका प्रकाशित कराने तथा जनचेतना जागृत करने हेतु शैक्षिक कार्यक्रमों के आयोजन भी कराये जा रहे हैं।

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में पुरातात्त्विक गतिविधियों का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा किया जाता है। पुरातत्व निदेशालय के अन्तर्गत गठित क्षेत्रीय इकाईयों के कार्यों पर नियंत्रण, प्रदेश के विभिन्न भागों में बिखरी पुरासम्पदा की खोज हेतु सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पुरास्थलों का उत्खनन, राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण व रख-रखाव, एवं पुरावशेषों के प्रति जन चेतना जागृत करना पुरातत्व निदेशालय के प्रमुख उद्देश्य है।

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की सं0	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1.	निदेशक	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	7600	लेवल-12
2.	उपनिदेशक	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	6600	लेवल-11

3.	उत्खनन एवं अन्वेषण अधिकारी	02	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
4.	पुरातत्त्व अभियन्ता	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-9
5.	सहायक लेखाधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4800	लेवल-8
6.	सहायक पुरातत्त्व अधिकारी	06	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
7.	फोटो अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
8.	प्रशासनिक अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
9.	प्रकाशन सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
10.	संरक्षण सहायक	03	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
11.	लेखाकार	02	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
12.	प्रधान सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
13.	वैयक्तिक सहायक ग्रेड-2	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
14.	अवर अभियंता	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
15.	नक्शानवीस	02	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
16.	सर्वेयर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
17.	रसायनविद	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
18.	पुस्तकालय सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
19.	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
20.	आशुलिपिक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
21.	वरिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
22.	कनिष्ठ सर्वेयर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
23.	कनिष्ठ सहायक	04	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
24.	ड्राईवर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1900	लेवल-2
25.	माक्रसमैन कम पाट्री मेंण्डर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
26.	फोटोलैब सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1

27.	साइक्लो स्टाईल मशाीन आपरेटर कम दफ्तरी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-2
28.	रसायन शाला सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
29.	नलकूप चालक	02	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
30.	वक्र्स फोरमैन	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
31.	अर्दली	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
32.	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
33.	स्वीपर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
34.	कार्यालय चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
35.	माली चौकीदार	22	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
36.	स्मारक परिचर	40	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
37.	उद्यान परिचर	07	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
38.	डाक रनर कम फर्राश	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
	योग	**118**			

सर्वेक्षण/निरीक्षण:-

1. जनपद औरैया स्थित ग्राम सेहुद से प्राप्त प्राचीन सूर्य प्रतिमा तथा सेहुद ग्राम का पुरातात्विक निरीक्षण किया गया।
2. जनपद अमेठी स्थित जायस का निरीक्षण/सर्वेक्षण कर ऐतिहासिक महत्त्व के स्मारकों को संरक्षित किया गया।
3. जनपद अमेठी स्थित ग्राम दौतरा में खुदाई के दौरान प्राप्त पक्के फर्श तथा डोमपुर के टीले का निरीक्षण किया गया।
4. जनपद रायबरेली स्थित मुस्तफाबाद में खानम माह परवर एवं दुलाई मियां के मकबरों तथा शिवगढ़ स्थित श्रीराम जानकी मंदिर का निरीक्षण किया गया।
5. जनपद जौनपुर के मछलीशहर स्थित ग्राम कौरहां से प्राप्त सुरंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया।
6. जियो टैगिंग हेतु जनपद सीतापुरए उन्नाव एवं हरदोई स्थित राज्य संरक्षित पुरस्थालों का स्थलीय निरीक्ष किया गया।
7. जनपद लखनऊ के शिवाजी मार्ग पर स्थित प्राचीन भवन का निरीक्षण किया गया।
8. जनपद-सुलतानपुर स्थित इटिहवा टीला का निरीक्षण किया गया।
9. जनपद-बुलन्दशहर स्थित प्राचीन भवनों का स्थलीय निरीक्षण कर राजकीय संरक्षण में स्मारकों को लिये जाने की कार्यवाही की गयी है।
10. जनपद-इटावा स्थित टिक्सी मंदिर का निरीक्षण किया गया।

अनुरक्षण :-

1. राज्य संरक्षित स्मारक छतर मंजिल, लखनऊ; हुलासखेडा, लखनऊ; शिव मंदिर, बिठूर, कानपुर; वजीरगंज की बारादरी, गोण्डा; बाल्मीकि आश्रम, बिठूर, कानपुर; शिव मंदिर, इटावा; रोशन-उद्-दौला कोठी, लखनऊ; गुलिस्तान-ए-इरम, लखनऊ, दर्शन विलास, आलमबाग भवन, लखनऊ; आस्तिक बाबा का मंदिर, सीतापुर में अनुरक्षण कार्य किया गया।

प्रकाशन अनुभाग:-

1. एडॉप्ट ए हेरिटेज रंगीन लघु पुस्तिका का प्रकाशन
2. पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम पर आधारित "स्मरणिका" का प्रकाशन
3. राज्य संरक्षित स्मारक रोशनुद्दौला कोठी, लखनऊ की अभिलेखीकरण पर आधारित रंगीन लघु - पुस्तिका का प्रकाशन।
4. राज्य संरक्षित स्मारकों पर आधारित रंगीन मोनोग्राफ का प्रकाशन।
5. विभाग की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन
6. छमाही ई न्यूज लेटर वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
7. विभागीय फेसबुक, टिवट्रर, इंस्टाग्राम को समय पर अपडेट कराने का कार्य कराया गया।

शैक्षिक-गतिविधियाँ:-

1. विश्व धरोहर दिवस (18 अप्रैल,2022) के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता, स्मारक भ्रमण एवं व्याख्यान का आयोजन।
2. विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर मुख्यालय द्वारा छायाचित्र प्रदर्शनी, एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन।
3. आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 02 अक्टूबर, 2022, राष्ट्रपिता महात्मा गाधी की जयंती के अवसर पर मुख्यालय द्वारा छायाचित्र प्रर्दशनी का आयोजन।
4. 31 अक्टूबर, 2022, सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि एवं व्याख्यान का आयोजन।
5. करतार सिंह सराभा की जयन्ती पर उत्खनित पुरास्थल पर हुलासखेडा पर अवध क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
6. हर घर तिरंगा के अन्तर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्मारक भ्रमण, व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।
7. पुरातत्व अभिरूचि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निदेशालय द्वारा एक सप्ताह के कार्यशाला आयोजन किया गया।
8. पुरातत्व अभिरूचि कार्यक्रम के अन्तर्गत 02 दिवस की उत्खनित पुरावशेषों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
9. पुरातत्व अभिरूचि कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों में विभागीय अधिकारियों द्वारा सचित्र व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ड्रांइग एवं सर्वेक्षण कार्य:-

1. बिठूर स्थित राज्य संरक्षित स्मारक की नपाई, नजरी नक्षा (मेजरमेंट सहित) नक्शा बनाये गये।
2. छतर मंजिल स्थित भवनों के क्षेत्रफल ज्ञात करने हेतु मेजरमेंट कर नक्शा बनाया।
3. लहुरादेवा, संत कबीर नगर स्थित उत्खनन स्थल का राजस्व विभाग की टीम के सहयोग से सीमांकन करवाकर उसका नक्शा रिपोर्ट सहित तैयार किया।
4. आलमबाग हाउस व गेट का नजरी नक्शा बनाया गया।
5. प्रस्तावित उत्खनन हेतु प्रस्ताव के लिए प्राप्त निर्देशो के अनुसार नक्शा बनाया गया।
6. मुख्य सचिव के छतर मंजिल परिसर के भ्रमण/मीटिंग के सिलसिले में आई0एन0आई0 गोमती के लिए जगह की उपलब्धता हेतु नजरी नक्षा बनाया एवं भूमि के ब्यौरे को तैयार किया।
7. जनपद-हरदोई स्थित नरपत सिंह की गढ़ी का राजस्व विभाग की टीम के साथ निरीक्षण किया गया तथा नजरी नक्शे सहित रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी।
8. कुल 162 स्मारकों/स्थलों की मेट डेटा सहित सूची रिमोट सेंसिग सेन्टर हेतु तैयार कर भेजी गयी।

उत्खनन एवं सर्वेक्षण:-

1. जनपद-गोण्डा अन्तर्गत तहसील तरबगंज में विकासखण्ड-वजीरगंज में किये गये ग्रामस्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण से सम्बन्धित रिपोर्ट लेखन का कार्य किया गया।

अन्य कार्य:-

1. उत्तर प्रदेश दिवस (24 से 26 जनवरी, 2023) के अवसर पर 30प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ द्वारा अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में ''30प्र0 की ऐतिहासिक विरासत'' विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी लगायी गयी।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, झाँसी

क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई ,झांसी के अन्तर्गत झांसी, ललितपुर, महोबा ,हमीरपुर ,जालौन ,बांदा, चित्रकूट आदि जिले आते हैं । प्रस्तर उपकरणों, मन्दिरों, मूर्तियों, अभिलेंखों, बावली, कूप, तड़ागों और पात्रावशेषों आदि के रूप में प्राचीन पुरासामग्री इस क्षेत्र में जगह-जगह बिखरी हुई हैं। यहां शैव, वैष्णव शाक्य और जैन धर्मों का विशेष प्रभाव दिखायी देता है । इन सबका व्यापक अन्वेषण कराकर इन्हे प्रकाशित करने, संरक्षित करने तथा विभाग के उद्देश्यों के अनुरूप पुरातत्त्व सम्बन्धी अन्य कार्यों के सम्पादन के लिये झांसी में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गई है।

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, झांसी के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	सहायक पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
3	संरक्षण सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
4	फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	नक्शा नवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
6	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
7	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
8	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
9	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
10	सफाई कर्मचारी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1

निरीक्षण/सर्वेक्षण

1. जिलाधिकारी, महोबा की अपेक्षा के क्रम में जिलान्तर्गत छिकहरा, रैपुराखुर्द में स्थित चन्देलकालीन मन्दिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया।
2. झाँसी नगर (शहर) अन्तर्गत सुरईयों का मुहल्ला स्थित कुम्हारों की गली में गुसाईयों के मन्दिर समूह (शिव मन्दिर समूह) का निरीक्षण किया गया।
3. झाँसी नगर स्थित महाकालेश्वर मन्दिर का तथा संरक्षित स्मारक बरूआसागर किले का निरीक्षण किया गया।
4. स्थलीय संग्रहालय, महोबा एवं ललितपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

अनुरक्षण

1. संरक्षित स्मारक लक्ष्मी मन्दिर, झाँसी का अनुरक्षण कार्य सम्पादित कराया गया।
2. संरक्षित स्मारक बालाबेहट किला, ललितपुर का अनुरक्षण कार्य सम्पादित कराया गया।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर जयंती पर छायाचित्र प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
2. विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, झाँसी में धरोहर अभिरूचि प्रदर्शनी तथा बुन्देलखण्ड की धरोहर पर आधारित व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त संरक्षणाधीन स्मारक टहरौली किले पर सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम के अन्तर्गत आल्हा का आयोजन किया गया।
3. बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर बुन्देलखण्ड एवं समीपवर्ती क्षेत्र में बौद्ध कला एवं स्थापत्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।
4. अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर फोटो प्रदर्शनी, धरोहर पर आधारित फिल्म शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
5. नोयडा स्थित अपनो बुन्देलखण्ड संस्थान के अनुरोध पर नोयडा में रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय (16-6-2022 से 18-6-2022 तक) बुन्देलखण्ड की प्राचीन धरोहर के बारे में जनसामान्य को अवगत कराने हेतु फोटो प्रदर्शनी लगायी गयी एवं व्याख्यान दिया गया।
6. वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस 18जून को गरिमापूर्ण ढंग से मनाये जाने हेतु उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार द्वारा रानी लक्ष्मीबाई को केन्द्रित करते हुए स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली देश की 75 वीरांगनाओं पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का राजकीय संग्रहालय, झाँसी में आयोजन किया गया।
7. शतरंज प्रतियोगिता चेन्नई हेतु टार्च रिले के अवसर पर झाँसी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।
8. पुरातत्व अभिरूचि कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थलीय संग्रहालय, ललितपुर का छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण एवं क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही विद्यालय में व्याख्यान दिया गया।
9. आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक प्रतिभा खोज के लिए त्रि-दिवसीय आयोजन किया गया।
10. आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम अवधि में विभिन्न स्थलों पर सांस्कृति कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया।
11. चिल्ड्रन्स पब्लिक स्कूल, कल्याणम बालिका विद्यालय, श्री स्वामी प्रसाद आई0टी0आई0 कालेज, स्वामी विवेकानन्द विद्या मन्दिर स्कूल, श्री पारस ज्ञान विद्यालय एवं प्राईमरी स्कूल, झाँसी के छात्रों द्वारा बरूआसागर किले का शैक्षिक भ्रमण किया गया।
12. मकर संक्रान्ति के अवसर पर इकाई कार्यालय में "बुन्देलखण्ड में सूर्य उपासना" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
13. उ0प्र0 दिवस के अवसर पर वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय, झाँसी में व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, आगरा

उत्तर प्रदेश में बृज मंडल का सांस्कृतिक महत्व सर्वज्ञात है। वृन्दावन, गोकुल, मथुरा के बंशी बजइया कृष्ण कन्हैया की लीला भूमि लाखों श्रद्धालुओं को हर वर्ष यहां खींच लाती है । आगरा स्थित फतेहपुर सीकरी, ताजमहल, बुलन्द दरवाजा जैसी मुगल इमारतों की एक झलक पाने को सारी दुनिया के सैलानी बेताब रहते हैं। कुसुम सरोवर, गोवर्धन आदि स्थलों पर जाट राजाओं द्वारा निर्मित छतरियों की छटा देखते ही बनती है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में जगह-जगह प्राचीन पात्रावशेषों, मृण्मूर्तियां, सिक्के, पाषाण मूर्तियां और अभिलेख आदि मिलते रहते हैं । इनके व्यापक सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, प्रकाशन और संरक्षण/परिरक्षण के लिये आगरा में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गई है। इसके अन्तर्गत आगरा, अलीगढ़, एटा, इटावा, फिरोजाबाद और मैनपुरी जिलों के कार्य सौंपे गये हैं ।

क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई, आगरा के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं:-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	कनिष्ठ फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	2400	लेवल-4
3	नक्शा नवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
4	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
7	सफाई कर्मचारी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1

अनुरक्षण :-

1. राज्य संरक्षित स्मारक सासनी का किला, अकबर का शिकारगाह, आगरा, पोतराकुण्ड, मथुरा एवं गोवर्धन की छतरियां, मथुरा का अनुरक्षण कार्य कराया गया।

शैक्षिक-गतिविधियाँ:-

1. दिनांक 18.04.2022 को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर कुसुमवन सरोवर गोवर्धन, मथुरा पर छायाचित्र प्रदर्शनी, निबन्ध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण आयोजन किया गया।
2. आजादी का अमृत महोत्सव दिनांक 16.05.2022 (बुद्ध पूर्णिमा) को किड्स कार्नर हैप्पी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, फिरोजाबाद में चित्रकला प्रतियोगिता, व्याख्यान आदि का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 21.06.2022 योग दिवस के अवसर पर उच्च माध्यमिक विद्यालय नेवादा खेड़ा शमशाबाद, आगरा में आयोजन किया गया।
4. दिनांक 09.07.2022 को पावर प्वाइन्ट द्वारा स्मारकों पर सचित्र व्याख्यान माया रानी इन्टर कालेज, आगरा में किया गया।
5. क्रान्तिकारी मंगल पाण्डेय जयन्ती के अवसर पर गांधी स्मारक किसान इण्टर कॉलेज, किरावली, गांधी स्मारक इण्टर कॉलेज, जैगारा, आगरा में चित्रकला प्रतियोगिता, व्याख्यान (क्रान्तिकारी मंगल पाण्डेय) एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।
6. दिनांक 11.08.2022 से 17.08.2022 तक हर घर तिरंगा एवं छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजन किया गया।
7. दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 गांधी जयन्ती के अवसर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
8. एकता दिवस, सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर पुष्पाँजलि का आयोजन किया गया।
9. आजादी का महोत्सव के अन्तर्गत गोपीराम पालीवाल इण्टर कॉलेज, अलीगढ़, राजकीय इण्टर कॉलेज, मैनपुरी, श्री गुरू काष्णि इण्टर कॉलेज महावन, मधुसुदन इण्टर कॉलेज, महावन, आर0डी0एस0 पब्लिक स्कूल, बुलन्दशहर, रिशी इण्टरनेशनल, महावन, मथुरा, कृष्णा पब्लिक जे0एस0 स्कूल, करहल, मैनपुरी लुधियाना कम्प्यूटर इस्टीट्यूट, श्री राष्ट्रीय विद्यालय इण्टर कॉलेज, गार्वधन, मथुरा, लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल अडिंग, मथुरा, न्यू लाइट स्कूल, मथुरा कम्पोजिट विद्यालय पोतरा कुण्ड, मथुरा, रसखान की समाधि गोकुल, मथुरा पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता सचित्र, व्याख्यान, पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण, छात्र-छात्राओं का स्मारक भ्रमण आदि का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, प्रयागराज

इलाहाबाद मंडल में गंगा यमुना दोआब का ऐसा क्षेत्र सम्मिलित है, जिसमें प्राचीन वत्स राज्य तथा अवध का बड़ा भू-भाग आता है। वत्स राज उदयन की राजधानी कौशाम्बी, जहां भगवान बुद्ध प्रवास काल में रहे, भीटा, झूंसी, भारद्वाज आश्रम, श्रृगंवेरपुर आदि बहुसंख्यक पुरातात्त्विक महत्व के स्थल इस क्षेत्र में विद्यमान हैं। प्रतापगढ़ में सरायनाहर राय आदि पुरास्थलों से मानव के आज से लगभग 10,000 वर्ष प्राचीन आवासीय स्थलों से नर कंकाल और प्रस्तर उपकरण प्रकाश में आये हैं। ऐसे अत्यन्त महत्वपूर्ण पुरास्थलों और अवशेषों की खोज, रख-रखाव अध्ययन, प्रकाशन आदि के उद्देश्य से इलाहाबाद में क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई की स्थापना की गयी है।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई ,इलाहाबाद के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं:-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	अन्वेषण सहायक कम फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	2800	लेवल-4
3	नक्शा नवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-5
4	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	सफाई कर्मचारी कम चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1

सर्वेक्षण/निरीक्षण

1. नगर निगम प्रयागराज मुख्यालय के जर्जर भवन का निरीक्षण कर रिपोर्ट निदेशालय आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।
2. प्रयागराज जनपद की करछना तहसील के अन्तर्गत स्थित ग्राम देवरा से प्राप्त मृद्भाण्डों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।
3. पुरातात्विक स्थल हेतापट्टी का स्थलीय निरीक्षण तथा उपजिलाधिकारी, फूलपुर से हेतापट्टी से सम्बन्धित भू-राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराने हेतु तहसील की यात्रा की गयी।
4. प्रयागराज जनपद की करछना तहसील के ग्राम सभा घोड़ेडीह स्थित मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया।
5. चित्रकूट जनपद की मानिकपुर तहसील के अन्तर्गत संरक्षित (खाम्मेश्वर घाटी) शैलाश्रयों का स्थलीय निरीक्षण किया गया एवं उनका अक्षांश/देशान्तर पता किया गया।
6. जनपद मीरजापुर की तहसील लालगंज के ब्लाक हलिया के अन्तर्गत स्थित स्थलीय संग्रहालय हलिया की सुरक्षा हेतु तैनात होमगार्डस् की उपस्थित चेक करने एवं स्थलीय संग्रहालय का निरीक्षण किया गया।
7. प्रयागराज जनपद स्थित पक्का तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

अनुरक्षण :-

1. राज्य संरक्षित स्मारक रसिक बिहारी लाल जी का मंदिर, फतेहपुर एवं सरायनाहर राय, पुरास्थल प्रतापगढ का अनुरक्षण कार्य कराया गया।

शैक्षिक-गतिविधियाँ:-

1. दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को डा0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर इकाई कार्यालय, क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान आदि का कार्यक्रम करवाया गया।

2. प्रयागराज स्थित टीकर माफी आश्रम, पुरानी झूॅंसी में अवस्थित हंस मन्दिर एवं हंस कूप की जाॅंच न हो पाने से सम्बन्धित रिपोर्ट जिलाधिकारी, प्रयागराज को प्रेषित किया गया।
3. जनपद प्रतापगढ़ स्थित राजा दिनेश सिंह बालिका इण्टर कालेज, बढ़नी, अजगरा में शहीद मंगल पाण्डेय की जयन्ती दिनांक 19 जुलाई, 2022 के अवसर पर व्याख्यान आदि का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4. दिनांक 18 अप्रैल 2022 को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रयागराज के कोराॅंव तहसील के अन्तर्गत संरक्षित स्थल महगरा में व्याख्यान छात्रों को पुरास्थलों का भ्रमण कार्यक्रम के अतिरिक्त छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किये जाने आदि का कार्य किया गया।
5. दिनांक 18 मई 2022 को विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर जनपद प्रतापगढ़ में स्थित पौराणिक स्थल अजगरा में व्याख्यान आदि का कार्यक्रम कराया गया।
6. आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत सूरजदीन भगवानदीन यादव इण्टर कालेज, पचदेवरा, अटरामपुर प्रयागराज के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान गाॅंवो में प्रभात फेरी तथा हर घर तिरंगा के बारे में जागरूक किया गया।
7. अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर दिनांक 13 अगस्त, 2022 को विशेष व्याख्यान का आयोजन बाबू सन्त बक्श सिंह पी0जी0 कालेज, सण्डवा दुबान, साहबगंज, प्रतापगढ़ में आयोजित किया गया।
8. दिनांक 15 अगस्त, 2022 को स्वतंन्त्रता दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत माॅं मालती देवी महाविद्यालय, एवं सूरजदीन भगवानदीन यादव इण्टर कालेज पचदेवरा, अटरामपुर, प्रयागराज के छात्र-छात्राओं द्वारा आजादी दिवस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता के अतिरिक्त अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह् प्रदान किया गया।
9. अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 17 अगस्त, 2022 को पुरातत्व अभिरूचि के अन्तर्गत निबंघ प्रतियोगिता एवं प्रतापगढ़ जनपद की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहर विषयक व्याख्यान का आयोजन बाबू सन्त बक्श सिंह पी0जी0 कालेज, सण्डवा दुबान, साहबगंज, प्रतापगढ़ में आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह्, एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, वाराणसी

पूर्वी उत्तर प्रदेश में वाराणसी मंडल का अपना विशेष महत्व है । उत्तर भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक राजधानी के रूप में विख्यात वाराणसी नगर का ही पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक महत्व लगभग 3000 वर्ष प्राचीन है। इस नगर और जनपद में जगह-जगह प्राचीन मन्दिर, मूर्तियां और अन्य बहुत से मन्दिर विद्यमान हैं । वाराणसी मंडल के सोनभद्र, मिर्जापुर, जौनपुर, गाजीपुर और बलिया जनपद भी समृद्व एवं प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से अपनी गौरवशाली परम्परा रखते हैं। मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में चित्रित शैलाश्रय व चुनार, विजयगढ, शक्तेशगढ में सुख्यात दुर्ग, अनेक मंदिर, अभिलेख आदि ज्ञात हैं। शैव, वैष्णव, जैन और बौद्ध धर्म के केन्द्र के रूप में काशी की महिमा सर्वज्ञात है। महर्षि विश्वामित्र और जमदग्नि मुनि की भूमि जनपद गाजीपुर से सम्बद्ध की जाती है। शर्की राजाओं की राजधानी जौनपुर/मछलीशहर की प्राचीन वास्तुकला की एक नई बानगी देती है। सरयू और गंगा के बीच के भाग में सैदपुर, भीतरी, श्रंराडीह जैसे बड़े-बड़े टीले पाये गये हैं। जिनमें प्राचीन सांस्कृतिक सामग्री के विपुल भण्डार छिपे हुये हैं । विन्ध्य की श्रृखलाओं में पाषाण युगीन मानव के निवास के प्रमाण प्रस्तर उपकरणों के रूप में जगह-जगह मिलते हैं। अतएव इस क्षेत्र में पुरातत्त्व सम्बन्धी गत्विधियों में तेजी लाने के लिए वाराणसी में एक क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गयी है।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई ,वाराणसी के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं:-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	संरक्षण सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
3	कनिष्ठ फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
4	नक्शा नवीस	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	2800	लेवल-5
5	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
6	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
7	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
8	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1

सर्वेक्षण/निरीक्षणः-

1. जनपद-मऊ के दोहरी घाट थाना क्षेत्र में घाघरा-सरयू नदी के पुल के पूर्व मातेश्वरी धाम के पास से प्राप्त शिवलिंग का स्थलीय निरीक्षण।
2. जनपद-गाजीपुर के ठाकुर बाड़ी, कोयला घाट स्थित श्री राधाकृष्ण एवं राम जानकी दरबार मन्दिर का स्थलीय निरीक्षण।
3. जनपद-जौनपुर स्थित संरक्षित स्मारकों का स्थलीय निरीक्षण।
4. राज्य संरक्षित स्मारक कर्दमेश्वर महादेव मन्दिर, कन्दवा, वाराणसी का निरीक्षण।
5. श्री विश्वकर्मा मन्दिर, विशेश्वरगंज, वाराणसी का स्थलीय निरीक्षण।
6 जनपद सुल्तानपुर के संरक्षित स्मारक ईटिहवा टीला तथा साई कुटी, पंचशील दरगाह आदि का स्थलीय निरीक्षण।
7. संरक्षित स्मारक चुनार किला, मीरजापुर स्थित बूढेनाथ मन्दिर का स्थलीय निरीक्षण।

अनुरक्षणः-

1. संरक्षित स्मारक कर्दमेंश्वर महादेव मन्दिर, कन्दवा,वाराणसी के साफ-सफाई, वनस्पति उन्मूलन का कार्य ।
2. संरक्षित स्मारक सारनाथ मन्दिर, लरवक, मीरजापुर की साफ-सफाई, वनस्पति उन्मूलन एवं साफ-सफाई का कार्य ।
3. सरंक्षित स्मारक चुनार किला, चुनार, मीरजापुर के वनस्पति उन्मूलन का एवं साफ-सफाई का कार्य।
4. संरक्षित स्मारक बत्तीस खम्भा, बकरिया कुण्ड एवं अलईपुर, वाराणसी की साफ-सफाई का कार्य।

शैक्षिक-गतिविधियाँः-

1. मा0 प्रधानमंत्री नेपाल के वाराणसी आगमन के अवसर पर उनके स्वागतार्थ आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का संयोजन।
2. भारत रत्न डा॰0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर विविध कार्यक्रमों का संयोजन।
3. विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी, पुस्तक प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन।
4. जिला प्रशासन द्वारा आहूत विविध बैठकों में प्रतिभाग किया।

5. महामहिम श्री राज्यपाल महोदया के सोेनभद्र आगमन पर सलखन फासिल्स पार्क एवं सोनभद्र की विरासत सम्बन्धी ुतिकरण।
6. योग माह के अन्तर्गत संरक्षित स्मारक गुरूधाम मन्दिर परिसर, वाराणसी में योग शिविर का आयोजन।
7. जिला प्रशासन द्वारा आहूत विविध बैठकों में प्रतिभाग किया।
8. कबीर जयन्ती के अवसर पर आयोजित त्रि-दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का नोडल आफिसर के रूप में संयोजन।
9. मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में जौनपुर स्थित शाही पुल के वाद का अनुश्रवण।
10. बिरसा मुण्डा संग्रहालय हेतु जिला प्रशासन जौनपुर द्वारा आवटिंत भू-भाग का निरीक्षण एवं रिपोर्ट प्रस्ततिकरण।
11. जनपद-सोनभद्र स्थित स्थलीय संग्रहालय शिवद्वार एवं मऊकला का स्थलीय निरीक्षण।
12. सन्त अतुलानन्द रेजीडेन्सियल एकेडमी, होलापुर, वाराणसी में व्याख्यान।
13. शतरंज ओलम्पियाड टार्च रिले यात्रा के स्वागतार्थ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन।
14. भारत पर्यटन के गाइडों का वाराणसी के ऐतिहासिक धरोहरों के विषय पर व्याख्यान।
15. सनबीम-वरूणा, वाराणसी में आयोजित सांस्कृतिक विरासत कार्यक्रम में व्याख्यान।
16. मंगल पाण्डेय जयन्ती के अवसर पर पुष्पाजंलि एवं व्याख्यान का आयोजन।
17. मुंशी प्रेमचंद लमही महोत्सव-2022 के अन्तर्गत त्रि-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन।
18. जनपद शोलापुर, महाराष्ट्र से आये प्रतिनिधि मण्डल के त्रि-दिवसीय वाराणसी भ्रमण कार्यक्रम का संयोजन एवं लाइजनिंग का कार्य।
19. अगस्त क्रान्ति दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन।
20. विभाजन विभीषिका स्मृ ृति दिवस पर व्याख्यान का आयोजन।
21. मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ के प्रशिक्षु एवं गाइडों को महाभारत सर्किट पर ऑनलाइन व्याख्यान।
22. आकाशवाणी, वाराणसी में "इनसे मिलिए" कार्यक्रम के अन्तर्गत साक्षात्कार।
23. "काशी तमिल संगमम्" के आयोजन के संदर्भ में श्री राज्यपाल, तमिलनाडु द्वारा आहूत बैठक में प्रतिभाग हेतु चेन्नई की यात्रा।
24. पं0गोविन्द बल्लभ पंत जी की जन्मतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन।
25. सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रतिभा कार्यक्रम का आयोेजन।
26. पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म दिवस पर पुष्पांजलि एवं व्याख्यान का आयोेजन।
27. बाइक राइडर्स के वाराणसी आगमन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।
28. पर्यटन दिवस की पूर्व संध्या पर भारत पर्यटन गाइड एशोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यो, सामान्य जन एवं विद्यार्थियों का स्मारक भ्रमण एवं व्याख्यान का आयोजन।
29. रामलीला पर आधारित प्रर्दशनी एवं व्याख्यान का आयोजन।
30. प्रधान डाकघर, मैदागिन, वाराणसी में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग एवं व्याख्यान।
31. महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर पुष्पाजंलि, छायाचित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठी एवं भजन गायन कार्यक्रम का आयोजन।
32. विविधता में एकता विषयक कार्यक्रम का आयोजन।
33. मुंशी प्रेमचंद जी पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पाजंलि एवं दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोेजन।
34. महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर वाराणसी के 5 मन्दिरों में रामायण, रामचरित मानस पारायण एवं दीपाजंलि कार्यक्रम का आयोजन।
35. केन्द्रीय विद्यालय, मुगलसराय में व्याख्यान।
36. सरदार पटेल जयन्ती के अवसर पर एकता दिवस के रूप में प्रर्दशनी एवं व्याख्यान का आयोजन।

37. गंगा महोत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग।
38. नोडल अधिकारी के रूप में तमिल काशी संगमम् का दिनांक 17 नवम्बर से 16 दिसम्बर, 2022 तक संयोजन।
39. विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत विविध शैक्षणिक कार्यक्रम- चित्रकला प्रतियोगिता, चित्रकला प्रर्दशनी, छायाचित्र प्रर्दशनी, प्ले विद् क्ले, आदि कार्यक्रम का आयोजन।
40. विश्वविद्यालय पर्वतारोहण केन्द्र, का0हि0वि0वि0, वाराणसी में "पर्वतारोहण के इतिहास" विषय पर व्याख्यान।
41. महामना मदन मोहन मालवीय जयन्ती के अवसर पर छायाचित्र एवं अभिलेख प्रर्दशनी का आयोजन।
42. अन्तरा विलास क्रूज के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित 4 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नोडल अधिकारी के रूप में सम्पादन।
43. लाल बहादुर शास्त्री जी की पृण्य तिथि के अवसर पर पुष्पाजंलि एवं दीपोत्सव कार्यक्रम ।
44. शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की वाराणसी मे आहूत 5 दिवसीय बैठक में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन।
45. तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस कार्यक्रम का आयोजन।
46. 22 देशों के 44 युवा सांसदों के वाराणसी भ्रमण का संयोजन।

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई ,गोरखपुर

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, गोरखपुर के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं:-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
3	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
4	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
5	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	सफाई कर्मचारी	01	रु० 1000/- नियत वेतन		

निरीक्षण/सर्वेक्षण

1. जनपद गोरखपुर की तहसील खजनी अंतर्गत ग्राम सरया तिवारी स्थित प्रचीन अग्नि एवं गन्धर्व प्रतिमा का स्थलीय निरीक्षण किया गया |
2. जनपद महराजगंज की तहसील नौतनवा अंतर्गत राज्य संरक्षित पुरास्थल बनरसिंहा कला खुर्द की स्टेट्स रिपोर्ट तैयार करने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया गया |
3. जनपद महराजगंज की तहसील सदर अंतर्गत ग्राम धरमौली स्थित कन्हैया बाबा देव स्थन (रामग्राम स्तूप) की स्टेट्स रिपोर्ट तैयार करने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया गया |
4. जनपद सिद्धार्थनगर स्थित गरगज टीले का स्थलीय निरीक्षण किया गया |
5. जनपद महाराजगंज स्थित राज्य संरक्षित पुरास्थल बनरसिंहा कला पार पर्यटन विभाग द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य के दौरान उद्घाटित पक्की इंटों की संरचना का निरीक्षण किया गया |
6. जनपद महाराज गंज के सदर तहसील अंतर्गत कन्हैया बाबा देवस्थान (रामग्राम) का स्थलीय निरीक्षण किया गया |

अनुरक्षण/परिरक्षण

1. जनपद सन्तकबीर नगर के मगहर स्थित राज्य संरक्षित स्मारक सन्त कबीरदास की समाधि एवं मजार पर भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय का आगमन होने के कारण स्मारक पर बिजली के तार को अंडरग्राउंड करवाने नये संरक्षण एवं सांस्कृतिक सूचना पट्टों को स्थापित करवाने तथा स्मारक पर साफ-सफाई एवं अन्य छोटे-मोटे कार्यों को करवाया गया |
2. राज्य संरक्षित पुरास्थल कोपिया तथा लहुरादेवा टीले पर सांस्कृतिक एवं संरक्षण संबंदी सूचना पट्टों की स्थापना की गयी |
3. जनपद संत कबीरनगर स्थित राज्य संरक्षित स्मारकों कबीर दास की समाधी एवं माजर, कोपिया तथा लहुरादेवा पर वार्षिक रख रखाव के अंतर्गत साफ- सफाई का कार्य करवाया गया
4. जनपद महाराजगंज स्थित राज्य संरक्षित पुरास्थल बनरसिन्हा कला के महल भाग पर वार्षिक रख-रखाव के अंतर्गत साफ- सफाई का कार्य करवाया गया |

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर उ०प्र० के स्मारकों / स्थलों से सम्बन्धित ऑनलाइन छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया |
2. पुरातत्त्व अभिरुचि कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद सन्तकबीर नगर के मगहर स्थित राज्य संरक्षित स्मारक सन्त कबीरदास की समाधि एवं मजार पर सन्त कबीरदास जी की जयंती के अवसर पर वर्तमान समय में **"कबीर की प्रसांगिकता"** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया |
3. विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर जनपद संत कबीरनगर के मगहर में स्थित संत कबीर विद्यापीत महाविद्यालय, आचार्य राम विलास संत कबीर गर्ल्स इन्टर कॉलेज, कसिमुन्निसा गर्ल्स इन्टर कॉलेज, तथा सेंट जेबियर्स अकैडेमी में क्रमशः व्याख्यान, स्मारक भ्रमण; प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्मारक भ्रमण; चित्रकला प्रतियोगिता, स्मारक भ्रमण तथा व्याख्यान, स्मारक भ्रमण का आयोजन कराया गया |
4. जनपद देवरिया अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बघा छापर में विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया |

अन्य कार्य

1. जनपद सन्तकबीर नगर की तहसील सदर अंतर्गत ग्राम लहुरादेवा स्थित संरक्षित उत्खनित पुरास्थल समय माई कोट लहुरादेवा टीले का सीमांकन कार्य राजस्व विभाग की टीम के साथ करवाया गया |
2. क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई गोरखपुर के अंतर्गत संरक्षित स्मारकों/स्थलों विष्णु की विशाल प्रीतिमा, चडीहार, नरहन, बनरसिंहा कला खुर्द सन्तकबीर कबीरदास की समाधि एवं मजार, कोपिया अथवा अनुपिया का टीला, कोट समय माई लहुरादेवा, देह्दुअर का टीला एवं भीरा डीह टीले के जी० ओ० टेगिंग (अक्षांश/देशांतर) का कार्य किया गया |
3. गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़ मंडलान्तार्गत बौद्ध एवं जैन स्मारक/स्थलों को सूचीबद्ध किया गया |
4. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद सन्तकबीर नगर के मगहर स्थित राज्य संरक्षित स्मारक सन्त कबीरदास की समाधि एवं मजार पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया |

वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु प्रस्तावित कार्य

1. **प्रकाशन :** इस मद के अन्तर्गत रु0 1.50 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत प्राग्धारा शोध-पत्रिका अंक-29 का प्रकाशन, रंगीन लघु पुस्तिकाओं, फोल्डरों का प्रकाशन आदि किया जाना प्रस्तावित है।
2. **अनुरक्षण :** इस मद के अन्तर्गत रु0 10.00 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत राज्य संरक्षित स्मारकों का अनुरक्षण/वार्षिक रख-रखाव, स्थलों की तार फेन्सिंग तथा सीमांकन आदि का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।
3. **अन्य व्यय :** इस मद के अन्तर्गत रु0 19.00 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण/उत्खनन तथा शैक्षिक गतिविधियों का संचालन यथा विश्व धरोहर दिवस/विश्व धरोहर सप्ताह, संगोष्ठियों का कार्य

तथा स्मारकों का भ्रमण आदि कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। उक्त के अतिरिक्त पुरातत्व निदेशालय के पुस्तकालय हेतु पुस्तकों आदि का क्रय भी इस मद के अन्तर्गत किया जायेगा।

भाग - 2

संग्रहालय निदेशालय

उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ

निदेशालय के अधीन वर्तमान में कुल 15 संग्रहालय संचालित तथा 03 संग्रहालय यथा थारु संग्रहालय, बलरामपुर, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, लखनऊ एवं बाल संग्रहालय, कन्नौज निर्माणाधीन हैं।

1- राज्य संग्रहालय, लखनऊ
2- राजकीय संग्रहालय, मथुरा
3- राजकीय संग्रहालय, झांसी
4- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर
5- अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या
6- राजकीय पुरातत्त्व संग्रहालय, कन्नौज
7- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर
8- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, सिद्धार्थनगर
9- लोक कला संग्रहालय, लखनऊ
10- जनपदीय संग्रहालय, सुलतानपुर
11- राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ
12- जैन संग्रहालय, मथुरा
13- डॉ० भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर
14- कालका बिन्दादीन ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय, लखनऊ
15- स्व० लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, वाराणसी

उत्तर प्रदेश कई राजनैतिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का गवाह रहा है। भगवान राम का जन्म प्रदेश के अयोध्या में हुआ। भगवान श्री कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा में अवतरित हुए थे। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान बुद्ध को पूर्वी उत्तर प्रदेश के ही कुशीनगर में निर्वाण प्राप्त हुआ। सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ, कानपुर, लखनऊ और झांसी की भूमिका को कौन नहीं जानता है। संस्कृति और राजनीति में अहम भूमिका रखने वाला उत्तर प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आगरा का ताजमहल, प्राचीनतम नगरी वाराणसी, प्रयागराज में गंगा और यमुना का संगम समेत तमाम विश्वप्रसिद्ध स्थल उत्तर प्रदेश की धरती पर ही मौजूद हैं। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध उत्तर प्रदेश की पुरासंपदा एवं सांस्कृतिक प्रतीक चिन्हों को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने हेतु राज्य संग्रहालय, लखनऊ की स्थापना की गई।

संग्रहालय

राज्य संग्रहालय, लखनऊ उ0प्र0 का प्राचीनतम् तथा विशालतम् बहुउद्देशीय संग्रहालय है। इसकी स्थापना सन् 1863 ई0 में लखनऊ डिवीजन के तत्कालीन कमिश्नर कर्नल एबॉट द्वारा सींखचे वाली कोठी में की गयी थी। संग्रहालय के संग्रह में वृद्धि के फलस्वरूप सन् 1883 में इसे प्रान्तीय संग्रहालय घोषित किया गया। सन् 1884 में इसे लाल बारादरी में स्थानान्तरित किया गया। सन् 1950 में इसका नाम प्रान्तीय संग्रहालय के स्थान पर राज्य संग्रहालय रखा गया। वर्ष 1963 से यह बनारसी बाग स्थित वर्तमान भवन से संचालित हो रहा है। संग्रहालय के पुरातत्व अनुभाग, चित्रकला अनुभाग, प्राणिशास्त्र अनुभाग, मुद्रा अनुभाग, सज्जा कला अनुभाग एवं धातु कला अनुभाग में लगभग 02 लाख से अधिक कलाकृतियां/पुरावशेष संकलित हैं। संग्रहालय का अपना एक वृहद संदर्भ पुस्तकालय भी है, जिसमें भारतीय संस्कृति, कला, पुरातत्व, इतिहास, संग्रहालय विज्ञान एवं प्राच्य विद्या से सम्बन्धित दुर्लभ पुस्तकें हैं। संग्रहालय का पुस्तकालय शोधार्थियों के लिये विशेष उपयोगी है।

संग्रहालय के विशाल संग्रह की चयनित कलाकृतियां को संग्रहालय के निम्नलिखित वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया हैः-

1. पुरातत्व वीथिका-1 (प्रागैतिहासिक काल से कुषाण काल तक)
2. पुरातत्व वीथिका-2 (गुप्त काल से मध्यकाल तक)
3. जैन कला वीथिका
4. ममी वीथिका

5. अस्त्र-शस्त्र एवं सज्जा कला वीथिका
6. प्राकृतिक इतिहास वीथिका
7. चित्रकला एवं थंका वीथिका
8. विदेशी मूर्ति कला वीथिका
9. बुद्ध वीथिका
10. मुद्रा वीथिका
11. नवाबी कला वीथिका

अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक की वार्षिक कार्य-योजना (कार्यक्रम)

क्र0 सं0	दिनांक	कार्यक्रम आयोजन का अवसर	कार्यक्रम का विवरण	आयोजन की स्थिति
1	02 से 11 अप्रैल, 2022 तक	मिशन शक्ति के अन्तर्गत चैत्र नवरात्रि	राज्य संग्रहालय, लखनऊ में संग्रहीत मातृशक्ति प्रतिमाओं पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी	आयोजित
2	14 अप्रैल, 2022	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की जयंती	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के योगदान का स्मरण एवं उनके चित्र पर पुष्पांजलि	आयोजित
3	18 अप्रैल, 2022	विश्व धरोहर दिवस	राज्य संग्रहालय, लखनऊ के चित्रकला अनुभाग की प्रदर्शनी	आयोजित
4	17 मई, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालय में संग्रहीत उत्कृष्ट प्रस्तर कलाकृतियों की प्रदर्शनी	आयोजित
5	18 मई, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालय में संग्रहीत प्रतिमाओं पर आधारित पेन्टिंग प्रतियोगिता	आयोजित
6	17 से 20 मई, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालय भ्रमण	आयोजित
7	19 मई, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालयों का महत्व विषयक व्याख्यान	आयोजित
8	20 मई, 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालय में संग्रहीत प्रतिमाओं पर आधारित स्केचिंग प्रतियोगिता	आयोजित
9	18 जून, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस	स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका विषयक निबंध प्रतियोगिता	आयोजित
10	26 जुलाई, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	तिरंगा वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ	आयोजित
11	26 जुलाई, 2022	कारगिल विजय दिवस	कारगिल के वीरों एवं अस्त्र शस्त्र अनुभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी	आयोजित
12	26 जुलाई,	आजादी का अमृत महोत्सव एवं	हर घर तिरंगा कार्यक्रम से सम्बन्धित सेल्फी विद	आयोजित

	2022	हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	तिरंगा बूथों का शुभारम्भ	
13	06 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	विशिष्ट बच्चों के विद्यालय बचपन डे केयर सेन्टर में तिरंगा वितरण कार्यक्रम	आयोजित
14	07 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	विद्यालयों के बच्चों को संग्रहालय आमंत्रित कर तिरंगा वितरण किया गया एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की जानकारी प्रदान की गयी	आयोजित
15	10 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	विद्यालयों के बच्चों को संग्रहालय आमंत्रित कर तिरंगा वितरण किया गया एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की जानकारी प्रदान की गयी	आयोजित
16	11 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	राजकीय बालिका इण्टर कालेज, जियामऊ में चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता तथा तिरंगा वितरण कार्यक्रम का आयोजन	आयोजित
17	11 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	शहीद चन्द्रशेखर आजाद के अस्थि कलश का प्रदर्शन	आयोजित
18	13 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान विषयक व्याख्यान एवं देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम	आयोजित
19	13 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	विद्यालयों को संग्रहालय आमंत्रित कर तथा विद्यालयों में जाकर तिरंगा वितरण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय प्रतीकों पर आधारित व्याख्यान का आयोजन	आयोजित
20	13 से 15 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	पर्यावरण सोसायटी के साथ संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रमों तथा नुक्कड़ नाटकों का आायोजन	आयोजित
21	14 से 17 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत	विभाजन विभीषिका पर आधारित प्रदर्शनी एवं तिरंगा वितरण कार्यक्रम का आायोजन	आयोजित
22	14 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत	संग्रहालय परिसर में स्थित स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित झांकी का नवीनीकरण तथा इसे सेल्फी प्वांइन्ट के रूप में विकसित किया गया	आयोजित
23	15 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत	सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्याख्यान तथा दीपोत्सव का आयोजन	आयोजित
24	17 अगस्त,	आजादी का अमृत महोत्सव एवं	चित्रकला प्रतियोगिता एवं संग्रहालय भ्रमण कार्यक्रम	आयोजित

	2022	स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत	का आयोजन	
25	23 अगस्त, 2022	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत	दिव्यांग बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता एवं संग्रहालय भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन	आयोजित
26	01.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत गांधी जयंती की पूर्व संध्या	गांधी जी के जीवन-दर्शन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी	आयोजित
27	01 अक्टूबर, 2022	वन्य प्राणि सप्ताह के अन्तर्गत	प्राणिशास्त्र अनुभाग से सम्बन्धित कार्यक्रम	आयोजित
28	02.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत गांधी जयंती के अवसर पर	अहिंसा पर आधारित बच्चों की फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन	आयोजित
29	03.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत	वन्य जीवों पर आधारित कोलाज एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन	आयोजित
30	06.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत	वन्य जीवों पर आधारित ओरिगेमी एवं मेहन्दी प्रतियोगिता का आयोजन	आयोजित
31	07.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत	संग्रहालय के वन्य जीव संकलन पर आधारित टच एण्ड फील कार्यक्रम का आयोजन	आयोजित
32	31.10.2022	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर	सरदार पटेल के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी	आयोजित
33	09.11.2022	-	राजकीय संकेत विद्यालय मोहान रोड, लखनऊ में दिव्यांग बच्चों की क्ले माडलिंग कार्यशाला एवं प्रतियोगिता	आयोजित
34	17 से 19 नवम्बर, 2022	-	भारतीय मुद्रा परिषद का वार्षिक सम्मेलन	आयोजित
35	18 से 25 नवम्बर, 2022	विश्व धरोहर सप्ताह	विद्यालयों का संग्रहालय भ्रमण	आयोजित
36	19 नवम्बर, 2022	विश्व धरोहर सप्ताह	चित्रकला अनुभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी	आयोजित
37	23.11.2022	विश्व धरोहर सप्ताह	विश्व विरासत विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	आयोजित
38	07 से 18 दिसम्बर, 2022	-	10 दिवसीय कला अभिरूचि पाठ्यक्रम का आयोजन	आयोजित
39	फरवरी, 2023	-	संग्रहालय विज्ञान पर आधारित 06 दिवसीय वर्कशॉप	प्रस्तावित

40	23 मार्च, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू के शहीद दिवस के अवसर पर	स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी	प्रस्तावित

वित्तीय वर्ष 2022-23 में संग्रहालय भ्रमण हेतु आने वाले दर्शकों/पर्यटकों तथा शैक्षिक भ्रमण हेतु आने वाले विद्यालयों/छात्र-छात्राओं की संख्या

क्रमांक	माह	भारतीय दर्शक (टिकट)	विदेशी दर्शक	विद्यालयों की संख्या	निशुल्क छात्र-छात्राओं की संख्या
01	अप्रैल, 2022	8694	01	05	352
02	मई, 2022	25548	03	05	500
03	जून, 2022	30749	02	02	76
04	जुलाई, 2022	15628	03	09	434
05	अगस्त, 2022	9734	04	05	182
06	सितम्बर, 2022	11428	05	20	1188
07	अक्टूबर, 2022	10079	01	41	2763
08	नवम्बर, 2022	16433	06	220	17906
09	दिसम्बर, 2022	19121	06	226	18188
10	जनवरी, 2023	18659	12	13	920
	कुल योग	**166073**	**43**	**546**	**42509**

वित्तीय वर्ष 2022-23 में राजस्व प्राप्तियां

क्रमांक	**माह**	**राजस्व प्राप्तियां**
01	अप्रैल, 2022	82210
02	मई, 2022	236570
03	जून, 2022	281170
04	जुलाई, 2022	149200
05	अगस्त, 2022	117727
06	सितम्बर, 2022	135910
07	अक्टूबर, 2022	115686
08	नवम्बर, 2022	187818
09	दिसम्बर, 2022	216948
10	जनवरी, 2023	211283
	कुल योग	**1734522**

क. शैक्षिक भ्रमण- आलोच्य अवधि (अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक)- 546 विद्यालयों के कुल 42509 छात्र-छात्रायें तथा उनके गुरूजन।

ख. कुल भारतीय पर्यटक/दर्शक (शैक्षिक भ्रमण सहित)- 208582

ग. राजस्व प्राप्तियॉं- रू0 1734522/-

वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण (कार्ययोजना)

क्र0	दिनांक	कार्यक्रम आयोजन का अवसर	कार्यक्रम का विवरण
1	14.04.2023	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की जयंती	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी एवं उनके चित्र पर पुष्पांजलि
2	18.04.2023	विश्व धरोहर दिवस	राज्य संग्रहालय, लखनऊ के चित्रकला अनुभाग की प्रदर्शनी
3	18.05.2023	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर	संग्रहालय में संग्रहीत प्रतिमाओं पर आधारित पेन्टिंग प्रतियोगिता
4	18.06.2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस	स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका विषयक निबंध प्रतियोगिता
5	26 जुलाई, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत	तिरंगा वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ
6	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस	कारगिल के वीरों एवं अस्त्र शस्त्र अनुभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी
7	14 से 17 अगस्त, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत	विभाजन विभीषिका पर आधारित प्रदर्शनी एवं तिरंगा वितरण कार्यक्रम का आायोजन
8	15 अगस्त, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत	दीपोत्सव का आयोजन
9	01.10.2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गांधी जयंती की पूर्व संध्या	गांधी जी के जीवन-दर्शन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
10	01 अक्टूबर, 2023	वन्य प्राणि सप्ताह के अन्तर्गत	प्राणिशास्त्र अनुभाग से सम्बन्धित कार्यक्रम
11	31.10.2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर	सरदार पटेल के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
12	09.11.2023	-	राजकीय संकेत विद्यालय मोहान रोड, लखनऊ में दिव्यांग बच्चों की क्ले माडलिंग कार्यशाला एवं प्रतियोगिता
13	18 से 25 नवम्बर, 2023	विश्व धरोहर सप्ताह	विद्यालयों का संग्रहालय भ्रमण
14	19 नवम्बर, 2023	विश्व धरोहर सप्ताह	पुरातत्व अनुभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी
15	23.11.2023	विश्व धरोहर सप्ताह	विश्व विरासत विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
16	24 नवम्बर से 03	-	10 दिवसीय कला अभिरूचि पाठ्यक्रम का

	दिसम्बर, 2023		आयोजन
17	फरवरी, 2024	-	संग्रहालय विज्ञान पर आधारित 06 दिवसीय वर्कशाप
18	23 मार्च, 2024	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू के शहीद दिवस के अवसर पर	स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी

नोट- उल्लिखित कार्यक्रमों के अतिरिक्त समय-समय पर अन्य कार्यक्रमों का आयोजन एवं कार्यक्रमों की तिथि में अपरिहार्य कारणों से यथा समय परिवर्तन किया जा सकता है।

स्वीकृत पदों का विवरण

संग्रहालय के संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद स्वीकृत किए गए हैं-

क्रमांक	**पदनाम**	**वेतनमान**	**ग्रेड पे**	**लेबल**	**संख्या**
1	मुद्राशास्त्र अधिकारी	15600-39100	5400	लेवल-10	01
2	सहायक निदेशक	9300-34800	4800	लेवल-8	06
3	पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-I	9300-34800	4600	लेवल-7	01
4	रसायनविद् ग्रेड-I	9300-34800	4600	लेवल-7	01
5	फोटो अधिकारी	9300-34800	4600	लेवल-7	01
6	प्रशासनिक अधिकारी	9300-34800	4600	लेवल-7	01
7	प्रकाशन सहायक	9300-34800	4200	लेवल-6	01
8	मॉडलर	9300-34800	4200	लेवल-6	02
9.	प्रदर्शक व्याख्याता	9300-34800	4200	लेवल-6	02
10.	वैयक्तिक सहायक ग्रेड-2	9300-34800	4200	लेवल-6	01
11.	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	01
12.	फोटोग्राफर	9300-34800	4200	लेवल-6	01
13.	रसायन सहायक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
14.	ज्येष्ठ चर्मपूरक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
15.	वरिष्ठ सहायक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
16	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	लेवल-5	01
17.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	03
18.	अभिरक्षक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
19.	मुद्राशास्त्र सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
20	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	06
21.	स्वागतकर्ता	5200-20200	2000	लेवल-3	01
22.	संग्रहालय सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
23.	प्रयोगशाला सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01

24.	वाहन चालक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
25.	बुकबांइडर	5200-20200	1900	लेवल-2	01
26.	दफ्तरी	5200-20200	1900	लेवल-2	01
27.	जमादार	5200-20200	1900	लेवल-2	02
28.	कैबिनट कम पैडेस्टल मेकर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
29.	वर्कशॉप मिस्त्री	5200-20200	1800	लेवल-1	01
30.	लिफ्टमैन कम इलेक्ट्रीशियन	5200-20200	1800	लेवल-1	01
31.	बढ़ई	5200-20200	1800	लेवल-1	01
32.	चिन्हकर्ता	5200-20200	1800	लेवल-1	01
33.	चपरासी	5200-20200	1800	लेवल-1	02
34.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	24
35.	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	07
36.	माली	5200-20200	1800	लेवल-1	04
37.	साइकिल स्टैंड परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
38.	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	05
				कुल योग	**90**

प्रवेश टिकिट व्यवस्था

प्रवेश टिकिट विवरण	**दर रु.**
05 से 12 वर्ष तक के बच्चे	05
वयस्क भारतीय	12
विदेशी	210
कैमरा	50
शैक्षिक भ्रमण एवं शोधार्थी	निशुल्क

कार्यालय समय - पूर्वान्ह 10.00 से अपरान्ह 5.00 बजे तक।

संग्रहालय समय - दर्शकों के लिए पूर्वान्ह 10.30 से अपरान्ह 4.30 बजे तक।

अवकाश- प्रत्येक सोमवार व माह के द्वितीय शनिवार के बाद पड़ने वाला रविवार एवं अन्य सार्वजनिक अवकाश।

राजकीय संग्रहालय, मथुरा

भाग-1

(1) भूमिका

उत्तर प्रदेश के पश्चिम में 27/28 अंश अक्षांश उत्तर तथा 71 अंश रेखांश पूर्व में मथुरा नगर पश्चिम से पूर्व की ओर बहती यमुना नदी के पश्चिमी किनारे पर भारत की राजधानी दिल्ली से 145 कि.मी. दक्षिण पूर्व तथा 58 कि.मी. आगरा के पश्चिम-उत्तर में स्थित है। मथुरा यमुना नदी के दाहिने तट पर प्राचीन धार्मिक केन्द्र के रूप में 12 वन 24 उपवन तथा 5 पर्वतमालाओं का क्षेत्र रहा है।

आदि काल से मथुरा श्री कृष्ण की लीलास्थली के रूप में वैष्णवों की उपासना स्थली रही है। यहॉ पर बौद्ध, शैव, व जैनियों ने भी अपने पूजा-स्थलों का निर्माण किया। मथुरा की गणना सप्त महापुरियों में की जाती है। यहॉ क्रमशः नन्द, मौर्य, शुंग, क्षत्रप और कुषाण वंशों का शासन रहा। विभिन्न धर्मों से सम्बन्धित सहस्त्रों मूर्तियॉ मथुरा में बनी। यह कला लगभग 12 वीं शती ई0 तक जारी

रही। कालान्तर में उपासना स्थल टीलों में परिवर्तित हो गये। आज मथुरा इन्हीं टीलों पर बसा है, जिनसे अनेक लाल चित्तीदार बलुए पत्थर की तरासी मूर्तियों की धरोहर प्राप्त हुई। ये मूर्तियां मथुरा से बाहर तक्षशिला, सारनाथ, श्रावस्ती, भरतपुर, बोध गया, सॉची, कुशीनगर तथा कौशाम्बी तक बिखरी हैं। इस शैली के प्रभाव के प्रमाण दक्षिण पूर्व एशिया तथा चीन तक प्राप्त हुए हैं। ऐसी ही अनेक प्रतिमाएॅं राजकीय संग्रहालय, मथुरा में संग्रहीत हैं।

(2) संरचना

संग्रहालय ज्ञान का वातायन, भविष्य का शिक्षक, अतीत का संरक्षक एवं राष्ट्रीय एक्य का उन्नायक है। संग्रहालय सांस्कृतिक सम्पदा, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का वह केन्द्र है, जहॉं प्राचीन कलाकृतियों को संग्रहीत कर राष्ट्र के अतीत की गौरवशाली संस्कृति का दर्शन, शोधार्थियों, बुद्धजीवियों तथा सामान्य जनमानस को कराया जाता है। संग्रहालय का कार्य कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह करना, संरक्षित करना, शोध करना तथा उन्हें प्रदर्शित करना है। संग्रहालय वर्तमान में अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र भी है, जो समय-समय पर प्रदर्शनियॉं, व्याख्यान तथा संगोष्ठी आयोजित कर सामान्य जनमानस में कला के प्रति अभिरूचि जागृत कर शिक्षा प्रदान करने का कार्य भी करते हैं। भारतीय कला के क्षेत्र में मथुरा का ऐतिहासिक स्थान रहा है। राजकीय संग्रहालय, मथुरा की स्थापना भारतीय कला के मनीषी विद्वान पुरातत्ववेत्ता तत्कालीन जिलाधीश श्री एफ.एस. ग्राउज द्वारा वर्ष 1874 ई0 में कचहरी के समीप एक कलात्मक भवन में की गयी थी, जो वर्तमान में राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा के रूप में दर्शकों के लिए खुला है। राजकीय संग्रहालय अपने प्रारम्भ में "कर्जन म्यूजियम आफ आर्कियोलॉजी" के नाम से विख्यात रहा। वर्ष 1930 ई0 में संग्रहालय वर्तमान भवन में स्थानान्तरित हुआ। वर्ष 1945 से इसे "पुरातत्व संग्रहालय" तथा वर्ष 1974 से "राजकीय संग्रहालय, मथुरा" के रूप में जाना जाता है। संग्रहालय के प्रथम भारतीय मानद संग्रहालयाध्यक्ष पं0 राधाकृष्ण हुए, जिनके प्रयास से ही अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के कुषाण शासकों-विम, कनिष्क एवं क्षत्रप शासक चष्टन आदि की उत्कृष्ट/ऐतिहासिक मूर्तियॉं संग्रहालय को मिली।

डॉ0 दिशकेलकर, डॉ0 वी0एस0 अग्रवाल, प्रो0 कृष्णदत्त वाजपेयी एवं डॉ0 नीलकण्ठ पुरूषोत्तम जोशी, डॉ0 आर0सी0 शर्मा जैसे विद्वानों ने संग्रहालय की मूर्तियों का अध्ययन एवं प्रकाशन कर अन्तर्राष्ट्रीय कला जगत में मथुरा के इस कला संग्रह को प्रतिष्ठा दिलाई।

मूर्ति शिल्प में मथुरा कला शैली का स्थानीय केन्द्र होने तथा प्रारम्भ से ही संग्रहालय का स्वरूप मूलरूप से पुरातात्विक होने के कारण स्पष्टतः संग्रहालय के संकलन में अधिसंख्य कुषाण एवं गुप्तकालीन मथुरा शैली की प्रस्तर कलाकृतियॉं हैं, परन्तु अन्य वर्गों जैसे मृण्मूर्ति, सिक्के, लघुचित्र, धातुमूर्ति, काष्ठ एवं स्थानीय कला के अनेक दुर्लभ कलारत्न संग्रहीत हैं, जो संस्था के लिए गौरव स्वरूप हैं। मृण्मूर्तियों में शुंगकालीन मातृ देवी, कामदेव फलक, गुप्तकालीन नारी व विदूषक, कार्तिकेय, सॉचे, सिक्कों में आहत मुद्रायें तथा नाग, कुषाण, गुप्त तथा मध्यकालीन मुद्रायें संग्रहीत हैं। प्रस्तर प्रतिमाओं में मौर्यकाल एवं शुंगकालीन पाषाण यक्ष, कुषाण कालीन कटरा बुद्ध, कनिष्क, गुप्तकालीन ए-5 (बुद्ध) आदि दर्शनीय हैं। गोविन्द नगर से प्राप्त प्रतिमायें तथा सौंख से प्राप्त सिक्के एवं कुषाण कालीन धातु मूर्तियों में कार्तिकेय, देव युगल प्रतिमा व नाग मूर्तियॉं, स्थानीय कला में मन्दिरों की पिछवईयॉं, आदि संग्रहालय की अत्यन्त मूल्यवान धरोहर हैं :-

संग्रहालय में निम्नानुसार जनसामान्य के अवलोकनार्थ वीथिकाएं प्रदर्शित हैं :-

(1)	टैराकोटा एवं पाषाण वीथिका
(2)	मौर्य एवं शुंग युगीन वीथिका
(3)	कुषाण वीथिका
(4)	नाग वीथिका
(5)	गुप्त युगीन वीथिका
(6)	कृष्ण एवं बलराम वीथिका
(7)	सूर्य वीथिका
(8)	मध्यकाल वीथिका
(9)	गान्धार वीथिका

भाग-2

(1) कलाकृतियों का अधिग्रहण :- चालू वित्तीय वर्ष 2022-2023 में कोई भी कलाकृति अधिग्रहित नहीं की गयी है।

(2) वीथिकाओं का रख-रखाव एवं नवीनीकरण :- संग्रहालय में जन सामान्य के अवलोकनार्थ कुल 09 वीथिकायें प्रदर्शित हैं।

(3) पुस्तकालय :- संग्रहालय में एक विशाल संदर्भ पुस्तकालय है। संग्रहालय, पुस्तकालय में आने वाले शोद्यार्थी/विद्यार्थी तथा जिज्ञासु जनों की आवश्यकतानुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा अध्ययन कार्य हेतु आगन्तुकों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है।

(4) अनुभागीय गतिविधियॉं (छायाचित्र, रसायन, मॉडलिंग) :- छायाचित्रशाला में कनिष्ठ फोटोग्राफर की नियुक्ति है। इनके द्वारा संग्रहालय में समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों, व्याख्यान, प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आदि की फोटोग्राफी की जाती है।

(5) मॉडलिंग अनुभाग :- मॉडलर न होने के कारण काफी समय से बन्द है।

(6) रसायनशाला अनुभाग :- रसायनविद् द्वारा रसायनशाला की देखरेख की जा रही है तथा उसके अतिरिक्त उन्हें स्टोर चार्ज के कार्य भी दिये गये हैं जिन्हें भली भॉंति उनके द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है।

(7) शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियॉं :-

1. दिनांक 14 अप्रैल 2022 को भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराब अम्बेडकर जी की जयन्ती के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में माल्यार्पण एवं पुष्पांजली का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. दिनांक 17 से 20 मई 2022 अंतराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर उत्कृष्ट कालाकृतियों की फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 18 मई, 2022 अंतराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर संग्रहालय भ्रमण एवं क्विज प्रतियोंगिता का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने संग्रहालय का भ्रमण किया।
4. दिनांक 19 मई, 2022 अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत राजकीय संग्रहालय, मथुरा में लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।
5. दिनांक 20 मई, 2022 अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत राजकीय संग्रहालय, मथुरा में जागरूकता अभियान एवं निबंध प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
6. दिनांक 05 जून, 2022 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, मथुरा में बाल वृक्ष वितरण एवं रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
7. दिनांक 05 जून, 2022 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, मथुरा में ''संग्रहालय के मूर्तिशिल्प में पर्यावरण'' विषयक फिल्म प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
8. दिनांक 19 जुलाई, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत अमर शहीद मंगल पाण्डेय जी की जयंती के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, मथुरा में ''रूप सज्जा प्रतियोगिता'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के के छात्र-छात्राओं ने देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के रूप धारण कर सबका मन मोह लिया।
9. दिनांक 26 जुलाई, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, मथुरा में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
10. 10. दिनांक 05 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव (विशेष अभियान- एक कदम संग्रहालय की ओर) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु संग्रहालय का शैक्षणिक साप्ताहिक भ्रमण कार्यक्रम एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
11. दिनांक 11 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के सहयोग से 75 वृक्षों के वृक्षारोपाण लक्ष्य का शुभारंभ-मुख्य अतिथि - वरिष्ठ कोषाधिकारी, मथुरा के कर-कमलों द्वारा वृक्ष रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
12. दिनांक 14 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में संगोष्ठी- 'भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास में विस्थापितों का योगदान' का आयोजन किया गया।

13. दिनांक 14 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में विभाजन विभीषिका स्मृति अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
14. दिनांक 14 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में मौन जुलूस, प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया कार्यक्रम में माननीय मंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, माननीय विधायक, बल्देव मथुरा, जिलाधिकारी मथुरा, मुख्य विकास अधिकारी, मथुरा आदि ने प्रतिभाग किया।
15. दिनांक 15 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में तिरंगा स्वयं सेवक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।
16. दिनांक 15 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में झण्डा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
17. दिनांक 15 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में राष्ट्रभक्ति के गीत, कविताएं, झण्डा एवं सहिता से युक्त बुकलेट का वितरण कर संग्रहालय आने वाले पर्यटकों को जागरूक किया गया।
18. दिनांक 15 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह (हर घर तिरंगा) के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम-'देशभक्ती के गायन' फाग एवं घूमर लोक नृत्य का आयोजन किया गया।
19. दिनांक 16 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में देशभक्ति पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
20. दिनांक 17 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में राष्ट्रभक्ति के गीत एवं कविताओं पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालयों के विभिन्न प्रतिभागियों ने देश प्रेम से ओत प्रोत गीत/कविताएं सुना कर सबको मंत्रमुगध कर दिया।
21. दिनांक 16 से 18 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'सूरदास के कृष्ण' तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय चित्रकार शिविर' का आयोजन किया गया राष्ट्रीय चित्रकार शिविर में देश के विभिन्न स्थानों से आप कलाकारों ने कृष्ण एवं सूरदास के बहुत ही सुंदर चित्रों का सृजन किया।
22. दिनांक 19 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में सूरदास के कृष्ण राष्ट्रीय चित्रकार शिविर में सृजित चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश पर दीप जलाकर किया इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ब्रजतीर्थ विकास परिषद, मथुरा भी उपस्थित रहें।
23. दिनांक 21 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में संग्रहालय में प्रदर्शित नदी देवी की प्रमुख कलाकृतियों से संबंधित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
24. दिनांक 21 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में संग्रहालय में प्रदर्शित नदी देवी की प्रमुख कलाकृतियों से संबंधित लघु फिल्म प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
25. दिनांक 21 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में संग्रहालय परिसर में दर्शकों हेतु 'गंगा स्वस्छता शपथ ग्रहण' का आयोजन किया गया।
26. दिनांक 21 अगस्त, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में संग्रहालय परिसर में 'दीप उत्सव' का आयोजन किया गया।
27. दिनांक 17 सितम्बर, 2022 राजकीय संग्रहालय, मथुरा में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'व्यिंक्तत्व-कृतित्व' पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय मंत्री, गन्ना विभाग एवं चीनी मिलें विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
28. दिनांक 25 सितम्बर, 2022 सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में पं0 दीनदयाल जी के चित्र पर पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।

29. दिनांक 25 सितम्बर, 2022 सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में पं0 दीनदयाल जी के 'व्यिंक्तत्व-कृतित्व' पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
30. दिनांक 25 सितम्बर, 2022 सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'पं0 दीनदयाल जी का व्यिंक्तत्व परिचर्चा' का आयोजन किया गया।
31. दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर संग्रहालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।
32. दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर संग्रहालय परिसर में 'स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण' का आयोजन किया गया।
33. दिनांक 08 अक्टूबर, 2022 राजकीय संग्रहालय, मथुरा में शितागु अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध अकादमी, म्यांमार के संस्थापक एवं चांसलर के नेतृत्व में 4 सदस्यीय धार्मिक प्रतिनिधि मंडल द्वारा राजकीय संग्रहालय, मथुरा का शैक्षिक भ्रमण किया गया।
34. दिनांक 02 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'चित्रकला प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
35. दिनांक 03 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'रंगोली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
36. दिनांक 04 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में कहानी 'लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
37. दिनांक 05 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'नारा (स्लोगन) प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
38. दिनांक 06 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
39. दिनांक 07 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'निबंध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
40. दिनांक 08 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'अपशिष्ट सामग्री शिल्प प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
41. दिनांक 09 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'सेल्फी/फोटोग्राफी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
42. दिनांक 10 नवम्बर, 2022 ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'मॉडल क्रिएशन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
43. दिनांक 02 से 10 नवम्बर, 2022 तक प्रतिदिन ब्रजरज उत्सव 2022 के अंतर्गत राजकीय संग्रहालय मथुरा में 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
44. दिनांक 16 नवम्बर, 2022 राजकीय संग्रहालय मथुरा में ऊदा देवी शहीद दिवस पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।
45. दिनांक 19 नवम्बर, 2022 राजकीय संग्रहालय मथुरा में रानी लक्ष्मी बाई जी की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।
46. दिनांक 26 नवम्बर, 2022 संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में संविधान की प्रस्तावना का पाठन एवं शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया।
47. दिनांक 24 जनवरी, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश दिवस समारोह के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा द्वारा बी0एस0ए0 कॉलेज, मथुरा में 'लोक रीति-रिवाज चित्र प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया।

48. दिनांक 26 जनवरी, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।
49. दिनांक 26 जनवरी, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजकीय संग्रहालय मथुरा में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
50. पर्यटक सुविधाएं :- उप निदेशक एवं वीथिका सहायक द्वारा पर्यटकों को संग्रहालय भ्रमण कराया जाता है। संग्रहालय से सम्बन्धित साहित्य फोल्डर आदि का वितरण भी किया जाता है। संग्रहालय में कोविड के नियमों का पालन भी किया जा रहा है।

सुरक्षा एवं रख-रखाव :- संग्रहालय में सुरक्षा के लिए उ0प्र0 पुलिस के 1 पर 4 गार्द तैनात हैं। रात्रि चौकीदारों की भी व्यवस्था है। दिन में वीथिका परिचर, वीथिकाओं की सुरक्षा के लिए रहते हैं।

अन्य कार्यक्रम :- शैक्षिक एवं सॉस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है।

आगामी वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रम :- आगामी वर्ष (2023-24) के कार्यक्रमों की सूचना निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	दिनांक	अवसर	प्रस्तावित कार्यक्रम
1	18 अप्रैल, 2023	विश्व धरोहर दिवस	विलुप्तप्राय वाद्य यंत्रों की फोटो प्रदर्शनी
2	18 मई, 2023	विश्व संग्रहालय दिवस	चित्रकला कार्यषाला
3	17 जून, 2023	रानी लक्ष्मी बाई बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर	वीर रस काव्य प्रतियोगिता
4	18 जून, 2023	रानी लक्ष्मी बाई बलिदान दिवस	प्रदर्षनी
5	26 जुलाई, 2023	कारगिल विजय दिवस	रूप-सज्जा प्रतियोगिता
6	19 अगस्त, 2023	विश्व फोटोग्राफी दिवस	आगरा में फोटो प्रदर्षनी एवं परिचर्चा
7	23 सितम्बर, 2023	अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाशा दिवस	दिव्यांग बच्चों हेतु क्ले मॉडलिंग कार्यषाला
8	02 अक्टूबर, 2023	गाँधी जी/षास्त्री जी की जयंती	पुष्पांजलि/माल्यार्पण एवं स्वच्छता अभियान
9	31 अक्टूबर, 2023	राष्ट्रीय एकता दिवस	अलीगढ़ में फोटो प्रदर्षनी एवं परिचर्चा
10	19 नवम्बर से 25 नवम्बर, 2023	विश्व धरोहर सप्ताह	कला अभिरूचि पाठ्यक्रम
11	16 दिसम्बर, 2023	विजय दिवस	निबंध प्रतियोगिता एवं फिल्म प्रदर्षन
12	24, 25 एवं 26 जनवरी, 2024	उत्तर प्रदेष दिवस/गणतंत्र दिवस/ स्थापना दिवस	विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम
13	21 फरवरी, 2024	अंतर्राश्ट्रीय मातृभाशा दिवस	हाथरस में फोटो प्रदर्षनी एवं परिचर्चा
14	28 फरवरी, 2024	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	मॉडल क्रिएषन प्रतियोगिता
15	08 मार्च, 2024	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	षतरंज प्रतियोगिता

नोटः- उपरोक्त प्रस्तावित तिथियों एवं कार्यक्रमों में अपरिहार्य परिस्थितियों/आदेषों के क्रम में परिवर्तन हो सकता है।

दर्शक/पर्यटक/आय की सूचना :- वर्ष 2022 में दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2022 तक राजकीय संग्रहालय, मथुरा में 22777 देशी, 181 विदेशी कुल 22958 दर्शकों/पर्यटकों ने भ्रमण किया तथा राजकीय जैन ंसंग्रहालय, मथुरा में 1005 दर्शकों ने भ्रमण किया। दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2022 तक वर्ष में संग्रहालय को प्रवेश शुल्क, कैमरा शुल्क प्रकाशन विक्रय आदि से कुल आय रू0 143125.00 की आय प्राप्त हुई।

राजकीय संग्रहालय, मथुरा के समुचित संचालन हेतु संस्कृति विभाग उ0प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद सृजित हैं-

क्र0 सं0	संवर्ग	पदनाम	सादृश्य वेतनबैंड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड पे	सृजित पद	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	क	उप निदेशक	15600-39100	ग्रेड पे 6600	1	1	-
2	ख	सहायक निदेशक	9300-34800	ग्रेड पे 4800	1	-	1
3	ग	माडलर	9300-34800	ग्रेड पे 4200	1	-	1
4	ग	प्रदर्शक व्याख्याता	9300-34800	ग्रेड पे 4200	2	-	2
5	ग	प्रधान सहायक	9300-34800	ग्रेड पे 4200	1	1	-
6	ग	रसायनविद् श्रेणी-2	5200-20200	ग्रेड पे 2800	1	1	-
7	ग	पुस्तकालाध्यक्ष श्रेणी-2	5200-20200	ग्रेड पे 2800	1	1	-
8	ग	वीथिका सहायक	5200-20200	ग्रेड पे 2400	1	1	-
9	ग	संग्रहालय सहायक	5200-20200	ग्रेड पे 1900	1	1	-
10	ग	आशुलिपिक	5200-20200	ग्रेड पे 2400	1	-	1
11	ग	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	ग्रेड पे 2000	4	1	3
12	ग	कनिष्ठ फोटोग्राफर	5200-20200	ग्रेड पे 2400	1	1	-
13	ग	बिक्री सहायक	5200-20200	ग्रेड पे 1900	1	1	-
14	ग	वाहन चालक (ड्राइवर)	5200-20200	ग्रेड पे 1900	1	-	1
15	घ	वर्कशाप मिस्त्री	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
16	घ	रसायनशाला एवं कर्मशाला सहायक	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
17	घ	मार्क्स मैन	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
18	घ	जमादार	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
19	घ	बुक बाइन्डर कम बुक लिफ्टर	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
20	घ	विद्युत मिस्त्री	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
21	घ	दफ्तरी	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
22	घ	वीथिका परिचर	5200-20200	ग्रेड पे 1800	4	1	3
23	घ	मॉडलर परिचर	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
24	घ	चपरासी	5200-20200	ग्रेड पे 1800	7	-	7
25	घ	फर्रास	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
26	घ	चौकीदार	5200-20200	ग्रेड पे 1800	4	2	2
27	घ	माली	5200-20200	ग्रेड पे 1800	3	1	2
28	घ	गार्डनर कम डे	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1

		चौकीदार					
29	घ	साइट कुली	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	1	-
30	घ	भिस्ती	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	1	-
31	घ	स्वीपर	5200-20200	ग्रेड पे 1800	2	2	-
28	घ	गार्डनर कम डे चौकीदार	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	-	1
29	घ	साइट कुली	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	1	-
30	घ	भिस्ती	5200-20200	ग्रेड पे 1800	1	1	-
31	घ	स्वीपर	5200-20200	ग्रेड पे 1800	2	2	-
				योग	50	17	33

संग्रहालय का प्रवेश शुल्क

भारतीय पर्यटक	रु0 05
बच्चे	रु0 02
विदेशी पर्यटक	रु0 25
कैमरा शुल्क	रु0 20

साप्ताहिक अवकाश

सोमवार एवं द्वितीय शनिवार के बाद का रविवार।

अन्य अवकाश- सभी राजपत्रित तथा स्थानीय अवकाश

सम्पर्क सूत्र

दूरभाष :- 0565 2500847 (उप निदेशक, राजकीय संग्रहालय, मथुरा)

mathuramuseum@gmail.com

राजकीय संग्रहालय, झांसी

विन्ध्यांचल की गोद में बसे बुन्देलखण्ड का अतीत गौरवशाली रहा है। बुन्देलखण्ड पुरातात्विक दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न है। इस क्षेत्र से प्राप्त होने वाले पाषाण एवं ताम्र उपकरण इस बात का परिचायक है कि हजारों वर्ष पूर्व आदि मानव यहां विचरण करते थे। देश के अतीत का दर्शन संग्रहालय के प्रदर्शो से होता है। ये प्रदर्श हमारे अतीत की समुन्नत विरासत का प्रतिनिधित्व करते है। बुन्देलखण्ड की यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण के साथ ही इस क्षेत्र के गरिमामयी इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यहां पर उ0प्र0 सरकार द्वारा सन् 1978 में राजकीय संग्रहालय की स्थापना की गयी। वर्तमान भवन का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा 1982 में तथा उद्घाटन उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मोती लाल बोरा द्वारा 29 फरवरी, 1996 को किया गया ।

संकलन

राजकीय संग्रहालय, झाँसी में लगभग 22000 कलाकृतियां संग्रहीत है जिनमें प्रस्तर प्रतिमायें, मृण्मूर्तियां, धातु मूर्तियां, शिला लेख, ताम्र पत्र, सिक्के, मुहरें तथा विभिन्न शैली के लघुचित्र, आभूषण तथा काष्ठ कला से सम्बन्धित वस्तुएं संग्रहीत है।

संग्रहालय की विभिन्न वीथिकाओं में लघु चित्र जिनमें राजस्थानी, पहाड़ी, कोटा आदि शैली के चित्र प्रदर्शित किये गये। वैष्णव प्रतिमायें, गणेश की चैदह भुजी नृत्य प्रतिमा अत्यन्त महत्वपूर्ण और सौन्दर्य की दृष्टि से प्रभावशाली है, प्रदर्शित की गयी है।

प्रवेश शुल्क

वयस्क भारतीय- रू0 5/-

विदेशी पर्यटक- रू0 25/-

कैमरा शुल्क- रू0 20/-

साप्ताहिक अवकाश-सोमवार

अन्य अवकाश द्वितीय शनिवार के पश्चात् पड़ने वाला रविवार तथा अन्य राजपत्रित अवकाश

भ्रमण समय प्रातः 10.30 से सायं 4.30 बजे तक

सम्पर्क सूत्र उप निदेशक, राजकीय संग्रहालय, झाँसी (उ0प्र0)

स्वीकृत पद

इस संग्रहालय में वर्तमान में निम्नलिखित पद स्वीकृत हैः-

क्रम सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड पे	पदों की संख्या	रिक्त पद
1	उप निदेशक	15600-39100	6600	01	पद रिक्त
2	सहायक निदेशक	9300-34800	4800	01	पद रिक्त
3	माडलर	9300-34800	4200	01	पद रिक्त
4	छायाचित्रकार	9300-34800	4200	01	पद रिक्त
5	आशुलिपिक	5200-20200	2400	01	पद रिक्त
6	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	01	
7	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	01	
8	संग्रहालय सहायक	5200-20200	1900	01	
9	कनिष्ठ सहायक (स्टोर)	5200-20200	2000	01	पद रिक्त
10	ड्राइवर	5200-20200	1900	01	
11	केबिनेट कम पेडस्टल मेकर	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
12	बिजली मिस्त्री	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
13	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	06	6 पद रिक्त
14	चपरासी	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
15	चैकीदार	5200-20200	1800	02	दो पद रिक्त
16	चैकीदार कम माली	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
17	माली	5200-20200	1800	01	
18	स्वीपर	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
12	बिजली मिस्त्री	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
13	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	06	6 पद रिक्त
14	चपरासी	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
15	चौकीदार	5200-20200	1800	02	दो पद रिक्त

16	चौकीदार कम माली	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
17	माली	5200-20200	1800	01	
18	स्वीपर	5200-20200	1800	01	पद रिक्त
			कुल योग	24	19

राजकीय संग्रहालय, झाँसी में माह - 01 अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक कराये गये शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण

1- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झाॅसी द्वारा ''डाॅ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती'' पर विचार गोष्ठी एवं फोटो अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अभिलेख प्रदर्शनी में बाबा साहब के जीवन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण अभिलेख एवं चित्रों को प्रदर्शित किया गया।

2- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 09 मई, 2022 को ''महाराणा प्रताप जयंती'' के अवसर पर श्रद्धाजंलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

3- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 16-20 मई, 2022 ''अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह'' का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 16 मई, 2022 को व्याख्यानमाला, 17 मई, 2022 को मातृदिवस पर प्रदर्शनी, 19 मई, 2022 को राष्ट्रीय संग्रहालयों में संगृहीत चित्र प्रदर्शनी एवं 20 मई, 2022 को स्थानीय विद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

4- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 04-10 जून, 2022 तक राजकीय संग्रहालय, झांसी, सांस्कृतिक समिति एवं उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में शास्त्रीय संगीत की एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

5- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 17 जून, 2022 को महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन, संस्कृति विभाग, लखनऊ एवं राजकीय संग्रहालय, झांसी के संयुक्त तत्वावधान में रानी लक्ष्मीबाई एवं उनके सहयोगियों की शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें नगर की सभी समाजसेवी संस्थाओं ने भाग लिया। साथ ही संग्रहालय परिसर में रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

6- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 18 जून, 2022 ''रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस'' का भव्य कार्यक्रम दीनदयाल सभागार में जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही झांसी जनपद की वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही राजकीय संग्रहालय, झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

7- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 07 जुलाई, 2022 को ''शतरंज ओल्मपियाड टाॅर्च रिले'' कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग से दीनदयाल सभागार में आयोजित किया गया।

8- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 09 जुलाई, 2022 को ''पुरातत्व अभिरूचि कार्यक्रम'' के अन्तर्गत बुंदेलखण्ड की प्राचीन धरोहर विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

9- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 22 जुलाई, 2022 को ''संगीत उत्सव उल्लास'' के अन्तर्गत कथक का आयोजन किया गया।

10- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 23 जुलाई, 2022 ''अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जंयती'' पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों का सम्मान एवं व्याख्यान के साथ ही छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

11- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 24 जुलाई, 2022 को गायन, वादन एवं नृत्य काव्य अभिनय की संदेशात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

12- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 28 जुलाई, 2022 को परमवीर चक्र विजेताओं की गाथाएं पुस्तक का विमोचन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

13- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 29 जुलाई, 2022 को ''बुंदेली लोक देवताओं का बुंदेली जनजीवन पर प्रभाव'' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

14- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 04-06 अगस्त, 2022 ''संास्कृतिक प्रतिभा खोज'' का आयोजन राजकीय संग्रहालय, झांसी में किया गया।

15- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 13 अगस्त, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं मिनीस्ट्री आफ टूरिज्म आगरा एवं बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रानी लक्ष्मीबाई एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन विषयक एव दिवसीय सेमीनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

16- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अगस्त, 2022 को ''विभाजन विभीषिका दिवस'' के अवसर पर ''भारत की अखण्डता एवं सम्पन्नता में विस्थापितों का योगदान विषय'' पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन यिका गया। प्रदर्शनी का लोकापर्ण माननीय केन्द्रीय मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय जी द्वारा किया गया।

17- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 15 अगस्त, 2022 को प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं संस्कृति विभाग के सुयक्त तत्वावधान में दीनदयाल सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुती दी गई।

18- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 21 अगस्त, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं रागुफता स्टूडियो के संयुक्त तत्वावधान में कथक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

19- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 27 अगस्त, 2022 को बुंदेलखण्ड के कला संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा अजंता एवं ऐलोरा भ्रमण के दौरान बनाये गए चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय संग्रहालय झांसी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

20- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक सुश्री अनुजा सक्सेना स्वतंत्र चित्रकार की एकल प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय संग्रहालय, झंासी द्वारा किया गया।

21- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई , झाँसी के सयुक्त तत्वावधान में हिंदी साहित्य को स्वतंत्रता संग्राम में योगदान '' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी , हिंदी दिवस पर आयोजित की गई।

22- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं हेल्थ सोसायटी झंासी के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं समाजसेवियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

23- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं कला सांस्कृतिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में कवि इन्दीवर की स्मृति में लुप्त हो रहे वाद्य बांसुरी एवं माउथ आॅर्गन की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

24- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को महान विचारक एवं समाजसेवी ''पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती'' के अवसर पर राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई झांसी के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

25- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं आई0डी0बी0 हेल्पिंग हैण्डस के संयुक्त तत्वावधान में बंुदेलखण्ड की चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई। उक्त प्रदशर्ानी तीन दिन तक जनमानस हेतु प्रदर्शित रही।

26- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 09 अक्टूबर, 2022 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में ''वाल्मीकि जयंती'' के अवसर पर वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया।

27- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को ''भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल'' की जयंती पर शासन द्वारा निर्धारित चित्रों की प्रदर्शन, दीपाजंलि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

28- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 17-19 नवम्बर, 2022 तक राजकीय संग्रहालय झांसी एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में '' जलसा बाईसाब'' विषयक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

29- शासन द्वारा निर्देशित ''कौमी एकता'' सप्ताह दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को ''विविधता में एकता'' विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

30- दिनांक 16-19 नवम्बर, 2022 तक शैक्षिक कार्यक्रम में अन्तर्गत राजकीय संग्रहालय, झासंी एवं मणिकर्णिका आर्ट गैलरी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

31- ''संविधान दिवस'' के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को स्कूलों बच्चों को शपथ ग्रहण करायी गयी एवं फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

32- दिनांक 10 जनवरी, 2023 को राजकीय संग्रहालय, झांसी एवं रंगकला समूह के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राज्यीय चित्र प्रदर्शनी का आयोेजन किया गया उक्त चित्र प्रदर्शनी में इंदौर उड़ीसा एवं दिल्ली के कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों ने भाग लिया ।

33- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 24-26 जनवरी, 2023 तक ''उत्तर प्रदेश दिवस'' का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत 24-25 जनवरी, 2023 तक ''उत्तर प्रदेश के अभिलेख'' विषयक प्रदर्शनी एवं दिनांक 26 जनवरी, 2023 को झंडारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय:- आलोच्य अवधि में 34 शोधार्थियों द्वारा अपने विषय का अध्ययन किया गया ।

संग्रहालय भ्रमण

आलोच्य अवधि में 48,759 भारतीय 18 विदेशी दर्शकों ने संग्रहालय का भ्रमण किया।

आय

संग्रहालय को कैमरा शुल्क, प्रकाशन, मीटिंग हाल शुल्क एवं संग्रहालय प्रवेश टिकट शुल्क की बिक्री आदि से वर्ष 2022-23 में माह- 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक कुल रू0 7,14,235=00 (रूपया सात लाख चैदह हजार दो सौ पैतींस मात्र) की आय प्राप्त हुयी जिसका विवरण निम्नवत् है:-

1- कैमरा शुल्क से प्राप्त धनराशि	रू0 2,93,698=00
2- प्रवेश टिकट शुल्क से प्राप्त धनराशि	रू0 2,43,795=00
3- विदेशी टिकट की बिक्री से प्राप्त धनराशि	रू0 450=00
4- 385 रसीद से प्राप्त धनराशि	रू0 1,76,292=00
कुलयोग:	**रू0 7,14,235=00**

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर

संक्षिप्त परिचय

पूर्वी उत्तर प्रदेश का क्षेत्र ऐतिहासिक व पुरातात्विक दृष्टि से न केवल भारत, बल्कि विश्व में विख्यात है। शाक्यों का कपिलवस्तु, कोलियों का रामग्राम, मोरियों का पिप्पलीवन एवं मल्लों की राजधानी कुशीनगर तथा पावा भी इसी क्षेत्र में स्थित है, जिनकी शासन पद्धति जनतंत्रात्मक थी। ऐसे में हम कह सकते हैं कि जनतंत्र की प्रथम प्रयोगशाला होने का गौरव भी इस क्षेत्र को प्राप्त है। इतना ही नहीं, यहाॅं के गणराज्य निःसंदेह यूनानी गणराज्यों से भी प्राचीन थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश बौद्ध धर्म के उद्भव और विकास का हृदय स्थल रहा है। भगवान बुद्ध के जीवन की घटनाओं से सम्बन्धित स्थान लुम्बिनी, देवदह, कोलियों का रामग्राम, कोपिया एवं तथागत की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर इसके महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर की परिनिर्वाण स्थली पावा भी इसी क्षेत्र में विद्यमान है। आमी नदी के तट पर स्थित संत शिरोमणि कबीर की निर्वाणस्थली मगहर और नाथ पंथ के गुरू गोरक्षनाथ की तपोभूमि होने का गौरवभी इस क्षेत्र को प्राप्त है।

2- संग्रहालय का उद्देश्य एवं गतिविधियां -

पूर्वी क्षेत्र में यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन एवं शोध के साथ ही इस क्षेत्र के गरिमामय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सन् 1987 में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर की स्थापना की गई। वर्तमान में रामगढ़ताल परियोजनान्तर्गत निर्मित संग्रहालय भवन गोरखपुर रेलवे एवं बस स्टेशन से लगभग 6 किमी0 दक्षिण एवं सर्किट हाउस से लगभग 1 किमी0 दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व की जानकारी जन-सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संग्रहालय द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत विविध विषयों पर प्रदर्शनी एवं छात्र-छात्राओं के मध्य सामान्य ज्ञान, चित्रकला एवं क्ले माडलिंग वर्कशाप तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया जाता है। संग्रहालय द्वारा संग्रहीत कलाकृतियां जहां एक ओर हमारे समृद्ध कला एवं संस्कृति का आभास कराती हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान पीढ़ी को उनके गौरवमयी विरासत से परिचित भी कराती हैं।

संग्रहालय द्वारा समय-समय पर स्थलीय सर्वेक्षण, दान, उपहार, दीर्घकालीन ऋण एवं क्रय द्वारा संग्रह में अभिवृद्धि की जाती रही है। संग्रहालय में प्रागैतिहासिक उपकरणों के साथ-साथ प्रस्तर, मृण्, धातु मूर्तियां, आभूषण, सिक्के, लघुचित्र, थंका, हाथीदांत एवं हस्तलिखित ग्रन्थ, डाक टिकट आदि का संकलन है।

3-प्रदर्शन व्यवस्था-

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में संग्रहीत कलाकृतियों में से कतिपय चयनित कलाकृतियों को जनसामान्य के अवलोकनार्थ निम्नलिखित वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है -

प्रथम वीथिका-राहुल सांकृत्यायन कला वीथिका में भगवान बुद्ध तथा बौद्ध धर्म से सम्बन्धित मथुरा व गांधार शैली में निर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। धर्म और कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण पवित्र मांगलिक चिन्हों से युक्त मथुरा शैली की कुषाणकालीन अभिलिखित आयागपट्ट के अतिरिक्त जैन तीर्थंकर ऋषभनाथ, पाश्र्वनाथ और महावीर की प्रस्तर प्रतिमाएं भी इस वीथिका में प्रदर्शित की गयी हैं।

द्वितीय वीथिका-पुरातत्व वीथिका में पाषाणकालीन उपकरणों, प्रस्तर मूर्तियों एवं पूर्व मौर्य काल से गुप्त काल तक की मृण्मूर्तियों को कालक्रमानुसार प्रदर्शित किया गया है। वीथिका में प्रदर्शित मौर्यकाल से गुप्तकाल तक की मृण्मूर्तियों में शिशु का आहार करती डाकिनी (हारिति), मोढ़े पर बैठी पशु-सिर युक्त मातृका, शुकसारिका, विविध पशु-आकृतियां, मत्स्य व जलपात्र के अतिरिक्त सिक्कों एवं मृण्मूर्तियों के सांचे विशेष रूप से दर्शनीय हैं। हिन्दू धर्म से सम्बन्धित प्रस्तर मूर्तियों में अष्टभुजी गणेश, त्रिशूलधारी शिव, दशावतार विष्णु, सप्तमातृकापट्ट, नवग्रहपट्ट एवं कसौटी पत्थर पर बनी पाल शैली की उमा-महेश्वर की प्रतिमा दर्शनीय है।

तृतीय वीथिका कला के विविध आयाम में कुषाण काल से आधुनिक काल तक की विविध माध्यमों (प्रस्तर, मृण्, धातु, हाथी दांॅत, सीसा आदि) में बनी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हंै।

चतुर्थ वीथिका चित्रकला वीथिका में तिब्बत एवं नेपाल में प्रचलित थंका तथा राजस्थानी एवं पहाड़ी शैली के विविध विषयों पर आधारित लघु चित्रकला के नमूने प्रदर्शित किये गये हंै।

पाचवीं वीथिका जैन वीथिका में जैन धर्म से सम्बन्धित कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। वीथिका में चैबीस तीर्थंकरों के जन्म स्थान, माता-पिता तथा उनके लांछन सहित प्रदर्शित कलाकृतियों का संक्षिप्त इतिहास जनसामान्य के आकर्षण का केन्द्र है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर विविध विषयों पर आधारित अस्थाई प्रदर्शनी एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

4- पुस्तकालय -

सं्राग्रहालय में एक संदर्भ पुस्तकालय भी है, जिसमें कला, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, मुद्राशास्त्र एवं प्रतिमाशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तकों का संकलन है। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व के विभिन्न विषयों पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले शोध छात्रों/विद्वतजन को संग्रहालय द्वारा आवश्यक जानकारी तथा संदर्भ पुस्तकालय की सुविधा प्रदान की जाती है।

5-शैक्षिक गतिविधियां (माह अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक) -

(क) छायाचित्र प्रदर्शनी- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा डाॅ0 भीमराव अम्बेडकर जी के 131 वीं जयन्ती के अवसर पर आज दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को संग्रहालय में ''डाॅ0 भीमराव अम्बेडकर: व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(ख) छायाचित्र प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा विश्व विरासत दिवस के अवसर पर दिनांक 18 अप्रैल, 2022 को ''हमारी संस्कृति, हमारी विरासत'' विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन आक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, गोरखपुर में किया गया।

(ग) वृक्षारोपण कार्यक्रम- मातृ दिवस (मदर्स डे) के अवसर पर दिनांक 08 मई, 2022 को संग्रहालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत दुर्लभ प्रजाति के पौधों यथा सेब, हरिमन-99, दालचीनी, टिकोमा स्टेन्स डबार्फ, बोगेनबेलिया थाई तथा सेसट्रम आदि पौधों का रोपण किया गया।

(घ) आॅनलाइन छायाचित्र प्रदर्शनी- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 16 मई, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों की आॅनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(च) व्याख्यान- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर एवं बाल स्वर संस्थान, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 मई, 2022 को प्रातः 8.00 बजे से सरस्वती विद्या मन्दिर, आर्यनगर, गोरखपुर में छात्र-छात्राओं के मध्य ''संग्रहालय ज्ञान का वातायन'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

(छ) संगोष्ठी- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 17 मई, 2023 को होटल विवेक, बैंक रोड, गोरखपुर में ''संग्रहालय अतीत का दर्पण'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

(ज) छायाचित्र प्रदर्शनी- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 18 मई, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर एवं चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ''विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों की यात्रा'' विषयक एक दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला महाविद्यालय, दीवान बाजार, गोरखपुर में किया गया।

(झ) चित्रकला प्रतियोगिता- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 19 मई, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा दयानन्द (डी0ए0वी0) इण्टर कालेज, गोरखपुर में ''हमारी संस्कृति-हमारी विरासत'' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(ट) छायाचित्र प्रदर्शनी- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 20 मई, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर एवं अयोध्या दास राजकीय कन्या इण्टर कालेज, गोरखपुर में ''विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों की यात्रा'' विषयक एक दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(ठ) वृक्षारोपण- दिनांक 03 जुलाई, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री दिवस के अवसर पर राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा संग्रहालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। वृक्षारोपण में सिंगापुर चेरी, अंजीर, सेब, नाशपाती, रातरानी, टिकोमा ड्वार्फ, बेला पूने, बोगनबेलिया थाई आदि पौधो का वृक्षारोपण किया गया।

(ड) चित्रकला प्रतियोगिता- विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर दिनांक 15 जुलाई, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर द्वारा अयोध्या दास राजकीय कन्या इण्टर कालेज, गोरखपुर में 'स्वतंत्रता आन्दोलन' अथवा 'हर घर तिरंगा' विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

(ढ) सांस्कृतिक कार्यक्रम- संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'स्वतंत्रता सप्ताह' एवं 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के अवसर पर दि0 11 से 15 अगस्त, 2022 तक लगातार पांच दिन योगिराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह, गोरखपुर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(त) छायाचित्र प्रदर्शनी- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त, 2022 को संग्रहालय एवं सरमाउण्ट इन्टरनेशनल स्कूल, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''स्वतंत्रता आन्दोलन पर आधारित'' एक दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(थ) छायाचित्र प्रदर्शनी- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अगस्त, 2022 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सूचना एवं संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(द) छायाचित्र प्रदर्शनी- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अगस्त, 2022 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता आन्दोलन पर आधारित प्रदर्शनी योगिराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित की गयी।

(ध) संगोष्ठी- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिनांक 15 अगस्त, 2022 को संग्रहालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

(न) चित्रकला प्रतियोगिता- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय एवं ललित कला एवं संगीत विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अगस्त, 2022 को "स्वतंत्रता आन्दोलन" अथवा "हर घर तिरंगा" विषय पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर गोरखपुर में किया गया।

(प) प्रदर्शनी- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर एवं क्लिकर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यटन दिवस पर दिनांक 27 सितम्बर, 2022 को पर्यटन की दृष्टि में गोरखपुर पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(फ) प्रदर्शनी- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को गांधी जी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

(ब) प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जन्म दिवस के अवसर पर संग्रहालय के प्रदर्शनी हाल में "सरदार पटेल-एकीकरण के शिल्पी" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(भ) प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवम्बर, 2022) के अन्तर्गत दिनांक 19 नवम्बर, 2022 को "हमारी संस्कृति: हमारी विरासत" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(म) क्ले माडलिंग वर्कशाप एवं प्रतियोगिता - संग्रहालय द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवम्बर, 2022) के अन्तर्गत दिनांक 25 नवम्बर, 2022 को संग्रहालय एवं रोटरी क्लब गोरखपुर मिड टाउन के संयुक्त तत्वावधान में संग्रहालय परिसर में क्ले माडलिंग वर्कशाप एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(य) संविधान दिवस पर गोष्ठी- संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को संग्रहालय सभागार में "संवैधानिक मूल्यों एवं मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित एक गोष्ठी" का आयोजन किया गया।

(र) प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा दिनांक 15 दिसम्बर, 2022 को भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर "सरदार पटेल: व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(ल) सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अभिलेख व चित्र प्रदर्शनी - संस्कृति विभाग, उ0प्र0 एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शासन के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'काकोरी बलिदान दिवस के अवसर पर' दि0 15 से 19 दिसम्बर, 2022 तक लगातार पाँच दिन योगिराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह, गोरखपुर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं काकोरी एक्शन डे पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गयी।

(र) प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 29 जनवरी, 2023 को "गांधी जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया।

माह फरवरी एवं मार्च, 2023 में प्रस्तावित अवशेष कार्यक्रमों की सूची

1-	14 फरवरी, 2023	दिव्यांग बच्चों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता	प्रस्तावित
2-	23 मार्च, 2023	भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी	प्रस्तावित

6- प्रवेश टिकट व्यवस्था-

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा इस संग्रहालय हेतु प्रवेश टिकट की व्यवस्था निम्नवत निर्धारित की गई है -

1- 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए- निःशुल्क।

2- 5 वर्ष से ऊपर आयु के भारतीय दर्शकों हेतु प्रवेश शुल्क - रू0- 3.00 मात्र प्रति दर्शक।

3- विदेशी पर्यटकों हेतु प्रवेश शुल्क - रू0- 10.00 मात्र प्रति दर्शक।

4- फोटो कैमरा शुल्क - रू0- 20.00 मात्र प्रति कैमरा।

5- शैक्षिक भ्रमण एवं शोधार्थियों हेतु - निः शुल्क।

6- सभागार/प्रदर्शनी हाल का किराया- रू0 2000.00 प्रति दिन, प्रति हाल

7-वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेण्डर/कार्ययोजना का विवरण

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम विवरण
1	14 अप्रैल, 2023	डा॰ भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर डा॰ भीमराव अम्बेडकर जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित छायाचित्र/अभिलेख प्रदर्शनी/संगोष्ठी
2	18 अप्रैल, 2023	विश्व विरासत दिवस के अवसर पर हमारी संस्कृति एवं हमारी विरासत विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी
3	18 मई, 2023	विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों की यात्रा विषयक एक दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी
4	21 जुलाई, 2023	चित्रकला प्रतियोगिता
5	14 अगस्त, 2023	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्रता आन्दोलन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
6	15 अगस्त, 2023	स्वतंत्रता दिवस पर संगोष्ठी
7	27 सितम्बर, 2023	विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन की दृष्टि में गोरखपुर पर आधारित प्रदर्शनी
8	02 अक्टूबर, 2023	राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर गांधी जी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी
9	31 अक्टूबर, 2023	सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जन्म दिवस के अवसर पर "सरदार पटेल-एकीकरण के शिल्पी" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी
10	19 से 25 नवम्बर, 2023	विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवम्बर, 2023) के अवसर पर "हमारी संस्कृति: हमारी धरोहर" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी
11	24 नवम्बर, 2023	संग्रहालय एवं रोटरी क्लब गोरखपुर मिड टाउन के संयुक्त तत्वावधान में संग्रहालय परिसर में क्ले माडलिंग वर्कशाप एवं प्रतियोगिता
12	26 नवम्बर, 2023	संविधान दिवस के अवसर पर संग्रहालय सभागार में "संविधान पर आधारित एक गोष्ठी"
13	15 दिसम्बर, 2023	भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर "सरदार पटेल: व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी
14	15 से 19 दिसम्बर, 2023	'काकोरी बलिदान दिवस के अवसर पर' काकोरी एक्शन डे पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी
15	30 जनवरी, 2024	राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी
16	09 फरवरी, 2024	दिव्यांग बच्चों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता
17	23 मार्च, 2024	भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी

नोट- 1- उल्लिखित कार्यक्रमों के अतिरिक्त समय-समय पर अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है। कार्यक्रमों की तिथि/माह में अपरिहार्य कारणों से यथा समय परिवर्तन सम्भव है।

2- विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य विविध प्रतियोगिताओं/ प्रदर्शनियों के अतिरिक्त संग्रहालय के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान किये जाने की योजना है।

3- विद्यालय/महाविद्यालयों के शैक्षिक भ्रमण पर संग्रहालय आने वाले छात्र-छात्राओं को वीथिका व्याख्यान के माध्यम से भी आवश्यक जानकारी प्रदान की जायेगी।

8- संग्रहालय भ्रमण -

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर की अवस्थापना को उन्नत किये जाने की योजना के अन्तर्गत भवन एवं वीथिकाओं की मरम्मत, विद्युतीकरण, रंगाई-पुताई आदि समस्त कार्य पूरे संग्रहालय भवन में एक साथ कराये जाने के कारण संग्रहालय की वीथिकाएं दिनांक 12 अक्टूबर, 2021 से अस्थाई रूप से जनसामान्य/दर्शकों के लिए स्थगित कर दी गयी हैं। फिर भी संग्रहालय के प्रदर्शनी हाल में लगी अस्थायी छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले छात्र-छात्राओं को कराया गया। जिनका विवरण निम्नवत रहा-

(1) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले विद्यालयों/महाविद्यालयों की कुल संख्या - 21

(2) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले छात्र-छात्राओं/शिक्षकगण की संख्या - 1359

9- राजस्व प्राप्तियां-

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक कुल रू0 6360.00 मात्र की राजस्व प्राप्तियां हुई।

10- स्वीकृत पदों का विवरण -

पूर्वांचल के गरिमामय इतिहास, कला एवं संस्कृति के बहुमुखी विकास हेतु यह संग्रहालय सतत प्रयत्नशील है। संग्रहालय के समुचित संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पदसृजित हैं-

क्र0 सं0	सृजित पदों का विवरण	वेतनबैण्ड/वेतनमान	ग्रेड वेतन	स्वीकृत पदों की सं0	भरे पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1	उप निदेशक	15600-39100	6600	1	1	-
2	लेखाकार	9300-34800	4200	1	1	-
3	आशुलिपिक	5200-20200	2800	1	-	1
4	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	1	-	1
5	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	1	-	1
6	ड्राइवर	5200-20200	1900	1	-	1
7	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	4	3	1
8	चपरासी	5200-20200	1800	2	1	1
9	चैकीदार	5200-20200	1800	2	2	-
10	सफाई कर्मचारी/फर्रास	5200-20200	1800	1	1	-
	योग-			**15**	**9**	**6**

11-कार्यालय समय - पूर्वान्ह 10.00 से अपरान्ह 5.00 बजे तक।

संग्रहालय समय - दर्शकों के लिए पूर्वान्ह 10.30 से अपरान्ह 4.30 बजे तक।

अवकाश- प्रत्येक सोमवार व माह के द्वितीय शनिवार के बाद पड़ने वाला रविवार एवं अन्य सार्वजनिक अवकाश।

अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी अयोध्या

वित्तीय वर्ष 2022-23

1- संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास

अयोध्या के महत्व तथा रामकथा की व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की जन्म स्थली तथा भारतीय जनमानस की वंदनीया नगरी अयोध्या में स्थिति है। अयोध्या में संस्कृति विभाग, उ0प्र0 सरकार द्वारा रामकथा संग्रहालय की स्थापना माह जनवरी, 1988 में की गयी तब से निरन्तर अपने उद्देश्यों के प्रति संग्रहालय अग्रसर है।

संग्रहालय का उद्देश्य जहां एक तरफ रामकथा विषयक सचित्र, पाण्डुलिपियो, मूर्तियों, रामलीला व अन्य प्रदर्श कलाओं से सम्बन्धित सामग्री, अयोध्या परिक्षेत्र के पुरावषेषों, दुलर्भ सांस्कृतिक सम्पदा व प्रदर्श कलाओं, अनुकृतियों, छायाचित्रों का संकलन व परिरक्षा करना है वही दूसरी तरफ संकलित सामग्री का वीथिकाओं में प्रदर्शन, छायाचित्रीकरण व अभिलेखीकरण तथा शैक्षिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत व्याख्यानों, गोष्ठियों, प्रतियोगिताओं व कार्यशालाओं तथा अस्थायी प्रदर्शिनियों का आयोजन करना भी है।

संग्रहालय में अभी तक 1020 कलाकृतियों का संकलन हो चुका है तथा संग्रहालय देखने के लिए दर्शकों के लिए निःशुल्क व्यवस्था है। प्रतिमाह दर्शकों की औसतन संख्या 3,000 से अधिक हो जाती है, स्थानीय मेलों, विभिन्न त्योहारों, रामनवमी, चैदह कोसी परिक्रमा, दीपोत्सव, रामायण मेला आदि के अवसरों पर दर्शकों की संख्या अत्यधिक बढ़ कर 7,000 से 10,000 हो जाती है। संग्रहालय की तरफ दर्शकों का आकर्षण बढ़ा है। वर्तमान में गुमनामी बाबा उर्फ भगवान जी की दो वीथिकाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शोधार्थियों की सुविधा के लिए संग्रहालय में एक पुस्तकालय भी है अभी तक 857 पुस्तकों को पंजीकृत किया जा चुका है। अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, नयाघाट, अयोध्या में दिनांक 01 जनवरी, 2015 में नवनिर्मित भवन में संचालित है।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में शासन/विभाग द्वारा निर्धारित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम वार्षिक कलेण्डर के अनुसार आयेाजित किये जाते हैं तथा समय-समय पर विभाग/शासन द्वारा सुझाये गये अतिरिक्त कार्यक्रम भी अनेक शुभ अवसरों पर आयोजित किये जाते हैं जैसे वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभाग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों के अतिरिक्त नारी सशक्तिकरण पर भी अनेकों कार्यक्रम/भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के जयन्ती पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वित्तीय वर्ष- 2022-23 का आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

1- 14 अप्रैल, 2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बाबा भीम राव अम्बेडकर जी मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया एवं उनके जीवन दर्शन पर विचार गोष्ठी का आयोजन।

2- 18 अप्रैल, 2022 संग्रहालय में विश्व धरोहर दिवस पर चित्र कला प्रदर्शनी का आयोजन

3- 05-10 मई, 2022 म्यूरल पेन्टिग (भित्ति चित्रण) वर्कशाप प्रतियोगिता का आयोजन

4- 11 जून, 2022 अमर शहीद पं0 राम प्रसाद विस्मिल के जीवन दर्शन पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन।

5- 14 जुलाई, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विभाजन विभिषका पर व्याखान एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

6- 24 जुलाई, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पर्यावरण सुरक्षा एवं वन्य प्राणी संरक्षण विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया।

7- 26 जुलाई, 2022 कारगिंल विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों एवं स्व0 विपिन रावत को शत शत नमन किया गया

8- 6 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विद्यालयों में झण्डा रोहण हेतु प्रेरित किया गया।

9- 7 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत घर घर में तिरंगा लगाने हेतु प्रेरित किया गया।

10- 10 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्कूली बच्चों को तिरंगा विषय के बारे में जानकरी दिया गया।

11- 11 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संग्रहालय में वीर शहीदों के जीवन दर्शन पर प्रदर्शनी/संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

12- 12 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत घर घर में तिरंगा लगाने हेतु पे्ररित किया गया।

13- 13 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वीर शहीदों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

14- 14 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों कों तिरंगा लगाने हेतु पे्ररित किया गया। तथा मौन जुलूस का आयोजन भी किया गया।

15- 15 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संग्रहालय में झण्डा रोहण के उपरान्त वीर शहीदों पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन तथा प्रभात फेरी निकाली गयी।

16- 16 अगस्त, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विद्यालय के बच्चों का भ्रमण तथा राष्ट्रीय गीत का आयोजन किया गया।

17- 18 सितम्बर, 2022 मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन दर्शन एवं योजनाओ पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं छायाचित्र की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

18- 02 अक्टूबर, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महात्मा गाधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन दर्शन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं छायाचित्र की प्रदर्शनी लगाई गई।

19- 03 अक्टूबर, 2022 कुमारी लता दीनानाथ मंगेश्कर जी के जीवन दर्शन पर आधारित छायाचित्र की प्रदर्शनी लगाई गई।

20- 30-31 अक्टूबर, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के जीवन दर्शन पर आधारित संगोष्ठी तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं छायाचित्र की प्रदर्शनी लगाई गई।

21- 12 नवम्बर, 2022 स्कूली बच्चों द्वारा देश भक्ति पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं देश भक्ति गीतो का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 149 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

22- 15-19 दिसम्बर, 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत काकोरी काण्ड के सक्रीय स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद अश्फाक उल्ला खान के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

23- 24 दिसम्बर, 2022 स्व0 श्री अटल विहारी बाजपेयी पूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार को उनके श्रद्धांजलि दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

24- 18 जनवरी, 2023 संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर रामकथा विषयक पर चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ।

25- 25 जनवरी, 2023 गंगा -यमुना के महत्व पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण का अयोजन कराया गया।

26- 05 फरवरी, 2023 राम कथा विषयक संगोष्ठी व सम्मान समारोह का कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

प्रस्तावित कार्यक्रम 2022-23

1. मार्च, 2023 ''भारत के वीर सपूतों'' विषय पर चित्रों की प्रदर्शनी का कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष- 2022-23 में विद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थाओ के बच्चों का भ्रमण

1- 10 अगस्त, 2022- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बच्चों को तिरंगा विषय के बारे में जानकरी दिया गया

2- 16 अगस्त, 2022- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विद्यालय के बच्चों भ्रमण तथा राष्ट्रिय गीत का आयोजन

3- 17 अगस्त, 2022- आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बाल बाल विकास इण्टर कालेज रायपुर, अयोध्या के बच्चों को संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।

4- 26 अगस्त, 2022- एस चन्द्र जेनिया शिक्षालय सुल्तानपुर के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण

5- 27 अगस्त, 2022- यश विद्या मंदिर दर्शन नगर अयोध्या के सीनियर वर्ग के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के विषय में जानकारी दिया गया।

6- 30 अगस्त, 2022 - यश विद्या मंदिर दर्शन नगर अयोध्या के जुनियर वर्ग के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के विषय में जानकारी दिया गया।

7- 31 अगस्त, 2022 कम्पोजिट विद्यालय पाराताजपुर हरटिनगंज, अयोध्या के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

8- 19 सितम्बर, 2022- एस0आर0 नेशनल एकेडमी, अयोध्या के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

9- 20 सितम्बर, 2022- झुनझुनवाला पी0जी0 कालेज हांसापुर, अयोध्या के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

10- 23 सितम्बर, 2022- एल0आर0 एकेडमी चौरी-चौरा गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

11- 02 अक्टूबर, 2022- कमब्रियन स्कूल, अयोध्या के बच्चों का संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

12- 02 अक्टूबर, 2022- जिंगल बेल स्कूल, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

13- 02 अक्टूबर, 2022- एस0 चन्द्रा, पीपरपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

14- 15 अक्टूबर, 2022- मनोरमा विद्यालय, लालगंज, बस्ती के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

15- 16 अक्टूबर, 2022- एम0डी0 पाब्लिक स्कूल, असवानियाँ, आजमगंढ के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

16- 06 नवम्बर, 2022- साबित्री देवी इण्टर कालेज, बस्ती के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

17- 12 नवम्बर, 2022- जनता अवध इण्टर कालेज, तुलसी नगर, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

18- 15 नवम्बर, 2022- सुभद्रा कुमारी इण्टर कालेज, बसनी, वाराणसी के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

19- 15 नवम्बर, 2022- फ्यूचर गल्र्स इण्टर कालेज, महराजगंज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

20- 16 नवम्बर, 2022- उदया पब्लिक स्कूल, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

21- 16 नवम्बर, 2022- महाराजा पब्लिक स्कूल, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

22- 16 नवम्बर, 2022- एस0के0बी0के क्रेरिबियन, गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

23- 16 नवम्बर, 2022- देवा पब्लिक स्कूल, उसरु अमौना, अयोध्या के जूनियर वर्ग के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

24- 17 नवम्बर, 2022- देवा पब्लिक स्कूल, उसरु अमौना, अयोध्या के सीनियर वर्ग के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

25- 18 नवम्बर, 2022- राजकीय माहविद्यालय डुमारियागंज, सिद्वार्थनगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

26- 18 नवम्बर, 2022- के0एल0 कान्वेन्ट इण्टर कालेज, प्रयागराज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

27- 18 नवम्बर, 2022- स्वामी विवेकानन्द इण्टर कालेज, ठूठीबारी, महराजगंज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

28- 18 नवम्बर, 2022- कम्पोजित विद्यालय पिपराईच गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

29- 19 नवम्बर, 2022- बी0डी0 एस0 पब्लिक स्कूल अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एवं संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

30- 19 नवम्बर, 2022- डी0डी0 पब्लिक स्कूल कुचेरा, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

31- 20 नवम्बर, 2022- आर0वी0एम0 फ्यूचर स्कूल, गोशाईगंज, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

32- 20 नवम्बर, 2022- शिवम् सरस्वती इण्टर कालेज, महराजगंज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

33- 22 नवम्बर, 2022- विजडम चिल्डेन एकेडमी गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

34- 24 नवम्बर, 2022- राजदत्त सरजू प्रसाद इण्टर कालेज, गोण्डा के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

35- 26 नवम्बर, 2022- विजन पब्लिक स्कूल, देवारिया के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

36- 27 नवम्बर, 2022- पी0आर0एल0 मेमोरियल खजुराहट, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

37- 29 नवम्बर, 2022- डी0आर0एम0 पब्लिक स्कूल फिरोजपुर, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

38- 30 नवम्बर, 2022- डी0आर0एकेडमी जी0आई0सी0 बीकापुर, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

39- 30 नवम्बर, 2022- एम0 पोइन्ट कालेज, विहार के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

40- 30 नवम्बर, 2022- सरस्वती शिशु मंदिर न्यूकालोनी देवारिया के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

41- 01 दिसम्बर, 2022- देवांस पब्लिक स्कूल रेवतीगंज, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

42- 01 दिसम्बर, 2022- इण्डियन आर्मी पब्लिक स्कूल, रजवापुर, बस्ती के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

43- 03 दिसम्बर, 2022- बर्डस एकाडमी, चन्दनबाग, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

44- 03 दिसम्बर, 2022- श्री अम्बिका जनता कन्या जूनियर हाईस्कूल भीटी, अम्बेडकर नगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

45- 03 दिसम्बर, 2022- मुख बधिर विद्यालय, कनीगंज, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

46- 04 दिसम्बर, 2022- अम्बिका प्रसाद उपाध्याय इण्टर कालेज, गोण्डा के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

47- 04 दिसम्बर, 2022- महेन्द्र कुमार शास्त्री मेमोरियल इण्टर कलोज रामपुर, सीतापुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

48- 04 दिसम्बर, 2022- महेन्द्र कुमार इण्टर कालेज, वेलवा महराजगंज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

49- 06 दिसम्बर, 2022- देवा इण्टर कालेज, उसरु अमौना, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

50- 07 दिसम्बर, 2022- राज माधव श्री इण्टर कालेज, जलालपुर, बीकापुर अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

51- 10 दिसम्बर, 2022- कनौसा कान्वेंट अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

52- 10 दिसम्बर, 2022- राम आसरे इण्टर कालेज, शाहगंज अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

53- 11 दिसम्बर, 2022- सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल, कादीपुर, सुलतानपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

54- 11 दिसम्बर, 2022- रामचन्दर स्मारक उ0मा0 विद्यालय, बलरामपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

55- 11 दिसम्बर, 2022- पी0एस0 मान्टेसरी हायर सेकेन्डी स्कूल, कुशीनगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

56- 13 दिसम्बर, 2022- सरस्वती शिशु मन्दिर सिद्वार्थ नगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

57- 14 दिसम्बर, 2022- एम0डी0 पब्लिक, गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

58- 15 दिसम्बर, 2022- यश विद्या मंदिर, दर्शन नगर अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

59- 17 दिसम्बर, 2022- मंगला पब्लिक स्कूल, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

60- 17 दिसम्बर, 2022- भगवान देई नैकीना इण्टर कालेज, परशरामपुर, अम्बेडकर नगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

61- 18 दिसम्बर, 2022- उत्तराखण्ड के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

62- 20 दिसम्बर, 2022- पू0मा0 विद्यालय केरा लाल खा, तारुन अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

63- 22 दिसम्बर, 2022- राम आसरे इण्टर कालेज अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

64- 22 दिसम्बर, 2022- कम्पोटिज विद्यालय गौरीमऊ, रुदौली, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

65- 23 दिसम्बर, 2022- बी0आर0सी0, अमानीगंज, अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

66- 24 दिसम्बर, 2022- संत विवेका नन्द इंग्लिश एकेडमी, गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

67- 24 दिसम्बर, 2022- सरस्वती इण्टर कालेज, परसौनी, कुशीनगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

68- 24 दिसम्बर, 2022- एस0आई0सी0 कालेज के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

69- 27 दिसम्बर, 2022- श्रीनिवास चन्द्र मेमोरियल स्कूल, बस्ती के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

70- 27 दिसम्बर, 2022- ए0डी0आर0एस0एम0टी पब्लिक स्कूल, गोरखपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

71- 28 दिसम्बर, 2022- यश विद्या मंदिर, दर्शन नगर अयोध्या के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

72- 28 दिसम्बर, 2022- मनराजी दुर्गावती इण्टर कालेज, करमा कला, संतकबीर नगर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

73- 01 जनवरी, 2023- बी0के0जी0 शेखर विद्यालय सुल्तानपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

74- 20 जनवरी, 2023- एन0आई0सी0 हरैया, बस्ती सुल्तानपुर के बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भ्रमण एव संग्रहालय के ऐतिहासिक व पुरावशेषों के विषय में जानकारी दिया गया।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर

पोस्ट- कुशीनगर व जनपद- कुशीनगर -274403 (उ0प्र0)

संक्षिप्त परिचय

भारत के बौद्ध स्थलों में कुशीनगर (कुसीनारा) का प्रमुख स्थान है। बौद्ध धर्म प्रवर्तक भगवान बुद्ध ने लगभग 80 वर्ष की अवस्था में अपना अनवरत भ्रमणपूर्ण जीवन व्यतीत करने के पश्चात् यहीं पर शालवन में महापरिनिर्वाण प्राप्त (शरीर त्याग) किया था। बुद्ध से पूर्व युग में कुसीनारा का उल्लेख एक वैभवशाली नगर के रूप में प्राप्त होता है। बुद्ध पूर्व युग में यह कुशावती के नाम से प्रसिद्ध था। पालि ग्रन्थों के अनुसार यहॉ महासम्मत वंश के राजा राज्य करते थे, जिनमें ओक्काक (इक्ष्वाकु) कुस (कुश), तथा महासुदस्सन (महासुदर्शन) प्रसिद्ध थे। महासुदस्सन जातक के अनुसार बुद्ध से कुछ शताब्दियों पूर्व यह सात सुरक्षा प्राचीरें तथा चार द्वारों के अतिरिक्त चतुर्दिक तमाल वृक्षों की सात पंक्तियों से घिरा नगर था। महापरिनिब्बान सुत्त के अनुसार भिक्षु आनन्द ने भगवान तथागत से कुसीनारा में निर्वाण प्राप्त न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि भगवान आप वनों से आवृत्त इस छोटे से नगर में निर्वाण न प्राप्त करें। इस पर भगवान बुद्ध ने अपने शिष्य आनन्द से कुसीनारा के प्राचीन वैभवशाली रूप का वर्णन करते हुए कहा कि हे आनन्द! प्राचीन काल की बात है कि यहॉ महासुदर्शन नामक प्रतापी राजा धर्मानुसार प्रजा का पालन करते हुए राज्य करता था और कुशावती उसकी राजधानी थी, यह नगर पूरब से पश्चिम लम्बाई में 12 योजन तथा उत्तर से दक्षिण चौड़ाई में सात योजन विस्तृत था। स्पष्टतया बुद्ध से पूर्व यह बहुत समृद्ध एवं शक्तिशाली नगर था, परन्तु बुद्धकाल में एक छोटा कस्बा (निगम) ही रह गया था। जातकों से स्पष्ट होता है कि बुद्ध अपने पूर्व जन्मों में कुश एवं सुदर्शन हुए थे। महापरिनिब्बान सुत्त में बुद्ध स्वयं कहते हैं कि उन्होंने यहॉ छः बार चक्रवर्ती राजा के रूप में राज करते हुए शरीर का त्याग किया था। छठीं शताब्दी ई0पू0 के गणराज्यों में कुशीनारा के मल्लों का प्रमुख स्थान था।

असंख्य भारतीय एवं विदेशी पर्यटक तथा बौद्ध धर्मानुयायी प्रतिवर्ष भगवान बुद्ध को श्रद्धा सुमन अर्पित करने कुशीनगर आते हैं।

कुशीनगर की धार्मिक महत्ता, समृद्ध ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक धरोहर ने कई देशों एवं विभागों को इस क्षेत्र में अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन स्थापित करने की प्रेरणा दी। परिणामस्वरूप यह स्थल सम्पूर्ण विश्व में श्रद्धा एवं आकर्षण का केन्द्र बन गया। कालान्तर में कुशीनगर की पुरातात्विक सम्पदा सहित भारतीय संस्कृति के विविध स्वरूपों को संरक्षित करने के उद्देश्य से संग्रहालय के निर्माण की आवश्यकता प्रतीत हुई। एतदर्थ इस क्षेत्र में यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन एवं शोध के साथ ही क्षेत्र के गरिमामय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सन् 1993-94 में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर की स्थापना की गई।

संग्रहालय द्वारा संग्रहीत कलाकृतियां जहॉ एक ओर हमारी समृद्ध कला एवं संस्कृति का आभास कराती हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान पीढ़ी को उनकी गौरवमयी विरासत से परिचित भी कराती हैं।

1-(क)- संग्रहालय का उद्देश्य एवं गतिविधियां-

संग्रहालय का प्रमुख उद्देश्य पूर्वी उ0प्र0 एवं देश के अन्य भागों से प्राप्त पुरासम्पदा का संकलन, अभिलेखीकरण, संरक्षण, प्रदर्शन, प्रकाशन तथा देशी-विदेशी पर्यटकों को आकृष्ट कर उन्हें भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व की जानकारी जन-सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संग्रहालय द्वारा समय-समय पर विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

(ख)- संकलन-

संग्रहालय द्वारा समय-समय पर स्थलीय सर्वेक्षण, दान, उपहार, दीर्घकालीन ऋण एवं उ0प्र0 राज्य प्रदर्श क्रय समिति द्वारा क्रय की गई कलाकृतियों के माध्यम से संग्रह में अभिवृद्धि की जाती है। संग्रहालय में प्रस्तर, मृण, धातु मूर्तियां, सिक्के, थंका एवं डाक टिकट आदि का संकलन है। वर्तमान में संग्रहालय में क्रमांक 01/1993 से 482/2018 तक कुल 1337 कलाकृतियों/पुरावशेषों का संकलन है।

(ग)- प्रदर्शन व्यवस्था- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर में संग्रहीत कलाकृतियों में प्रस्तर मूर्तियां, मृण्मूर्तियां, वास्तुकला के अवशेष, मिट्टी की मुहरें, धातु प्रतिमाएं, तिब्बती थंका एवं सिक्के विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। चयनित कलाकृतियों को विभिन्न वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में संग्रहालय में कुल 04 (चार) वीथिकाएं जनसामान्य के अवलोकनार्थ खुली हुई हैं, जिनका विवरण निम्नवत है-

<u>प्रथम वीथिका (कला वीथिका)</u> में बौद्ध, जैन एवं हिन्दू धर्म से सम्बन्धित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। वीथिका में प्रदर्शित कलाकृतियों में मथुरा एवं गांधार शैली की प्रस्तर मूर्तियों के अतिरिक्त बौद्ध पूजा स्तूप, बौद्ध मन्दिर का अलंकृत द्वार, कुशीनगर क्षेत्र से प्राप्त अलंकृत ईंटें (कई ईंटों को जोड़कर बनने वाली मानवाकृति), धातु कलाकृतियां एवं तिब्बती थंका आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। वीथिका में प्रदर्शित गच (स्टको) की बनी ध्यानमुद्रा में आसनस्थ बुद्ध प्रतिमा गुप्तकाल तक चली आने वाली गांधार कला परम्परा का उत्तम उदाहरण है।

<u>द्वितीय वीथिका (अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध वीथिका)</u> में आस्ट्रेलिया में बने बौद्ध स्तूप से-चेन-चोर-खोर-लिंग के माडल का प्रदर्शन बड़े ही रोचक ढंग से किया गया है। इस वीथिका में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित विभिन्न देशों की पूजा-पद्धति, बौद्ध भिक्षुओं के रहन-सहन आदि की झांकी प्रस्तुत की गई है।

<u>तृतीय वीथिका (विविध मुद्राओं में बुद्ध)</u> में भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं में प्राप्त मथुरा एवं गांधार शैली की प्रस्तर मूर्तियों का प्रदर्शन किया गया है। भगवान बुद्ध की अभय, ध्यान, भू-स्पर्श एवं धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा में प्रदर्शित कलाकृतियां निश्चित रूप से दर्शकों को आह्लादित करती हैं।

<u>चतुर्थ वीथिका (पुरातत्व वीथिका)</u> में प्रदर्शित मध्य पाषाण कालीन लघु प्रस्तर उपकरण, मृण्मूर्तियां, मृण-पात्र, मुहरें एवं मिट्टी व कांच के मनके तथा हड्डी की चूड़ियां आदि दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र हैं। मृण कलाकृतियों में पंचआयामी मुहर तथा सिंह के साथ गजलक्ष्मी का अंकन (शुंग कालीन) विशेष उल्लेखनीय हैं।

उक्त के अतिरिक्त संग्रहालय परिसर में इण्डो-जापान चिल्ड्रेन पार्क एवं इण्डो-जापान सांस्कृतिक केन्द्र भी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र है।

(घ)- राहुल सांकृत्यायन पुस्तकालय- संग्रहालय का अपना एक संदर्भ पुस्तकालय भी है, जिसमें कला, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, मुद्राशास्त्र एवं प्रतिमाशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तकें संग्रहीत हैं। भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व के विभिन्न विषयों पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले एवं शोध छात्रों तथा अन्य जिज्ञासुओं को संदर्भ पुस्तकालय की सुविधा प्रदान की जाती है। संग्रहालय के पुस्तकालय का नामकरण प्रसिद्ध साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन के नाम पर किया गया है। पुस्तकालय के संग्रह में सतत् वृद्धि की जा रही है। भविष्य में पुस्तकालय को बौद्ध शोध केन्द्र के रूप में विकसित किए जाने की भी योजना है।

(ड.)- संग्रहालय सभागार (अज्ञेय स्मृति सभागार)- संग्रहालय सभागार में विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। संग्रहालय सभागार का नामकरण प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि हीरानन्द सच्चिदानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के नाम

पर किया गया। शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु संग्रहालय का अज्ञेय स्मृति सभागार शासन द्वारा निर्धारित किराए पर अन्य संस्थाओं को भी उपलब्ध कराया जाता है।

(च)- स्वीकृत पदों का विवरण- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर पूर्वांचल के गरिमामय इतिहास, कला एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु सतत प्रयत्नशील है।

संग्रहालय के समुचित संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद सृजित है -

क्र0सं0	पदनाम	पदों की संख्या	वेतनबैण्ड/वेतनमान	ग्रेड वेतन
01	संग्रहालयाध्यक्ष	01	9300-34800	4800
02	वीथिका सहायक	01	5200-20200	2400
03	कनिष्ठ सहायक	01	5200-20200	2000
04	वीथिका परिचर	01	5200-20200	1800
05	चौकीदार	01	5200-20200	1800

(छ)- प्रवेश टिकट व्यवस्था- संग्रहालय भ्रमण हेतु प्रवेश टिकट एवं सभागार के किराये की व्यवस्था संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ द्वारा निर्धारित निम्नलिखित विवरणानुसार लागू की गई है -

1- 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए- निःशुल्क।

2- 12 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिकों हेतु प्रवेश शुल्क- रू0 3.00 प्रति दर्शक।

3- विदेशी पर्यटकों हेतु प्रवेश शुल्क- रू0 10.00 प्रति दर्शक।

4- फोटो कैमरा शुल्क- रू0 20.00 प्रति कैमरा।

5- शैक्षिक भ्रमण/शोधार्थियों हेतु प्रवेश शुल्क- निःशुल्क।

(ज)- संग्रहालय समय- दर्शकों के लिए प्रातः 10.30 से सायं 4.30 बजे तक। प्रत्येक सोमवार व माह के द्वितीय शनिवार के बाद पड़ने वाले रविवार एवं अन्य सार्वजनिक अवकाशों में संग्रहालय बन्द रहता है।

2- वर्ष 2022-23 की कार्ययोजना (01 अप्रैल, 2022 से 28 जनवरी, 2023 तक)

(क)- आयोजित किये जा चुके कार्यक्रमों का विवरण-

वर्ष 2022-23 के सांस्कृतिक कैलेण्डर के अनुरूप आयोजित किये जा चुके कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है-

1- भारत रत्न डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर संगोष्ठी एवं छायाचित्र प्रदर्शनी -

क- भारत रत्न डॉ0 भीम राव के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी -संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को डॉ0 भीम राव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छायाचित्रों के माध्यम से बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर के जीवन व कृतित्व को दर्शाया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन फाजिलनगर के माननीय विधानसभा सदस्य के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी का लगभग 1500 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

ख-"राष्ट्रनायक के रूप में डॉ0 भीम राव अम्बेडकर का योगदान" विषयक संगोष्ठी- भारत रत्न डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर, कालका बिनं्दादीन महाराज की ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय, लखनऊ, तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर द्वारा संयुक्त तत्वावधान में "राष्ट्रनायक के रूप में डॉ0 भीम राव अम्बेडकर का योगदान" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय विधायक, फाजिलनगर तथा मुख्य वक्ता के रूप में एसोसिएट प्रोफेसर, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुर्व प्राचार्य बुद्ध स्नात्कोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर, के द्वारा की गयी। संगोष्ठी में लगभग 250 छात्र/छात्राओं एंव अन्य लोगो द्वारा सहभागिता की गयी।

2- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद बाबू बन्धू सिंह की जयंती के अवसर पर मोनोग्राफ का प्रकाशन - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 01 मई, 2022 को अमर शहीद बाबू बन्धू सिंह की जयंती के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित मोनोग्राफ का प्रदर्शन संग्रहालय के विविध सोसलमिडिया प्लेटफार्म के माध्यम से किया गया।

3- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर मोनोग्राफ का प्रकाशन -संग्रहालय द्वारा दिनांक आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 07 मई,2022 को गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित मोनोग्राफ का प्रदर्शन संग्रहालय के विविध सोसलमिडिया प्लेटफार्म के माध्यम से किया गया।

4-क- अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह एवं बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का प्रदर्शनी - संग्रहालय द्वारा दिनांक 16 मई, 2022 को अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह एवं बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में भगवान बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किय गया। प्रदर्शनी में बी0एड0 विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के छात्र/छात्राओं द्वारा भी सहभागिता की गयी। प्रदर्शनी का उद्घाटन एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रासायनशास्त्र विभाग, बुद्ध स्नतकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर तथा असिस्टेन्ट प्रोफेसर, बी0एड0 विभाग की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रदर्शनी का लगभग 5073 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

ख- संग्रहालय का भ्रमण-संग्रहालय द्वारा दिनांक 16 मई, 2022 को अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह एवं बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के बी0एड0 विभाग के लगभग 60 शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं को संग्रहालय की वीथिकाओं का भ्रमण कराया गया तथा वीथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियो के बारें में जानकारी प्रदान की गयी।

5-क- विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर संगोष्ठी- संग्रहालय द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दिनांक 18 मई, 2022 को "वर्तमान परिवेश में संग्रहालयों का महत्व" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पुर्व अध्यक्ष, अर्न्तराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में ले0 बुद्ध इण्टरमिडिएट कालेज कुशीनगर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। संगोष्ठी में संग्रहालयों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी में बुद्ध इण्टरमिडिएट कालेज के एन0सी0सी0 के लगभग 55 छात्र/छत्राओं के द्वारा प्रतिभागिता की गयी।

ख- संग्रहालय भ्रमण-संग्रहालय द्वारा दिनांक 18 मई, 2022 को अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर बुद्ध इण्टर कालेज कुशीनगर के एन0सी0सी0 के लगभग 55 छात्र/छात्राओं को संग्रहालय की वीथिकाओ का भ्रमण कराया गया तथा विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे मे जानकारी प्रदान की गयी ।

6- अर्न्तराष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अर्न्तगत पब्लिक स्कूल के छात्र/छत्राओं द्वारा संग्रहालय का भ्रमण-संग्रहालय द्वारा दिनांक 20 मई, 2022 को पब्लिक स्कूल कुशीनगर के लगभग 150 छात्र/छात्राओं को संग्रहालय का भ्रमण कराया गया तथा उन्हे भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी एवं विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे मे जानकारी प्रदान की गयी।

7- आजादी का अमृत महोत्सव के अर्न्तगत अमर शहीद विरसा मुण्डा के शहीद दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 09 जून, 2022 को अमर शहीद विरसा मुण्डा के शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज शास्त्र विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर, के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में वीर अमर शहीदों के देशप्रेम, धैर्य और बलिदान की झलक दिखाने का प्रयास किया गया। उक्त प्रदर्शनी 15 जुलाई, 2022 तक जन सामान्य के अवलोकनार्थ हेतु प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रहेगी। प्रदर्शनी का लगभग 6400 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

8- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद मंगल पांडेय की जयंती के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी-संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 19 जुलाई, 2022 को अमर शहीद मंगल पाडेय की जयंती के अवसर पर 1857 की क्रांति पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदर्शनी का शुभारम्भ असिस्टेंट प्रोफेसर बी0एड0 विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में वीर अमर शहीदों के देश प्रेम धैर्य एवं बलिदान की झलक

दिखाने का प्रयास किया गया है। उक्त प्रदर्शनी 22 जुलाई, 2022 तक जन सामान्य के अवलोकनार्थ हेतु प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रहेगी। प्रदर्शनी का लगभग 500 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

9- आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर "हर घर तिरंगा "विषयक चित्रकला प्रतियोगिता-संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 23 जुलाई, 2022 को अमर चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर "हर घर तिरंगा "विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन स्व0 फूलमती देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र/छात्राओं के मध्य किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 06 से कक्षा 10 तक के कुल 75 छात्र/छात्राओं के द्वारा प्रतिभागिता की गयी। प्रतियोगिता में चयनित छात्र/छात्राओं को मुख्य अतिथि असिस्टेंट प्रोफेसर, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

10- आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत ब्याख्यान एवं तिरंगा वितरण- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 05 अगस्त, 2022 को ओम प्रकाश राव इण्टरमिडिएट कालेज, रामपुरगढ, देवरिया के लगभग 250 छात्र/छात्राओों को संग्रहालय के महत्व, इतिहास कला एवं संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान की गयी, साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के क्रमिक विकास एवं महत्व पर प्रकाश डालतें हुए दिनांक 13 से 15 अगस्त, 2022 तक हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गाया एवं छात्र/छात्राओं को तिरंगा वितरण किया गया।

11- आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत संग्रहालय भ्रमण एवं तिरंगा वितरण- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 06 अगस्त, 2022 को बसन्ता देवी मेमोरियल संस्थान, देवरिया के 190 छात्र/छात्राओों को संग्रहालय के विथिकाओं का भ्रमण कराया गया एवं विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के क्रमिक विकास एवं महत्व पर प्रकाश डालतें हुए दिनांक 13 से 15 अगस्त, 2022 तक हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया तथा छात्र/ छत्राओं को ब्रोसर एवं तिरंगा प्रदान किया गया।

12- आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत संगोष्ठी - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त, 2022 को ओम प्रकाश राव इण्टरमिडिएट कालेज, रामपुरगढ, देवरिया में स्वधीनता संग्राम में अगस्त क्रांति की भूमिका विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रवक्ता, ओम प्रकाश राव इण्टरमिडिएट कालेज, रामपुरगढ, देवरिया की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मुख्य वक्ता द्वारा स्वतंत्रता संग्राम पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्धक ओम प्रकाश राव इण्टरमिडिएट कालेज, रामपुरगढ, देवरिया ने किया। संगोष्ठी में लगभग 200 छात्र/छात्राओं द्वारा सहभागिता की गयी।

13- आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत संग्रहालय भ्रमण एवं तिरंगा यात्रा- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 13 अगस्त 2022 को लिन्ह-सन बुद्धिष्ट इण्टरमिडिएट कालेज, कुशीनगर के लगभग 600 छात्र/छात्राओं को संग्रहालय की विथिकाओं का भ्रमण कराया गया तथा विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी एवं तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

14- आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत संग्रहालय भ्रमण एवं तिरंगा वितरण - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 14 अगस्त, 2022 को लालती देवी जूनियर हाई स्कूल कप्तानगंज, कुशीनगर, के लगभग 66 छात्र/छात्राओों को संग्रहालय के विथिकाओं का भ्रमण कराया गया एवं विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के क्रमिक विकास एवं महत्व पर प्रकाश डालतें हुए दिनांक 13 से 15 अगस्त, 2022 तक हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गाया तथा छात्र/छत्राओं को तिरंगा वितरण किया गया।

15- आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अर्न्तगत "विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस एवं स्वतंत्रता संग्राम की पूर्व संध्या पर छायाचित्र प्रदर्शनी - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 14 अगस्त, 2022 को "विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस" की पुर्व सन्ध्या पर स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ ले0 एन0सी0सी0 ने किया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों, विद्वतजन एवं जनसामान्य को वीर अमर शहीदों के देशप्रेम, धैर्य, एवं बलिदान की झलक दिखने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के द्वारा सेल्फी विद तिरंगा के साथ फोटो भी लिया गया। प्रदर्शनी दिनांक 31 अगस्त, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रही। प्रदर्शनी का लगभग 3250 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

16- ध्वजारोहण एवं संग्रहालय भ्रमण-आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिनांक 15 अगस्त, 2022 को ध्वजारोहण किया गया एवं सरमाउण्ट एकेडमी कुशीनगर के 45 छात्र/छात्राओं को संग्रहालय की विथिकाओं का भ्रमण कराया गया तथा विथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

17- आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अर्न्तगत चित्रकला प्रतियोगिता - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 17 अगस्त, 2022 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन बुद्ध समाज कल्याण पूर्व माध्यमिक विद्यालय अनिरुद्धवा के छात्र/छत्राओं के मध्य किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 06 से कक्षा 08 तक के कुल 75 छात्र/छात्राओं के द्वारा सहभगिता की गयी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एव हर घर तिरंगा विषय पर चित्रांकन किया गया। प्रतियोगिता में चयनित छात्र/छात्राओं को मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

18- भारत रत्न पं0 गोविन्द वल्लभ पंत पर आधारित मोनोग्राफ का प्रदर्शन-संग्रहालय द्वारा दिनांक 10 सितम्बर, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत रत्न पं0 गोविन्द वल्लभ पंत के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन व योगदान पर आधारित मोनोगा्रफ का प्रकाशन विभिन्न सोशल मिडीया प्लेटफार्मों के माध्यम के द्वारा किया गया।

19- आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत दिनांक 19 सितम्बर, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एसोसिएट प्रोफेसर, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व को छयाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 24 सितम्बर, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रही। प्रदर्शनी का लगभग 466 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

20- आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं परिचर्चा - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत दिनांक 25 सितम्बर, 2022 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर उनके ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय पुर्व सदस्य विधानसभा कुशीनगर, द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रारम्भिक जीवन से लेकर जीवन के अन्तिम समय तक के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व को छयाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 27 सितम्बर, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रही। प्रदर्शनी का लगभग 409 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

21- आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति विशेष अभियान के अर्न्तगत संग्रहालयों में संग्रहीत मातृशक्ति प्रतिमाओं पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति विशेष अभियान के अन्तर्गत दिनांक 28 सितम्बर, 2022 को संग्रहालयों में संग्रहीत मातृशक्ति प्रतिमाओं पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विविध संग्रहालयो में संग्रहीत मातृशक्ति प्रतिमाओं को छयाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 30 सितम्बर, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रही। प्रदर्शनी का लगभग 288 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

22- आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत गांधी जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2022 को महात्मा गांधी जी के जयंती के पुर्व संध्या पर गांधी जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ माननीय उपाध्यक्ष/राज्य मंत्री युवा कल्याण परिषद, उ0प्र0 के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में गांधी जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रहेगी। प्रदर्शनी का लगभग 5029 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

23- मेरा शहर मेरा इतिहास एक कार्यक्रम के अर्न्तगत- राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर के द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को "मेरा शहर मेरा इतिहास" एक कार्यक्रम के अर्न्तगत संग्रहालय भ्रमण पर आये छात्र/छात्राओं को संग्रहालय के महत्व, भारतीय इतिहास कला एवं संस्कृति तथा वीथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी और कुशीनगर के एतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अनतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गोरखपुर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 500 छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों कों संग्रहालयाध्यक्ष के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। बच्चों ने अपनी विरासत और धरोहर के विशेष में संग्रहालय की सहायता से जानकारी प्राप्त की।

24- भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर सरदार पटेल एकीकरण के शिल्पी विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी - संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती व राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर "सरदार पटेल एकीकरण के शिल्पी" विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय सदस्य, विधान सभा, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में सरदार पटेल जी के ब्यक्तित्व एवं कृतित्व को छयाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के द्वारा राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता बनाये रखने के लिये शपथ ग्रहण कराया गया। प्रदर्शनी दिनांक 18 नवम्बर, 2022 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रहेगी। प्रदर्शनी का लगभग 6031 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

25- स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी- संग्रहालय द्वारा दिनांक 19 नवम्बर, 2022 से विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षण संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर, उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में भारत एवं विश्व के प्रमुख स्मारकों को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का लगभग 5871 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया।

26- संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी एवं छयाचित्र प्रदर्शनी-आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को "संविधान की उद्देशिका के आलोक में नागरिक अधिकार एवं कर्तब्य" विषयक संगोष्ठी एवं छयाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र कुशीनगर, राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर, एव राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान मे किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पुर्व विधायक कुशीनगर के द्वारा मां सरस्वती एवं डा0 भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रोताओं को संविधान की उद्देश्यिका याद दिलाते हुए सभी को संविधान के प्रति प्रेम एवं निष्ठा की शपथ दिलायी गयी। प्रदर्शनी का लगभग 599 दर्शको द्वारा अवलोकन किया गया।

27- भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के जयंती के अवसर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन एवं परिचर्चा-आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 25 दिसम्बर, 2022 को भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी जी के जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर उनके ब्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में परिचर्चा किया गया। विभिन्न स्कूलों के छात्र/छात्राओं को उनके ब्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे मे जानकारी प्रदान की गयी।

28- बौद्ध कला पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी-संग्रहालय की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अन्तर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 2023 से बौद्ध कला पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी मे बौद्ध कला के विविध आयामों यथा स्थापत्य, मुर्तिकला व चित्रकला आदि को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया

गया। प्रदर्शनी का लगभग 1716 दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी दिनांक 31 जनवरी 2023 तक जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रत्येक कार्य दिवसों में जारी रहेगी।

29- आजादी का अमृत महोत्सव के अर्न्तगत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता- संग्रहालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव अन्तर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 23 जनवरी, 2023 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन बुद्ध इण्टर कालेज (अंग्रेजी माध्यम) कुशीनगर के छात्र/छत्राओं के मध्य किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 07 से कक्षा 09 तक के कुल 75 छात्र/छात्राओं के द्वारा सहभगिता की गयी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर सुन्दर चित्रांकन किया गया। प्रतियोगिता मे पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप बुद्ध इण्टर कालेज कुशीनगर के प्रधानाचार्य की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रतियोगिता में चयनित छात्र/छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

(ख)- दर्शकों/पर्यटकों की संख्या- 01 अप्रैल, 2022 से 28 जनवरी, 2023 तक निम्नलिखित विवरणानुसार दर्शकों द्वारा संग्रहालय का भ्रमण किया गया -

(1) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले विद्यालय/महाविद्यालयों की कुल संख्या- 394

(2) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले छात्रों की संख्या- 30251

(3) शैक्षिक भ्रमण सहित कुल भारतीय दर्शकों/पर्यटकों की संख्या- 69057

(4) विदेशी पर्यटकों की संख्या- 220

(ग)- राजस्व प्राप्तियॉं- 01 अप्रैल,2022 से 29 जनवरी, 2023 तक प्रवेश टिकट, कैमरा शुल्क तथा सभागार किराया से रू0 131652.00 मात्र की राजस्व प्राप्तियॉं हुईं।

3- वित्तीय वर्ष 2023-24 की कार्ययोजना-

वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु प्रस्तावित सांस्कृतिक कैलेण्डर

क्र0स0	तिथि/माह	कार्यक्रम का विवरण
1	13 अप्रैल, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत रत्न डा0 बी0आर0 अम्बेडकर की जयंती के पुर्व संध्या पर उनके जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
2	01 मई, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद बाबू बन्धु सिंह के जीवन पर आधारित मोनोग्राफ का प्रकाशन
3	04 मई से 31 मई, 2023 तक	बुद्ध पूर्णिमा के पुर्व संध्या पर भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
4	07 मई, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के जीवन पर आधारित मोनोग्राफ का प्रकाशन
5	18 मई, 2023	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर 'वर्तमान परिवेश में संग्रहालयों का महत्व विषयक संगोष्ठी/छायाचित्र प्रदर्शनी
6	10 जून से 30 जून 2023 तक	सिक्कों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी "सिक्कों की कहानी छायाचित्रों की जुबानी"
7	19 से 31 जुलाई, 2023	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद मंगल पाण्डेय की जयंती के अवसर पर 1857 की क्रान्ति पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं माल्यार्पण
8	23 जुलाई, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर

		चित्रकला प्रतियोगिता
9	14 से 31 अगस्त, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस" तथा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर छायाचित्र प्रदर्शनी
10	10 सितम्बर, 2023	आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पंडित गोविन्द वल्लभ पंत के जयंती पर उनके जीवन पर आधारित मोनोग्राफ का प्रकाशन
11	24 से 30 सितम्बर, 2023	पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जयंती के पुर्व संध्या पर उनके ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
12	01 से 14 अक्टूबर, 2023	गांधी जयंती के पूर्व संध्या पर गांधी जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
13	15 से 31 अक्टूबर, 2023	संग्रहालय में संग्रहीत मातृशक्ति प्रतिमाओं पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
14	31 अक्टूबर, से 18 नवम्बर, 2023	भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर उनके ब्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
15	19 से 25 नवम्बर, 2023	स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी
16	08 से 31 जनवरी, 2024	बौद्ध कला पर छायाचित्र प्रदर्शनी
17	19 फरवरी, 2024	आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता

नोट- उल्लिखित कार्यक्रमों के अतिरिक्त समय-समय पर अन्य कार्यक्रमों का आयोजन एवं कार्यक्रमों की तिथि में अपरिहार्य कारणों से यथा समय परिवर्तन किया जा सकता है।

ख- 1- संग्रहालय की कलाकृतियों का डिजिटाइजेशन- वित्तीय वर्ष 2023-24 में संग्रहालय में संग्रहीत समस्त कलाकृतियां /पुरावषेशों के डिजिटाइजेशन की योजना है।

2- संग्रहालय परिसर में स्थित आवासों की मरम्मत- संग्रहालय परिसर में स्थित आवास क्षतिग्रस्त हो गये हैं आगामी वित्तीय वर्ष में इनके मरम्मत की योजना है।

3- संग्रहालय की के विकास एंव उच्चीकरण- निकट भविष्य में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय सहायता के अंर्तगत संग्रहालय का विकास एंव उच्चीकरण किया जाना है।

4- बुद्ध थीम पार्क की स्थापना- संग्रहालय परिसर में बुद्ध थीम पार्क के निर्माण की योजना है। जिसके निर्माण की कार्यवाही पर्यटन विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रचलन में है।

5- सोलर पावर प्लांट की स्थापना-निकट भविष्य में संग्रहालय में सोलर पावर प्लांट के स्थापना की योजना है। इस हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है।

<u>लोक कला संग्रहालय, लखनऊ</u>

लोक कला हमे विरासत एवं परम्पराओं से प्राप्त होती है, जिनका मूल अति प्राचीन है। जन्म से लेकर मृत्यु तक यह हमारे जीवन में रची-बसी है और पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरित होती रहती है। किन्तु सामयिक परिवर्तन के कारण आधुनिकीकरण एवं औद्योगिकरण की ऑधी में हमारे प्रदेश की लोक कला परम्पराएं शनैः-शनैः विलुप्त होती जा रही है एवं इनका मूलस्वरूप अभी परिवर्तित हो रहा है। इसलिए इन प्राचीन लोक कला परम्पराओं के मूल स्वरूप का अष्क्षुण बनाये रखने एवं इनके विशेष दस्तावेजों को संकलित कर भविष्य के लिए सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा फरवरी 1989 में लोक कला संग्रहालय की

स्थापना कला परिसर कैसरबाग, लखनऊ में की गयी थी। वर्तमान में नवनिर्मित लोक कला संग्रहालय भवन, राज्य संग्रहालय परिसर, चिड़िया घर, बनारसी बाग, लखनऊ में स्थापित है।

लोक कलाओं के संकलन, संरक्षरण तथा प्रर्दशन की दिशा में कार्यरत लोक कला संग्रहालय प्रदेश की एकमात्र संग्रहालय है।

संकलन - सम्प्रति संग्रहालय में प्रदेश के विभिन्न अंचलों की उत्कृष्ट एवं दुर्लभ लोक कलाओं से सम्बन्धित कलाकृतियों का संग्रह है। इनमें लोकनृत्य, लोकवाद्य, लोक कला आलेखन, आभूषण, पोशाक, टेराकोटा, पारम्परिक मुखौटे, काष्ठ, लौह एवं प्रस्तर के खिलौने तथा इनसे सम्बन्धित कला नमूने संग्रहीत है। संग्रहालय में भूमि एवं भित्ति अलंकरण से सम्बन्धित लोक कला चित्रों की समय-समय पर प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। लोक कला संग्रहालय में चित्रों का विशाल संग्रह है जो संरक्षित संकलन के रूप में व्यवस्थित है। संग्रहालय में कला प्रदर्शनी का संग्रह प्रदर्श क्रय समिति के माध्यम से तथा स्थान-स्थान का भ्रमण और सर्वेक्षण कर किया जाता है।

प्रदर्शनः-(क) संग्रहालय में उपलब्ध कला प्रदर्शनी को प्रदेश के प्रमुख पॉच क्षेत्रों यथा-ब्रज, बुन्देलखण्ड, अवध, भोजपुर, रूहेलखण्ड में विभक्त किया गया है। इनके क्षेत्रवार प्रदर्शन हेतु अलग-अलग वीथिकाओं का निर्माण कराकर उनमें कलाकृतियों को अत्यन्त आकर्षक, सुरूचिपूण एवं आधुनिक तकनीक में प्रदर्शित किया जा रहा है।

(ख) लोक नृत्यों के डायरोमा, विवाह मण्डप, जनेऊ संस्कार के डायरमा, पोशाक, लोकवाद्य, मुखौटे, खिलौने तथा क्षेत्र विशेष की रहन-सहन की शैली को दर्शाते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की पारम्परिक नृत्य एवं लोक जीवन से सम्बन्धित आकर्षक डायरोमा तैयार करवाकर प्रदर्शन किया गया है।

भूमि एवं भित्ति अलंकरणः- प्रदेश में भूमि एवं भित्ति अंलकरण की परम्पराएं बहुत समृद्ध तथा विविध प्रकार की विद्यमान है। आलेखन शुभ कार्यो एवं पूजा अनुष्ठान के अवसर पर हाथ की अंगुलियों द्वारा मॉगलिक प्रतीक और सुख समृद्वि महती भावना से बनाये जाते है। संग्रहालय में आलेखन और चित्रों का अद्वितीय संग्रह है।

टेराकोटा मिट्टी की मूर्तियॉः- टेराकोटा एक परम्परागत हस्तशिल्प है साधारण तौर पर टेराकोटा के अर्न्तगत देवी-देवताओं की मूर्तियॉ ,घोड़ा, हाथी और खिलौने बनाये जाते है। संग्रहालय में टेराकोटा का विशाल संग्रह है।

आभूषणः- प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के पहनावे रहन-सहन में विविधता पायी जाती है। इसके अर्न्तगत अलग-अलग क्षेत्रों के विविध प्रकार के प्राचीन तथा दुर्लभ लोक कलात्मक आभूषण संग्रहालय में संग्रहीत है।

हस्त-शिल्पः- अवध के ग्रामीण अंचलों में मूॅज तथा बेंत के हस्तशिल्प अत्यन्त लोकप्रिय है। बॉस-मूॅज के बेंत से बने डलिया, टोकरी, चटाई, फूलदान, पंखे, सूप आदि आज भी कलात्मक सामग्रियॉ दैनिक जीवन में देखने को मिलती है। जिनके उत्कृष्ट नमूने संग्रहालय में प्रदर्शित है।

डायरोमाः- लोकनृत्य एवं जीवन शैली तथा लोक प्रथाओं से सम्बन्धित बड़े-बड़े डायरोमा का निर्माण किया गया है।

पुस्तकालयः- लोक कला संग्रहालय में लोक कला संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकालय भी है। जिसमें लोकनृत्य, लोक संगीत, प्राचीन इतिहास, लोक कला एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकें उपलब्ध है।

शैक्षणिक कार्यक्रमः- लोक कला संग्रहालय लखनऊ द्वारा समय-समय पर शैक्षिक कार्यक्रम भी कराए जाते है।

पर्यटक सुविधायें- संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों को यहॉ प्रदर्शित कलाकृतियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के जन-जीवन, रहन-सहन, स्थानीय, तीज त्यौहारों , नृत्यों एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी जाती है। इच्छुक दर्शकों को फोल्डर उपलब्ध कराएं जाते है। संग्रहालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था है। विभिन्न तलों पर जाने के लिए तथा विकलॉग दर्शकों के सुविधा के लिए लिफ्ट लगवाई गयी है एवं रैम्प की भी सुविधा उपलब्ध है।

लोक कला संग्रहालय लखनऊ में निम्नलिखित पद उक्त कार्यो के संचालन हेतु सृजित हैः-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतन/वेतनमान	सादृश्य ग्रेडवेतन	पदों की संख्या
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	1
2.	वीथिका सहा0 वरिष्ठ लिपिक	5200-20200	2400	2
3.	चौकीदार कम सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	3
4.	चपरासी कम माली	5200-20200	1800	1

5.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	1

वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्पादित कार्यो का विस्तृत विवरण

1. 14.04,2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में दीपांजली एवं पुष्पाजंलि का कार्यक्रम
2. 18.04.2022 को संग्रहालय के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत विश्व धरोहर दिवस के अवसर परधरोहरो के प्रति जागरूकता अभियान लोक कला संग्रहालय, लखनऊ द्वारा दिनांक 18 अप्रैल 2022 को विश्व धरोहरदिवस के अवसर पर धरोहरों के प्रति जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाउक्त कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलध् कालेज के बच्चों द्वारा अपने अध्यापक, अध्यापिकाओं के साथ प्रतिभाग किया गया।
3. अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 16 मई 2022 से दिनांक 20 मई 2022 के अंतर्गत लोक कला संग्रहालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दिनांक 17 मई 2022 से 20 मई 2022 तक दर्शकों के निशुल्क भ्रमण का कार्यक्रम एवं छात्र छात्राओं को लोक कला संस्कृति के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न स्कूल एवं कालेजों के छात्र छात्राओं को संग्रहालय के द्वारा लोक कला संस्कृति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया । इसके अलावा दिनांक 18 मई 2022 को विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर लोक कला के विस्तृत और बिखरे स्वरूपों में भूमि एवं भित्ति आलेखन पर ऑनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
4. 05.06.2022 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण का कार्यक्रम लोक कला संग्रहालय लखनऊ द्वारा दिनांक 05 जून,2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संग्रहालय के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया।
5. 18.06.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रानी लक्ष्मीबाई जी की बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में दीपाजंलि एवं पुष्पाजंलि का कार्यक्रम।
6. 19.07.2022 आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमर शहीद मंगल पान्डेय जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में दीपाजंलि एवं पुष्पाजंलि कार्यक्रम, तथा अल्पना/रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
7. 26.07.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
8. स्वतंत्रता सप्ताह एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा वितरण कार्यक्रम ।
9. आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत स्वतंत्रता सप्ताह दिनांक 07 अगस्त 2022 को संग्रहालय द्वारा श्री राम औद्योगिक अनाथालय लखनऊ के बच्चों को संग्रहालय के कला इतिहास के बारे मे जानकारी दी गयी साथ ही तिरंगा वितरण का कार्यक्रम किया गया।
10. आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 10 अगस्त 2022 को लोक कला संग्रहालय में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के छात्र . छात्राओं को वीथिकाओं का भ्रमण कराया गया एवं संग्रहालय के कलाए इतिहास एवं संस्कृति के विभिन्न पक्षों की जानकारी दी गयी साथ ही हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त 2022 तक राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।
11. आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत भारती बालिका विद्यालय लखनऊ के छात्र-छात्राओं को तिरंगा बैच वितरण करके तिरंगा के क्रमिक विकास एवं महत्व तथा हर घर तिरंगा अभियान के विषय में जागरूक किया गया ।
12. आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गतसंग्रहालय द्वारा दिनांक 11 अगस्त 2022 को संग्रहालय एवं भारती सरस्वती कन्या इण्टर कालेज, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में प्रभात फेरी का कार्यक्रम किया गया तथ तिरंगा के क्रमिक विकास एवं महत्व एवं हर घर तिरंगा अभियान के विषय में जागरूक किया गया ।
13. दिनांक 12 अगस्त 2022 को लोक कला संग्रहालय लखनऊ द्वारा आम जनमानस को तिरंगा के क्रमिक विकास एवं महत्व तथा हर घर तिरंगा अभियान के विषय में जागरूक किया गया ।

14. स्वतंत्रता सप्ताह एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 13 अगस्त, 2022 को संग्रहालय, लखनऊ तथा करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स कॉलेज निशातगंज के संयुक्त तत्वाधान में छात्र.छात्राओं द्वारा हर घर तिरंगा के प्रचार-प्रसार हेतु रैली एवं नुक्कड़ नाटक का कार्यक्रम किया गया।
15. आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गतदिनांक 13 अगस्त, 2022 को संग्रहालय द्वारा करामत पब्लिक इंग्लिश स्कूल, निशातगंज में छात्र.छात्राओं के द्वारा हर घर तिरंगा के प्रचार.प्रसार हेतु फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
16. स्वतंत्रता सप्ताह एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 13 अगस्त, 2022 को संग्रहालय द्वारा हर घर तिरंगा के प्रचार-प्रसार हेतु बच्चों को संग्रहालय द्वारा सेल्फी विद् तिरंगा के लिए प्रेरित किया गया।
17. 17-आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर दिनांक 14 अगस्त, 2022 को संग्रहालय द्वारा यूनिवर्सल गर्ल्स इंटर कॉलेज लखनऊ में विभाजन विभीषिका विषय पर व्याख्यान एवं छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
18. स्वतंत्रता सप्ताह एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15 अगस्त, 2022 को संग्रहालय एवं विद्या मंदिर हाई स्कूल लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में छात्र. छात्राओं द्वारा तिरंगा कार्यक्रम किया गया।
19. स्वतंत्रता सप्ताह आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 16 अगस्त, 2022 को लोक कला संग्रहालय, लखनऊ द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
20. स्वतंत्रता सप्ताह आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 17 अगस्त, 2022 को लोक कला संग्रहालय लखनऊ द्वारा क्राफ्ट प्रतियोगिता एवं वर्कशॉप का आयोजन किया गया।
21. संग्रहालय द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2022 की श्रृंखला में दिनांक 17 सितंबर2022 को आदरणीय प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया
22. 22- 25.09.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत कैनवास पेण्टिंग्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
23. 02.10.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता एवं बाल प्ले का तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी के जयंती के शुभ अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का कार्यक्रम किया गया।
24. 31.10.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दीपाजंलि एवं पुष्पाजंलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
25. 25 19.11.2022 को वीरागंना रानी लक्ष्मीबाई जी के जयंती के शुभ अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का कार्यक्रम।

राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ

वर्ष 1995 में उ0प्र0 शासन द्वारा संग्रहालय निर्माण का निर्णय लिया गया, तत्क्रम में वर्ष 1997 में टास्कफोर्स द्वारा की गई संस्तुतियों के अनुरूप उ0 प्र0 शासन के अधीन उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा संचालित राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ की स्थापना हुई। जिसका औपचारिक लोकार्पण 10 मई, 2007 को हुआ।

क्षेत्रीय / विषयगत महत्व

जनपद मेरठ 280 47' तथा 290 18' अक्षांश उत्तरी एवं 770 7' तथा 780 7' देशान्तर पूर्वी रेखाओं के मध्य स्थित है। प्राचीन काल में मेरठ ऊपरी गंगा यमुना के दोआब क्षेत्र में कुरू प्रदेश के अन्तर्गत आता था। वर्तमान में जनपद मेरठ उत्तर प्रदेश के पश्चिमी छोर पर गंगा-हिण्डन नदियों के दोआब क्षेत्र में स्थित है। इसके उत्तर में जनपद मुजफ्फरनगर दक्षिण में गाजियाबाद पश्चिम में बागपत तथा पूर्व में बिजनौर व ज्योतिबाफुले नगर जनपद की सीमाओं से घिरा हुआ है। मेरठ देश की राजधानी दिल्ली से 65 किमी0 उत्तर-पूर्व तथा प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 461 किमी0 उत्तर पश्चिम में स्थित है, यहाँ रेल तथा बस द्वारा आसानी से

पहुँचा जा सकता है तथा यह उत्तर रेलवे के दिल्ली-मेरठ-सहारनपुर रेलवे मार्ग एवं उत्तर-पुर्वी रेलवे के लखनऊ-मुरादाबाद-मेरठ-सहारनपुर मुख्य रेलवे मार्गों के किनारे स्थित है ।

मेरठ का शुद्ध नाम मयराष्ट्र है। इस विषय में दो जनश्रुतियाँ प्रचलित हैं। पहली जनश्रुति के अनुसार मंदोदरी के पिता और रावण के श्वसुर मय नामक दानव ने इस नगरी को बसाया था। इसी कारण मेरठ को मयदन्त का खेड़ा कहा जाता है। मय का उल्लेख वाल्मिकी रामायण में आया है। दूसरी जनश्रुति के अनुसार महाभारत नामक महाकाव्य में वर्णित खाण्डवदाह के समय अर्जुन द्वारा अपनी रक्षा के प्रत्युपकार में दानवों के शिल्पी त्रिपुर रचयिता विश्वकर्मा मय ने कृतज्ञतावश श्रीकृष्ण के आदेश पर युधिष्ठर के लिए एक अद्वितीय सभागृह का निर्माण किया था। युधिष्ठर ने मय के शिल्प कौशल से प्रसन्न होकर दान में कुछ भूमि दी थी। कहा जाता है कि इसी भूमि पर मय ने मयराष्ट्र नामक नगर का निर्माण किया था ।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ का विशिष्ट स्थान है, जहाँ से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी फूटी। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाओं एवं संस्मरणों, जीवन गाथाओं को संरक्षित करना, भावी पीढ़ी को नवीन दिशा प्रदान करना तथा राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट संग्रहालय के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाएं कैसी थीं और किस तरह से लड़ी गयीं इसका उल्लेख लिखित रूप से तो किताबों एवं अभिलेखों में मिलता है लेकिन दृश्य रूपों में इसका अभाव है, खासकर 10 मई 1857 को मेरठ में घटित घटनाएं जो आम जनसामान्य की पहुँच से दूर रही हैं । इन तथ्यों को संग्रहालय में दिखाने का अनूठा प्रयास ंिकया गया है।

वीथिकाएं

संग्रहालय में पाँच वीथिकाएं प्रदर्शित की गई है-प्रथम वीथिका (स्वाभिमान) इसमें पोलिविनायल सीट पर पेटिंग एवं अभिलेख डायोरामा एवं शोकेस के माध्यम से 10 मई, 1857 की घटनाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो मेरठ छावनी के मानचित्र के साथ क्रन्ति के प्रतीक कमल एवं चपाती, साधु का कालीपल्टन मंदिर में आना, 23 अप्रैल 1857 को क्रन्तिकारी सिपाहियों का शपथ लेना, 24 अप्रैल 1857 को सिपाहियों का कारतूस प्रयोग करने से इंकार, 25 अप्रैल से 08 मई 1857 के मध्य हुई घटनायें, मेरठ का पुलिस विद्रोह, क्रान्तिकारियो द्वारा नई एवं पुरानी जेल को तोड़ना, दिल्ली पहुँच कर लाल किले पर कब्जा किया जाना आदि घटनाओं को प्रमुखता से दिखया गया है।

द्वितीय वीथिका-(स्वराज) पश्चिम उत्तर प्रदेश की ग्रामीण क्रान्ति, पांचली, घाट और नंगला गांव पर हमला, हिण्डन की लड़ाई, बागपत में नांवो के पुल का तोड़ा जाना, बसौद एवं अकलपुरा की लड़ाई थानाभवन एवं नकुड़ तहसील की घटनाए, वलीदत खां की सम्पत्ति जब्त करने का आदेश, आगरा अलीगढ़ फर्रूखाबाद एवं बुलन्दशहर की घटनाओं को अभिलेखो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

तृतीय वीथिका -(संघर्ष) शाहजहानाबाद (दिल्ली) के लाल किले मेे क्रान्तिकारियों का प्रवेश एवं ब्रिटिश सेना के साथ संघर्ष, दिल्ली पर अन्तिम हमला कश्मीरी गेट, सब्जी मण्डी, बहादुर शाह जफर की गिरफ्तारी और शहज़ादो की हत्या आदि के ऐतिहासिक चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शित है। कानपुर के नाना साहब का संग्राम की वागडोर सम्भालने, नाना साहब को पकड़ने जाने का इश्तिहार, सती चैरा घाट कानपुर एवं विठूर की लड़ाई को दिखाया गया है। अजीमुल्ला खान के साथ ही नृत्यंगना अदला और अजीजन बाई से सम्बन्धित अभिलेखो को प्रदर्शित किया गया है। लखनऊ के चिनहट का युद्व, बेगम हजरत महल का रणक्षेत्र में नेतृत्व, अवध में स्वतंत्र सरकार का गठन, सिकन्दर बाग के युद्व में महिलाओ की शहादत और रेसिडेंसी लखनऊ की घटनाओं को विशेष रुप से दिखया गया है।

चतुर्थ विथिका - (संग्राम) तत्या टोपे की सेना, क्रान्तिकारी फिरोजशाह के बुन्देलखण्ड पहुँच कर तात्या टोपे के साथ सम्मिलित होने का टेलीग्राम से भेजी गयी सूचना, रूहेलखण्ड में रोहिल्ला के गा़जी की शाहजहांपुर में अन्तिम लड़ाई, बरेली से अंग्रेजो का पलायन, मौलबी अहमदुल्लाह शाह की मृत्यु से सम्बन्धित टेलीग्राम। झांसी एवं ग्वालियर की क्रान्ति एवं झांसी की रानी के विषय में विष्णु भट्ट द्वारा लिखित विवरण एवं झांसी की रानी की शहादत एवं शहादत सम्बन्धित टेलीग्राम आदि को प्रदर्शित किया गया है। वीथिका में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की घटनाओं को प्रमुखता से दिखाया गया है।

पंचम वीथिका - (संकल्प) पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में निःशस्त्र करने के लिये प्रशासनिक कदम, मंगल पाण्डे की सजा के साथ ही बिहार की सन 1857 की प्रमुख घटनायें, हरियाणा के राव तुलाराम, लाला हुकुम चंद जैन एवं राजा नाहर सिंह के साथ ही नारनौल

की लड़ाई को प्रदर्शित किया गया है। राजस्थान की घटनाओ में 1857 के संग्राम में ठाकुर कुशाल सिंह द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरूद्ध उपयोग में लायी गयी तोपगाड़ी, सन 1857 की क्रान्ति में छत्तीसगढ़ की प्रमुख घटना, रायपुर का बिद्रोह एवं बीर नारायण सिंह के साथ ही मध्यप्रदेश की प्रमुख घटनाओ में रानी अवन्तिबाई, बीर भीमानायक महारानी लड़ई दुलैया (टीकमगंढ़) को लिखा गया पत्र आदि को इस वीथिका में प्रदर्शित किया गया है।

संग्रहालय का सुदृढीकरण एवं विकास: वित्तीय वर्ष 2021-22 में संग्रहालय की सभी पाँच वीथिकाओ का अद्यतन तकनीक से युक्त उच्चीकरण कार्य कराते हुए विकास एवं सुदृढ़ीकरण कराया गया है और इसका लोकापर्ण कराया गया है। इस संग्रहालय के उच्चीकृत कार्य को यथा स्थित बनाये रखने के लिए मानव संसाधन एवं पर्याप्त बजट की आवश्यकता है जिससे कि इसको सुरक्षित रखते हुए उचित रख-रखाव, साफ-सफाई एवं आगन्तुक दर्शको को रोचकपुर्ण तथ्यपरख जानकारी दिया जा सके। भविष्य में संग्रहालय का विस्तार किया जाता है तो इसके संचालन हेतु भी संसाधनों की आवश्यकता होगी जैसे कर्मचारियों की नियुक्ति, सुरक्षा व्यवस्था हेतु सिक्योरिटी गार्ड, पुस्तकालय मे लिए लाईब्रेरियन इस की पूर्ति हेतु कोर मनी का प्राविधान किया जाना आवश्यक होगा, जिससे इनकी पारिश्रमिक इत्यादि का भुगतान उपलब्ध कोर मनी की धनराशि से किया जा सके
संग्रहालय में निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है-

संग्रहालय में सृजित पदों के सापेक्ष भरे/रिक्त पदों का विवरण

क्र0स0	पदनाम	पदों की संख्या	भरे पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5
1	संग्रहालयाध्यक्ष	01	01	-
2	लेखाकार	01	-	01
3	वीथिका सहायक	01	&	01
4	वीथिका परिचर	02	01	01
	कुल योग	05	02	03

वित्तीय वर्ष 2022-23 में सम्पादित कार्यों का विवरण-

शैक्षिक गतिविधियाँ (क) वित्तीय वर्ष 2022-23 में सम्पादित कार्यक्रम (अप्रैल, 2022 से जनवरी 2023 तक)

क्रम संख्या	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण
1	05 अप्रैल 2022	मिशन शक्ति के अन्तर्गत आधुनिक भारत के निर्माण में नारी शक्ति का योगदान विषयक प्रश्नोत्तरी का आयोजन स्थानीय महाविद्यालयों के छात्राओ के मध्य किया संग्रहालय में आयोजित किया गया। विजेता प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।
2	08 अप्रैल 2022	वीर मंगल पाण्डे के शहादत दिवस पर मंगल पाण्डे की प्रतिमा, शहीद स्मारक एंव अमर जवान ज्योति पर प्रातः काल पुष्पांजलि एव सायं काल दीप प्रज्वलन किया गया।
3	12 अप्रैल 2022	यूनाइटेड किंगडम के हाई कमिश्नर एवं उनके सहयोगी (विशिष्ट अतिथि, भारत सरकार) के द्वारा संग्रहालय भ्रमण। इस अवसर पर संग्रहालय के बारे मे जानकारी दिया।
4	14 अप्रैल 2022	भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर डा0 अम्बेडकर के जीवन दृश्यों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया ।
5	10 मई 2022	क्रान्ति दिवस, मेरठ के अवसर पर श्री योगी आदित्यनाथ जी, मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 शासन द्वारा दिनांक 10 मई 2022 को मेरठ संग्रहालय का भ्रमण किया गया और संग्रहालय की प्रशंसा करते

		हुये दर्शक पुस्तिका में अपना उदगार व्यक्त करते हुये लिख है कि "क्रान्ति धरा मेरठ में क्रान्ति दिवस पर आकर भारत माता के अमर सपूतो को श्रद्वांजलि देकर गौरव की अनुभूति हुई। देश के प्रथम स्वतंत्रता समर के सभी अमर सपूतो को कोटि-कोटि नमन।" मा0 मुख्यमंत्री जी ने संग्रहालय आगमन को उ0प्र0 सरकार के यूटयूब चैनल पर देखा जा सकता है।
6	15 मई 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संग्रहालयाध्यक्ष द्वारा आकाशवाणी, रामपुर के साथ एक भेंट वार्ता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसका प्रसारण 18 मई 2022 को किया गया।
7	16 मई 2022	बुद्व पूर्णिमा एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्व संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर तथागत बुद्व का जीवन दृश्य बिषयक छायाचित्र प्रदर्शनी एवं हस्तिनापुर के उत्खनन की पुरावस्तुओं को प्रदर्शित करने का कार्यक्रम संग्रहालय परिसर में किया गया।
8	19 मई 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत संग्रहालयाध्यक्ष, द्वारा आकाशवाणी, रामपुर के साथ एक भेट वार्ता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसका प्रसारण 22 मई 2022 को किया गया।
9	03 जून 2022	अजादी के अमृत महोत्सव के अवसर स्वतंत्रता संग्राम पर अधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 सांसद, मेरठ एवं विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी, मेरठ थे।
10	21 जून 2022	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हस्तिनापुर में संग्रहालय द्वारा भारतीय कला में योग विषयक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मा0 मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि मा0, उच्च शिक्षा मंत्री उ0प्र0 सरकार रहे।
11	25 जून 2022	शतरंज ओलंम्पियाड के लिये टार्च रिले कार्यक्रम के अन्तर्गत लोक कलाकारो से कार्यक्रम स्थल पर मयूर एवं गुजरी नृत्य का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रेसीडेंट, आल इंडिया चेस फेडरेशन एवं विशिष्ट अतिथि मा0 राज्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार रहे।
12	03 जुलाई Z 2022	वन महोत्सव के अवसर पर मेरठ संग्रहालय एवं इनवायरमेन्ट क्लब मेरठ के संयुक्त तत्वावधन में शहीद स्मारक परिसर में वृक्षारोपड़ किया गया है।
13	19 जुलाई 2022	शहीद मंगल पाण्डे के जन्म दिवस पर पुष्पांजलि एवं सायंकाल दीपप्रज्चलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
14	22 जुलाईZ 2022	मा0 वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री का अजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि एवं संग्रहालय भ्रमण कार्यक्रम। इस अवसर पर संग्रहालय के बारे मे जानकारी दिया।
15	07 अगस्त 2022	अजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत काव्य गोष्ठि का आयोजन। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि भी उपस्थित रहे कार्यक्रम में तिरंगा वितरण भी किया गया।
16	09 अगस्त 2022	अजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय विद्यालयो के छात्र-छात्राओ को संग्रहालय की कलाकृतियो की जानकारी देते हुये अपने घरो पर तिरंगा फैलाने हेतु जागरुक किया गया एवं तिरंगा वितरण किया गया।
17	11 अगस्त 2022	अजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वतंत्रता समर विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया।

18	12 अगस्त 2022	अजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय विद्यालयांे के छात्र-छात्राओ को संग्रहालय की कलाकृतियो की जानकारी देते हुये अपने घरो पर तिरंगा फैलाने हेतु जागरुक किया गया।
19	14 अगस्त 2022	1- विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर लगभग 1 किमी0 तिरंगा एवं स्लोगन के साथ मौन रैली। 2- शहीद स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि। 3- विभाजन विभीषिका पर अधारित प्रदर्शनी का अवलोकन। कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मेरठ, मा0 राज्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार एवं विधायक गण आदि उपस्थित रहे।
20	15 अगस्त 2022	1- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांधी आश्रम से शहीद स्मारक तक रैली। 2- शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि एवं ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मेरठ, एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। 3- संग्रहालय भवन पर ध्वजारोहण एवं संग्रहालय की प्रदर्शनी एवं वीथिकाओ का अवलोकन। 4- सायं काल शहीद स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि।
21	02 अक्टूबर	महात्मा गाँधी के जन्म दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन। शहीद स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि।
22	20 नवम्बर 2022	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर प्राचीन भारत के स्मारक विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया।
23	21 नवम्बर 2022	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के एफ0एम0 रेडियो आजाद हिन्द रेडियो स्टेशन पर विश्व धरोहर सप्ताह विषयक वार्ता में प्रतिभाग किया जिसका प्रसारण 23 नवम्बर 2022 को किया गया।
24	22 नवम्बर 2022	मेरठ संग्रहालय एवं इनटेक चेपटर, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में क्रान्तिपथ पर स्थित स्थलांे का हेरिटेज वाक कराते हुये शहीद स्मारक एवं संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।
25	26 नवम्बर 2022	संविधान दिवस के अवसर पर ए0एन0एस0 कालेज मेरठ के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित कर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया साथ ही संग्रहालय भ्रमण भी कराया गया।
26	03 दिसम्बर 2022	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मेरठ संग्रहालय एवं चौ0 चरण सिंह विश्व विद्यालय के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में क्रान्ति पथ का हेरिटेज वाक एवं संग्रहालय परिसर में भारतीय नारी का देश के उत्थान में योगदान विषयक क्वीज का आयोजन किया गया।
27	23 दिसम्बर 2022	आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मेरठ संग्रहालय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में संग्रहालय परिसर में काव्य गोष्ठि का आयोजन किया गया।
28	18 दिसम्बर 2022	मेरठ संग्रहालय एवं इनटेक चेपटर, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में क्रान्तिपथ पर स्थित स्थलांे का हेरिटेज वाक कराते हुये शहीद स्मारक एवं संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।
29	12 जनवरी 2023	भारतीय कला में जीवनदायनी गंगा-यमुना का महात्म्य विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन

		संग्रहालय परिसर में अयोजित किया है।
30	22 जनवरी 2023	उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम पर अधारित चित्रकला प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया।
31	26 जनवरी 2023	गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा झण्डे का ध्वजारोहण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया।

(ख) वित्तीय वर्ष 2023-24 4 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रमो का विवरणए वार्षिक कैलेण्डर हेतु।

क्र.सं.	**माह**	**कार्यक्रम का विवरण**
1	10 मई] 2023	मेरठ क्रांति दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
2	18 मई 2023	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन।
3	09 से 17 अगस्त 2023 तक	स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
4	02 अक्टूबर 2023	महात्मा गाँधी के जन्म दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
5	19&25 नवम्बर 2023	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर प्राचीन भारत के स्मारक विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
6	24 से 26 जनवरी 2024	उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन।
7	08 मार्च 2024	अन्त्रराष्ट्रीय महिला दिवस पर संग्रहालय भ्रमण एवं अन्य विविध कार्यक्रम का आयोजन।

<u>डा0 भीमराव आम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर</u>

डा0 भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर का निर्माण वर्ष 1997 में प्रारम्भ किया गया तथा 30 नवम्बर 1999 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। इसके उपरान्त 12 अगस्त, 2000 को उ0प्र0 शासन के संस्कृति विभाग ने इसे अपने अधिकार में ले लिया और 21 अगस्त 2004 को इसका औपचारिक लोकार्पण किया गया।

जनपद रामपुर 280 48' उत्तरी अक्षांस एवं 790 05' पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। जनपद रामपुर प्राचीन काल से ही ऐतिहासिक महत्ता को बनाये हुए है। कथानकों के अनुसार रामपुर का नाम कटहेर के राजा रामसिंह (कटेहरिया राजपूत) के नाम पर लगभग 10वीं शदी ई0 में पड़ा। इस जनपद की स्थापना सन 1775 ई0 में फैजुल्लाह खान ने किया था। इसका प्रारम्भिक नाम फैजाबाद रखा गया। इसके बाद यह तथ्य सामने आया कि इस नाम से पहले ही अनेक शहरों के नाम रखे गये है तो इसके दूसरे नाम पर विचार किया जाने लगा और इसका नाम बदलकर मुस्तफाबाद इलियास रामपुर किया गया। कालान्तर में इसका नाम रामपुर पड़ गया ।

इस जनपद को 1 दिसम्बर 1949 को उ0 प्र0 राज्य में सम्मिलित करते हुए जिले का दर्जा दिया गया। इस क्षेत्र को मध्य-पूर्व रूहेलखण्ड के नाम से भी जाना जाता था। प्राचीन काल में इस क्षेत्र को पांचाल अथवा उत्तरी पांचाल के नाम से भी जाना जाता था। यह उत्तर में जनपद नैनीताल (उत्तराखण्ड), दक्षिण में जनपद बदायूँ, पश्चिम में जनपद मुरादाबाद तथा पूर्व में बरेली जनपद की सीमाओं से घिरा हुआ है। रामपुर देश की राजधानी दिल्ली से 196 किमी0 उत्तर-पूरब तथा प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 314 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित है, यहाँ रेल तथा बस द्वारा आसानी से पहुचा जा सकता है तथा यह उत्तर पूर्वी रेलवे के लखनऊ-रामपुर-मुरादाबाद-दिल्ली मुख्य रेलवे मार्गो के किनारे स्थित है। यहाँ से लगभग 100 किमी0 की दूरी पर प्राचीन नगर अहिच्छत्रा भी

अवस्थित है जिसका सम्बध महाभारत काल से जोड़ा जाता है। इसी जनपद में ऐतिहासिक दस्तावेजों को सहेजे रजा लाइब्रेरी भी स्थित है।

संग्रहालय में कुल दो वीथिकांए है- प्रथम वीथिका- में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन चरित्र को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जिसमें इनके जीवन काल की विभिन्न महत्वपुर्ण घटनाओं एवं सामाजिक उत्थान के लिये किये गये कार्यो को प्रमुखता के साथ दिखाया गया है **द्वितीय वीथिका** - में इस क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए पुरातात्विक वीथिका का प्रदर्शन किया गया हैं जिसमें उ0प्र0 के अनेक संग्रहालयों में संग्रहीत प्रस्तर मूर्तियों की अनुकृतियों को प्रदर्शित किया गया हैं। इन अनुकृतियों में विशेषकर बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है तथा कटरा बुद्ध, गान्धार कला के अन्तर्गत जातक कथाओं से अंकित पैनल तथा बोधिसत्व पद्मपाणि एवं बौद्ध देवी तारा की अनुकृतियाँ विशेष उल्लेखनीय है।

संग्रहालय मे एक संदर्भ ग्रन्थालय भी स्थापित है जिसमें डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित अनेक पुस्तकें उपलब्ध है। इसके साथ ही साथ भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकें भी संग्रहालय के पुस्तकालय में छात्र/छात्राओं एवं शोधार्थियों के अध्ययन हेतु उपलब्ध है। जिससे सम्पर्क कर अनेंक विद्वतजन तथा शोधार्थी लाभान्वित होते है।

संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण एवं विकासः इस संग्रहालय के विकास के लिए यह विशेष रूप से आवश्यक है कि इसमें संग्राहालयाध्यक्ष का पद सृजित कर वीथिकाओं का निर्माण किया जाय और इसके प्रदर्शन को अत्याधुनिक प्रणाली से समृद्ध करते हुए इसका विस्तार किया जाय।

संग्रहालय में निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है –

क्र0स0	पदनाम	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पदो की संख्या
1	2	3	4	5
1	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	1
2	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	1
3	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	2
			योग	4

संग्रहालय में सृजित पदों के सापेक्ष भरे/रिक्त पदों का विवरण –

क्र0स0	पदनाम	पदो की संख्या	भरे पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5
2	सहायक लेखाकार	01	01	&
3	वीथिका सहायक	01	&	01
4	वीथिका परिचर	02	01	01
	कुल योग	04	02	02

वित्तीय वर्ष 2022-23 में सम्पादित कार्यों का विवरण

(क) शैक्षिक गतिविधियाँ (अप्रैल, 2022 से जनवरी 2023 तक)

क्र0	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण
1	14 अप्रैल 2022	भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर डा0 अम्बेडकर के जीवन दृश्यों पर आधारित अस्थायी छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया।
2	18 अप्रैल 2022	विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्राचीन स्मारकों पर आधारित 10 दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी

		का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया।
3	15 मई 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रभारी अधिकारी, द्वारा आकाशवाणी, रामपुर के साथ एक भेट वार्ता कार्यक्रम आयोजित जिसका प्रसारण 18 मई 2022 को किया गया ।
4	18 मई 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन।
5	19 मई 2022	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अन्तर्गत प्रभारी, द्वारा आकाशवाणी, रामपुर के साथ एक भेट वार्ता कार्यक्रम आयोजित जिसका प्रसारण 22 मई 2022 को किया गया ।
6	02 अगस्त 2022	2 अगस्त 2022 को स्कूली छात्रो को संग्रहालय भ्रमण कराया गया एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम हेतु जागरुक किया गया।
7	11 अगस्त 2022	स्वतंत्रता संग्राम सप्ताह एवं हर धर तिरंगा कार्यक्रम के अवसर पर स्वतंत्रता समर विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन एवं छात्रों को संग्रहालय भ्रमण कराया गया।
8	12 अगस्त 2022	12 अगस्त 2022 को हर धर तिरंगा के अवसर पर झण्डा वितरण का आयोजन किया गया।
9	15 अगस्त 2022	स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा झण्डे का ध्वजारोहण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।
10	02 अक्टूबर 2022	गांधी जयन्ती के अवसर पर महात्मा गांधी जी व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
11	31 अक्टूबर 2022	भारत रत्न लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती के अवसर पर सरदार पटेल व्यक्तित्व एवं कृतिव विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन रामपुर संग्रहालय द्वारा आयोजित किया जा चुका है।
12	06 दिसम्बर 2022	डा0 भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
13	27 दिसम्बर 2022	गंगा-यमुना का महात्म्य विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संग्रहालय परिसर में अयोजित किया है।
14	24 जनवरी 2023	उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन संग्रहालय परिसर में आयोजित किया गया।
15	26 जनवरी 2023	गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा झण्डे का ध्वजारोहण एवं पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।

(ख)वित्तीय वर्ष-2023-24 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रमो का विवरण, वार्षिक कैलेण्डर हेतु

क्र0	**दिनांक**	**कार्यक्रम का विवरण**
1	14 अप्रैल] 2023	डा0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
2	18 मई] 2023	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन।
3	06 से 16 अगस्त 2023 तक	स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन ।

4	02 अक्टूबर 2023	गांधी जयन्ती के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
5	06 दिसम्बर, 2023	डा0 भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
6	24 से 27 जनवरी 2024	उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन।
7	08 मार्च 2024	अन्त्रराष्ट्रीय महिला दिवस पर संग्रहालय भ्रमण एवं अन्य विविध कार्यक्रम का आयोजन।

<u>कार्यालय- जनपदीय संग्रहालय सुलतानपुर</u>

सुलतानपुर जनपद के अनेक महत्वपूर्ण पुरास्थलों जैसे-शनिचरा, कूंड, भांटी, सोमनाभर, कालूपाठक का पुरवा, अहिरन पलिया, सोहगौली,महमूदपुर आदि स्थलों पर पुरा सांस्कृतिक सम्पदा बिखरी दिखाई देती है, यही नहीं इस जनपद के आस-पास के जनपदों मं भी धरती के गर्भ से बराबर अतीत की धरोहर निकलती रहती है । इसके विविध आयामों से संबंधित सामग्रियों और बिखरी पुरा-सांस्कृतिक सम्पदा को संकलित, सुरक्षित, प्रदर्शित, प्रलेखीकृत व प्रकाशन कर उन पर अनुसंधान करने कराने के उद्देश्य से वर्ष 1988-89 में इस संग्रहालय की स्थापना की गयी । आज यह संग्रहालय नगर पालिका के पीछे सुपर मार्केट सुलतानपुर के प्रथम तल पर प्रतिष्ठित है । इस संग्रहालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए निम्न पद सृजित किये गये हैं ।

क्र0सं0	**पद नाम**	**वेतनमान**	**ग्रेड वेतन**	**पदों की सं0**
1-	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	01
2-	लेखाकार	9300-34800	4200	01
3-	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	01
4-	वीथिका परिचर-कम-चैकीदार	5200-20200	1800	02
5-	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	01

वीथिकायें:- वर्तमान में संग्रहालय में दो वीथिकाएं जन-सामान्य के अवलोकनार्थ खुली है । एक वीथिका में प्रस्तर प्रतिमा एवं मृण मूर्तियां प्रदर्शित हैं । दूसरी वीथिका स्व0 रफी अहमद किदवई को समर्पित हैं । इस वीथिका में उनके जीवन से जुडी वस्तुओं को संजोया गया है । आलोच्य अवधि में बडी संख्या में लोगों ने संग्रहालय का भ्रमण किया ।

संग्रह- लगभग 2596 कलाकृतियां संग्रहालय में संग्रहीत है। जिसमें पाषाण, मृण, मूर्तियां, स्वर्ण सिक्के, रजत सिक्के, रजत पदक, ताम्र पदक, आभूषण एवं अन्य कलात्मक वस्तुएं है ।

पुस्तकालय- संग्रहालय के संदर्भ पुस्तकालय में कला संस्कृति एवं इतिहास की लगभग 779 (सात सौ उन्यासी) पुस्तकें संग्रहीत हैं । इन सन्दर्भित ग्रंथों/पुस्तकों को शोधार्थियों एवं छात्रों को उपलब्ध कराया जाता है।

राजस्व प्राप्तियाँ:- कोई नहीं

वित्तीय वर्ष 2022-23 में जनपदीय संग्रहालय सुलतानपुर द्वारा कराये गये कार्यक्रमों का विवरण

1- दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत डा0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर उनके अनमोल बचनों पर आधारित आनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

2- दिनांक 20.04.2022 से 22.04.2022 तक विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में पुरातात्विक ऐतिहासिक धरोहरों पर तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

3- अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर दिनांक 16.05.2022 से 20.05.2022 तक जनपद सुलतानपुर की धरोहरों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

4- दिनांक 18.05.2022 को अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर वर्तमान समाज में संग्रहालय की उपयोगिता विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5- दिनांक 16.06.2022 को भारतीय सिक्कों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

6- दिनांक 15.07.2022 को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

7- दिनांक 23.07.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के जन्मदिन के अवसर पर आजादी के गीतों की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विद्यार्थियों को कार्यक्रम की जानकारी प्रदान करते हुए तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया।

8- दिनांक 28.07.2022 को संग्रहालय भ्रमण के अन्तर्गत महात्मागांधी स्मारक इण्टर कालेज सुलतानपुर और टाइनीटाट्स पब्लिक स्कूल सुलतानपुर के विद्यार्थियों को भ्रमण के दौरान संग्रहालय में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ ही क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु जानकारी प्रदान करने के साथ हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया।

9- दिनांक 29.07.2022 को संग्रहालय भ्रमण के अन्तर्गत राजकीय इण्टर कालेज सुलतानपुर और महाराणा प्रताप महाविद्यालय सुलतानपुर के विद्यार्थियों को भ्रमण के दौरान संग्रहालय में प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ ही क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु जानकारी प्रदान करने के साथ हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया।

10- दिनांक 06.08.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को संग्रहालय के महत्व, कला एवं संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के क्रमिक विकाश पर प्रकाश डालते हुए हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया।

11- दिनांक 10 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अवसर पर आमजनमानस को तिरंगा वितरण करते हुए हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया।

12- दिनांक 11 अगस्त, 2022 से 17 अगस्त, 2022 तक स्वतन्त्रता सप्ताह के अन्तर्गत आजादी के वीर सपूतों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

13- दिनांक 13 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत सेल्फी विद तिरंगा कार्यक्रम के आयोजन के साथ-साथ आमजनमानस को तिरंगा वितरण करते हुए हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया।

14- दिनांक 14 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

15- दिनांक 15 अगस्त, 2022 को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजा रोहण करने के साथ ही गीत संगीत का कार्यक्रम कराया गया।

16- दिनांक 16 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

17- दिनांक 17 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विद्यार्थियों को संग्रहालय भ्रमण कराया गया।

18- दिनांक 17-09-2022 को सेवा पखवाडा के अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित तीन दिवसीय(17-09-2022से22-09-2022तक) छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रारम्भिक जीवन से लेकर वर्तमान तक उनके कठिन परिश्रम, अद्भुत साहस, कर्म के प्रति समर्पण, देश के प्रति प्रेम एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को छायाचित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है ।

19- दिनांक 22.09.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

20- दिनांक 22-09-2022 दिन गुरूवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 06 से 08 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

21- दिनांक 01-10-2022 को संग्रहालय द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर गांधी जी के जीवन दर्शन पर आधारित तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

22- दिनांक 02-10-2022 को गांधी जयंती के अवसर पर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

23- दिनांक 22.10.2022 से 31.10.2022 तक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।दिनांक 31.10.2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के चित्र पर जनसामान्य एवं विद्यार्थियों द्वारा माल्यार्पण किया गया।

24- दिनांक 18 नवम्बर,2022 को क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विद्यार्थियों को संग्रहालय भ्रमण भी कराया गया।

25- दिनांक 26.11.2022 को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान के संवैधानिक मूल्यों एवं मूल-भूत सिद्धान्तों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थियों को संग्रहालय भ्रमण भी कराया गया।

26- दिनांक 22.12.2022 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विद्यार्थियों को संग्रहालय का भ्रमण भी कराया गया।

27- दिनांक 24.12.2022 को राणाप्रताप पी0जी0 कालेज सुलतानपुर के लगभग 50 विद्यार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण किया और उन्हें कला, संस्कृति एवं संग्रहालय के महत्व तथा प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

28- दिनाकं 20 जनवरी 2023 को गंगा यमुना के महत्व विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के अतिरिक्त सात्वंना पुरस्कार भी प्रदान किया गया ।

29- दिनांक 24 जनवरी, 2023 को के0एन0आई0पी0एस0एस0सुलतानपुर के 55 विद्यार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण किया और उन्हें कला, संस्कृति और प्रदर्शित कलाकृतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

30- दिनांक 25 जनवरी, 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर आजादी के बीर सपूतों पर आधारित दो दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया जिसे विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया ।

31- दिनांक 26 जनवरी, 2023 को गणतन्त्र दिवस पर ध्वजारोहण, माल्यार्पण, राष्ट्रीय गान के साथ ही संकल्प लिया गया

जनपदीय संग्रहालय सुलतानपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में कराये जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण

क्र0सं0	तिथि	कार्यक्रम का विवरण
1-	14-04-2023	छायाचित्र प्रदर्शनी (डा0 भीमराम अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर)
2-	18 मई, 2023	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर सिक्कों पर व्याख्यान का आयोजन
3-	16 जून, 2023	निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन
4-	21 जुलाई, 2023	
5-	15 अगस्त 2023	
6-	22 सितम्बर, 2023	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन
7-	22 अक्टूबर, 2023	क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन
8-	18 नवम्बर, 2023	रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन
9-	21 दिसम्बर, 2023	चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन
10-	19 जनवरी, 2024	वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन
11-	22 फरवरी, 2024	छायाचित्र प्रदर्शनी

स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी

राष्ट्र की संस्कृति तथा महापुरूषों से जुड़ी स्मृतियों के संरक्षण के क्रम में उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के सम्मान में रामनगर, वाराणसी में स्थित उनके पैतृक आवास को अनुरक्षित करते हुए उसे ''लाल बहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय'' के रूप में विकसित किया गया है। यह संग्रहालय दो भागों में विभाजित है। प्रथम भाग जो शास्त्री जी का मूल भवन है, उसमें पांच पक्षकक्ष है। इन कक्षों में उनके जीवन से जुड़ी हुई स्मृतियों को सहेजते हुए उन्हें जीवन्त करने का प्रयास किया गया है। कक्ष सं0-1 में शास्त्री जी के सम्पर्णसम्पूर्ण जीवन को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। कक्ष सं0-2 में शास्त्री जी की बैठक, जिसमें वह आगन्तुकों से मुलाकात करते थे। कक्ष सं0-3 श्रीमती ललिता शास्त्री जी का कक्ष, जिसमें वह शास्त्री जी की मृत्यु के पश्चात् रहती थी। कक्ष सं0-4 में रसोई घर, जिसमें उनसे जुड़ी सामग्रियों को संयोजित किया गया है। कक्ष सं0-5 खपरैल से निर्मित शास्त्री जी का मूल भवन, जिसमें वह अपने विवाह के उपरान्त ललिता शास्त्री जी, बच्चों व माँ के साथ रहते थे, को मूलरूप को संरक्षित करते हुए उनकी जीवन शैली को संयोजित किया गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत शास्त्री जी सहित अन्य महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत संग्रहालय द्वारा जनसामान्य को अपने घरों पर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया गया।

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित कर संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।

कालका बिंदादीन महाराज की ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय, लखनऊ

कालका बिंदादीन महाराज की ड्योढ़ी को लखनऊ के कथक घराने का केन्द्र बिन्दु माना जाता है। यह ड्योढ़ी विश्व प्रसिद्ध कथक गुरू एवं नर्तक स्व0 पं0 बिरजू महाराज का पैतृक आवास है।

इस ड्योढ़ी को 1856 का माना जाता है। पंडित बिरजू महाराज के पूर्वज स्व0 ठाकुर प्रसाद, स्व0 दुर्गा प्रसाद और स्व0 मान सिंह कथक कला में निपुण थे। अवध के नवाब अमजद अली शाह ने इनकी कला से प्रभावित होकर यह ड्योढ़ी उनके निवास स्थान के रूप में दी थी। स्व0 दुर्गा प्रसाद के तीनों पुत्रों बिंदादीन महाराज (1830), कालका महाराज और भैरों प्रसाद ने कथक कला को आगे बढ़ाया। कालका महाराज के पुत्र अच्छन महाराज (1893-1947), लच्छू महाराज (1901-1977) और शंभू महाराज (1904-1970) ने इसमें अहम योगदान दिया है। स्व0 अच्छन महाराज के पुत्र स्व0 पं0 बिरजू महाराज थे। वर्तमान में स्व0 पं0 बिरजू महाराज के इसी पैत्क आवास में संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के अन्तर्गत कालका बिंदादीन महाराज की ड्योढ़ी कथक संग्रहालय संचालित है।

ड्योढ़ी में लखनऊ के कथक घराने का पूरा गौरवशाली इतिहास दर्शाया गया है। इस ड्योढ़ी में स्व0 पंडित बिरजू महाराज एवं उनके पूर्वजों की स्मृतियां रची-बसी हैं। आवास होने के कारण इस संग्रहालय में कथक से सम्बन्धित कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समुचित स्थान उपलब्ध नहीं है। ड्योढ़ी के कक्षों में सामग्रियां एवं वाद्य यंत्र आदि प्रदर्शित हैं। संग्रहालय द्वारा कथक से सम्बन्धित कार्यक्रमों यथा वर्कशाप, सेमिनार तथा कथक प्रस्तुतियों आदि का आयोजन किया गया।

—----------